

MINAPIT & MAPIFALLA

स॰ 38?

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1984(भावपद 31, 1986)

No. 381

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1984 (BHADRA 31, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कव में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate complication)

### नाम 🎞 ... जन्म 1

# [PART III—SECTION 1]

उक्त न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेचा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

तोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 अगस्त 1984

सं० ए० 31064/2/84-प्रशा०-III—राष्ट्रपति, संघलोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सिविल सेवा परीक्षा, 1980 के आधार पर निथुक्त परिवीक्षाधीन रूप से नियुक्त मिस्निलिखित अधिकारियों को अनुभाग अधिकारी ग्रेड सेवा के उसी संवर्ग में प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट तिथि से स्थायी रूप से सहर्ष नियक्त करते हैं

ऋम	अधिकार्भू । नाम	पुष्टिको तिथि
सं०		
<del></del>	برا <u>د دی برم برد ندی برد د</u> ندا <u>لا راید برم برم پرم برد ب</u> رد	
1. श्रीमर	ि करूपना नारायण (एस-44)	1-7-1984
2. %মি	इन्दरजीस सिन्दं (एस-70)	1-7-1984
3. श्री अ	ार० पो० सरींज (एस०-109)	2-7-1984

विनांक 23 अवस्त 1884

सं० ए० 12024/1/83 प्रसा०-I---र'ष्ट्रपति, श्री एच० के० नरुला, ग्राई० ओ० एफ० एस०, को संघ लोक सेवा श्रायोग में 13/8/84 से अगामी बवेशों तक उप सचिव के पद पर सहवं नियक्त करते हैं।

एम० पी • जैन जबर समिव (प्रका०) संघ लोक सेवा द्यायोग

नई विल्ली-110011 विनोक 25 अगस्त 1984

सं० ए० 19014/3/84-प्रशा०-I — केन्द्रीय सिविष्म सेवा ग्रुप क/भारतीय पुलिस सेवा में उनके भयन हो जाने के परिणामस्वरूप श्री आर० एस० घेरा, अवर सचिव को आयोग के कार्यालय से 25-8-1984 (अपराह्म) से कार्यभार मुक्त किया गया है।

एम० पो० जैन, अवर समिन संग्रांक सेवा आयोग

# केन्द्रोय सतर्कता आयोग नई दिस्लो, दिनांक 29 अगस्त 1984

सं० 2/8/83-प्रशासन-केन्द्रोय सतर्कता आयुक्त एतद-द्वारण इस आयोग के स्थायो निजी सहायक श्री महेन्द्र लाख जुनेजा को तदर्थ वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर द० 650-1040 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से दिनांक 6-8-84 से 1-10-84 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> ब्रह्मवस्त अवर सचिव कृते केन्द्रोय सतर्कता आयुत

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्लो, दिनांक 1984

सं० 1-16/84-सी० एफ० एस० एस० प्राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I श्री ए० के० गंगोली, (भूठ अभिज्ञापक खण्ड) को 22-8-1984 (पूर्वाह्र) से केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी (पी० एस० मी०) के पद पर तदर्थ आधार पर 6 माह्या पद के स्वायी रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

## विनांक 31 अगस्त 1984

सं० ए-19015/23/84-प्रणासन-5--निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिर क्षक, विशेष पुलिस स्थापना, हिमाधल प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारो, श्री जसबार सिंह, पुलिस उपाध क्षक, को दिनांक 21 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्र से अगले आदेश होने तक के लिये, केन्द्रिय अन्वेषण ब्यूरो में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस उपाध क्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारो (स्थापना) केन्द्राय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ल -110003, दिनांक 28 अगस्त 1984

सं० भ्रो० दो-271/69-स्था० (के० रि०पु० बल) — श्रा एस० के० मदान सहायक कमांडेट 37 बटा० के० रि० पु० बल ने सरकार: सेवा से स्वेच्छा निवृत्त होने के फलस्वरूप विनाक 24-8-84 से अपने पद का कार्यभार त्या वियाह है।

सं० भ्रो० दो० 1972/84-स्थापना—महानिवेशक, केन्द्र:य रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रिवन्द्रा नाथ को 30 जून, 1984 पूर्वाह्म मे केवल त न माह के लिये अथवा उस पद पर नियमिस नियुक्ति होने तक इनमें जो भ पहले हो उस तार ख तक केन्द्र:य रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### दिनांक 29 अगस्त 1984

सं० ग्रो० दो० 1462/80-स्थापना--श्री गुरमुख सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उप-अग्नीकफ, 13 वाहिमी, के० रि० पु० बल, किमुरा के पक का कार्यमार विनोक 31-7-1984 (अपराक्ष) को त्यान दिया।

सं० क्रो० दो॰ 1645/81-स्थापमा—राष्ट्रपति—श्रो मदन गोपाल सिंह, उप पुलिस अधिक्षक, के० रि० पु॰ बल के स्वेष्ट्य पूर्वक सेवा निवृत्त होने की मंजूरी के० रि० पु॰ बल के रूल 43(डी) के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

 श्रो भदन गोपाल सिंह ने अपने पद का कार्यभार 9 वाहिनों में 10-7-1984 (पूर्वास्त्र) को त्याग दिया।

सं० डी० एफ० 25/82-स्थापना—श्री डी० पो० मुखर्जी के आल इण्डिया रेडियो से प्रत्यावासन होने पर, 30 वाहिमी के० रि० पु० बल में दिनांक 12-8-1984 (पूर्वाह्म) को उप-पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया है।

> एम० पी० जखमोला सहायक निवेशक (स्थापना)

# पुलिस अनुसंधान एवं विकास स्यूरो नई विक्लो-110001, विनाक 29 अगस्त 1984

संव 18/2/81-प्रशाव-11--इस ब्यूरोकी विनाक 14-4-81 की अधिसूचना संव 17/13/83-प्रशाव-II के कम में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, में सम्पादक हिन्दी के पद पर की हरिहर प्रसाद दिवेदी की प्रतिनियुक्ति की अवधि दिनाक 9-6-1984 से पूर्व शर्ती पर 6 माह के लिये बढ़ाई जाती है।

> एस० के० मल्जिक महानिदेशक

# केन्द्रोय भौष्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्लो-110 003 दिनांक 28 अगस्त 1984

सं० ई-32015(3)/1/84-कार्मिक----राष्ट्रपति, श्री एन० सो० सूद को 16 जुलाई, 1984 के पूर्वास्त्र से पूर्णतमा तदर्थ आधार पर भौर 26-9-84 तक को अवधि के लिये अस्थाई तौर पर या ऐसो नियमित नियुक्तिया होने तक, जो भी पहले हो, ग्रुप कमांडेंट, के० भौ० सुक्ष बम्बई, के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(3)/3/84-कारि - राष्ट्रपति, श्री आर० सो० कालिया को 14 जुलाई, 984 के अपराह्न से, पूर्णतया तदथे आधार पर और 26-9-84 तक को अस्थाई अवधि के लिये या ऐसे। नियमित क्यिंक्शियों होने तक, जो भो पहले हो, कमांडेंट, के० श्रो॰ सु॰ विश्व सूमिट एम० एच० पी० एल० सलाल,के रूप में नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय महा निवेशक/कि०ग्री० सु० ब० विस मंत्रालय

# भाषिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनाक 22 अगस्त 1984

सं० 278/8/स्थापना — निम्न हस्ताक्षरी श्री ए० डी० सालुके, निरीक्षक नियम्बण, भा० प्र०मु० को स्थानापन्न रूप में उप नियम्बण अधिकारी भा० प्र०मु० के पद पर दिनांक 13-8-1984 से तबर्थ आझार पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 27 अगस्त 1984

सं० 253/क---अधिसूचना संख्या 49/क, दिनांक 29-1-1984 के कम में श्री के० के० पाठक की उप नियम्बण अधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय के रूप में तदर्व आधार पर नियुक्ति को दिनांक 10-4-1984 से अगले आदेश तक 6 माह की अवधि के लिये या उक्त पर्द नियमित आधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले/ हो बढ़ाया जाता है।

> पा० सू० शिवराम महा प्रवन्धक भारतः प्रतिभूति मुद्रणालय

# बैंक नोट मुद्रणालय

देबास, दिनांक 31 अगस्त 1984

सं० बी० एन० पी० सी० | 13 | 73 - श्री एन० आर० जयरामन के केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, मद्रास से वापिस लौटने पर बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में तकने की अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट) के रूप में विनाक 21-8-1984 (पूर्वाह्र) से कार्य प्रहण कर लिया

मु० वै० चार महा प्रवस्थक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्योलय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई विस्ली-110002, दिनांक 1 सितम्बर 1984

मना०-1/का० आ० संख्या 204 निवेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन लेखा परीक्षा अधिकारी श्री नेमीनाथ जिन, को 840-1200 रु० के समयमान में विनांक 1-8-1984 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> ह० शहरुनीय उप निवेशक, ले० प० (प्र०)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीका), कर्नाटक बेंगलूर्, दिनांक 26 जुलाई 1984 कार्यालय आदेश

सं प्रशासन/सेखा परीक्षा/1/84-85/325-महालेखाकार (सेखापरीक्षा) ने र्शिम्नलिखित तीन सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को, केवल स्थानापन्न लेखा पर क्षा अधिकारियों के रूप में आगामा आदेण तक, उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकृष प्रभाव डाले उनके कार्यभार ग्रहण करने कः तार ख से पदीन्तत किये हैं:—

#### सर्वेश्री:

- 1. बो० एस० विश्वनाथन
- 2. जी० राघवेन्द्रचार्य
- 3. आर० वेंकटनारायणन

# **वि**नांक 21 अगस्त 1984

#### कार्यालय आदेश

सं० मे० से० (से० प०) 1/प्रशासन-1/ए 1/84-85-258—
महालेखाकार (लेखापरोक्षा) I ने निम्नलिखित दो अनुभाग
अधिकारियों (लेखा पराक्षा) को केवल स्थानापन्न सहायक
लेखापरीक्षा, अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश तक, उनके
बरिष्ठों की बिना प्रतिकृल प्रभाव डाले उनके कार्यभार
प्रहिण करने की तारीख से प्रयोग्नत किये हैं। :—

#### सर्वे भी:

- 1. एस० शिवप्रसाद
- 2. पी० बी० श्रीनिषास शास्त्री

(श्रीमती) उ० शंकर उप महालेखाकार (प्रशासन)

# रक्षा मंत्रालय ग्राडेंनेन्स फैंक्टरी बोर्ड

भारतीय मार्डनेन्स फैक्टरियां स्कूल सेवा कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1984

सं 1/83/स्कूल — डीजीओएफ/चेयरमैन महोदय, निम्न-लिखित शिक्षक को उप-प्राधानाचार्य, भ्रो०एफ० म्नाई०सी० (वर्ग-II राजपन्नित) के पद पर दिनांक 17 मई, 1983 से वर्तमान् रिक्ति में प्रोक्षत करते हैं:---

नाम	सै	पर कैंफि	यत
श्री पी०एन०राय	भाषेतर शिक्षक, हायर सेकेन्ड्री, स्रो०एफ० सी०	उप-प्राधाना- वर्तमाः चार्य रिक्ति म्रो०एफ० में म्राई०सी० (मुप "बी" राजपत्रित)	न

श्री राय ने तारीख 17-5-83 से उप-प्रधानाचार्य पद की उच्च कार्यभार ग्रहण किया।

#### विमांक 28 ग्रगस्त 1984

सं० 16/84/ए/ई-1(एन०जी०) I—डी०जी०मो०एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में बरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक के नामों के सामने दशाई गई तारीख से पदों पर पदोन्नत करते हैं:---

- 1. श्री प्रिति कुमार स्पानापन्न दिनांक 17-8-दत्ता, स्वानापन्न 84 से घागामी सहायक स्टाफ सहायक ग्रधिकारी श्रादेश होने तक 2. श्री विरेन्द्र नाथ स्थानापंत्र विनौक 17-8-84 सहायक स्टाफ से भागामी भावेश वास स्थानापन्न सहायक ग्रधिकारी होने तक।
- उक्त पदोश्रिवयां में माननीय कलकत्ता उच्च स्थाया-सय में दाखिल की गई भ्रपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा।
- उन्होंने दिनांक 17-8-84 से सहायक स्टाफ मधिकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार संभाल लिया है।

श्री०मार० प्रय्यर उप मञ्जानिदेशक भ्रा०फै०/कार्मिक कृते महानिदेशक भ्रायुध निर्माणियां

## कलकत्ता, दिनांक 24 घगस्त 1984

सं 02/84/ए/एम---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित बरिष्ठ विकित्सा ग्रीक्षकारी को ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां, स्वास्थ्य सेवा में प्रधान विकित्सा ग्रीक्षकारी के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:---

क० नाम सं०	तैनाती स्थान	विनांक
<ol> <li>डॉ॰ एस॰के॰</li></ol>	धालु एवं इस्पात	5-5-84
भट्टापार्या	फैक्टरी, इशापुर	(पूर्वाह्र)
2. डॉ॰ (मिस) जे॰	घाडंनेस्स फैक्टरी,	19-4-84
भार॰ वास्त्रा	खामरिया	(पूर्वाह्र)
3. डॉ० पी०जी०	एमुनिसन फैक्टरी,	1 6- 4- 8 4
सरकार	खडकी	(पूर्वाह्र)
4. डॉ॰ एस॰के॰	क्लोथिंग फैक्टरी,	3-7-84
मजुमवार	शाहजहांनपुर	(पूर्वाह्र)
5. डॉ॰ एम॰जी॰ चक्रवर्ती	तोप एवं गोला फैक्टरी काशीपुर	15-3-84 (पूर्वाह्र)

सं० 02/84/ए/एम— राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा प्रधिकारियों को प्रार्डनेन्स फैक्टरीयां स्वास्थ्य सेवा में वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारियों के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

ऋ०सं० नाम	तैनाती स्थान	दिनांक
1. डॉ॰ ए॰के॰	म्रार्डनेन्स फैक्टरी	28 <del>,</del> 1-84
मुखर्जी	दम-दम	(पूर्वाह्र)
2. डॉ॰ एस॰म्रार॰	भार्डनेन्स फैक्टरी	21-5-84
गांगूसी	चौदा	(पूर्वाह्र)
3. डॉ॰ (मिस) पी॰	भ्रार्डनेन्स फैक्टरी	28-3-84
भाट्टिया	श्रम्बरनाथ	(पूर्षाह्र)
4. डॉ० म्रार०डी०	श्रार्डनेन्स फ <del>ैंप</del> टरी	6-4-84
नारावाने	भूसवाल	(पूर्याह्र)
5. डॉ∙ एस०पी०राय	ब्राई०इक्युप०फैक्टरी	25-7-84
चौधरी	कानपुर	(पूर्वाह्र)

भार० के० चेल्लम एडिशनल डी०जी०ग्रो०एफ०/सदस्य(कार्मिक)

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1984 भायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

## (स्थापना)

सं० 6/1495/प्रशासन (रिजि०)/6576 — सेवा निवृत्ति की प्राय, होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री यू० राष्ट्रिंग, नियंत्रक, प्रायात-निर्यात 31 जुलाई, 1984 के धोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

# दिनांक 28 भगस्त 1984

सं० 6/1320/80-प्रशासन (र्ह्ज०)/16635 — सेवा निवृत्ति की भायु होने पर, श्री ग्रगर०जे० टंगारे, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्याक्षय बम्बई में स्थानापन्न नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात 29-2-84 के ग्रपराह से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एम० एल० जयन्त उप मुख्य नियंत्रकें, भ्रायात एवं नियंति कृते मुख्य नियंत्रक आयात एवं नियंति

# उद्योग मंत्रालय भौद्योगिक विकास विभाग विकास ब्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 3 ब्रगस्त/1984

सं 12(162)/61-प्रशा (राज ) खण्ड-2-राष्ट्रपति, विकास ग्रायुक्त (लयु उद्योग) के कृत्रयालय, नई दिल्ली के निदेशक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) श्री के०सी० भाषुर को दिनांक 1-7-1984 (पूर्वाह) से, ग्रगले ग्रादेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 12(238)61-प्रकार (राज०)--राष्ट्रपति, विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई विल्ली के निवेशक, ग्रेड-2 (यांतिकी) श्री डी॰एस॰ चौहान को दिनांक 4-7-1984 (पूर्वाह्र) से 6 महीने की भ्रवधि के लिए, तदर्थ भ्राधार पर इसी कार्यालय में निवेशक, ग्रेड-1 (यांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

संव 12(338)/61-प्रशाव (राजव) खण्ड-3--राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, प्रहमदाबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) श्री एच०एम० मेहता को दिनांक 1-3-1984 (पूर्वाह) से, श्रगले शादेशों तक, उसी संस्थान में, उप निदेशक (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए—19018(698)/83-प्रशासन (राज०)—— राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई विल्ली के सहायक निवेशक, ग्रेड—II (श्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 16 जून, 1984 (पूर्वाह्र) से, श्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड—I (श्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 31 ग्रगस्त 1984

सं० ए-19018/741/84-प्रशा० (राज०)---राष्ट्र-पति, तिरूनेलवेली, तिमलनाडु सरकार के श्री निर्मल सिंह हीरा, भा०प्र०से० (तिमलनाडु: 1970) को विनांक 31 ग्रगस्त, 1984 (पूर्वाह्र) से, ग्रगले घादेशों तक, विकास भागुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में संगुक्त विकास ग्रामुक्त के रूप में ज्युक्त करते हैं।

> एस०के० पुरकायस्थ उपनिवेशक (प्रशासन)

## भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता, दिनाँक 23 घगरत 1984

सं० 4-104/84/स्कापना — भारतीय भानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री पी० पी० माहती, अनुसंघान सहायक (सांस्कृतिक) को 30 जुलाई 1984 पूर्वाह से अगला आदेश तक इस सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र, मैसूर में सह मानव-विज्ञानी (सांस्कृतिक) (ग्रुप-बी राजपहित्त) वेतनमान 650-1200 पद पर नियुक्ति हुई ह ।

सं० 4-203/84/स्थापना —भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री घार०की० सप्तर्षि कार्यालय घष्टीक्षक की 27 जुलाई, 1984 पूर्वाह्र 'से अगला घावेश तक इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र उद्धपुर में कनिष्ठ प्रशासनिक प्रधिकारी (ग्रुप-की राजपितत) वेतनमान-650-1200 पद पर नियुक्ति हई है।

> भन्नोक कुमार दास गुप्ता प्रशासनिक मधिकारी

# श्राकाशवाणी महानिवेशालय नई विल्ली, दिनांक 7 श्रगस्त 1984 शुद्धि-पत्न

सं० 4(2)/81-एस-एक---इस निदेशालय की ग्राधि-सूचना संख्या 4(2)/81-एक---दिनोक 1-3-1984 के संदर्भ में, जो कि ग्राकाशवाणी तथा दूरदर्शन में कार्यक्रम निष्पादकों को स्थाई करने के बारे में था।

2. ऋम संख्या 131-ए, 308, 378, 386 के सामने जो शब्द दिए गए है उनके स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे आएं।

<b>ऋम</b> सं०	1 मार्च 1984 की ग्राधिसूचना में कम०सं०	नाम	वर्तमान पद तथा पिछली तैनाती का स्थान
(1)	131 ए	भी एल <b>ंबी</b> • शास्त्री	कार्यक्रम निष्पादक, माक्राम्याणी, महमदाबाद ।
(2)	308	श्री योगेन्द्र वर्मा	कार्यक्रम निष्पादक, भाकाशवाणी, सम्बन्ध ।
(3)	378	श्री एस०पी० सक्सेना	कार्यकम निष्पादक, माकाव्यवाणी, रायपुर ।
(4).	386	श्री हुग्रन तलंगलुजा	कार्यक्रम निष्पादक, प्राकाशवाणी, ऐजल ।

#### दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

सं० 4(15)/84-एस-एक-सहानिदेशक श्राकाशवाणी एसव्दारा श्री ग्रनवर ग्रहमद खांम को ग्राकाशवाणी, ग्रीरंग-बाद में 23 जुलाई, 1984 से ग्रावे श्रावेशों सक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रूपये के बेतनमान में ग्रस्थाई रूप से कार्यक्रम निष्पा-दक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

# सूचना घीर प्रसारण मन्त्रासय विज्ञापन घीर दृश्य प्रचार निदेशासय नई दिल्ली, दिनांक 23 घगस्त 1984

सं० ए०-12011/6/82-प्र० (प्र०)—विज्ञापन धौर वृष्य प्रचार निवेशक श्री एस०के० चटोपाध्याम, प्रवर्शनी सहायक कलकता को एजवल (मिजोरम) में 14-6-84 के अपराह ते तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप में इस निदेशालय में प्रवर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी०पी० मट्टी

जिल्पानिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक

# कृषि मंत्रालय (कृषि एवं संहकारिता विभाग) विस्तार निवेशालय

मंद्र विल्ली, दिनोक 13 जुन 1984

सं० 2-1/79-स्थापना (1)--विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-वी) (राजपतित) की सिफारिश पर श्री एच० पी० एस० पतंगा, उप सम्पादक (पंजांबी) की सहायक सम्पादक (अंग्रेजी), ग्रुप बी (राजपतित) के पद पर प्रस्थाई रूप से 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रूपये के विस्तामान में विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, (कृषि एवं तहकारिता विभाग) में दिनांक 26 मई, 1984 भपराह से पंजांकत किया गया।

भ्रार० जी० बनर्जी निदेशक प्रशासन

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फेरीवाबाद, विनांक 23 ग्रगस्त 1984

सं० ए० 19024/2/84-प्र०III — विभागीय पदोक्रित समिति (वर्गे "वं") की संस्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री आर० रवीग्वनाथ वरिष्ठ रसायनंत्र की 23-7-84 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में नियमित आधार पर स्थानापक्ष कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर पदोक्रित की गई है।

जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन

# परमाणु संभा विभाग भंग भीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, विनोंक 24 प्रगंस्त 1984

सं० डी०पी०एस०/2/1(11)/83-प्रशा०/22753 — परमाणु अर्जा विभाग के कय और मंडार निरेशालय के निवेशक ने भंडारी श्री के॰एल॰ नागोरी को इसी निवेशालय में दिनांक 23 जुलाई 1984 (श्रपराह्र) से अगले आदेश होने तक रूपमें 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के रूप में तक्यें आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

#### दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

सं० डी॰पी॰एस॰/के॰-44/स्था॰/22869---निवर्तन की झामु प्राप्त होने के फलस्वरूप, इस निदेशालय के सहायक क्य अधिकारी श्री ई॰वाई॰ कलीमुद्दीन, तारीख 31-3-1984 (अपराह्र) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गऐ हैं।

पी० गोपालन प्रशासन ग्रधिकारी

# नाभिकीय इँधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनौंक 22 अगस्त 1984

मं० का० प्र०भ०/0704/2038 — इस कार्यालय की प्रिम्नियना सं० का० प्र०भ०/0704/1858 विनांक 20-7-1984 के कम में सहायक लेखाकार श्री चु०रा० प्रभाकरन की रा० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-960 के वेतन मान में तवर्थ प्राधार पर सहायक लेखा प्रधिकारी के रूप में नियुक्ति को वि० 22-9-1984 पर्यंत या ग्रागामी भाषेगों पर्यंत, जो भी पूर्व घटित हो, ग्रागे बढ़ाया जाता है।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

# तारापुर परमाणु बिजलोधर टी॰ए॰पी॰पी॰, 28 अगस्त 1984

सं० ता०प० सि० म/1/22(1 76-आर० — मुख्य अधी-सक, तारापुर परमाणु सिजलो परमाणु ऊर्जा विभाग स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'एँ भी स्थानापन्न वैज्ञानिक सहा-यक 'न' श्री इ०एन० अय्यर को तवर्थ आधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 13 अगस्त, 1984 की पूर्वाह्न से 29 सितम्बर, 1984 के अपराह्म तक के लिए स्थानापन्न तौर पर प्रबन्धक (जितिथि निवास) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> हो० बी० मरकले प्रशासनिक अधिकारी-III

# अन्तरिक विभूतग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगसूर-560017, दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० 020/1(3)/84-स्थापना---ध्रसरो उपग्रह केंद्र के निदेशक, मंतरिक्ष निभाग के इसरो उपग्रह केंद्र, बेंगलूर के

श्री राज मोहन पनिडवाल, वैज्ञानिक/अभियंता—"एस०"बी०" से प्राप्त त्याग पत्र को दिनोक 8 अगस्त, 1984 पूर्वीह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासनिक अधिकारी—II

पर्यटम श्रीर नागर बिमानन मंद्रालय (भारत मौसम विज्ञाम विभाग) नई दिल्ली, विमांक 30 अगस्त 1984

सं० ए०-12039/2/83-स्था-1---राष्ट्रपति निम्नलिखित को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानो श्रेणी-2 के पद पर उनके नामों के सामने वर्शाए गए विनाक पूर्वीहम से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न छप से नियुक्त करते हैं:---

- 1. थी आर०के० कनकने---2-4-1984
- 2. श्री आरoएच० वालदे--27-1-1984
- 3. श्री कृष्ण अल्डा---27-1-1984

एस॰के॰ दास, मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1984

सं०ए०-38013/1/84-ई०ए०——क्षेत्रीय निवेशक, कल-कता के कार्यालय के श्री वी०के० रंगन, उपनिवेशक निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1984 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जी० की० लाल सहायक निवेशक प्रशासन

## नई विल्ली, विज्ञांक 27 अगस्त 1984

सं० ए०-32013/181-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 30 अप्रैल, 198 28 जून, 1983 की अधिसूचना सं०ए०-32013/10/82-ई०सी० तथा 5 जुलाई, 1983, 21 अप्रैल, 1984 की अधिसूचना सं० ए०-32013/2/81-ई०सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तक्किनीकी अधिकारियों की नांगर विमानन विभाग में तक्किनीकी अधिकारियों के पद पर दो, गई तदर्थ निमुक्तियों की दिनांक 30-6-84 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है :—

## क्रम संख्यावनाम

#### सर्वश्री

- 1. सी०एन० महादेव
- 2. एस०के० भट्टाचार्य
- 3. आई०एम० क्रुल्णन
- 4. एम०के० चट्यू

- जी०एस० कोचीकर
- 6. सी॰पी॰ राव
- 7. सी॰एल॰ जैन
- 8. ए०के० सक्सेना
- 9. रंजीत गोंसी
- 10. ए०एस० पाल
- 11. एष०एल० अरोरा
- 12. सी०के० सोबती
- 13. बी०कै० रस्तोगी
- 14. जे॰एस॰ सरीन
- 15. एन०एन० निम्बयार
- 16. बी॰एस॰ खुराना
- 17. सी० वेंकटचेलम
- 18. आर०एस० सोखे
- 19. एम०के० कुष्णन
- 20. कुलवन्त सिंह
- 21. एम०बी० सुबहमण्यन्
- 22. केशी नाय
- 23. जी॰एस॰ वर्मा
- 24. एस०के० सेठ
- 25 जसर्वत सिंह
- 26. घो०पी० जुनेजा
- 27. के श्ली॰ शर्मा
- 28. बी॰के॰ पुरी
- 29. एच०एम० प्रभाकर
- 30. पी०के० ढींगरा
- 31. डी० पिष्मती
- 32. एच०एल० चावला
- 33. की०चें∙ मेहता
- 34, एस भी भीवास्तवः
- 35. मो*०*पी० बत्तरा
- 36. एस॰पी॰ चौधरी
- 37. ईम्बर वयाल
- 38. ए० महालिंगेम्बर
- 39. एफ॰एस॰ भाटिया
- 40. आर॰एच॰ मुकुन्य
- 41. बी०के० मुखर्जी
- 42. जोगिन्दर सिंह मान
- 43. पी॰एस॰ दलवी
- 44. सुरिन्दरजीत सिंह कंग
- 45. टी॰के॰ वास गुप्ता
- 46. अगर० जयरासन
- 47. के•एस० मुखर्जी
- 48. एम० सिवा सुत्रहमण्यम
- 49. के॰टो॰ जॉन
- 50. बी॰जी॰ जोशी
- 51. एस०आर०डी० वर्मन

#### का० सं०व नाम

- 52. जे॰एस॰ नरूला
- 53. के अ अ ए ० के ० शर्मा
- 54. एन०एस० सा
- 55. ए० रामवास
- 56. एस०पी० शर्मा
- 57. आई०एस० वेदी
- 58. ए०एन० प्रारके
- 59. पी०एल० बजाज
- 60. जी० एल० अकोलकर
- 61. डी॰ कुष्णामूर्ति
- 62. के ब्लेट इचूपूनानी
- 63. बो॰एम॰ कट्टरमल
- 64. एस०के० विश्वास
- 65. के०एस० नेगी
- 66. मो०पी० पडढा
- 67. जोगिन्दर सिंह
- 68. एम०के० संधाया
- 69. बाय०सी० पुनीथा
- 70. ए०एस० गिल
- 71. पी०एम० मणि
- 72. टी॰एस॰ जौली
- 73. बी॰एस॰ भौंसले
- 74. डी॰ सेलवाराज
- 75. बी०एच० रंगाराव
- 76. बी०सी० राय
- 77. हरनेक सिंह
- 78. टी॰एन॰जे॰ नम्बियार
- 79. आत्माराम (केवल 31 जनवरी 1984 तक)

उपरोक्त अधिकारी इस तबर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकवार नहीं होंगे तथा न ही तबर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए ग्रीर न ही अगले उच्चतर ग्रेड में प्रवोन्नति की पान्नता के लिए गिनी आएगी।

> ग्रो० पी० अग्रवास सहायक निवेशक प्रशासन

# समाहत्तीलय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक भूवनेश्वर, दिनोक 10 अगस्त 1984

सं० 5/84 — समाहर्सालय केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुस्क, भुवनेश्वर के निम्नलिखित निरीक्षक (वरिष्ठ श्रेणी)
केन्द्रीय उत्पाद के अधीक्षक समूह "बी" की श्रेणी वेतनमान
650-30-740-35-810- ई०बी०-35-880-40-1000 ई०
बी०-40-1200 रुपये के अलावे समय-समय से स्वीकार्य
सामान्य भरों में कार्य करने के लिये प्रत्येक को लिखी
तारीख से पदोन्नस किये गये हैं।

क्र०सं० अधिकारो का नाम कार्यग्रहण की तारीख

- 1. श्रो दशरयो प्रधान---12-6-84 (पूर्वाह्म)
- 2. श्रा लक्ष्मोधर मित्र--18-6-84 (पूर्वाह्र)
- 3. श्रो बी०एम० उपाध्याय--27-6-84 (पूर्वाह्म)

उपसमाहर्क्ता (का० एवं० स्था०) केन्द्रोय उत्पाद एवं सोमाशुस्क भृवनेश्वर ।

# नीवहृत भीर परिवहन मंत्रालय अन्सर्वेषोय जल परिवहन निदेशालय

नई दिल्लो-110001, दिनांक 25 अगस्त 1984

सं० 8-आई०डब्स्यू०टो० (12)/82-सी० एण्ड ई० — राष्ट्रपति, नौबहन भौर परिवहन मंत्रालय के श्रंतर्देशीय जल परिवहन निदेशालय, नई दिस्लो के मुख्यालय में श्रो सुभाकर वण्डापत को अगले आदेशों तक 1 अगस्त, 1984 के पूर्वाह से सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" में 1100-50-1600 ए० के वेतनमान में उप-निदेशक (नौ वास्तुकार) के पर पर नियुक्त करते हैं। इनका प्रारम्भिक मूल वेतन 1100 कु० प्रति मास. नियत किया जाता है।

डा०<mark>डा० सूद</mark> अवर संचिव

# विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ब

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कायीक्य

कम्पनी अधिनियम 1956—दी सिरकारस लक्ष्मी मिल स्टींस कम्पना प्राईवेट लिमिटेड के विसय में

हैदराबाद, दिनांक 22 बगस्त 1984

सं० 75/टी ०ए० III/56 कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधार (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दें। जातो कि इस तारीख से तोन माह के अवसान पर दो सिरकार्स लक्ष्मी मिल स्टॉस कम्पनो प्राईवेट लिमोटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनो विषटित कर दो जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंडस्ट्रोयल आटोमो-बायल मैन्फेन्चरर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैवराबाद, दिनांक 22 अगस्त 1984

सं० 2108/टो०ए०-3/560 -- सम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसर्ण के एतद्वारा सूचना दी जातो है कि इंडस्ट्रीयल आटोमोबायल मैन्यूफैक्चर्स प्राईनेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है यौर उक्त कम्पना विघटित हो गई है।

> कम्पनो अधिनियम 1956 ष्यामराज टबाको इक्सपोरटर्स प्राईबेट लिगिटेड के विषय में। हैदराबाद, दिनांक 22 अगरू 1984

स० 1325/टा०ए०-3/560 — कम्पना अधिनियम का धारा 560 का (5) के अनुसरण के एनद्द्वारा सूचना दो जातो है कि प्यामराज ट्वाको एक्सपोरटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

वि०यस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय, आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 28 अगस्त 1984 (आयकर विभाग)

सं० स्थापना/अधिसूचना/में०नं० 22(ए)/65-4 — श्रो गिरधारी लाल (अनु० जाति) आयकर निराक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के पद पर आफिस्येट करने के लिये ६० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने 17-8-84 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, पिथौरागढ़ के रूप में कार्य-भार मंभाला।

धरनो धर आयक्षर अध्युक्त

कोचेत-682016, दिनांक 10 अगस्त 1984 आदेश

विषय : स्थापना–आय≜र अधिकारी ग्रप-'ख' के रूप में पदोक्षति ।

सी०सं०2/प्रणा०/कोण/४४--४5---श्रा आग्० गोपाल-कृष्णन, आयकर निरोक्षक 🚺 २० ६५०-1200 के वेलनमान में जायकर अधिकारों, सूप बिंट के पद पर स्थानभाश रूप से कार्य करने के लिए दिनांक 13-8-1984 अथवा उनके द्वारा कार्यभार संभाव लेने का नाराख में जो भें। बाद हो, पर्वाश्वत किया जाता है।

बहु दो वर्ष की अवधि तक परिकोक्षाधीन होगा।

3. उपर्यवत पदाञ्चित अनिन्तम तथा किमो सूचना के बिना समाप्त करने लायल है। यह पदोन्नित, पदोन्नत अधि-कारी को पदोन्नत ग्रेड में अपना बरोयता या उस पद में जारी रखने का कोई अधिकार नहीं प्रदान करनी है।

> एम० जे० मात्तन कोचे(न आयकर आयक्त

कार्यालय, निराक्षा सहायक आयकर आयक्त अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 अगस्त 1984

शुद्धि पन्न

सं० 352-ए० पे(० सं० 5539 दिनांक 4-8-1984 के बारे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) के धारा 269-घ (1) के अधोन नोटिस, जो कि इस कार्यालय द्वारा प्रस्तुत पत्न सं० वैच-12/83/2222 दिनांक 9-8-1984 के साथ संलग्न सूचों के क्रम सं० 11 पर विणित था, को निम्नलिखित अनुसार पढ़ा जाए:—

"ए० पी० मं० 5539 दिनांक 4-8-1984 की बजाय दिनांक 7-8-1984"

यह नोटिस श्रीमतो जमुना देवी तथा गान्ति देवी पुत्री श्री मोहना राम, निवासी बांदी के जीव एव श्री रामजी दास पुत्र श्री मोहना राम (अन्तरक) तथा श्री लखा सिंह ग्रीर प्यारा सिंह पुत्र श्री जलीर सिंह सामने एनव एफव एलव सिवियां मार्ग बठिंडा (अन्तरिती) के केस में सब रजिस्ट्राण बठिंडा द्वारा दिसम्बर, 1983 में पंजीकृत आरव डांव संव 3922 के बारे में है।

> जे० एल० गिरधर निरार्काः, सहायक आयक्षर आयुक्तः, अर्जन रेज, जालन्धरः

#### प्रकृष बाह्र टी. एम. एस. ------

(1) स्प्यी (पार्क) प्रोपर्तींज, ग्रा० लि० (ग्रन्तरक)

म्प्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

(2) मास्टर श्रार टेन्डन

(ग्रन्म(रक्षी)

#### भारत प्रकार

कार्यांच्य, महायक कार्यकर कार्यकर (निरीक्षण) प्रार्थन रेज-र्रा कलकता

कलकता, दिनांच 11 ग्रगस्त 1981

निदेण मं० डी० घार० 48/84-85 एस० नं० 911--धनः मुझे, एस० के० चौधुरी

माधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ब्राधिकारी को, यह विदयास करने का कारण है कि स्थादर भम्मतिन, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 75 सि० है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्त में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार ए कलकता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्सरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रति-फल निम्नलिचित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप भे कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के ज्ञारक की दायित्व मों कमी करने या उससे वजने में सुविधा के बिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पेक्ष के निए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---- को यह तुमना धारी करके प्रान्तित संम्पृतित के वर्षम के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण:---इसमं प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क मं तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम म दिया गया है।

#### भगसूची

75 सि पार्क स्ट्रीट, जलकता में भ्रब स्थित सम्पति जो डीड नं∘ I-13551 के ग्रनुसार 30-12-1983 तारीख को भार ए कलकता दपतर में अस्टर्ड धुग्रा।

> ण्० सी० चौद्युरी सक्षम प्राधिकारी महायक काकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकता-16

तारीख : 14-8-1984

प्ररूपः नाइः, दीः एतः एस्, - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 ग्रगस्त 1984 निदंश न ० ए० पी० नं० 5536—म्प्रत. मुझे, जे एल० रधर,

आगम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा श्रमुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्रयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल हा यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायिरण में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1)श्री मदन सिंह पुत्र श्री बोधी सिंह, गांव कोटशमीर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धोरसिह, ग्रजमेर सिंह, श्रलवेल सिंह संपुत्न जागर सिंह ; सुखदेव सिंह; बलदेव सिंह संपुत्न निरंजन सिंह गांव कोटशमीर जिला व तह: भटिण्डा।

(श्रन्त(रता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित क कर्षन के सम्बन्ध मा कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की गर्याम, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहरताकरा क पास निस्तित में किए जा सकेगे।

स्यष्टिकिरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ममृत्यी

अयोक्त तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 3875 दिनाक दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, जालन्धर

नागीख : 7-8-1984

मोहर्ड 🖪

(1)श्री राजेश कुमार खन्ना। प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(भ्रन्तरक)

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निदेश सं ० जी ० ग्रार० ग्राई० सं० 4-8 ए क्यू--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से ब्राधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट खसरा नं० 21 है तथा जो सिहोरा गोबिन्द, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिशिकारों के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-12-1983 की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको परयमान प्रतिफल सं, एसे परयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिजी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--~

- (क) अन्तरण संहुई फिसी आय की बाबत, **अभिनियम को अधीन कार धाने को** अन्तरक को दारित्स में कभी करने था एक संग्रमाने भें स्थिता के किस् नीर/ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपपारा (1) ब्दं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(2) 1. श्री योगेम्बर नाथ 2. श्री विश्वानाथ ।

(म्रन्तरिती)

कांग्रह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविभ वृद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अथिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा भकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

प्लाट खसरा नं० 21, पैमाईसी 1152 वर्ग गज स्थित सिहोरा∹गोबिन्द ,मुरादाबाद, जिसका पजीकरण सब~ रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 27-13-1983 को किया जा चुका है (37 जी फार्म के ग्रन्सार) ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लखनऊ

ताशीख : 8-8-1984

शक्य बाह् . हो . एम . एस . ------

# नावकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) की मधीन सूचना

#### RISO HIGHE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

निदंश सं० जी० श्राई० श्रार० सं०यु-34 ए० क्यू० अतः मुक्के, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अगेर जिसकी सं० एक किता मकान है तथा जो बहराइन में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुमूची में और पूर्ण एप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकांशी के कार्यालय,बहराइच में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधर के लिए-बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अह, उजत अपिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनित्त की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्षि यक्तियों अर्थात् ः--

- (1) 1. श्री स्नाफताब श्रहमद
  - 2. श्री इसवाल ग्रहमद
  - श्री मो० ग्रहमद
     (द्वारा ग्रटानी श्री धकबाल ग्रहमद)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उमेण चन्द मिला

(ग्रन्त(रतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामी स से 30 दिन की अव्धि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया हैं।

#### **अ**भ्रुस्**मी**

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 9862 वर्गफुट है, फ्रीर जैसा कि फार्म 37 जी० व सेलडीड में वणित है, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी बहराइच के कार्यालय में दिनांक 22-12-1983 को किया जा चुका है। (37-जी० फार्म सं० 6681 के ग्रनुसार)

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रैंज, लखनऊ

तारीख: 14-8-1984

## प्रक्ष बाइ .टी.एन.एस. ------

# भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अगस्त 1984

मिदेश सं० जी० आ२० आई० सं० टी०-39 ए० क्यू० अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भुमि है तथा जो ग्राम डोहरापर तहः बिजला बरेली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते वह विद्याम करने का कारण है कि मधाप्नींका संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से एसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्नितिश्वित उद्युद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय टा फिसी घन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मेवाराम द्वारा अटानी श्री निष्चय बादवा।

(अन्तरक)

(2) तुल्सो नगर सहकारी आवास समिति लि०, ब्राग सचिव श्री हुकुम सिंह।

(अन्तरिती)

(3) विकेतणः

(3) (वह व्यक्ति जसके ग्रधिभाग सम्पत्ति है)

का यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आरे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्त्रची

भूमि स्थित ग्राम डोहरा परगना व तहसील जिला-बरेली, . जिसका पंजोकरण रिजम्होकर्ता अधिकारो बरेकी के कार्याक्षय में दिनांक दिसम्बर 1983 को किया जा चुका है। (फार्म जी-37 के अनुसार)

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-8-1984 मोहर :

## प्ररूप बाह् . टी . एन . एस . --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवनः

#### भारत सरकार

कार्भांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आए० सं० एस०-320/ए० क्यू०--अतः मृझे, ए० प्रसाद आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार पृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० आराजी नं० बी०-36 है तथा जो गांधी नगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे अणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनिसम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 5-12-1983 को पूर्वोन्स मंगलि के उजिन बाजार मूस्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोज्य संपत्ति का उचिन बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकार से प्रविक्त है और प्रकारक (प्रनिरक्तों) भीर प्रकारिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे चन्तरण के लिए नए पाया गया प्रांत-क्या निम्नलिखिल उद्देश्य में उन्तर प्रनरण के लिए नए पाया गया प्रांत-क्या निम्नलिखिल उद्देश्य में उन्तर प्रांतरण निम्नलिखित उद्देश्य में उन्तर प्रांतरण निम्मलिखित उद्देश्य में उन्तर प्रांतरण निम्मलिखित उद्देश्य में उन्तर प्रांतरण निम्मलिखित प्रांतरण निम्मलिखित उद्देश्य में उन्तर प्रांतरण निम्मलिखित स्वांतरिक क्या प्रांतरण निम्मलिखित स्वांतरिक स्वां

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का वावत, उन्त भ्रष्ठिनयम के भ्रष्ठीन सर दन के भ्रस्तुतक क दायित्व म कमी करने या उसने यचने । नुविधा के जिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिश्वित्यम, या छन्य कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था. छिपत में एजिद्या ने निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--- (1) 1 श्रं विनोत किसोर जैन2 श्रोमर्त मधु जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्रं। मत्रीण चन्दा

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**बक्स** सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं बंध 45 दिन की अवधि या तत्सनंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं क्या व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धतीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया ही।

#### अनुसुची

आराजी प्लाट नं० बी०~56, पौमाईसी 267.377 वर्ग-मीटर स्थित गाधी नगर मरादाबाद जिसका सब-रिज-स्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 5-12-1983 को किया जा चुका है। (फार्म-37जी मं० 6829 के अनुसार)

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्घन रेंज, लखनक

नारी**ख** : 8-8-1984

## प्रकल कार्ड . डी. एस. मृत्र.----

नायकर अधिनियम, 1961 (196: का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

#### अस्ति सरकार

कार्याजय, महायक भारतकर जागक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज. लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आ४० सं० एस०-321/ए०-न्यू०-अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत विभिन्नम' कहा गया हैं) की भाच 269-च के बचीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्मायर संपीत्त् जिसका उचित बाबार यूस्व 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 230 (दुकान) है तथा जो उचा मंडी इलाहाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि—कारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-12-1983 को पूर्णेक्त संपर्ति के उचित नाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्स, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्स, प्रतिकत से अधिक है और बंतरका अपित का प्रतिक्त का पन्स, प्रतिकत से अधिक है और बंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिवित उव्देश्य से उक्त बन्तरण विधित में वास्त-विद्या कर से किथित नहीं किया क्या है उन्न

- (का) जन्त्रच हे हुइ किसी बाय की बाबस उपत बिच-नियम के बधीन कार दोने का अन्तरक में दायित्व में कामी कार्य या समाधे बचने में बृबिधा के नियो: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध का उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. थां: सूरज नाथ भागवं
  - श्री राज कुमार भागवं
  - श्रो अरुण कुमार भागवी
  - 4. श्रोमतो लक्ष्मा भागर्व ।

(अन्तरक्)

(2) श्रं। सन्दोप गुप्ता।

(अन्तरितो)

- (3) विकेता।
- (3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

सम्मत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में छोड़ों भी बाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति प्रवार ;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाधन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का संकीं है।

स्पर्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में पीटभाधिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नगा ही।

#### ननसची

मकान नं० 230 (दुकान) स्थित उचां-मण्डी, इसाहाबाद जिसका पंजोकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-12-1983 को किया जा चुका है (37 जी० फार्म मं० 7304/83 के अनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तार (ख: 14-8-1984

#### प्रकृप् बार्तुः टो. एन. एस. ------

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कर्म्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० मं० एस०-322/ ए०-क्यु०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी म० खसरा नं० 92-93 का हिस्सा है तथा जो शेखपुर कर्सैला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत आयकर बिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के जिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों से 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

(1) श्रीमती शकीना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शहनाज अखतर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पृवाँक्त संपत्ति के अर्जन के निर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों देख सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग अथोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो चक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया। इ<sup>8</sup>।

#### नगुस्की

खसरा नं० 92-93 का हिस्सा, पैमाईसी 4 बिस्ब, स्थित शेखपुर-कसैला परगना तहसील व जिला लखनऊ (37 जी फार्म के अनुसार) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1983 को किया जा चुका है।

(37--जी फार्म सं० 11261 के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 14-8-1984

सह इ

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० जो० आई० आर० सं० एस०-323/ए० क्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-स्त. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं मकान नं 532/ख/179 है तथा जो में हदे:-टोला, अर्लागंज, लखनऊ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से धर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के कस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संस्पत्ति का उचित काजार मल्य

उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिनाने में स्विच। के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो राम प्रसाद तिवारी।

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल गुप्त।

(अन्तरितो)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्थास्त्रीक्षारण:--हसमें प्रयावत कान्यों और पर्यो का, जो उनत निषमित्रम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

#### अनुसूची

मकान नं० 532 ख/179, मेंहदी टोला, अलीगंज, लखनऊ, कुल क्षेत्रफल पैमाईसी 1253.7 वर्ग फुट, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरेली के कार्यालय में दिनांक 22-12-1983 की किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आययुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा : 13-48-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आर० आई० सं० के०133/ ए० क्यू० अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० 187 ए है तथा जो एसनगंज इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का का 16) के अधीन तारीख 16-12-1983

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी जाय की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; बीप/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

(1) श्रा. अर्रावन्द सेन

(अन्तरक)

(2) डा० श्र.मतः कृष्णा मिश्रा

(अन्तरितीः)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारोंख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यकोत्तरणः---इसमें प्रयुक्त सण्यों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20+क में परिणाधित है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्यी

मकान सम्पति नं० 187 ए, एलनगंषा, इलाहाबाद, जिसका क्षेत्रफल 80 वर्ग गज है, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय में दिनांक 16-12-1983 को किया जा चुका है (

(37-जो न० 7415/83 के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण ) अर्जन रेंज, लखनऊ

कतः तथा, ६वतं अधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुसर भ में, में,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपभारा (१) के अभीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 14-8-1984 मोहर :

## प्रकम बाह्री, डी. एमं ु एसं ु ⊢ - - ----

# भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाध 269-व (1) के वधीन ज्वाना

#### भारत बहुकार

कार्याजय, सहायक भागकर बायुक्त (जि<u>र</u>क्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनोकः 14 अगस्त 1984 निवेश सं० जी० आई० आर० सं० के-134/ए० क्यू---अतः मुझे, ए० प्रसाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता मकान है तथा जो बहराइच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम के 1908 (1908 के अधीन तारीख 22-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंसह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में अभी करने या उत्तर्व अवने में सुविधा के सिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने से सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) 1. श्री आबताब अहमद
  - 2. श्री इकबाल अहमद
  - 3. श्रीमती असमत फार्तिमा
  - 4. श्री मो० अहमद

(अन्तरक)

(2) श्री फूटण चन्द मिश्रा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रोंक्त संपक्ति के कर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ख्वार;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 26391 वर्ग फुट है और जैसा कि सेलडीड है वर्णित है, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी बहराइच के कार्यालय में दिनांक 22-12-1983 को किया जा चुका है।

(37-जी फोर्म के अनुसार नं० 6682)

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहांयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 14-8-1984 मोहर: प्रकथ आहे. ही. एम. एस.-----

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) को गभीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्थासम, सहायक अध्यक्त मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊं, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० आर-224/ए० क्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० नकान नं० 230 है तथा जो उचा मण्डी इलाहाबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के (कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेषय से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्के अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिश द्वारा प्रवट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुक्षिया के निए;

बतः व्या, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1() श्री सूरज नाथ भागर्व
  - 2. श्रो राज कुमार भागर्व
  - 3. श्री अरुण कुमार भागवें
  - 4 श्रीमती लक्ष्मी भागर्व

(अन्सरक)

(2) श्री राजू गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) विक्रेसा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थव के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अलिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर या क्रियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के वास निविद्य में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरणः : इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

#### वगुनुबर

मकान नं० 230, भूमितल, पैमाईसी 38.40 वर्ग मी० स्थित उचां-मण्डी इलाहाबाद , जिसका पंजीकरण रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-12-83 को किया जा चुका है।

(37-जो फार्म सं० 7302/83 के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज, सुखनऊ

तारीखा : 14-8-1984

प्रक्प बाइ. टी. एन. एस. -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के म्पीम स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लंबनऊ, विनांक 13 अगस्त 1984 निर्देश सं० जी० आई० ऑर० सं० आर-225/ए० <del>क्</del>यू०---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० दुकान है संया जो आलमगोर्रा गंज, बरेली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त् अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजिल्य के सकी करने वा उबसे वचने के सुनिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी अगय या किसी भग या अन्य अगस्तियाँ का, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रो प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया भागा चाहिए था, कियाने में बुविधा चे खिदः

बत: बब, उबत विधिनयम की भारा 269-ग के बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) ः ःधीन, निम्न्सिखित् व्यक्तियों, अर्थात्ः —

(1) 1. श्रीमतो राधा रानी 2. श्रीमती ब्रहमा देवी

द्वारा अटार्नी श्री श्याम सुन्दर लाल

(अन्तरक)

- (2) श्री रघुबीर सरन
  - 2. श्री अनिल कुमार
  - 3. श्री अरविन्द कुमार

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है) को यह सुचना चारी करके पृथानित सम्पत्ति के वर्णन के सिक्ष कार्यवाष्ट्रिया शुरु करता है।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्यकिरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्वीकीर दवीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसुची

**दुकान स्थित आलमगौरी गंज, बरेल**ि, कुल क्षेत्रफल पैमाईसो 31, वर्ग गज जिसका पंजीकरण रजिस्टीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1983 को किया जा चुका है।

(37~जी फार्मे के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लखनऊ

तारीखा 13-8-1984 मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **शायकर शायुक्त (निर्पाक्षण)** अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० आर⊸226/ए० क्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 45,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-107 है तथा जो सेक्टर ''सं।'', महानगर हाउसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-12-1983

को प्वेंक्स संपत्ति के उत्थित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्स सम्पत्सि का उत्थित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी बाग की बागल, उच्च अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीट्र/या
- (ग) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृषिधा के लिए;

भतः वय, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बन्दना मेहता द्वारा अटार्नी श्री जे० सी० मेहता

(अन्सरक)

(2) 1. डा॰ कृष्ण कुमार श्रीवास्तव 2. श्रीमती रचना श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) ऋता

(यह ज्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वर क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास जिल्लिक के किसी कर किसी के सकत्र

स्यष्टीकरणः — इसमे अगवन शब्दों और पवाँ का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20 कं में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### anudi

ण्लाट नं० बी ०-107, सेक्टर 'सी' पैमाईसी, 12,272 वर्ग फीट स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकांरी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-12-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-8-1984

मोहरः

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर०सं०एम०-196/एक्यू० --अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 279/54/6 है तथा जो पान दर्रावा (चूहर सिंह कालोनी), लखनऊ में स्थित है (और इंससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में मूर्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती हरबन्स कौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल।

(अन्सरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति मो हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताकरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### वग्स्ची

मकान नं० 279/54/6, स्थित, पीनदरीबा (चूहर सिंह कालोनी), सखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-8-1984

## प्रकृष बार्च . ट्री . एन . एस . ------

# श्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० **आई**० आर० सं० पी०-119/एक्यू० अतः मसे, ए० प्रसाद,

नायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 127ए०/1 है तथा जो सिविल लाईन, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1983

को पूर्वीवित संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नतिबित उद्देश्य से उसते बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरं से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विशा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया सवा भा का किया चाना चाहिए था कियाने में सुनिश्ध के लिए;

भतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीतः :---4—246 GI[84 (1) श्रीमती प्रेम कुमारी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रेम प्रताप सिंह यादव

2. श्रीमती सरला यादव

(अन्तरिती)

**को बहु बुचना बारो करके पुनॉक्त स**म्पत्ति को वर्जन को लिए भार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराश्व सं
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ममुसूची

बंगला नं० 127ए०/1, स्थित सिविश लाईन बरेली (जैसाफार्म 37 जी सं० 1659 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण सब--रजिस्ट्रार बरेली के कार्यीलय में दिनांक 30-12-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 13-8-1984

#### प्रकृष् जादौ. दी . एष . एस . ......

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० ए०-140 एक्यू० अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्रो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० मकान नं० 230 है तथा जो ऊंचा मण्डी इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-12-1983

को पूर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितगौं) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अभिनियम को जभीन कर दोने को जन्तरक खें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अक्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) 1. श्री सूरज नाथ भागर्व।
  - 2. श्री राज कुमार भागर्व।
  - 3. श्री अरुण कुमार भागर्व।
  - 4. श्रीमती लक्ष्मी भागर्व

(अन्तरक)

(2) श्री आलोक गुप्ता।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का बहु सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मितित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उनत सम्परित के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्व में किए जा गकोंगे।

स्थव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, भी उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसं ची

भूमि तल, पैमाईसी 50.79, वर्गमीटर, मकान नं० 230 का, स्थित ऊंचा-मण्डी, इलाहाबाद, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-12-1983 को निया जा चुका है।

(फार्म 37-जी नं० 7301 के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-8-1984

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,लखनऊ

लखनऊ, विनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० ए०-141/एक्यू० अतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 651/1071 है तथा जो दरियाबाद, में स्थित है (और इससे अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उण्यत भाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपन्ति का उण्यत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों भी उक्त अधिनियम की धारा (169-क की १५४)रा (1) धं धीन, निम्मिल्खित व्यक्तिकों, अधित् क्रिक्त

- (1) 1. श्री सालिक राम
  - 2. श्री क्षण प्याम।

(अन्सरक)

- (2) 1. श्री अशोक चन्द्र
  - 2. श्री ज्ञान चन्द्र
  - 3. श्री प्रवीप कुमार
  - 4. श्री नन्द गोपाल

(अन्तरितो)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ग्रनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 651/1071, क्षेत्रफल पैमाईसी भूमि, 171 वर्ग मीटर स्थित दिग्याबाद, इलाहाबाद, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिसम्बर 1983 को किया जा चुका है। >

(फार्म जी-37 के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-8-1984

## प्रकृष बार्ष: टी. एन. एस. -----

# नायकात अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन त्यना

#### धाउत बरकाउ

कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० आर-227/एनयू० अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या एक किता दुकान बाजार कटरा नरपत गंज, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरावाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1983

को पृत्यं क्ल संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापृष्वं क्ल संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं शुद्द किसी जाय की वावत उक्त विध-निवस की अधीन कर दोने की बन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिय; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) 1. श्रो कुवर अजय सिंह।
  - 2. श्रीमती पूनम सिंह।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीराजेश कुमार।
  - 2. श्री सुधोर कुमार।
  - 3. श्रोप्रदीप कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत् हरू

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्रची

एक किता दुकान मय टीन शेड एरिया पैमाइशी 373.90 वर्ग मीटर स्थित बाजार कटरा नरपत गंज, मुरादाबाद, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 20-12-1983 को किया जा चुका है (37 जो० फार्म के अनुसार)।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-8-1983

पश्च आहुर . टो . एन . एस . -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सूचना

#### साइक ब्यून्सह

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं०ए-142/ए० क्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसको सं० एक किता दुकान है तथा जो बड़ा बाजार स्टेशन रोड़, मुरादाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन नारीख 2-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, हसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से व्योधक है और वंतरक (वंतरकों) जोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-किक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त जर्में पिन्यम के अभीत कर देने के जन्तरक जे दामित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविभा के सिए; बौट्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कद अधिनियम, या अव-कद अधिनियम, या अव-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियान में सूबिधा के लिए;

(1) श्रीमती राजेन्द्र कौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर।

(अम्तरिती)

को यह स्वृता जारी करके पूर्वीक्स संस्पत्ति के वर्णन के तिथ कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति अविकार में से किसी व्यक्ति ब्रान्त होता हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिर्गः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### an areli

एक किता दुकान पैमाईसी 26.89 वर्ग-मीटर स्थित बुध बाजार स्टेशन रोड़ मुरावाबाद, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरावाबाद के कार्यालय में दिनांक 1-12-1983 को किया जा चुका है। (फार्म 37-जी के अनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

बतः अन, उक्त मीधिनयम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिबित व्यक्तिस्तों, अर्थात् ह्—

तारीख: 8-8-1984

प्रकण भारते हे टी., एन., एस.,-----

भायकरु मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० जी-69/ए० क्यू०----अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रह. सं आध्यक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक किता दुकान मय शटर है तथा जो

बाजार दिल्वाली मुरादाबाद हूं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूत से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-12-1983
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तिरित्त की गई है और मुझे यह विश्वास
फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिक्ति उच्चकेषों से उक्त अन्तरण लिक्ति में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् ४(1) श्री मन मोहन।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान प्रकाश।

(अन्तरिती),

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- के ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकने।

स्वस्थीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अञ्च्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्स्ची

एक किता दुकान मय जटर, पैमाईसी 14.2912 वर्ग मीटर स्थित बाजार दिलवाली, मुरादाबाद, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 19-12-1983 को किया जा चुका है। (फार्म 37-जी के अनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण ) अजन रेंज, लखनऊ

नारीख: 14-8-1984

प्ररूप भार्दे . टी . एम . एस् , नववनववत्रवत्रवत्रव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० जी-70/ए० क्यु०-भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं मकान नं 11 है तथा जो न्यू हैदराबाद लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1983

की प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ं (1) श्रीः कुंबर हरेन्द्र प्रताप शाही।

(अन्तरक)

(2) श्री गोकरन नाथ बाजपेई!

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सन्धि या तत्त्रं वंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

मकान नं० 11, न्यू हैवराबाव, लखनऊ, होटल एरिया 5609 वर्ग फीट (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है) जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनाक 5-12-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-8-1984

# त्रक्ष वार्षः, टी. एन. इस्. ५००००००

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरुकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० जी~71/ए० स्यू०~ अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट खसरां नं० 283 है तथा जो हैबतमक मबईया, लखनक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-1983

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिकास से, ऐसे क्रयमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकात से निध्क हैं और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्त्रितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के मिए तम पाना गना प्रतिकास, निम्नीसिक्त उन्हों किया गना है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उजनत अधिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; जीर/बा
- (व) एसी किसी जाव या किसी भन या अस्य शस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती वृतार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मृत: जय, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के अनुकरण में, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस अधिकतयों अर्थात् :-- (1) 1. श्री नन्हे। 2. श्री मिश्री लाल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गीत बिहार सहकारी आवास समिति लि० द्वारा मिचव श्री, समीर चर्वेबेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचनः वारी करके प्यानित संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यशहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (च) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जो उस मध्याय में दिया गया

#### नग्त्र्ची

प्लाट खसरा नं० 283, पैमाईसी 17 बिस्बा 3 बिस्वान्ती स्थित हैबतमऊ मबईया, परगना, तहसील, व जिला लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-12-1983 को किया जा चुका है। (फार्म 37जी के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-8-1984

प्रस्ति आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश मं० जो. आई० आर० मं० जी~72/ए० क्यू०~~ अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट खमरा नं० 285 है तथा जो हैवतमक मवईया, नखनक में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्स्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-किक कप से किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त बीध-निवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी अभने या उससे दचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी आध या किसी धन या अस्य आस्तियां की. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----5---246 GI|84 (1) श्री लक्ष्मी नारायन।

(अन्तरक)

(2) मेसमं गीत बिहार सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ, द्वारा सचिव श्री समोर चर्त्वेदी

(अन्तरिती)

(3) केता

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जनिष आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कहा व्यक्तियों, में से किसी स्थक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्दभ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पटिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

#### समस्यो

प्लाट खसरा नं० 285, पैमाईसी 7 बिस्बा, स्थित ग्राम-हैबतमऊ मबईया, परगना, तहसील, व जिला लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय से दिनांक 20-12-1983 को किया जा चुका है। (37-जी फार्म सं० 581 के अनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनर्ऊ

तारीख: 14-8-1984

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

# बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज लखनऊ लखनऊ दिनांक 9 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० जी० भ्राई० ग्रार० सं० जी-16/ए० बयू०-भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं अप्रांजी खसरा नं 1365 है तथा जो फाजलपुर-लायं की मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्रा श्रीधकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए क्त्रिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्म्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की वाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा के फिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. कियाने में सृविधा के लिये;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अमिनरायों, अर्थात् ह—

- (1) 1. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल।
  - 2. श्री प्रशोक कुमार प्रयुवाल।

(भ्रन्तरम)

(2) मेसर्स श्रोवरसीज एक्सपोर्ट श्रारा पार्टनर्श्रीमसी प्रामला महाजन मुरावाबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध म काइ भा भाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक किता न्नाराजी खसरा नं० 1365, पैमाईसी 0.62 जिसमिल स्थित फाजलपुर-लाअंडी, मुरादाबाद जिसका पंजी-करण सब-राजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिसम्बर 1983 की किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-8-1984

मोहर 🖫

श्रक्य बाइ. टी. एन. एस.------

नायकर निपिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के निपीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ग्रारं--223/ए०व्यू०---ग्रतः मुक्षे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० मकान (पुराना) नं० 3), नया नं० 7 (3/7) है तथा जो विवेकान न्दमार्ग (हिवेट रोड़) इलाहाबांद में स्थित है (और इससे उपाबक्ष प्रमुत्त्वी में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-12-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया याप प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उन्हों वभने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) 1. श्री प्रकाश नारायन।

2. श्री लक्ष्मी नरायन।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री बाबू राम

2. श्रीमली गायली देवी

(भन्तिरती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्तपति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप 🚈

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान पुराना नं० 3 व नया नं० 7 (3/7) विवेका-नन्द मार्ग (हिवेट रोड़) इलाहाबाद, स्थित, मय जमीन व ध्रमला क्षेत्रफल 160 वर्ग गज, जिसका पंजीकरण सब⊸रिजर— ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15→12→1983 को किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारी**ख**: 9-8-1984

मोहर

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लासित व्यक्तियों, अधीत् :—

## प्ररूप बाइ . ती. एन . एख . -----

मायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### बाइव चंडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 20 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्राप्तिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय श्राककर श्रीधनियम के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूमिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भागतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकृति व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रानन्द प्रकाश शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जक्त अध्याय में दिया गया है।

## क्य्यूची

न्नाफिस ं० 20, छट**े तल पर, पैमाईसी 275 वर्ग** फुट, कामर्स हाउस में स्थित , 11, एम० जी० मार्ग, हबीब-उस्ला कम्पाउन्ड, लखनअ,

करारनामा जो कि जी० ग्राई० ग्रार० त० 30/37ईई 84 ग्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ धारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टई, किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्थन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-8-1984

मोहर 🖫

## प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 श्रगस्त 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी संव आफिस नंव 4 और 5 है तथा जो 11 एमव जोव मार्ग, ह्बीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीक्की अधिकारों है कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ भारताय आयकर अधिनियम के अधीन नारीख दिसम्बर 1983

कां पूर्वां पत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बारार मृल्य, उसके दश्मान प्रतिपत्न से एसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया णिरुक्त, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित के शस्ती वक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुंद्र किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व ही कामी कारने या उसमें बचने मी भृविधा के लिए: और/या
- (क्स) एसी किसी आय या किसी धन या लन्य लास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धार 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसार्ग, नर्भात्:— (1) मेसर्स हवासिया श्रापर्टीज श्रा० लि० हलवासिया कोर्ट्, हजरतगंज, लखनअ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पंकज सेन (ना बा०)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में सभाप्त होती हों., के भीतर पृत्रों कत व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलकद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. सो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हैं।

#### वर्स्की

श्राफिस नं० 4 श्रीर 5 छटवे तल पर, पैमाईसी 540 वर्ग फुट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, लखनऊ हुबीबउस्ला सम्पाउना, लखनऊ।

करारनामा जो कि जी० धाई० घार० नं० 29/37 ईई/84 ग्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ कारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीच : 9-8-1984

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कः एक र अधिनियस, 1931 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 अगस्त 1984

निवेश सं० ओ० ग्राई० थार० सं० 15/37ईई/प्रर्जन/84 श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिगका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी थं व श्राणिस नं 0 6 श्रीर 7 है तथा को 11 एम० जी० मार्ग ह्यीवउत्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजम्होंकर्ना अधिकारी के कार्यलय अर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय श्रायकर श्रीधांनयन के श्रीन तारीख 19-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरिय की एडी ही जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिन्तित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज प्रा० लि० हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज, लखनऊ।

(भन्तरक)

(2) श्री जे० सी० चौपड़ा एन्ड सन्स (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसंची

भ्राफिस नं० 6 भौर 7 चर्तुथ तल (फिलोर) पर, पैमाईसी 540 वर्ग-फुट कामर्स हाउस, में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हसीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ।

करारनामा जो कि जी० ग्राई० ग्रार० नं० 32/37 ईई/प्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 19-12-1983 को किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 9:-8-1984

## प्रस्य भाइ. टी. एस. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, विनांक 9 अगस्त 1984

निदेण मं० जी० आई० आर० स०१6/37ईई/अर्जन---अत मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 8 श्रीर 15 है तथा जो 11, एम० जो मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीटर्ला अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र भारतीय आयकर अधिनियम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-12-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वा अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अन्तरण संहूर्ण किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के जिल्ह; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

(1) मैंगर्स हाताशिया प्रशटीय (प्राव्णवि) हा साधिय केले त्रास्थान लखनक ।

(487K3)

(2) खजुराहत फैंगिकी ट्रम्स हारा श्री मर्जे जीत जिल मैनेजिय ट्रस्टी, 1-बी, न्याय भार्य, इलाहाबाद।

(अन्तरितीं)

कां यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सज्जान वाती हो, वे भीतर पर्योक्त व्यक्तियों भी ने किनी अविकादित दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपान को तारीं से 45 दिन को भीतर उका स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्याक्त इसान अधोहरताक्षानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त हाव्या और पर्यो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय भें विया गणा ही !

## नन्स्ची

आफिस नं० 8 और 15 सेकिन्ड फ्लोर पर (ब्रितीय तल) पैमाईसी 600 वर्ग फुट ासर्स हाउस में स्थित II, एम० जी० मार्ग, ह्वीवडल्या वस्पाउड लखनऊ।

्रराप्तामा जो ि जी० भाई० आग० नं० 33/37ईई/84 अर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनक हारा दिनांदा 19-12-83 को रजिस्टर्ड विधा गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिशारी क्षम अरहाल पास्का (निरीक्षण) क्षीत रेंच, लखक्ड

नारीख : 9--8-1984

## प्ररूप आहुरे. टी. एन. एस. -----

अध्यकर जिथिनियम, १961 (1961 का 43) की धारा ७७५ व (1) के **स्थीन स्थना** 

#### भारत मरकार

कार्यात्य, महासक अस्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 178/37ईई/84/अर्जन अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थावर मंपित जिल्ला उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से विधिक ही

और जिसकी सं अफिस नं 4 और 5 है तथा जो 11 एस० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखलऊ में स्थित है, (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिज स्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय श्रायकर अधिनियम अधीन तारीख 19-12-1983 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यांकर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कर्म निम्नचित्र उसके स्थाप्यां से उक्त जन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कर्म निम्नचित्र उसके स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से उक्त जन्तरण सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां सिव्य में अस्तिक कर्म निम्नचित्र से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां सिव्य से स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां से स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्यां स्थाप्यां से स्थाप्

रूप स' कथित नहीं किया गया है र----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सामत उक्त ब्राधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किरी बार या किसी धन ए। अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विभा के लिए:

अपः शकः, उत्तन अधिनियन की भारा 269-ग के अनुसरकः में, में, उत्तन अधिनियस की भारा 269 ग की उपधारा (†) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज आ०लि० हनवासिया कोर्ट, हजरन गंज, नखनऊ ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती राज खन्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्स सम्परिस के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति स्वारत;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्तिः में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाग लिखिल में किए जा सकाराः

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय मे दिया नया है।

## बन्स्ची

आफिस नं० 4 और 5 फिफथ फ्लोर (पांचवें तल) पर पमाईसी 450 वर्ग-फुट कामसें हाउस में, स्थित 11, एम० जी० मार्ग हवीबउल्ला कम्पाउन्ड, लंखनऊ, क्ररारनामा जो कि जी० आई० आर० नं० 34/37 ईई। 34/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 19-12-1984 को रजिस्टर्ड विका गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लखनऊ

नारीख: 9→8→1984

माहर 🥳

प्रकृत नाइ . टी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

## कार्यस्य, सङ्ग्येक नायकार नायुक्तः (निरीक्षण)

अ**र्जन रें**ज, लखनऊ लखनऊ, दिनौंक ९ अगस्त 1984 निवेश सं० जी० आई० आर० सं० 18/35ईई/84~~ अत: मुझे, ए० प्रमाव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव आफिस नंव 6 और 7 है तथा जो 11, एमव जीव मार्ग, हवी ब उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणितू है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ अर्जन क्षेत्र भारतीय आयकर अधिनियम के अधीन नारीख 19-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्छ: वय, उक्त विधितयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, भी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात ह——
6—246/84

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०लि०) हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीती बनशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कार्क भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सु से 45 विन की अविधि या तत्से बंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास् निस्ता में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित एँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नगुसूची

आफिस नं० 6 और 7 सेकेन्ड फ्लोर (द्वतीय तल पर पैमाईसी 550 वर्ग फुट कामर्स हाउस में, स्थित 11,एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड सखनऊ करारनामा जो कि जी० आई० आंर० नं० 35/37ईई/84 अर्जन में सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 19-12-1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 9~8-1984

मोहर 🟅

## 

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### BISE ESTE

कार्यालयः, सहायक आयुक्तर जागुक्तः (निरीक्न्ज,

अर्जन रेंज, नई विल्ली

नई दिल्ली, डिनाक 10 अगस्त, 1984

निर्देशसं आई० ए०सी०/एक्यू०2/37ईई/12-83/305---अतः मुझे आर० थी० राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी मं० आर० जे० टी० 432 है, तथा जो 18, बजीरपुर कमिश्रयल सेंटर, दिल्ली में स्थित है (और इससे जपाबृड अनु-स्ची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्र के कार्यालय अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन रिदनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्क कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उचल विभिन्नियम के लभीन कर बोने के बस्तरक के दग्रीयर में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी थन या बच्च बार्षसची को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० राज सुधा टावर्स प्रा० लि०
 ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अस्तुरक)

2 श्रीमत्रे रेशमा वता और श्री विपन बत्तः, 7260 बेरीवाला, बाग,दिस्ली, पुल बंगस,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियों करता हूं।

# उन्तु सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेड्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वै) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पातृ सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनस्वी

आर० जे० टी० 432, (प० जी० एफ०), बजीरपुर, कर्माशयल कम्यलैक्स, दिल्ली, तादादी 42.75 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )

दिनांक 1-8-19854 मोहर: अस्य आइ. दी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, 2,

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1283/386 ----,अत: मुझे आए० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० आर० जे० जी० 433 है, तथा जो 18 वजीरपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की आबस, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. राजसुधा टावर प्रा० लि० 52, कनाट प्लेस, नई दिणली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला गुप्ता, पत्नी श्री बी०डी० गुप्ता डी-17, अशोक बिहार भाग-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सन संची

आर० जे० डी० 433 (यू० जी० एफ०), 18 कर्माणयल मेन्टर बजीरपुर, दिल्ली, तादादी 36.50 वर्ग फोट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अबे अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अधीत् :---

तारीख: 10-3-1984

# प्रकल कार्य हुन्दी. एक हुरुब्

# मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/2/37ईई/12-83 के/ 387--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 13-ए, है, तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर. 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुसिचित उच्चेक्य से उच्च बन्तरण किचित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्सरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मृत्यिक्ष में अपीन कर ग्रेम में सुन्यरक के वासित्व में कमी करने वा उन्हों बचने में सुनिधा में कियु मुद्रिशा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, स्थिपने में स्रिया के सिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री हरीय चन्दर चोपड़ा, सुपुत्र श्री गुरवीता मल, निवासी 13 ए,, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मदन लाल अग्रवाल निवासी 13-ए, रमेण नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना बारी कारके प्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

## उन्त सम्परित में नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के एवपम में प्रकाशन की तारीब हैं
  45 दिन की अविधि या तस्संबंधी अविक्तयों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी
  ब्याधि नाव में सवाप्त होती हो, से नीतर पृत्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपर्ति में हित्वक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास रिवित में किए था सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमै प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्य

प्रो०न० 13-ए, रमेश नगर, मई दिल्ली तावाची 100 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई बिस्ली

तारीख: 19-8-1984

मोहर 😗

प्रकप भाइ , टी. एन., एस. ----=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई विल्ली

नई दिस्ली, विनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/12-83/308--अन: मुझे, आर० पी० राजेण बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० आर० टी० एम०-125 है, तथा जो 28 अशोक बिहार, कर्माणयल मन्टर, दिल्लीमे स्थित हैं (और इसमें उपाबब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णिन र) है जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन दिलाक दिसम्बर, 1983 को पूर्ण क्स सं कम के दश्यमान

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रसिक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उम्त अन्तरण निचित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उभत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री राज सुधार टावर्स प्रा० लि० एन-52, ए, कनाट प्लेस, नई विख्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए० के० मिलक, श्रीमती स्नेह मिलक और अशीमा मिलक., निवासी 2663/8, जूना मन्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

# **न**न्स्**चीं**

आर॰ टी॰ एम॰ (ग्राउन्ड फ्लोर), 28 अशोक बिहार, कर्माशियल सेन्टर भाग-I, दिल्ली, तादावी 21 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायका आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -, न**ई दिल्ली** 

विनोक: 10-8-1984 मोहर ॥ **१स्थ नार**्ड दी., एन <u>ः</u> एस्<sub>कोर-सर्वनन</sub>---

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) के मुधीन सुमना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/2/37ईई/12-83/ 309--अत मुझे, आर०पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आई.-4, ए 1/2 है, तथा जो आजादपुर कमिश्रयल कम्पलैक्स, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चें से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित मुद्दों किया गया है ह

- (क) वस्तुरण से शुद्ध किसी बाव की बांबत, उपस् विधितियम के वभीन कर दोने के नन्तरक के स्विद्ध में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के हिन्छ; और/वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा वें लिए।

1. टी॰ एम॰ अपार्टमेंन्टस् प्रा० लि॰ आदिनाथ श्री हाउस, अपो॰ सुपर बाजार, कनाट सर्कट्रस, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी एस० करता सिंह और श्रीमित कुलदीप कौर पत्नी एस० राजिन्दर सिंह, निवासी-22, चांव नगर, पो० तिलक नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सुच्या जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की कामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पर्वोक्त स्थितवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आई-4, ए-1/2, आजावपुर, कर्माशयल कमण्लैक्स, दिल्ली, तादादी 30 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अवः, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

विनांक: 10-8-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

नाथ्कर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1984

निवेश संब्हाई॰ ए॰ सी॰/एवयू॰/2/37ईई/12-83/ 310--- श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9-जी० एफ० है, तथा जो कीर्ति नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावस प्रमुस्त्री में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित हैं), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदृश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के सिए;

कतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. शिवलाक प्रपार्टमेंट (४ण्डिया) प्रा० लि०
- 410-न्यू विरुली हाउस, बाराखम्बारोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री धरम पाल बक्षा सुपुत्नी श्री कुन्दन लाल बत्रा, निवासी एन-20, किसी नगर, नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बस संची

स्पेस न ० 9, ग्राउन्ड फ्लोर, एन-109, भीति नगर नई दिल्ली, तावायी 81 वर्ग फीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांबा: 10-8-1984

प्रस्प नाइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिस्ली नई दिस्ली, दिनांक 10 प्रगस्त 1984

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एवयू०/2/37ईई/12-83/ 311--मत: मुझे, मार० पी० राजेश',

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स्पेस नं० 10 है, तथा जो एन०-104 है कीसि नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम. 1961 के प्रिधीन दनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मिसित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

 शिवलोक प्रपार्टमेट्स, (६ण्डिया) प्रा० लि० 410, न्यू दिल्ली हाउस, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री कुन्दनलाल बक्षा सुपुक्ष श्री करम चन्द निवासी एन-20, कीर्ति नगर' नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प ;---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तार्गीय है 45 विन की अवशि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवश्यि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नगसर्चा

स्पेस नं ० 10, प्राउन्ड प्लोर, एन-104, कीर्ति नगर, नई दिस्ली, तादावी 100 वर्गे गज।

म्रार० पी राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जिम रेंज-2, नई विस्ली

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ह

दिनांक: 10-8-1984

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 प्रगस्त 1984

निर्थेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/37ईई/12-83/312--ग्रतः मुक्षे, ग्रार०पी० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 जी० एफ० है, तथा जो एन-104, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय आधकर अधिनयम 1981 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियार्ते) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

 शिवलोक श्रपार्टमेन्ट्स, (६ण्डिया) प्रा० लि० 410, न्यू दिल्ली, हाउस, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री यणपाल बचा सुपुत्र श्री सुन्दन लाल बसा निवासी एन-20, कीति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसूची

स्पेस नं० 15, ग्राउन्ड पक्षोर, एत० 104, व्यक्ति नगर तावाबी 81 वर्ग फीट !

> ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज <sup>II</sup>, नईदिस्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--7—246 GI/74

दिनांक: 10-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1984

निर्धेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/313---म्ब्रतः सुक्षे श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं र स्पेम न र 16 है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है श्रीर अससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर ओ पूर्ण रूप से विणत है) र जिस्ट्रीक्ला श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सृष्यिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.7) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थकः :---

 शिवलोक ग्रपार्टमेन्ट्स, (४न्डिया) प्रा० लि०, 410, न्यू विल्ली, हाउस, बारखम्बा शेड, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बाई बन्ना परनी श्री कुरदन लाल बन्ना, निवामी एन-20, किली नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्थी

स्पेस नं ० 16 ग्राउन्ड प्पलोर, एन 104, किसी नगर, नई दिल्ली, नादाथी 100 वर्ग फीट।

श्रारफ पी० राजेश संक्षम श्रधिकार्ण सहायक श्रायकर श्रायका (निरोधण) श्रजन रेजाI,नई दिल्लो

्रविनांक 10-8-84 मोहर :

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रगस्त, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 314—अतः मुझे आर० पी० राजेश

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० 15 है, तथा जो एन-104, किसीनगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है) राजस्त्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय श्रजन रेंज-11, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दरममान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदयों से उक्त अन्तरण निचित में वास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में श्रीवधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीन, निक्र्निसित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 शिवलोक श्रेपार्टमेन्ट्स (इन्डिया) प्रा० लि० 410, न्यू दिल्ली, हाउस, बाराखण्या रोड, नई विल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती दया बन्ना पत्नी श्री यशपाल बन्ना, निवासी एन-20, कितीं नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूशरा;
- (च) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित हैं किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जा उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्वी

स्पेस नं ० 15 (बेसमेन्ट) एन-104, कितीं नगर, नई विल्ली

श्रार०पी० राजेश सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंग रेंज II, नई दिल्लो

दिनांक 10-8-1984 मोहर :: प्ररूप आहें. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

श्रर्णन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/38 ईई/12-83/315—— अतः मुझेश्रार० पी० राजेश

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 16 है तथा जो एन-104 किर्ती नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर अससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्रीकर्ता श्रीककारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज II नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रिक्षीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान परिषक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्; बॉर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) दे उपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ः—  शिवलोक श्रपार्टमेन्ट्स (इन्डिया श्रा लि० 410 न्यू विल्ली हाउस वा राखम्बा रोड नई दिल्ला ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमत रजन ला पत्न श्रा धरम पाल बला एनअ20 किली नगर निदंख्ल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ फिसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## भनुसूची

स्वेस नं० 16 बेसमें ट फ्लोर एन-104 सिली नगर नई विल्ली तादावी 50 वर्ग फीट।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम र्जाधकारी सहायक भ्रायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज II नई दिल्ली

विनोम 10-8-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

निर्येण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 316—श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 13 भीर 20 है तथा जो एन-104 किती से नगर नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसी उपायक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय अर्ज रेंज II नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाक दिसम्बर 1983

को पृषां क्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण संसुद्धं किसी बाय की वानत, जनतः वर्षिणियंत्र वी वशीन कर दोने के जन्तरक को दाविएन में कभी करने या उदाई व्यने में सुदिधा के विष्: वार/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

यतः अव, उक्त विधिनयन की भारा 269-ग के वनुसूरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधित् :--- 1. शिवलोक भ्रापार्टमेस्ट (इ स्डिया) प्रा० लि० 410. न्यू दिल्ली हाउस बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुलागन श्रोबराय श्रीर श्री मनमोहन श्रोबराय मुपुल श्री एम० सी० श्रोबराय निवासी ए-42 राजोरी गार्डेन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय वें
  45 विन की वविध या तत्सम्बन्धी क्या क्तयों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीटर प्रवेक्त,
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष क्षीगा जो उस अध्याय में दिखा चना हैं।

## **मन्**स्ची

स्पेस नं० 13 श्रीर 20 (ग्राउन्ड फ्लोर) एन-104 किलीं नगर नई दिस्ली तादाधी 200 वर्ग गज

> म्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेज II नई दिल्ली

दिनांक 10-8-1984 मोहर ≌

## प्रकार कार्र. टी. एट. इत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

नियम सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 317—म्प्रतः मुझे म्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० जे०सी० 106 है तथा जो 4-रूप नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणात है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज II नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1. राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री एस० बलजीत सिह निवासी 21 ए मुझ गुष्टमंत्री दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो अक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगुसूची

म्रार० जे० सी० 106 ग्राउन्ड फ्लोर 4-रूप नगर विस्ली तावाबी 36 वर्ग फुट।

> ग्रार० पी० राजे म सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज II नई दिल्ली

दिनांक 10-8-1984 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एत. एस.-----

भायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 भ्रगस्त 1984

निष्ण स० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 318—-म्रत: मुझे मार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 120(जी०एफ०) है तथा जो 4-अप नगर दिल्लो में स्थित है (श्रीर ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रीन दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य संकम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्म का उचित बाजार मूल्य उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाजत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब. उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उसत अविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी ग. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात — 1 राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिस्सी) प्रा० लि० एन-52 कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(प्रस्तर्क)

2 श्रीमधी प्रनिता जैन निवासी 2/3 ब्लाक-41 सिहमभा रोड सब्जी मधी दिल्ली।

(स्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितया 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### ग्रनुमुची

ग्रार० जे० थी०-120 (भी० एफ०) 4 रूप नगर दिल्ली तादावी 36 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेम सक्षम प्रधिकारी सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेनरेज 2 नई दिल्ली

दिनाक 10-8-1084 भोहर.

## प्ररूप भाइ". टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 ध्रमस्त 1984 निर्वेश सं० ध्राई ए० सी०/एवय०/2/37ईई/12-83

ानवर्षा स० श्राइ ए० सा०/एनयू०/2/37इइ/12 219—न्य्रत मुझे, ग्रार० पी० राजेश

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), जो कि भारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रार० जे० थी०-21 है तथा जो 4 रूप नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर ४ससे उपाबछ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यायितयों, अर्थात् :——  राजेन्ध्रा प्रोपर्शीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52 कताट प्लेस नई दिल्लो

(ऋन्तरक)

श्री विलोक नरायण गुप्ता
 102 स्टेट बैंक कालोनी नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के शब्स जिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्रिका गया है।

## **गपू**ज्**यी**

म्रार० जे० वी०-21 (बेसमेन्ट) 4 रूप नगर, विल्ली तादाबी, 18 वर्ग फीट।

> स्रार०पी० राजेश सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रीयकर ग्रीयुक्त (निरोक्षण) श्रुजेन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 10-8व1984 मोहर: प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) का धारा 269-भ (१) को अभीन मुख्या

भागम स्वतान

कार्यालय , महायक आयहर आयहरा (निशीक्षण)

अर्जन रेंज.-2, अग्रवाल हाउ.स. 4/1 म. ग्रामफ असी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० मः०/प्यय्०/2/37ईई/12-83/320—अत: मुझे, आर० पं:० राजेण.

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसको संव आर्व जेव वीव-अहै, तथा जो खप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण खप से वर्णित है) रिजस्ट्रिडफर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जर रेज 2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधिन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और गंभी यह त्रिश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिपत्त से अधिक ही और अंतरफ (प्रतिपत्तों) और गंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्दास्य से उचन प्रनारण प्रतिज्ञ कप से कथित नहीं किया गया ही :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कड अधिनियम, या भन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए का, रिक्टार से सुविभा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नित्सित व्यक्तियों अर्थातः :----8—246GI/84  राजेन्द्रा प्रापर्टीजः (दिल्ला) प्रा० लि० एन-52 ए. कनाट प्लेम, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

था द्वारका दास एण्ड ब्रदर्स,
 37-38, कट्या बालोगन, दिल्ले.

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के जर्जन के निष् कार्यत्राहियां करता हूं।

## जनत सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद्ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किमी व्यक्तिय व्यक्तियाः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति यों हितबब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् लिखित में किए जा लकींगे।

स्पष्टीकरण कि इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्टि, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जनसम्ब

आर० जे० वं(०-4 (वेसमेंट) 4, रूप नगर, दिल्ली तादादी, 56 वर्ग फीट।

> आर० परि० राजेण सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर आयुवन (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नर्ड दिल्ली

ंदिनांक 10-8-1984 मंग्रर प्रकृप वार्च, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन सचना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आग्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2.अग्रवालहाऊस, 4/41 ए आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश मं० आई० ए० मा०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 321---अत: मझे, आर०पी० राजेण.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० आर० जे० बो०-6, है, तथा जो 4- रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायब अनुमूर्या में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-2. नई दिल्ला में आगकर अधिनियम 1961 के अधीन दिसम्बर, 1983

को प्वेतित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने के कारण है कि यथापर्वेक्ति संपित का उचित बाजार मृत्य, असके द्रायमान प्रतिफल के, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्योध से उक्त अन्तरण निकास में वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण भों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  राजेन्द्रा प्रोपर्दीज (िल्नो) प्रा० लि० एन-52 ए, कनाट प्रोस, नई दिल्ली।

(अस्तर्क)

 श्रं विमल, कुमार गृप्ता निवाम। 20/21, शक्ति नगर, दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रेंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में केंद्रिंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### नन्त्वी

आर० जे० वी०-6 (बेसमेंट) 4-रूप नगर, विल्लो, तादादी 63 वर्ग फीट ।

आप० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

दिनांक 10-8-1984 **मोहर** ६ त्रक्य आहे. टी. एम. एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मार्स सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-11, अग्रवाल हाऊस, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनाके 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० स्ति/एक्यू०/2/37ईई/12-83/322—अतः मस्ने, आग० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रि. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० आर० जे० यो-18 है, लया जी 4 का नगर, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण कर से विणित है) रिजिन्द्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिसम्बर, 1983

को प्वेंकिन सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उपित जाजार मूख, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिकृत से मिथक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एंसे बन्दरण के सिए तम पाना गया प्रति-कृत निक्नितिहत्वें उद्योक्त के सक्त बंतरण मिचित में वास्तरिक कम वे सीचन नहीं किया प्या है:---

- (का) कलारण वे हुइ किसी नाम की नावत बन्ध विध-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक को दासित्य में कामी कारने या उससे वचनों में मृतिधा के लिए बीए/या
- (ब) ध्रेसी किसी बाव ना किसी भन या बण्य वास्तिओं को, विज्हें भारतीय बावकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या भन-कर विभिन्नयम, या भन-कर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ कलारिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा से विद;

अतः अबः, उपत अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  राजेन्द्रा प्रोपर्टीज, (दिल्ली) प्रा० खि० एन-52, कनाट प्लेस, नद्भ दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजीव गावर, निवासी 16-ए. /18. शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुम्राना जारी करके पूर्वीवस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अधिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अबिभ, जो भी अबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय भें दिया गया है।

## **म**नस्थी

आर० जे० वी०-18, (बेसमेंट), 4- रूप नगर, दिल्ली, नाधादी, 50 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक 10-8-1984

परूप नाइं, टी. हन, एस.-----

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्लं।

नई दिल्लो, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं(0/ए यू०/2/37ईई/12-83/323—अतः मुझे, आर० पं(0.73)ण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभय प्रतिस्थानी धार, प्रतास समान कर कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संव आरव केव एव-202 एहे तथा जो 60/26, प्रभात मार्ग, न्यू रोहतक रोड, विल्लो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण एप से विण्ला है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई विल्लो में आयकर अधिनियम 1961 के अधोन विनांक विसम्बर, 1983

को पूर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यभान् प्रित्मिक को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्य कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिकाल में एपे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिता (अन्तरिता) को बीच एमें अन्तरण के लिए ता पाया प्रयाप्तिकल, निम्निलिखित उद्दर्थ से उन्तर अन्तरण कि निम्निलिख उद्दर्थ से उन्तर अन्तरण कि निम्निलिख सं वास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण संहुई कियी आय की बाक्षता, उपल बीधनियम के बधीन कर साने के बनारत स स्थित्व में कामी कारने या उससे बचने मी मुक्किक के निए; बारि/बा
- (च) एसी किसी बाब मा किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्न अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना आहिए था, छिणाने में स्थिभा के निष्

नतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- राज राहुल कन्स्ट्रक्शन एण्ड बिल्डर्स, प्रा० लि० प्रोमोटर एण्ड बिल्डर्स (रजि०), आफिस: एन-52-ए, कनाँट प्लेस नई दिल्लो। (अन्तरक)
- अमिती पुष्णा पाह्वा, एण्ड ब्रुजेश पाह्वा, एक्ह-वाई-27, सराजिता नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरों के गास निखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अ**न्स्**यो**

आर् जे॰ ए॰-202-ए, (यू॰ जि॰ एफ॰), 60/26, प्रभात मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, तादादी 126 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेंग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,-2 नई दिल्ली

विनांक 10-8-1984 मोहर: प्ररूप आह .टी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ला

नई दिल्लं।, दिनाक 10 अगस्त, 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/324—अत: मुझे आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका स० आर० जे० ए-7 जा है, तथा जो 60/26 प्रभात रोड, विल्ला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूचा, में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ला में आयकर अधिनियम 1961 के अर्थान दिनाक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिक्ति उद्देश्य से उच्त अतरण लिखिल में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है..—

- (क) अम्बरण से हुई जिसी जाय की वाबत उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्वें में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना साहिए था, डिपान में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- गज राहुल कन्द्रटक्सं, एण्ड बिल्डसं प्रा० लि० एन०-52-ए. कनाट प्लेस, नई दिल्ला।
  - (अन्तरकः)
- 2 श्रोमता पुष्पा मल्हावा, श्रा सताण, श्रा परदोप श्रौर कुमारी श्रज् मल्होता, निवसा 13/26. उब्ल्यू०ई०ए०, करोल बाग, नई विल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

### मन्स्धी

आर० जी०ए०-जी-7, ग्राउन्ड फ्लोर, 60/26, प्रभात रोड, मई दिल्ली, नादादी 96/145 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

ंदिनाक 10-8-1984 मोहर : प्रक्रम आहूर.टी शन एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्बी, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एवयू०/2/37ईई/12-83/ 325---म्रत: मुझे स्रार० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य \$5,000/- रह. सं अधिक हैं

र्ष्यार जिसकी सं० ग्रार० जे० वी-17 है तथा जो 4. रूप नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उराबढ़ श्रतुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2. नई दिल्ली में श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्ष्य संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल में, एमे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से किथत नहीं किया प्रा है....

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आव की बादता, उपक अभिनियम के व्यभीन कह दोने के अन्तरक की दावित्व में कनी करने का स्थक वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारती किया काम किसी धम या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारती किया काम किया मास्तिया, 1922 (1922 का 11) या जानरा मधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, ज्ञिपाने में सुनिभा के निष्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवन अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (६) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अधीत् :----  राजेन्द्रा, प्रोपर्टीज, (दिस्सी) प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिस्सी।

(ग्रन्तरक

श्री मंजीत सिंह,
 निवासी 11439, णक्ति नगर, दिल्लो-7

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के कर्णन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उत्पत्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में अकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या सत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कार।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### महरा है

न्न्रार० जे० त्री०-17, (श्रेसमेंट), **४**; रूप नगर, दिल्ली सादावी 40 वर्ग फीट।

> स्रार० पी० राजेश मक्षम श्रीधकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रजेन रेंग,-2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-8-1984

प्ररूप आहाँ, टी, एन. एस. ------

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 326—स्थतः मुझे भ्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,700/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० जे० थी०-16 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजरट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित काजारं मृत्य में काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने को कारण हैं कि सथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के जिए तस पासा गया प्रतिक का निन्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दीने के अंतरक के दासित्य मा कामी कारत या किसीनक मा स्विधा के लिए: बार/सा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी दनारा पकार नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के किए:

कतः अव, उपल विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---  मैं० राजेन्द्रा प्रोपटीज, (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस , नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती कृष्णा कुमारो,
 निवासी 204, सन्त नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्कीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, को अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननुस्ची

स्रार्व जेव बीव 16 (बेममेंट) 4 ऋष नगर, दिल्ली, तादाथी 63, वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण सक्षम ग्रक्षिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक 10-8-84 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० श्राष्ट्रं० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/12-83/ 327--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राया जो ० थी०-202 है, तथा जो ४, रूप नगर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली में श्रायकर श्रीधिनियम 1961 के श्रीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वों कत सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दें हैं और मूओं यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक फस, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक क्ष्म से किया नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वक्ते में सुधिमा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के निए!

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती इन्दु बाला,
 निवासो सी-3/1, माडल टाउन, दिल्ली-35 (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुँ।

उक्स मम्पत्ति के अर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उनत अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सुची

आर-जे-बी-202 ए, (यूँ० जी० एफ०), 4 रूप नगर, दिल्ली, तादादी 31 वर्ग फीट।

> सार० पी० राजेंग मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-8-1984

प्रक्षम नाह्रै, दी, एन. एत. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्चना

### भारत संदुकार

## कार्यासम, बहायक जामकार जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 प्रगस्त 1984

निवेश स० म्राई० ए० सी० एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 328—मत: मुझे, भार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० धार-जे-बी०-19 है, तथा जो 4 रूप नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूत्री में पूर्ण रूप से बांणत है) राजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में धायकर ध्रिधनियम 1961 के ध्रिधीन दिनांक विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते दह विश्वास करने के कारण ही कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गवा दृतिफल, निम्नितिबित उद्देश्यों से उक्त अंतरण निविद्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण त हुई किसी बाय की बाबत्त, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ग उसमे बचने में सुविशा के जिए; जौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

भतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण बें, में. उक्त मिथिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9---24601/8 1. राजेन्द्रा प्रोपर्टीज, (विस्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई विस्ली।

(मन्तरक)

श्री रमेश कुमार घरोड़ा,
 निवासी 29/9, शक्ति नगर, दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लान में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, चो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भ्रार० जै० बी-19, (बेसमेंट) 4 रूप नगर, दिल्ली, तावाबी, 50 वर्ग फीट।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधाकारी सहाबक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅज-2, नई विल्ली-110002

दिनांक : 10-8-84

प्ररूप आई.टी एन एम ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
प्रजीन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिस्ली, दिनाक 10 ग्रगस्त 1984 निर्देश सं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/ 329—न्नतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ध्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्रार-जे० की-226 है तथा जो 4 रूप नगर दिल्ली स्थित में है (ग्रौर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय ग्रजैन रैंज-3, नई दिल्ला धारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनोक दिसम्बर-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के तिए, और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने मन्तिया के निए;

 राजेश्बा श्रीपर्टीज, (दिन्ली) प्रा० लि० स्प-52ए,कर्नांट प्लेस, नई दिस्ली,

(ग्रन्तरक)

श्री ए० सी० उपाध्याय, जी० एम० जवाला, टैक्सटाइल, गुड़गांव-122006

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुए।

तक्स मस्पत्ति को अर्थान को सबाध में कार्थ भी आक्षप 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्वें कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरण : — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

भार० जे० बी०-226, (যু০ जी० एफ०), 4-रूप नगर, दिल्ली, तादाधी, 36 वर्गफीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली

५-३ क्व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् क्व.

दिनांक: 10-8-84

त्रक्ष बाइ. टी. एन. एस.-----

# नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2

नई विरुली, दिनोंक 10 प्रगस्त 1984

निर्वेश सं० घाई० ए० सी०/एवयू 2/37ईई/12-83/330 घत मझे घार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० ग्रार० जे-वी-4, है तथा जो 4-रूप नगर, दिल्ली में हैं (भौर इससे उपावस भ्रमुखी में पूर्व रूप से वांगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय ग्रर्जन रेंज नई दिल्ली भारतीय ग्रामकर ग्राधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंगरिती (अगरितियाँ) के बीच एंगे अन्तरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (का) बन्तरण नं इ.इ. किसी नाय की वार्यत उकत निध-निवस के नभीन कर दोने के अल्लारक के दायित्य में कामी कारने या उससे अधाने में सुविधा के लिये; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन जन्म जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात:— (1) राजेन्द्रा प्रोप्टींज (विल्ली) प्रा० लि० एन-52 ए, कनाट प्लेल, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० जैन,
पलेट नं 2 डी डी० ए० ब्लाक नं० 3,
ग्रामीक विहार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके प्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो हितबव्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगुसूची

म्रार जे० की 5, (बेसमेंट) 4-रूप नगर, दिल्ली तादावी 29 वर्गफीट

> . म्रार० पी० राजेश सक्षम र्म्याधकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-2

विनोक 10 मगस्त 1984 मोहर :: प्र<del>कार कार्याः दीत् एगत् एस व्यक्तिकार</del>

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्याक्रय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज 2 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

े निर्वेष सं० ग्राई ए० सी० /एवयू० 2/38ईई/12-83/ 331--- ग्रत मुझे, ग्रार० पी० राजेश

नावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनिवम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं श्रार जे बी 22, है तथा जो 4-रूप नगर विस्ती, में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची सें पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली भारतीय भायकर श्रीविनियम, 1961 के श्रीवीन दिनोक दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरून से हुई किसी नाव की बाबत, अवध निधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरूक के दायित्व में कमी करने या स्तस्त वचने में दुविधा के सिए; जांद्र/ना
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतत जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग कें: जनूबरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधार (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, जर्भात् क्र--- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिस्सी) प्रा० लि० एन-32 ए, कनाट प्लेस नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री तिलोक नारायण गुप्ता, निवासी 102, स्टेट बैंक कालोनी, दिल्ली (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज क 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के बध्याय 20-के में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

## वन्तुची

भार॰ जे॰ बी-22 (बेसमेंट) 4-रूप नगर, विल्ली, तादाबी 40 वर्गफीट

> म्रार पी० राजेश सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) ,म्रजंन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 10 ग्रगस्त 1984 मो**ह**ु इ प्राक्ष नाइं.टी.एन.एस.-----

नावकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीत सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातन, सञ्चयक गायकर गायकर (विरोधान) अर्जन रेंज 2, नई विस्लो

नई दिल्लो, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/332 अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० आर०जे०वी०-385 है तथा जो 4-रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसूची में भीर रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली हू भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्थीन तारीख दिसम्बर,83

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृष्य से कम के क्ष्यवाक प्रतिक ल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्विषय से उचित अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई कि वी शाय की वावर्त, अक्त वीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के प्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्यु; बांड/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भग या बन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय नायकार निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्नियम, या भन-कर जिभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए ना, जियाने में सुविभा के निष्

जत: कथ, उक्त जीभिनियम की भारा 269-न की, जनसङ्ख्या माँ, मी, उक्त जीभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जभीत, निम्निलियित व्यक्तियों, जर्भातु:—

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिस्लो) प्रा० लि० एन-52,-ए, कनाट प्लैस, नई दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- (2) मास्टर आशीश चोपड़ा, निवासी -बी-3/252, पश्चिम विहार, नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब ं से 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा नधोहस्ताक्षरी के पार सिकित में किए जा सकीये।

स्वकारका: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों जीर पर्यों का, को उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं ज्यें होगा को उस जध्याय में दिया ग्या है।

## मन्त्रपी

आर० जे० वो०-305, पहली मंजिल, 4-रूप नगर, विस्लो, तादादी 31-वर्गफिट

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी शयक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, विल्ली।

दितांक: 10-8-1984

मोहर 🖫

## ध्रुष्य बाह्र<sup>क</sup>.टी .एन् . एक . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### शास्त्र स्ट्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई० ए० स्रो०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/333— अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० आर० जै०वी०-220 है तथा जो 4-रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 83 को पूर्वीक्त संपर्शित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपर्शित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण

लिकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्पिय में कमी करने या उदसे अ्वने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किसा बाता चाहिए था कियाने के स्विधा के लिए;

बतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नोलिमित व्यक्तियमों अधीर :--- (1) राजेन्द्राप् प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अणोक मोहान, निवासी 165, मेन बाजार, नरेला, दिल्लो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध वे कोई भी बाक्षेद :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की वयि या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी शवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका। अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

आर० जे०वो०-220 (यू०जी०एफ), 4-रूप नगर, दिल्ला, तादाद्य 36 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांक: 10-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आहे. दी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त, 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-83/334--- अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं आरं जो वी ०-219 है, तथा जो 4-रूप-नगर, विस्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्या-स्था, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शांतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्म, दसके दश्यमान प्रतिफल से, एस अयमान प्रविफल का पन्दह प्रोतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्मीमिश्ति उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (का) बंदारण वे हूथ किसी बाद की बादता, उक्त जॉर्थीनशम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिस्य जे कामी कारने वा संशंधी क्याने में सृष्धिमा के सिए; व्यद्शिया
- (वा) एसी किसी बाध या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिल्हें भारतीय वाधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए.

त्रतः जत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (३), के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) राजेम्द्रा प्रापर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन- $52_{7.}$  ए, कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अलोक गुप्ता, टेरेस-7, भ्रोबराय अपार्ट-मेन्ट 2-शाम नाथ मार्ग, नई दिल्ली।

है (अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

जन्म सम्परित के अर्ज़न के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से A5 दिश की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर लचना की तामील से 30 दिन को अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उरारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात सिमित में किए या सकता ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त औध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

## अनुसूची

आर० जै० वी०-219 (यू० जी० एफ) 4-रूप नगर, विल्ली, तादादी 36 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांक: 10-8-84

मोहर 🖫

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मैर्संस निर्माण कन्स्ट्रक्शम्स।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंजूबेन नातूभाई पटेल।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांफ 14 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9601/83-84—अनः मुझे,

लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संबद्धकान नं 5, तलमाला, निर्माण विहार, ए-विंग, राजमाना जिजाबाई रोड, श्रंधेरी (पू॰), बम्बई-93 में स्थित है ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-12-1983

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्विध से उच्त अन्तरण निविक्त में वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय की वानत, खक्त जिथीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; जौर/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे आ सकती।

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

## यगृज्यी

दुकान नं. 5, जो, तलमाला, "निर्माण विहार", ए-विंग, रानोमासा जीजाबाई रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/9601/83-84 भीर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/12/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राफ्रिकारी मैंसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 14-8-1984

नोहर 🛭

शक्षप् **शार्**ं, टी., **एम्., एम्.**, "भारत्वनारा

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चनः

## शारत बरकाड

कार्यालयः सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांग 14 अगरा, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9357/83-84—-अतः मुझे.

लक्षमण दासर्हे

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जियको सं यूनिट नं 141, पहलो मंजिल, दामजो ग्रामजो इण्डस्ट्रियल काम्प्लेक्स, महाकाली केव्हज रोड, ग्रंधेरो, बम्बई-400058 में स्थित है ग्रीर जिसका करार-नामा आयवर अधिनियम 1961 को धारा 269 कल के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य है काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किर रेगया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निर्माणिखि क्यिक्तयों, अधित :----10-246GI/84 (1) मैसर्म धामजः लासजः एण्ड सन्स

(अन्तरक)

(2) जीवनलाल इस्ट

(अन्तरितः)

(3) अन्तरितं

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

न्ते यह सूचना चारी करके प्वाँच्छ सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः⊸्

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीय वें 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस नुमना के पांचपम में प्रकासन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे.!

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमृत्यी

यूनिट मं० 141, जो, पहला मंजिल दामजी गामजी इंडस्ट्रीज काम्प्लैक्स, महकुलि केव्हज रोड, ग्रंधेरी (पू०) बम्बई-400058 में स्थिम है।

अनुसूची जैसा कि कि नि अई-2/37ईई/9357-83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

# श्रुक्ष्यु वार्षः टी. एत्. एस.ु- - = ::---

बायकर विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ण (1) के ब्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 14-8-1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9316/83-84---अतः मुझे,

लक्षमण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाजार मृस्य 25.000/- 75 से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 201, है तथा जो 2री बिल्डिंग सी-1, मापखान नगर, मरील, श्रंघेरी (पूर्व), बम्बई-100059 में स्थित है श्रीर जिसका भरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है तारीख 9-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिवित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

जल जब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के जनसरण मों, मों लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीतिहित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) मैसर्ग ए० एस० बिल्कर्म

(अन्सरह)

(2) श्री गोम्स अस्थोनी नावर्ट

(अन्सरितीः)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कॉर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुस्**ची

**पलैट** मं  $\circ$  201, जो 2रो मंजिल, बिस्डिंग नं  $\circ$  सं $\cdot$ 1, मापजाना नगर, मरोल, ग्रंधेरो (पूर्व), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूर्यः जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/9316/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारोः, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> क्षक्षमण धास सक्षम प्राधि∵ार्टः सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

प्ररूप नार्द . दी . एन . एस . ------

बाउकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9570/83-84—अतः मृझे लक्षमण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (जिसे वाक्षितियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लैट नं ए-3/9/मूतन जीवन को-आपरेटिष हाउसिंग सोसायटी, विलेपार्ले (), बम्बई-400056 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है सारीख 9-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाचार मून्य उसके रश्यमान प्रतिफल में, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सविधा के लिए;
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया व्यान वाहिए था किया वे नृष्या के निय;

(1) श्रा प्रताप लक्ष्मीदास रामय्या ।

(अन्तरक)

(2) भी विलास एस० फातरपेकर

(अन्सरितः)

(3) अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की बविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर प्रविध्य क्याधितयों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्या स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं खे पास मिवित में किए वा सकोंगे।

स्वाकारणः ---इसमें प्रयुक्त शन्वां और पवां का, जो उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा भवा है।

## जनस्थी

फ्लैट मं० ए०-3/9, क्रुपा नगर, इला एस० बी० रोड, नूतन जीवन को-आपरेटिक हाउसिंग सोसायटी, विलेपार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/9570/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

अतः अब उस्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, संशति :---

दिनांक: 14-8-1984

माहर 🛭

प्रकप आहे. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के वधीन स्वाना

## भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 अगस्त, 1984

निदेश म० अई-2/37ईई/3893/83-84--अत मुझे

लक्षमण दास

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 11 है तथा ओ 3री मजिल, नव विकास की-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, विलेपार्ले (पू०), बम्बई-400057 में स्थित है स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम शिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 16 -12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण मं हुइं किसी आयं की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ्र) एसी किसी जाय या किसा धन या अन्य आस्तिनाँ का जिल्हों भारतीय अध्यात र नेधीनगम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधमार्थ अस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नेधा था विका जाना करिएए था, विद्याने में समिधा के निए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारी (1) के मधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, वर्धात (1) श्रीमृती भन्द्रा चक्रवर्ती

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम हरिभाऊ कुलकर्णी ग्रीप श्रोमती राधिका पुरुषोत्तम कुलकर्णी ।

(श्रन्तर्रतः)

(3) अन्सरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपित्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं 4

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोंड्र भी बाक्षप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित संक्रिए जा पकाय

स्पाक्षांकरणः -- इसमी प्रमान शक्यों और गुन्ना कार, जो जक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

## नम्स्वी

फ्लैट न ० 11, जो, 3र्रा मजिल, नविधिकास की-आपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 33, सुभाष रोड, बिलेपार्ले (पू) बम्बई 400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/3893/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर्द

विनांक 14-8-1984 मोहर:

# प्रका बाह् . टी . एवं . एक . -----

प्रायक्तर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के बचीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड वम्बर्ड, विनांक 13 अगस्त, 1984

निदेश म० अई-2/37ईई/3591/83-84—अतः मुझे लक्षमण शस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स क्षे अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० कायनल प्लाट नं० 1259, टी ०पी ०एस०-4, महिम सी ०एस० न० 41, ग्रोस्ड प्रभा देवी रोड, वस्वई-400025 हैं तथा जो बस्वई-25 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन हो), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, ताराख 31-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिकल के लिए संतरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का दश्यक प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वाराविक कप से किथत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी जाम की वाबत., उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्ल में कमी करने या उसन्ने अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिकशा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, गर्थात् :--- (1) श्रीमती भनेर रुस्तम पटेल

(अन्सरक)

(2) श्री करीयना यल्लप्पा णेट्टी ग्रीर श्रीमती पद्मावता करीयना णेट्टा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिसं।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुद्ध करता हूं।

उन्नत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 विन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थीलत्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति.
- (त) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० बाम/2509/82 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्मई।

विमोक . 13-8-1084

माहर

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , बस्बर्ष्ट वम्बर्ड, दिनांक 13 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई-2/37जी/3604/83-84—अतः मुझे,

लक्षमण बास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 199 (पार्ट) आँफ मोग्रा विहलेज पारसी पंचायत रोड श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजरर मृत्य से कम वृष्यमान अनिकत के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विषयान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृष्यमान प्रतिकृत का पश्चह प्रतिशत में प्रधिक है बीर बम्तरक (अन्तरकों) और बम्तरिती (बम्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए उन पाया गया प्रतिकृत, निम्नसिबत उद्यय से प्रकार प्रन्तरण निकित में बास्तविक एव से स्वित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी शाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व मा कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; ऑर/या
- को। एस किसी काय था किसी धन गा अच्या लास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1992 का 11) या उदल को जियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, स्थिपने में सूविधा के लिए; और/या

अंश: जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के अभूसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) से जुधीन, निम्नलिखिस व्यक्ति में, अभीत १-- (1) श्रो बूरजोर अर्धे शिर मिस्स्रो, ग्रौर (2) श्री होस्सो अर्धे शिर मिस्स्री;

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलादेवी भागमल सुराना

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती रतनबाई वार्डफ आफ शिवजी मेसूर प्रजापति।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्वूध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

## वम्सूची

अनुसूचो जैसा कि विलेख सं० नं० एस० 2327/82 ग्रौर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, वस्करी

दिनांक: 13-8-1984

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ज-**II, विम्बर्ध

बम्बई दिनांक 13 अगस्त, 1984 निदेश सं० अई-2/37-जेः/3592/83-84---अतः मुझे लक्षमण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं 83 औं शिवाजी पार्क स्कीम टुगेंदर विण बिहिडग, बेअरिंग सी एस वर्ग 1793 आफ माहीम डिब जन है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्राकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः माँ, माँ, अक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रं वसन्त बिष्णु दामले

(अन्तरक)

(2) श्रा दामजा शहा, (2) नौतम दामजा शहा, (3) जयेश दामजा शहा, श्रीर (4) संजय दामजा शहा।

(अन्तरितंः)

- (3) अन्तरक ग्रीर भाडूत (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संस्पत्ति है)।
- (4) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं बाम 935/81 भ्रीर उप-रजिस्ट्रार, धम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयक्ष्य (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, बस्बई

विनांक: 13-8-1984

--- प्ररूप आर्दः टी<sub>ः</sub> इनः **एसः ----** ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ... बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-11/37ईई/9530/83-84--अतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उवन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक.है

ग्रौर जिसका सं० फ्लैटनं० 504 विंग ए०, 5वां माला, देशिल, प्लाट नं० 31, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (वेस्ट), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विंगत है),रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, विंगत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 को धारा 269क्य के अधीन बम्बई स्थित सक्षम. प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारोग्र 27-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दाणित्व में कभी कारने या उपमें वचन में मृतिष्ण के लिए, और/या
- (स) एंनी फिसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वीरा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आका को हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स एबियाज डेग्लपर्सः

(अन्तरक)

(2) मैसर्म भारते। मोहनलाल केंशवाने।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 रिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्रां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

प्लाट नं० 504, विग "ए", 5वां माला डेनझील, प्लाट नं० 31, एस० नं० 41, ग्रोसिवरा, वर्सीवा श्रंधेरी (वेस्ट), बम्बई-58।

अनुसूचो जैसा कि करु सं० अई-23/37-ईई/9530/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई।

दिनांक: 13-8-1984 .

मोहर 🖫

प्रकृष बाई . टी . एन् . एस . ------

**बागकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-**ष (1) के ज्**धीन सृष्**ना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1984 निदेश मं० अई-2/37-ईई/9446/83-84—अतः मझे, ए० प्रसाव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० यूनिट नं० 15-ए-प्राउन्ड फ्लोर, वीरा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वोरा देसाई रोड, अन्धेरी (वेस्ट), वस्वई-400058 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन वस्वई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-12-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दें? के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे प्रचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा'या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ्(1) देवधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थातः :---

11 246GI/84

(1) मैससं पी० राँयल कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभुल केणपपाल पारधोधाला एण्ड श्रीमती दक्षा प्रभुल परडोबाला

) (अन्तरितो)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामीस से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नम्स्ची

यूनिट नं ० 15-ए, ग्राउण्ड पत्नार बोरा इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, बीरा देखाई रोड. अन्सेरी (बेस्ट), बम्बई-400058 अनुसूची जैगा कि अ० सं ० अई-2/37-ईई/9446/83-84 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, तम्बई।

दिनांक: 13-8-1984

प्रकृष आष्ट्र' हो एन एक -----

# आसकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लुभूति स्वाम

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, बम्बर्स बम्बर्इ, दिनांक 13 अगस्त. 1984 सं. अर्ड-2/37र्ध्ड/9539/83-84--अतः

निदेश सं० अई-2/37ईई/9539/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद.

शायकर शिधिषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्राण मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं '

श्रीर जिमको सं० सीटीजन, फैट नं० 305, 3रों माला, प्लाट नं० 27 एस० नं० 41 श्रीशिवरा, फोर बंगली, वर मोता, श्रंधेरा (बेस्ट), बस्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कब के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीका 17-12-83

को प्रांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्रममान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्ष निम्निलिकत उद्वेष्य से सकत अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम संशुद्ध किसी आव की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर की के अन्तरक के शासित्स में कमी करने से उससे अपने में सुविधा के किए; और/वा
- (स) एंनी किसी लाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, क्रियाने में हाबिभा में क्रिया की क्रिया की क्रिया में हाबिभा में क्रिया की क्रिया

कतः अव, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्सीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मै० रिवराज कार्योग्यान।

(अन्तरक)

(2) श्रोः पष्पू वर्मा, श्रीमती कविता वर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के अर्थंड के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर मुवाँक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति धुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वोगे।

#### बन्सभी

मिटोजन, फैंट नं० 305, 3रा माला, प्लाट नं० 27 एस०नं० 41 श्रोसिवरा, फोर बंगलो, बरमोवा, श्रंधेरी (बेस्ट) बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-2/37-ईई/9539/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनांक 17-12-1983 को रिजिस्टई किया गया है।

> सक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-][, बम्बई।

दिनांक: 13-8-1984

मोह्रार:

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण मं० अई-2/37-ईई/9578/83-84---अतः मुझे≰ लक्ष्मण दास

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी मं० फ्लैट नं० 401, बी० डेझील, प्लाट नं० 31 फार बगला, ओणिवरा, वरमीवा, छंछेरी (वेस्ट), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप मं वर्णात है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी ख 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में बास्त-बिक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनीय अनिर्मा द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिसमं, अधीत :--- मैसर्स रविराज डेव्हलपर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मी० श्रीधर नेमू अनचान।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त घटता और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम् स्वी

फ्लैंट नं ० 401 बी, धमाला बेझील, लेआक्ट प्लॉट नं ० 31, एस० नं ० 41 (पार्ट), फोर बंगला श्रोणिवरा, वरसीवा, अधेरी (वेस्ट), बम्बई,।

अनुसूची जैसाकि कर मंद्र अई-2/37ईई/9578/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांः 8-12-1983 का रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेज-11, बम्बई

दिनांबः । 3-8-1981

माहर:

प्रकर्प भाषी. टी. एन. एस्नु अस न न हत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 13 अगस्त 1984 निर्देश सं० अई-2/37 र्ष्ट्र/9480/83-84--- अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी पं० फ्लैट पं० 102, ाला माला, अंधेरे बेस्ट, विरादेसाई रोड बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप रेवणित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 ते, व के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के पावित्य में रिनिस्ट्री है, तारीख 22 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित माजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिगित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुइ किमी आय की आसत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किमी आय ग िकसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत अब, उपन अधिनियम की भाग 269-ग के अनुगरण मों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री महेन्द्रकुमार माना।

(भ्रन्तरक)

2 श्री सजय माधव जयवंत।

(अन्तरिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20 क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट न॰ 102, 1 ला माला, विरा देसाई रोड़, अन्धेरी बेस्ट, बम्बई।

अनुसूची जैसाकी ऋ० म० अई-2/37कईई/9480/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2--84 को रिअस्टई नियागया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजनरेंज-11, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

नायकर नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[1/**अम्ब**ई

बम्बर्ह, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई-U/37 ईई/9233/-84-यतः मुझे लक्ष्मणदास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संउपलैंट नं 203, 2रा माला, प्लाट नं 333, जीवन विकास केन्द्र रोड, सहारा रोड अन्धेरी ईस्ट, नोन जगदीण नगर बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी छ 5 अवत्वर 1938 के

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्षा (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योष्य से उक्त अन्तरण विस्तित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, सब्त निभिनियम के नभीन कहर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिलिलित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री एस० कस० मिश्रा एण्डक०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीबेन लक्ष्मीचन्द नीसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 203, 2रा माला, प्लाट ने० 333, जीवन विकास केन्द्र रोड, सहारा रोड, अन्ध्रेरी ईस्ट, बम्बई।

अनुसूत्रो जैयाकी करु सं० आई-2/37-ईई/9233/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ।

दिनां क : 13-8-1984

प्ररूप आइ<sup>‡</sup>.टी.एन.एस. -------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण सं० आई/37-1(ईई/9185/8384-अत: मुझे; लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी और नं 10, 2रा माला, बिल्डिंग नं 2 प्लाट नं 14, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, मन्धेरी, (पू) वम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से बणित हैं) और जिस्सो करारनामा आयरार अधिनियम 1961 की धारा 269 हैं, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिन्द्री तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्शिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में शास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहुइं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैर्स दिपक बिल्डम प्रा० लिए।

(अन्तरकः)

2. श्री जयन्त केल हरगुड़े ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुस्ची

प्लैंट नं० 10, 2रा माला, प्लाट नं० 14, बिल्डींग नं० 2 भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अन्धेरी (ईस्ट) बम्बई-400059 !

अनुसूची जैसाकी क्रम सं० अई-2/37-ईई/9185/8384 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्र दिया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

नारीख: 13·8-1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जल रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/3873/83-84-~अतः मृङ्गे, लक्ष्मण्,वास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए/5, 2रा माला, क्योरस कारतर हा० सो० लि० 395, सितलादेवी टेम्पल रोड़, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप संवर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रिजम्बी है तारीख 15 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि रूथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी , आय का बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूभिया के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धार 269-स के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिषित व्यक्तियों, अर्थाम् ु--- श्रीमती के बातशाला ।

(अन्तरक्)

2. थी मंगेश विट्टल दिवेड गर ।

(अन्तरित

3. अन्त्रका ।

(बह व्यक्ति, जिसवे अधिभोग में पम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , तो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अम्स्ची

फ्लेट नं ० U/4, 2रा माला, क्वीन्स कारनर कोआप० हो० मो० लि० 395. सितलादेवी रोड़, माहिम, बम्बई- 400-016।

अनुसूची नैसाकी कि० सं० अई-2/37-ईई/3 73/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 15-12-1983 को रजिस्टई किथा गया है :

> लक्ष्मणदाम् गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आएवन (निरीक्षण) अर्जनरेक-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

योहर:

प्रकर्ष आहुर . टी. एन . एस . -----

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की थाग 269-घ (1) के अथीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्थालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण सं० अई-II/37ईई/3862/84-85---अत: मृष्ठो, लक्ष्मणदाग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संज फ्लेट नंज 13. बारकी ग प्लेस नंज 13 आरोबी से को-आपज्हों जसोजित ज्ञान काट नंज 20 बी, टीज्पीज एस 4 सांताक ज 'बेस्ट ' बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियस 1961 की धारा 269 ए, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के बार्यालय में रिजस्ट्री है तारी ख

को प्वंक्ति सम्पत्ति वे उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया शितफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक कर में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निस्तिवित व्यक्तियों, जर्मात् :---

- (1) श्रीमती चन्दावती हिएराम माखिजा।
  - (2) श्री मुरेशहरिराम माखिजा।
  - (3) श्री रमेश हरोराम माखिजा।
  - (1) श्री अनिल हरीराम भाषिजा ।
  - (5) श्री मुनिल हरियम माखिजा।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री वारजीवनदात्र चिमनलाल पारिख।
  - (2) श्री स्ंनदा वारजीवनदास पारिख।
  - (3) श्री मनोज जारजीवनदास पारिख।

(अम्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के भवंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्यों का, को उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 13 एण्ड पार्राक्षम प्लेस नं० 13, असङ्खीला को० आ० हो० सो० लि० प्लाट नं० 26 बी०, टी० पी० एस०नं० 4, साताऋूज (बैस्ट) बम्बई-400054।

अनुसूची जैसाकि कि० मं० अई-2/37 ईई/3862/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मनदास् सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज- 2, बम्बर्ध

नारीख: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस. ....----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

दार्थालयः महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984
निर्देश मं० अर्ड-2/37-ईई/9571/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मणवास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लक्ष्मणदासनं० 9, 2 रा माला, विना विना मार्पिग सेन्ट, टुनर रोड़, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर आयुक्त अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 9 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीब एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में धास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उत्तर अधिनियम, या यन-का अधिनियम, या यन-का अधिनियम, वा प्राप्त (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ा. भो पी० उत्तन्य । दोस्टें।

(अस्तरकः)

2. मैसर्स पंचरता उद्योग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस स्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

आफिस नं० 9, 2 रा माला, विना बिना शापिंग ्सेन्टर, तुरनेर रोड़, बान्द्रा, घम्बई-४०००५०।

अनुसूची जैसाकि क० स० अई-2/37-ईई/9572/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 9 अक्तूबर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

**दि**सांक: 13-8-1984

भोहर 🖟

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.,-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्वेश मं० अई-2/37-ईई/9529/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मणदास

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं जी 05 वींग-बी तलमजला, हि झल, प्लांट नं 31, ओसिवरा, वसींवा अन्धेरी (वेस्ट) बम्बई-58 में स्थित है (और उसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 27 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- '(क') अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ' बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

1. ग्रैसर्स रिवराज हेव्हलपर्स।

(अन्तरक)

2. श्री सृशिल जें शिवदासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

पलैट नं ० जी ० 05 बींग बी ०, तल मजला---डेझिल, प्लाट नं ० 31, ओशिवरा, बर्मोना, अन्धेरी वेस्ट, बम्बई-581

अनुसूची जैसाकि करु सं० अई-37/9529/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 12-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांस: 13-8-1984

प्रक्य भार्षः टी. एत्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) की छारा 269-व(1) के धनीन बुचना

बारुत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/9160/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मणवास

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 2, तल मजला, बिल्डींग, विनीत बी, चकाला, अन्धेरी ईस्ट, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निवित्त में बास्सविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे वजने में सूबिधा के सिए; और्एया
- (क) श्रेसी किसी बाय था किसी धन या सन्य बाहिस्ता की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 की 11) था उनत बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया बाना वाहिए वा, किया ब्रावधा की किए;

कर का , उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अधित् ह—

- 1. मैसर्स शशी प्रापर्टीज अन्ड इन्डस्ट्रीज ली० डेह्मलपर्स। (अन्तरक)
- 2. श्री अब्रहम सी० लोबो।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह न्यन्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना बारी करके पृत्रींक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की ताड़ीय वें
  45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मण्यित में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभाहेस्याकरी के शक्क विविध में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

## जनुस्की

फ्लैंट नं० 2, तलभजला, बिल्डिंग, विनीता बी० चकाला अन्धेरी ईस्ट. बम्बई।•

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37-ईई/9160/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मणवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; **सम्ब**र्

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖟

प्रकृष बाह्र टी. एन. एस्. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

## भारत चहुनार

# कार्यास्य , सहायक बामकर बायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश । स० अई-3/37 ईई/9542/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मणदास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पदभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 405, ए विंग, 1 ला माला, "डेझिल" प्लाट 31 म्रोशिवरा, 4 बगलो, अन्धेरी वेस्ट, बम्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, तारीख 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथिक रूप में अधिक नहीं किया गया है .---

- (क) मन्तरुष् से हुई किसी बाब की बाबस्, स्वस्त प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के बाबित्व को कभी करने या उससे अपने में सुविधा के बिदः बरि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए।

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निम्मलिनित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. भैंसर्स रविराज डेह्मलपर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महीदा साफी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाकीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## and.

पलैट नं 405, ए विंग, 4 माला, "डेम्नील" प्लाट नं० 31, ओसिवरा, 4 बंगलो, अन्धेरी, वेस्ट, बम्बई-58। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/9542/83-84 और जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई हारा विनांक 8-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

दिनाक : 13-8-1981 ----

मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २५६० व्य (1) के सुधीन सुभूता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देण म० अई-2/37-ईई/9208/83-84--अतः मुझे लक्ष्मणवास

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, पालम णिपींग, ग्रोणिवरा बिलज, वंसिवा, ग्रंधेरी यम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका अरारनामा आयशर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 4 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और राजिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उकत अंतरण निश्वित में भास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण वं हूप कियी जाद की शावत उपक अधि-निषम के बधीन कर वोने के जन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) एसी किसी बार या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम् या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती द्वार प्रकट नहीं किया जया वा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के जिल;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निखिकित् व्यक्तियों, अर्थाह् हु— 1. मैसर्स अबिराय कन्स्ट्रबशन।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जी० एल० वाबी।

(अन्तरिती)

4. मैस्प्सं आंबराय कन्स्ट्रक्शन।
(वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## वन्सूची

शांप नं० 6, ग्राऊन्ड फ्लोर, पालम स्पिग, श्रीशिवरा विलेज वर्सोवा अन्धरी, बम्बई।

अनुसूची जैसाकि क० स० अई-2/37-ईई/208/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्ररूप आइ<sup>र</sup>्टी. एन. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-II, वम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश स० अई-2/37-ईई/9210/83-84--- अत: मुझे लक्ष्मणदास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

श्रौर जिसको सं० शांप नं० 1, ग्राऊन्ड पलोर, पालम स्पिग, प्लाट नं० 26, आशिवरा विलेज, वर्सोवा अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका वारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 अक्तूबर 1983

को पूर्वकित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरिक उच्चे के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) नृत्तद्रम संहुई किसी भाग करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वामित्य में कमी कारने या जससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सृचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मैसर्स श्रोबेराय कन्स्ट्रक्णन।

(अन्तरक)

2. मी० दयालसिंग आर० थावरानी।

(अन्तरिती)

3 अबिराय कन्मट्रकशन (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचीं

शांपनं ० 1, ग्राऊन्ड फ्लोर, पालम स्पिंग, ग्रोशिवरा विलेज वर्सीवा अन्धेरी, बम्बई।

अनुसूची जैसाकी कै० सं० अई-2/37-ईई/9210/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 4-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहार ः।

## प्रकर बाह् दी एवं , एस , -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/9209/83-84—अतः मुझे लक्ष्मणदास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 3 ग्राऊन्ड फ्लोर पालम स्पिग, आधिवरा विलेज, अन्धरी, (बम्बई) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख अंदिसम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौट्/बा
- (स) एंसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स घाँबेराय कन्स्ट्रमशन।

(अन्तरक)

 श्री जानको बाई पी० खेमानी, श्रीमती भगवती बाई पी० खेमानी।

(अन्तरिती)

 मैसर्म आबेराय कन्स्ट्रक्शन।
 (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स ची

शाँप नं० 3, ग्राऊन्ड फ्लोर, पालन स्पिंग, श्रोणिवरा विलेज, वर्सोवा श्रंधेरी, बम्बई।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-2/37-ईई/9209/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2,बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

# प्रकार कार्ड. टी. एन. एस. ~ ~ ~ ~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1983 निर्देश सं अई-2/37-ईई/9207/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 503, 5वा माला, पालम स्पींग, श्रीशिवरा विलेज, वर्सीवा अन्धेरी (वेस्ट), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्क में कमी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनिया की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निक्निसिस व्यक्तियों, कथील :--- गैयर्स भीसिवना कल्प्डकान।

(अलग्रह)

2. मा० कुलजानसिंग गारकेल।

(अन्तरिती)

मैसर्स श्रोबराय कन्स्ट्रक्णन।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के कर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्परित के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति क्यारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे.

स्यव्योकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनस्ची

फ्लैट नं० 503, 5वा माला, पालम स्पिंग, श्रोशिवरा विलेज, वर्सीवा श्रंधेरी (वेस्ट), वस्बई।

अनुसूचो जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/9207/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

्लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बस्बर्ड

दिनांग : 10-3-1983

माहर ..

प्रकप बाइ. टी. एन. एस. - -- 1. मैसर्स आबेराय कन्स्ट्रमन।

जायकर जाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/9206/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित याजार मृल्य ∡5,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 202, 2 रा माला पालम स्पिग, श्रोशिवरा, वर्सीवा अन्धेरी (वेस्ट) , बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावब अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269ए ख के अयोज बम्बई स्थित एका हिथा है होते कार्यालय में रजिस्ट्रां है ताराख 4 दिसम्बर 1983

को पूर्वीशत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का अधित बाजार मस्य उराके रूप्यमान प्रतिफाल से एसि रूप्यमान प्रतिफाल का न्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण ते हुई किसी मान की बाबस उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजिए मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वार/या
- (का) एसी किसी गाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय शामका कमिनियम, ११२५ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-फार विधिनियम, 1957 (1957 को 27) जे वयोक्सार्थ अन्तरि है द्वारा प्रजात नहीं दिया गया भा था किए। अध्या भाहिए था, छिपाने में स्विधा S Park

बतः वयः, अनतः विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भे अधीर, निम्नीअखित व्यक्तियों, अधीत :---

13-24CGL/84

(अन्तरक)

2. मी० जया एच० चन्दानी।

(असरिती)

3. मैसर्म आंबेराय कंस्ट्रकणन। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबत है)

का यह युचना जारा कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त भाणीत्य के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपित दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-छ मो यथा परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याश में दिया गया है।

## धनस्थी

प्लाट नं० 202, 2 रा माला, पालम स्पिग, श्रोणिवरा, वसीव अन्धेरी (वेस्ट), बम्बई।

अनुसूची जैसाकि कल्सल अइँ 3/37-ईई/9206/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 4-12-1983 की रजिस्टुई किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारा आयुक्त (निरीक्षण) महायक आयकर अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

श्रह्म आहें. टी. एन. एस. ----

नायक र अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुबना

अभिन भरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/9322/83-84 $\rightarrow$ -अतः मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने हा कारण हो कि स्थावर रापित, जिसका उचित जाजार प्रकर 25,000/- रापये से अधिक ही

श्रीर जिनक सं पर्लंट नं 2, ग्राऊन्ड फ्लोर, अलका अपार्ट-मेन्ट, 27, जोगेगायर, को हा सो लि तो इं 4 जोगेगायर। (ईस्ट), बम्बई-400060 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा जाययर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है सार ख 9 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त राम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल के जिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के दीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिसित में वास्तिब रूप में कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के या भारत ने दास असमां या उससे बचने में स्रोजिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दियस के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैंसर्स अल्पना एन्टरप्राईजेस, बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रा माधव जी जोगलेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्यां करता हूं।

उक्त रूपित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विनत् आकर्मा में स यिएगी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्लैंट नं० 2 फ्रांकन्ड फ्नोअर, अन्तः। अपार्टमेन्ट, 27 जोगेक्वरी को० फ्रांप० हो० मो० नि० रोड नं० 4, जोगेक्वरी (इ) बम्बई-400060।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या अई-2/37-ईई/9322/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 9-12-83 को रजिस्ट्रई किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

# प्रस्थ भार्षं.टी.एच.एच..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### प्रार्थ सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्व

बम्बई, विनांक 13 अगरत 1981

निर्देश स० अई-2/37-ईई/9190/1983-84---अन:

मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269 के अधीन सबस प्राधिकारी को नह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सपिता, जिसका उच्चिम भाजार मुख्य 25,000 - राज्ये अधिक हो

श्रीर जिसको में पर्लंट ने 1, 1 ला माला, बर्मोबा बिलेज अन्धेरी (बेंग्ट), बम्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर रिजरट्रोक्ति- अधिनारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रेक्ररण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, नाराख 4 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अधित् :—- 1. श्रा मुकेश जमनादास रुपान।

(अन्तरक)

2 श्रामता श्रजना सुरेश सघवा।

(अन्तरितो)

3 मैंसर्स नेणनल इन्टरप्राइज डेवेलपर्स।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के मध्बन्ध मा कार्क भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्य नि व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 50 दिन के। अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अनाहम्लाश्वरी के पार सिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के ज्ञायाय \_\_( के वा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा विया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1, 1 ला माला, वर्सोवा विलेज, बस्बई-58। अनुसूच। जैसा की क० स० 2/37-ईई/9190/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाक 4-12-1983 को रजिस्ट्रई किया गर्या है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जनरेज 2,बम्बई

नारोख 13-8-1984

प्ररूप आहर .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर काम्बल (निरीक्षण)

अर्जन रें आ-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-3,4/37-ईई/9215/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 912, जो, 9वीं मंजिल "एवरेस्ट" बिल्डिंग, जयप्रकाण नारायण रोड़, वसींबा, श्रंधेरी (पिष्चम) बम्बई-61 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ण) अन्तरण सं हुन्दं किसी आय .की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयत्व मों सभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ छन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अन्मरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- ा. श्री निराकार पात्रा।

(अन्तरक )

2. श्री श्रीगेली फान्सिस फर्नाडिस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सक्यों।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लैट नं० 912, जो, 9वीं मंजिल, "एवरेस्ट" बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड, वर्बोवा, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकी क० सं० अई-2/37-ईई/9215/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्ट्रेड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2,बम्बाई

दिनांक : 14-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-म (1) के बर्भान सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 सम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 14 अगम्त 1984

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/9460/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मणदास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अनिस वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

र्या र जिसकी से ० पलैट ने ० 1. जो, ग्राऊंड पलीए इस्टर्नि थिंग, विलिंडग ने ० ए-7. थी। राम की-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, आफ कामा विवेकानंद रोड. ग्रंथेरी (पिष्वम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीप इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) ग्रीप जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख को अधान सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिशिवत व्यक्तियों, सर्थात :---

- 1 श्रीमती पार्वश्री नारायणन श्रीर श्री के० एस० नारायणन (अन्तरक)
- 2. श्रा के० बाव बालसुत्रहमण्यन।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीसत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अत्रिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थातर संगरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

भाष्टीकरण. - इसमें प्र**गुन्त धन्तों और** पदौं का, जो उन्हास निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, - नहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है। गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 1, जो ग्राऊंड पनोर, एबरेस्ट, विग, बिहिडग नं० ए-1, श्री राम को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड' आफ स्वामी विवेकानंद रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसार्का ऋ० रा० अई-2/37-ईई/9460/83-84 यार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-12-83 को रिजस्टुई किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-२, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

## प्रकृष आहे . ही . धन . एस . . . . . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देण सं० अई-3/37-ईई/9188/84-84-्-असः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लाट एस० नंव 9, हिस्सा नव 2/1, सीव टीव एस० नंव 1262 श्रीर 1262/1 में 15, स्ट्रक्चर के साथ विलेज बसीजा, तालूका श्रंधेरी, बाव एस० डीव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान वस्पर्ध स्थित सक्षम प्राधिकार के सार्यालय में रिजस्ट्रा है ताराख 3 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कह है सी उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कह है से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कह

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर धीन के अन्तरण की शासिएय में कनी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए, और/८।
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियस, 1922 (1992) का 11) मह उत्तर अधिनियस, 1957 का 27) कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थतः—

- 1. (1) श्री कृष्णनाथ गजानन माडगांवकग।
  - (2) श्रोमती इंदिराबाई के० माडगांबकर।
  - (3) श्रीमती मंदाकिनी नारायण काणेकर।
  - (4) श्रीमती सरीता णरद विशाल।
  - (5) श्रीमती राधाबाई दामोदर माइगांवकर।
  - (6) श्रीः वंसतः दामोदर माडगांवकर।
  - (७) श्रीमती सुशिला शांताराम काणेकर।
  - (8) श्रीमिती सिंधु सुरेण नारकर।
  - ·(9) श्री काशीबाई दामोदर माडगांवकर।
  - (10) श्रीमती प्राजकता वसंत माडगांवकर। (अन्तरक)

2. मैसर्स मोनोकास्ट डेवलोपर्स एण्ड बिल्डर्स। (अन्तरती)

- (1) श्रो सुरोश गणपत नारकर।
  - (2) श्रः रामचंद्र आत्माराम रगया।
  - (3) श्रं। लिलाधर विश्वनाथ बोरकर।
  - (4) श्री करसन लक्ष्मण बारीया।
  - (5) श्री नारायण काशिनाथ काणेकर।
  - (6) श्रा झियूराम एम० धोबा।
  - (7) था जयराम एम० धोबी।
  - (8) श्रा चंद्रिकाप्रसाद दुबे।
  - (9) श्रो दत्तूराम ए० रगया।
  - (10) श्रो पांडूरंग वी० पांचाला।
  - (11) भा केदारनाथ मुक्ता।
  - (12) श्रा एको गरी के० शुक्ला।
  - (13) श्री सुभाष एम० नारकर।
  - (14) श्री पोंडूरंग बी० नाईका।
  - (15) श्रा विश्वास बी० सूर्वे।
  - (16) मोरेश्वर जं गौड़ा
  - (17) श्री सत्यराम यादव।
  - (18) श्रं मोहन एल० भर्मा।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों और भाइत।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसब्ब है)।

श्रा मह स्थान। धारा करके पृश्तिक सम्पत्ति के वर्जन के सिए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाहोप हन्त

- (क) इस सूचना के राजपूच में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

ल्पब्बीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

प्लांट एस० नं० 9, हिस्सा नं० 2/1, सी० टी० एस० नं० 1262 और 1262/1 से 15, स्ट्रक्चर के साथ, विश्वलोज वर्मीवा, तालूका अंधेरी, बी० एस० डी० में स्थित है।

अनुसूचा जैसाका कर सं० अई-2/37-ईई/9188/83-84 प्रींग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रिजस्ट्रेड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 14-8-1984

मोहर 🖫

प्रकप आहूर. ट्री. एन. एस. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन समृत

#### भारत सरकार

कार्यालय, महासक आसकार आय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, विनोक 14 अगस्त 1984 निदेण सं० वर्इ-3/37-ईई/9450/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

यौर जिसकी मं० पलैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड वसीवा, ग्रंधेरी (पिश्वम) वम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा अधिकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अबीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय रिजस्ट्री है तारीख 20 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिता (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकर रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाज्य के काल्य किसी काल्य के अधीन बाज दोने के अन्तर्गक के साथिरत में कामी करने या उससे बचरों में मृथिरत के सिए; और/था
- (इ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:--- ा श्री गुमानमन ट० वान मट्टा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शुभलक्ष्मा पी० हिंगवै।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पुर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों भें में किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में रिफार्डणत हैं, सही लर्थ होगा. जो उस मध्याय में दिया रामा है।

## **मन्त्रची**

पर्लंट नं० 402, जो 4थी मंजिल एवरेस्ट विस्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी करु संर अई-2/37-ईई/9450/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मणवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3.4/37-ईई/9456/84-85—-यतः, मुझे. लक्ष्मणदास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित धाजार मृस्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 5, 2री मंजिल है, जो अनुराधा बिल्डिंग बी, इर्ला बिज, एस० वी० रीड, श्रीधेरी (पिष्चम), बस्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी, अम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 30 विसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिकित वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जायकी बाबत उक्क बंधिनियम के अधीन कर दोने के सम्मरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; टीर/या
- (ख) एसी बिल्मी आय या किसी धरण करण जिल्ला निक्ती आन्दी भागीय आय-कर अधिनिमान : 2 1 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनीय जिल्ला जिल्ला काला चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. मैसर्स एक्में बिल्डर्स।

(अन्तरक)

 श्रीमतो लिलो अवामारोया लुकस श्रीर लिबरटा लूकस।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताधारी के पास निर्माण में किया था गई में

स्पष्टीकरणः --- इस् में प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ द्वोगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु सूचि

म्लैट नं० 5, जो, 2रा मंजिल, अनुराधा बिल्डिंग वी इर्ला बिज, एस० वे.० रोष्ठ श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अ० ई०-2/37 ई० ई०/ 9456/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों. बम्बई द्वारा विनांक 30-12-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 **बम्बई** 

दिनांक : 14-8-1984

प्रकप आई.टी.६न.एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

## भारत सरकार

## कार्यासय, महायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रगम्त 1984

निर्वेश सं० भ्रई-3/37-ईई/9566/83-84---भ्रतः मुझे नक्ष्मणवास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की एह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 502, जो 5वीं मंजिल "श्रंकुर श्रमार्टमेंटस" वावाभाई रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित" है (श्रीर इससे उपावछ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यांचय में रजिस्ट्री है तारीख 23 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम विम्निलिश्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिश्वित में बास्तियक कम से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावतं, उक्त बिभिनियमं के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आल्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :——

14---246GI/84

- थी हिरो ऐमे० चीवता, और श्री राँजू ऐमे० चीवला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री म्रारीलाल ग्रगंरवाल।

(ग्रन्निरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अन्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विधिनियम, के बच्चाय 20-क में प्रिशाणिष्ट हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

पर्लैट नं० 502, ओ, 5वीं मंजिल, "श्रंकुर स्रपार्टमेंट्रस दादाभाई रोष, स्रंक्षेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक करु संर ग्रई-2/37-ईई/9566/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई धारा दिनांक 23-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राक्षिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक: 14-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकार बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्यन रेजि-2, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निर्वेण मं० म्रई-3.4/37-ईई/9459/84-85--म्रत: मुझे, लक्ष्मणदास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-श्व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं 2, ओ, 1लीं मंजिल, बी विगायिष्यूलर श्रवार्टमेंटस्, को-श्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, कोर बंगलोज, रोड, श्रंधेरी (पिष्यम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टर्ड है नारीख 30 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से कांधित नहीं किया गया हैं है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में मृथिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियानं में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री तिरू मिरचुमल वरीदानी।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री भोहम्मव कासम श्रन्दुल गफूर धसार। (अन्तरिती)
- श्रन्तरक।
   (अह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवर्णहर्या करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्ची

पलैट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, बी-विंग, पाप्यूलर भ्रपार्ट मेंटस् को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, फोर बंगलीज रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अम० सं श्रई-2/37-ईई/9459/84-85/ जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज-2, बक्क्स

विनोक: 14-8-1984

## इस्थ बार्ड टॉ. एन. एस.---

नायकर विभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जे नभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 9 श्चगस्त 1984

निवेंग सं० ग्रई-3, 4/37-ईई/3190/84-85—-ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० डो/15, जो विल्डिंग नं० 12 एस्टी ध्रपार्टमेंटस्, राम नगर, साईबाबा नगर, बोरीनली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख ृके प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजम्ट्री है तारीख 12 दिसम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के सन्तरक के वासित्व में संबी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी शय या किसी भन या अन्य शास्तियों को बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अभीत निम्नसिचित व्यक्तियों, क्ष्मीत ६(1) श्री दिनेश मूल अन्द लेवाडिया, भौर
 (2) श्री सुरेश यु० लेवाडिया

(ग्रन्तरक)

2. श्री हसमुख एल० पारेख।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी गाक्षेप :----

- (क) इस सुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

## मम्ल्यो

फ्लैंट नं० की/15, जो बिल्डिंग नं० 12, एस्टी ध्रापर्थ-मेंटस्, राम नगर, साईबाबा नगर, बोरीवली (पश्चिम), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3, 4/37-ईई/3190/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-12 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-४. बस्बई

दिनांक 9-8-1984

माहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सुचना

## भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (पिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्रई-3. 4/37-ईई/3156/84-85—-ग्रेतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 79, जो, गितांजली नगरयोजना नं० 2, बिल्डिंग सी० एम० पी० विग 8, ग्राफ एम० वी०रोड बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रीधनियम 1961 कीधारा 269क, ख के श्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में राजस्टर्ड हैं नारीख 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में बृष्धि। के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री प्ररियन्द जी० शेठ।

(भ्रन्तरक)

2. नुमारी पुष्पा माणिकराव पखुले

(ग्रन्तन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के शिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जा उस्त सभ्याय में दिया गया है।

## नन्त्र्या

पलैट नं० 79, जो, गितांजली नगर, योजना नं० 2, बिल्डिंग सी० एस०पी० विग 8, श्राफ एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक अ० सं० प्राई-4/37-ईई/3156/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, बस्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्रस्य भाइ<sup>द</sup>. टरी एन एस . ~-----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रोज 4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 श्रगस्त 1984]

निर्देण सं० आई 3,4/37-ईई/3217/84-85—-म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मिथक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 507, सुयोग श्रापर्टमेंटस्, सी०टी० एस० नं० 52, विलेज मंडपेश्वर रोड़, दिहसर, तालुका बोरीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजम्ट्रो है तारीख 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वांक्य संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुव किसी बाय की बावत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा खें लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् म्  श्री अर्जनल मुमार सोगानी, श्रीर श्रीमती शर्म्तला देवी सोगानी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बी० मेहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्वियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सुभान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लैट नं० 5, सुयोग ब्रापार्टमेंटम्, सी०टो०एस०नं० 52, विलोज मंडपेश्वर रोड़, दहिसर, तालूका बोरीवली में स्थित है

अनुसूची जैसाकी %० सं० ई-3,4/37-ईई/3217/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज 4, बम्बई

दिनांक : 10व8-1984

भाहर 🔅

प्रस्प बाहै. टी. एन. एस.-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत शहकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 9 भ्रगस्त 1984

निकॅश सं० श्रई-3/. 4/37-ईई/3166/84-85—- श्रतः मक्षे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं 203, 2री मंजिल, सी०-ब्लाक, बिह्डिंग नं० 4, प्रेम नगर, एस० थी पटेल रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24 दिसम्बर 1983

को प्योंक्त संपत्ति के अधित नाआर मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित वाआर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण सिकित में बास्तिवृक्त रूप से काचित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उबल अधिनिसम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन निस्तिचित स्थीक्तयों, वर्धात् :--- 1. श्री किशनचंद नरसूमल।

(भ्रन्तरक)

 श्री बी० पी० बोत्रा और श्रीमती एल बी० बोत्रा। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति को कर्बन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकातन की तारीब से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूथ किसी अन्य व्यक्तित् द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की अक्त विभिन्सम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में द्रिया न्या है।

#### -

पलेट नं० 203, 2री मंजिल. सी-ब्लाक, बिहिष्टग नं०'4 प्रेम नगर, एस० बी० पटेल रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई 92 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी करु सं० श्रई-3,4/37-ईई/3166/84-85 श्रीर जो सक्षम भाधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24-12-83 को रजिस्टर्भ किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनर्रेज 4, बस्बई

दिनांक: 9-8-1984

मोहर 🤨

प्ररूप बाइं. टी. एन एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यात्तम, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-3,4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 भ्रगस्त 1984

निर्वेण सं ग्राई-3, 4/37-ईई/3207/84-85—ग्रत: मुझे, ए ० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 4, जो 1 भी मंजिल, बोरीवली मुरज को-श्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डिसपोली रोड. बोरीवली (पिंचम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीर्धानयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन सक्षम श्रीक्षकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9 विसम्बर 1983

को प्वांक्त सम्मृति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का करण है कि यथाप्वोंक्त सम्मृति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर का प्रतिफल का पन्तर का बार पन्तरित (अन्तरित का) को बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के निए;

नतः अव, उन्त अधिनियम, की धारा 260-थ के अनुसरण को, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तित्वित स्पृतिस्यों, अर्थात्— 1. श्रीमती विमला कृष्णलाल भर्मा।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती उषा भोगीलाल सौसीगानिया।

(भ्रन्तरिक्षी)

3. श्रीमती विमला के० शर्मा। (त्रह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवद सम्परित के वर्जन के सम्थन्थ में कोई भी जासेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यी

पलैंट नं० 4, जो 1ली मंजिल, बोरीवली सुरज की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सिंपोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), अम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्राई-3, 4/37-ईई/3207 84-85 श्रीर जो सक्ष्म श्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए ० प्रासंद सक्षम प्राधिकारो सहायक अध्यक्ष आधुक्त (नि**रीक्षण**) प्रजैन रेंज~3,4, बम्बई

दिनांक : 9-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

া. श्री एन० ভা০ पंचाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एच० एम० पंचमिया।

(अअतरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकाई

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3,4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई-3-4/37-ईई/3184/84-85—-ग्रतः मक्षे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं ० फलेंट नं ० ए-9,2 री मंक्षिल, बिल्डिंग नं ० 1 कैलाश ग्रापर्टमेंटस्, राम बाग, एम० टिह रोड, बोरीवली परिचम, बम्बई-92 में स्थित है। ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है। और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 भी धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ग्री है तारीख 24 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिशित में कास्तिक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना धाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

## नगर्या

फ्लैट नं. ए-9, दूसरी मंभिन्न, बिल्डिंग नं. 1, कौनाश अपार्ट में ट्स, राम बाग, एस. वी. राड, बारीवनी (परिचम), बम्बहा-92 मों स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० 3,4/37-ईई/3184/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 24-12 83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रजैनर्जेज

दिनांक: 9-8-1984

सोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (थ) (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई० 4666/84-85/---अत. मुझे. ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० पलैट न० 103, 1 ली मंजिल, बी-ब्लाक विल्डिंग नं० 4, प्रेम नगर एस० ब्लिंड पटेल रोड, बोरीवली (पिचम) बम्बई-92 में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिक्कारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारीख 9 दिसम्बर 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एमें दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितों (अतिरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गणा प्रतिकान निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त अंतरण निम्नल में वास्तिवक स्प में कथित बहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के यायित्व में कभी करने या उगमे बचने में राजिधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतास आग- ज अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में निवास ने निवास

अत: सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपूधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अधीत:----

15-246 Gl(84

श्री हिमतलाल सी० घौधरी।

(भ्रन्सरक)

2. श्री नरोत्तम स्नार वाया, श्रौर श्री श्रार० एम० वाया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्णवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाम लिख्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

पलैट नं० 103, 1क्षी मंजिल, बी-ब्लाक, बिरिडम नं० 4 प्रेम नगर, एस. व्हि० पी० रोड, बोरीवली (पण्चिम) वस्त्रई-92 में स्थित है।

गत्यूची जैसा की ऋ० सं० 3,4/37,- ईई/4666/84-85 और जो सक्षम अधिकारी, वस्वई द्वारा दिनोंक 9-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3,4, बमबई

विनाम : 10-8-1984

मोष्ठर:

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

नायकर अधिस्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/3316/83-84---श्रतः मुझ ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 7, जो 2री मंजिल, कासा मरीन प्लाट नं० 93, अंदार पाडा रोड, मंडपेश्वर विलेज, बोरीवली (पिश्चम), वम्बई-400103 में स्थित है (श्रीर इससे उपावज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशत है) श्रीर जिसका करारनाम ग्रायकर श्रीधनियम 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17 दिसम्बर 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों। के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्ब प्सी किनी आय या जिली धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों सारतीय आया-कर गिधेनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निजिकिन व्यक्तियों. अर्थात् हु--- 1. मैसर्स जुड कन्स्ट्रवशन।

(झन्लाक)

2 श्री ग्रल्बर्ट फान्सिम ग्रौर श्रीमती मेरी फान्सिस (ग्रन्सरिती)

कांयह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वस्त्र ची

फ्लैट सं 7, जो 2री मंजिल, "कासा मरीना", कंदार पांडा मंडपेश्वर विलेज, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-400103 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कम सं० ग्रई-3/37-ईई/3116/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 17-12-1983 राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, भोपाल

विनॉक 13 ध्रगस्त 1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्देश स० ग्राई-3/37-ईई/3115/83-84—~ग्रतः, मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 जो 1 ली मंजिल कासा मरीना" कंबार पाड़ा रोड़ मंडवेश्वर विलेज बोरीवली (पिश्चम) बम्बई-103 में स्थित है (श्रौर ध्सिसे उपावय श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाजित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीक्षनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बागत, उक्त सिरियम के स्थीद कर दीने के श्रुन्तरक को यायित्व में कभी करने या उससे क्वर में सुनिधा के लिए; मीट्र/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिना के किए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ह— 1. मैसर्स जुड कन्स्ट्रवशन।

(श्रन्तरक)

2. श्री रोनान्ड पिटर फीडिस।

(भ्रन्तर्रातः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धां का जो जुका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में जिय गया है।

# बन्स्**भी**

पलैट नं ० 6 जो 1ली मिजल कासा मरीना कंदार पाडा रोड़ मंडपेश्वर विलेज बोरीवली (पश्चिम) बक्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० में० ग्राई-3/37वर्डई/3115/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाक 17-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यानय, सहायक वायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 ध्रगस्त 1984

निर्वेण सं० प्रदी-4/37-ईई/3193/84-85---- प्रतः मुस्रे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संसे पलैट नं० 203 बिल्डिंग नं० बी-40 योगी नगर एक्सार रोष्ट्र बोरोबली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, खंके श्रधीन संक्षम श्रिष्ठकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 6 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---  श्री किरीट एच० देसाई श्रीर श्रीमती तारामती एच० देसाई।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय रामचंद्र श्रीखंडे।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवामा अधोहम्माक्षरी के पास लिखित मों विये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो सम अध्याय मो विया गया है।

#### अमसची

पलैट नं० 203 बिल्डिंग नं० थी-40 थोगी नगर एक्सार रोड़ बोरीवली (पश्चिम) बम्बई -92 में स्थित है। श्रमुभूची जैसाकी ऋ० मं० श्रई-4/37-ईई/3193/84-85 श्रौर ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 4, बम्बई

विनोक: 10-8-1984

महिर 🗈

नकारण प्राप्ता भारे **एका सूजा** असूर समस्मानस्था

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम सुमना

#### ताइव च्ड्रका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बम्बई, निॉक्त 10 अगस्त 1984 श्रर्अनरेज 4/3176/84-85

निडेंश स० ए० आ १० आई वी 37ईई

-- ग्रप्त मझोए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-छ से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 5, श्रीर जो 2र्ग मजिल "सी" विंग जय विजय प्रिमायसेंस को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, एल० टी० रोड, बोरीवली बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रानेसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर श्राधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 16 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे हर्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स अक्स अन्तरण मिश्वित में सम्तर्भ भ में स्थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबस, जक्त अभिनियम के नभीन कर दीन के अन्तरण के सावित्य में कभी करने गर उश्लस बचने में सुविष्धा औ शिक्ष; बीड़ा/बा
- (स) एसी किसी अध्य वा किमा भन या अन्य कास्तिया की, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ कन्तिहिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या का या किया वाता वाहिए था, क्यान मा प्रिया के लिए,

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अधीत्:--- ा श्री राजेशकुमार एस० भाताविया, श्रीर श्री महेगै कुमार महासुखलाल भाताविया।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती गीता रामजीभाई गोपानी, और श्री रमजी। भाई देशजीभाई गोपानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर अधिकरणों में से किसी स्पवित बुकारा.
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की वार्राख से 45 दिन के भौतर स्थल स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच विस्ति में किए वा सकोंगे

स्पक्कांकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा को उस अध्या

#### यत संभी

पलैट नं० 5, भीर जो 2री मंजिल "सी" विग, जय विजय जिमायसेस को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, एल० टी० रोड़, कोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० प्राई-3.4/37-ईई/3176/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16-12-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरःक्षण) ग्रर्जन रेज ↓, बस्बई

दिनाक : 10-8-1984

मोहर 🕽

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 अगस्त 1984 स० ऋई-4/37-ईई/3186/84-85--- ऋत. मझे, निर्देश ए० प्रसाद, **\*** 

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका स० फ्लैंट २० जो-10, श्रीर जो 3री मजिल, साईबाबा धाम, एस० वो० रोड बोरीवला (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (अरेर इससे उपाबन अनुसूच। मे और पूर्ण रूप मे विश्वत ह), स्रोर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय मे रजिस्ट्री है ताराख 9 दिसम्बर 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात स अधिक है और अतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित मे बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर द्र**भिनियम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए,

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) श्री प्रदिपक मगलदास सिवाला।

(प्रन्तरक)

(2) श्री नितिन रमणलाल देसाई।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारी<del>य</del> से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख, इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिः द्वारा अधोहस्ताक्षरीके पास लिखित में किए जा सकौगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया य**माह**ै ∤

## अनुसूची

पर्नेट न० जो-10, ग्रीर जो अर्थ मजित्र, भाईबाबा धाम, एस० वो० गोड, बोरीवलो (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। ग्रनसुर्वा जैसा शि ऋ० स० ग्रई-4/37-ईई/3186/84-85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर ग्राय्यत ग्रर्जन रेज- 4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर 🎍

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 म्रगस्त 1984

निर्धेण सं० ग्राई-4/37-ईई/3205/84-85—यतः म्झे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, सर्वे नं० 8 से 13, भुवनेश्वरी बिल्डिंग, रामनगर विलेज, मागठाणे, बोरीवली (पिंचम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्था से वाणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 9 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत जिभिनियम के अभीन कर देने के ज्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) श्रोमती कमल एस० कुटवाल।

(प्रस्तरक)

(2) थामनो मंत्र छो० पारवाल।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्माति के अर्जन के लिए कार्यशित्या शर्म करता हु।

उक्त सम्मानि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस भूचना के राजाश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ।र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत काकिनयों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स्म) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमाँ प्रयक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त जिथित के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गमस ची

पर्लैट नं० 18, सर्वे नं० 8 से 13, भुवनेश्वरी बिल्डिंग, रामनगर विलेज, मागठाणे, बोरीवलो (पश्चिम) में स्थित है। अनुसूची जैमा को कि सं० छई-4/37-ईई/3205/84-85 श्रीर जो सक्षय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकाणे सहायक आयकर भ्रायुक्त (तिरोक्षण) अर्जनरेंज-4, बस्बई

विनाक: 10-841984

भोष्ठर:

प्रकप नाहै. टी. एन. एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269- में (1) के क्यीन सम्बना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3204/84-85---प्रतः मुझे. ए० प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया तुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5/बां, इस्त्री अपार्टमेंट्स, साईन्नामा नगर, एस० बी० रोड, बोरीवली (पिष्चम), बस्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 28 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 40 धन-कार अधिनियम, 40 धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं,, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) की अभीन निम्नलि, चित्र व्यक्तियों, स्मित् क्ष-

(1) श्रामतो नयना चित्रण कुलकर्णी।

(अन्तर्मः)

(2) श्रा दिपक आप० रणदिवे।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कार्क पूर्वीवन संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विस की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करों से 30 विन की अविधि, को भी सबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थादर संपत्ति में डित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं अधिनियम के सध्याय 20-क में दिनशाविश हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया संग्रहीं।

## वपुत्रुची

प्लीट नं 5/बो, 201, इस्यो अपार्टमेन्ट्स, साईबाबा नगर, एस० वो० गोड, बोरोबलो (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्यो जैसाकि क० सं० आई- 4/37-ईई/3204/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-4, बस्बई

दिनांक: 10-8-1984

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन कुचना

## भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बर्ड

वस्वई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3203/84-85----यत., मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० फ्लैट नं० 13, श्रौर जो बिल्डिंग नं० ए-1, प्लाट न० 3, पूनित नगर, पोईसर के बाजू में, एस० बी० रोड, बोरावली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिज्ञस्ट्री है नारीख 30 विसम्बर, 1983

को पृषोंकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिस्त में बास्त-दिक कप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिश के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की स्वभारा (1) के अधीन, निम्नितिसिक व्यक्तियों, अर्थात है—-

- (1) श्री श्रेनोलाल उत्तमराम अमीर्षदवाला।
  - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विद्या रमेश पटेल।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतमां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित् में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं 13, बिस्डिंग नं ए-1, प्लाट नं 3, पूनित नगर, पोईसर के बाजू में, एस० बो० रोड़, बोरोबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-4/37-ईई/3203/ 84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनकि 30-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निद्धाः क्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर :

16-246GI/84

# प्रक्ष्य थाई. टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269नव (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3216/84-85--- यतः, मुझे, ए० प्रसाद

प्राय हर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर प्राचित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- कु से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी संव शाप नंव 24/ए, ग्रौर जो पटेल शापिग सेंटर, चंदावरफर रोड, बोरोवला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उवाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका फरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क ख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारोख 21 दिसम्बर 1983

का पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रवसमान प्रतिफल के लिए बन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दायमान प्रतिफल से, एसे दर्दभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारशिन, रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के कीए कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (%) एसी किसी जाय या किसी भा या बन्ध आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आमानी लिला कों० राव।

(अन्तरक)

(2) श्रो बी० पी० करनावट।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की नामील में 30 दि की प्रवधि, जी भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति करार:
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रेष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिविनयन के प्रशाः 20-ए में परिभाषित हैं बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याण में दिया गया है।

# अम्स्ची

शाप नं० 24/ए, ग्रीर जो पटेल शापिंग सेंटर प्रिमायसेस को-आप० सोसायटो लिमिटेड, चंदावरकर रोड, बोर।वली (पश्चिम), यम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3216/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 21-12-83 फी रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, विनोक 9 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3,4/37-ईई/3111/84-85—अत: मुझें ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्लो सं गरेज नं 6 श्रीर जो ग्राऊंड फ्लोर, बोरोवली गांजावाला को-आप० हार्जीसंग सोसायटो लिमिटेड गांजावाला लेन, बोरोवली (प०) बम्बई-94 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिलका करारनामा आयकर अधिनिगम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीख 30 विसम्बर 1983

को पूर्वो क्षत सम्परित के उचित वाचार मूस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ के, निम्निसित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगूसरण में, में उक्त बोधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा

1. श्रीमती रेखादेवी संतीयकुमार मोदी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृसुम गोयल।

(अन्तरितो)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) श्रम स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध स 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# . अनुसूची

गरेज नं. 6 भीर जो ग्राऊंड फ्लोर, बोरीवली गांजावाला को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गांजावाला लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3,4/37-ईई/3111/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

विनांक: 9-8-1984

प्रस्य बाईं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, संहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3,4/37-ईई/3106/84-85——अतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, श्रौर जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० ए०, स्टार गलक्सी अपार्टमेंट, एल० टी० रोड़ बोरीबली (पश्चिम), बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्निलिश्ति उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में बालाविक रूप से कंपित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आप या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुत्रिणा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमानिसित व्यक्तियों. अधीतः—

1. मैसर्स स्टार इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल एच पटेल।

(अन्तरिती)

3. बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

पर्लंट नं० 203, स्नोर जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० ए स्टार गलक्सी अपार्टमेंट, एल० टी रोड़, बोरोबलो (पिक्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं अई-3,4/37-ईई/3106/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 26-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर 🥸

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 9 अगस्त 1984

निर्देश स० अई-3,4/37-ईई/3113/84-85--अतः मुझे ए० प्रमाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका म० णाप न० 5, जुरुगकृदिर, फैक्टरो लेन,एल० टी॰ रोड. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृद्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चर्य से उच्च अन्तरण निचित म वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत ह—

1 मैंसर्स राहुल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मंजूलाबेन कुबरर्जा देखिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित ब्रब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### नन्त्री

माप नं० 5, कृष्ण कृटिर, फैक्टरी लेन, एका० टी० रोड, मोरीवली (पश्चिम), यम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० स० अई-3,4/37-ईई/3113/84-85 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

विनांक - 9-8-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनोक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-3,4/37-ईई/3143/84-85---अतः मुझे; ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2, ग्राऊंड फ्लोर, समर्पन, "ए" दौलत नगर, सी० टी० एस० नं० 2243 श्रौर 44, रोड़ नं० 3, बोरोबली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में त्रास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कंत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— मैसर्स एस० ए० कान्ट्रेक्टर एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री लाल्लन कृष्णा मुरारी मिश्रा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पर्वशिकरणः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

## नग्स्ची

शाप नं० 2, ग्राऊंड फ्लोर, समर्पन, "ए" दौलत नगर, रोड़नं०3,सो०टी०एस०नं०2243श्रीर2244 बोरोवली (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-4/37-ईई/3143/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 17-12-83 को राजस्टर्ड किया गया।

> • ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 9-8-1984

प्ररूप आर्ष, टी. एन. एस. ----

**गायकर अ**भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के गधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4. बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निवेश सं० अई/37-ईई/3107/84-85--अतः मझे. ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 407, बिल्डिंग नं० सी०-3, योगीनगर, एक्सार रोड, बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका फरारनामा आयगर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बन्बई के कार्यालयमें राजिस्टी है तारीख 26 दिसम्बर 1983

को पर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृद्यमान प्रतिफाल से, एसे दृद्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिभात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और **अन्तरिती** (अन्तरितियाँ) के दीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनेकर **मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज**-नार्थ अन्तरिती वनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए:

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रं अमरलाल लक्ष्मणवास मिखना।

(अन्तरकः)

2. क्मारी मिना मंदनानी।

(अस्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा संकेंगे।

म्पक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विका गया है ।

## **अनुसुची**

फ्लेट नं० 407, बिल्डिंग नं० सो०-3, योगी नगर, एक्सार रोड़, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/3107/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 26-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

प्ररूपः आईं, टी. एम्. एस., ----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरक्षिण)
अर्जन रेंज 4, अम्बर्ड
वम्बर्ड, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/3211/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

सं० पलट नं० बो-9, श्रीर जो सहयोग बिल्डिंग, ग्राऊंड पलोअर, बिल्डिंग आफ स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र एम्प्लाइज को-आप हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, दौलत नगर , रोड़ नं० 5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चैं, मैंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीतः निम्निपिक्त व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. श्री गिरिशकांत्र के पाठक ।

(अन्तर्क)

2. श्री नटवरलाल के० मेहता।

(अन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

पलैट नं बी-9, श्रीर जो सहयोग बिल्डिंग, ग्राऊंड फ्लोअर बिल्डिंग आफ स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र एम्प्लाइज को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड दौलतनगर, रोड़ नं 5,बोरोबली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/3211/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज 4, बम्बई

विनांक: 10-8-1984

प्रकृप आहें दी एन्.एस - - --

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984

निर्वेण सं० अर्ड- 4/37-ईई/3110/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचल् 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी. सं० शाप नं० 2 कांदिवली ह्प्पी अपार्टमेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटं। लिमिटेड, साईबाबा नगर, बोरीवली (पिंचम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण अप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिवक रूप मे कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुर्च किसी नाम की बानता, उन्हर्स आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविध्य के लिए; बॉर/या
- (स) एटें किही आप या हिसी धन या अन्स आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्री अवतार सिंग सोधे().

(अन्तरक)

- 1. (1) श्री भगवन्त सिंग चौधरी ग्रीर
  - (2) श्रीमिती मनजित कौर।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षंप ६---

- (क) इस सूचन ⊓के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळितिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में प्रिक्त दिया गया है।

## अनुसूची

णांप नं 2 कांविवली ह्प्पी अपार्टमेंट को-आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड साईबाबा नगर, बोरीवली (पंक्ष्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्याः जैसाकी क० सं० 4/37-ईई/3110/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, स**क्षम प्राधिकारी** सुहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 9-8-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनीक 10 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अई-4, 4/37-ईई/3163/84-85---अतः सुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

योर जिसकी सं० फ्लैट त० जी-1, स्रौर जो 1ली मंझिल साईवाया धाम, आफ एस० वं० रोड़ बोर्रवर्ल (पिश्चम), यम्बई-92 में स्थित है (स्रौर इससे उपावज्ञ अनुसूर्च में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी तम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तार ख 2 विसम्बर 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, समके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आए की शायत, उकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में काणी करने या उससे श्रमने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अथित् :--- 1. श्रामती इलास्याभास्यान।

(अन्त**रक**)

2. श्रो कांत.लाल रामजः सुवा, श्रौर श्रीमतः लिलाव वेः सुवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

फ्लैट नं० जी-1, श्रीर जो 1ली मंझिल, साईबाबा धाम, आफ एस० वो० रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई- 4/37ईई/3163/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 2-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर ३

प्रकृष काइं.टी.एन.एस. -----

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं; भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3, 4/37-ईई/8114/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिस्ते कि नियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - उ. से अधिक है

श्रौर जिसका सं प्रलैट नं एफ/18, श्रौर जो 4थो मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० बो० रोड, बोरीवलो (पश्चिम)', बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूम से बणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,

बम्बई कार्यालयमें रजिस्द्री है तारीख 5 दिसम्बर 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि स्थापबींक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिबक रूप से कर्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसीं अयं की वाबंत, ज़क्त अभिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्थात् ८⊶- 1. मैसर्स अरुण इण्टरनैशनल।

(अन्तरक)

2. श्री: हरीवल्लभ पी० शर्मा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, धो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाय अक्षेत्रताक्षरी वे पात लिखित में किए या सकी ।

स्थाबिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क अधिन्यम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मेः विवा गुमा हुँ।

#### **अन्तर्जी**

फ्लैंट नं॰ एफ/18, श्रीर जो 4थो मंजिल, साईबाबा घाम, आफ एस॰ बी॰ रोड, बोरोक्से (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-3, 4/3114/84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

मोहर 🗧

त्रस्य कार्यः टी., एवः, एवः,----

नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सुच्या

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई दिनांक 10 ग्रगस्त 1984
निवेण सं० ग्रई०- 4/37ईई/3108/84-85--ग्रतः
मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य

25,000/- रा. से अभिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 श्रीर तीसरी मंजिल, विशाल-I, एन० ए० सर्वे नं० 55, एस० नं० II 4ई एच० नं० 2 सी० टी० एस० नं० 8303, एस० वी० रोड़ सिपोली रोड़ बोरोबली (पिंचम) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीवकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26-12-1983

की पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफान से, एसे दृष्यमान प्रतिफान के पन्प्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) व्यवस्था के सुद्दे किसी आप की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के बासित्व मां कामी करने या उससे बचने मां सुनिधा के लिए; अदि/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य बास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स पीं० टी० सी० संभवी कंपनी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विक्वेष्वर्या श्रार्थन एण्ड स्टील लि॰ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित को वर्णन को सम्बन्ध में कांक्रे भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध नार में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्ति याँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्विकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस यध्याय में दिया नवा है !

#### सम्मन

पर्लंड नं० 301, 3री मंजिय विशाल—I, एस० नं० 114 एच० नं० 2 मी० टी० नं० 8303 सिपोली रोड एस० वी० रोड़ बोरीवली (पश्चिम) बम्बई—92 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकि के सं० ग्रई—4/37ईई/3108/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-1983 को रजिस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाद, प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रोंज, बम्बर्ष

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 धगस्त 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/3109/84-85---ग्रतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 707 7वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० सूमेर नगर एस० बी० रोड कोराकेन्द्र के सामने, (पिक्चम) बम्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपाबंख अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है) भौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 259 क, ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से सिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नालिकित उद्देश्य से उक्त जंतरण निम्नालिकित में बास्त- विक स्था में किश्न नहीं किया गया है —

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अित्रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशिस व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) सुमेर विवेलपमेंटस्।

(अन्तरक)

(2) स्त्री जतिम मिनमन्त्र गांधी।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परितः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआ। सु
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरि के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्लंड नं० 707 7वीं मंजिल बिल्डिंग नं० 1 सुमेर नगर, एस० गी० रोड़, कोराकेन्द्र के सामने बोरीवली (पश्चिम बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि %० सं० प्रई-4/37ईई/3108, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-12-1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-8-1984

प्रस्य जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चयक नायकर नायक्स (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/3173/84-85--म्रतः म्हो, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लैट नं० 8 6 ग्रौर जो 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० सी० एस० पी० विग 9, गितांजली नगर, ग्राफ एस० बो० रोड बोरीवली (पश्चिम) बस्बई—92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रामकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 259 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9~12—1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से क्म के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुफे यह जिस्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एसे स्वयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उभित अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मः
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः लग, उमत अभिनियम की भारा 269-य के, अभुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री विपितचन्द्र गोलवाला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बालमुकन्द बी० सिमल।

(मर्त्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

पर्लंट नं० 86 धौर 2री मंजिल बिल्डिंग नं० सी० एस० पी० विग 9, गितांजली नगर, एफ एस० रोड, बोरीवली (पांच्चम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसांकि ऋ० सं० अई-4/37ईई/3173/84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4, बस्बाई

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 4-बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रई-3,4/37-ईई/3112/84-85--श्रत : मुक्षे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रसेट नं 201 श्रीर जो 2री मंजिल विग बी सुमेर नगर, एस थी रोड, कोराकेन्स्र श्रीर गोकुलधाम के सामने बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है श्रीर इससे (उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है) श्रीर जिसका करारनाामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 12-12-1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित अक्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांचित्रत उद्देश में उनत अन्तरण लिखित में वास्तन विक क्षय से किन्त नहीं किया यस है:---

- (क) अन्तरण से हुई ।क्षमा धाय की बाबत उब्धें अधि-। नयम के बंधीन कर देने के ग्रान्डरक के वावित्य में कारि। करते या अससे बचमें में सुविधा के लिए। बीए/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के लिए;

अतः अतः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, वर्षातः :--- (1) मेसर्स सुमेर डिवेलपमेंटस्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा मनसुखनाल ग्रमरतलाल

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राष्प्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध् नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमं अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

# नन्स्पी

फ्लैंट नं० 201 धीर 2री मंजिल, विग-बी० सुमेर नगर एस० वी० रोध कोरा केन्द्र और गोधुल धाम के सामने बोरावली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

म्रनुसूचो जैसा कि कि सं प्रई-3,4/37ईई/3112/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेंज-4 बस्बई

विनांक : 9-8-1984

# मस्त् वादं हो एन् स्क ्र---व्यक्त

जायकार अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत मरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3,4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगम्त 1984

निदेश सं० आई-3,4/3**7ईई/3127/84-85--अ**त: मुक्ती, ए० प्रसाट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ये अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 405, 4थी मंजिल, 'अलका भवन को -आप०हाउमिंग सोमायटी, एम० नं० 208, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2246, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजम्टई है नारीख 3-12-1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उद्यममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वानित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि बिता के बारतिया कर ने कि बत नहीं किया गया है :---

- (५६) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में अभी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/ण
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना साहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कें एस० ठाकुर।

(अन्तरहः)

(2) भी बाब्भाई जियाभाई जेठवा

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती शांता बाई रामचन्द्र महाक्षे और अन्य।

> (बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबभ में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-वव्य किसी अस्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शस जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत निधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

फ्लेट नं० 405, जो 4थी मंजिल, अलका भवन को० आप०, हार्जीसग सोमायटी, बेऑरंग सर्वे नं० 208, एघ० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2246, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमुखी जैसा कि ऋ० स० आई-3,4/37ईई/3127/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ग० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🤌

# प्रकार बाह्य हो . एवं .) ------

नायफर निधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के न्धीम त्वना

#### भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक मायकार वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-3,4-बम्बई सम्बद्ध, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई-3,4/37—ईई/3128—अतः / मुझा, ए०

प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फाएण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, है जो, 3री मंजिल, एस० नं० 208 एच० नं० 2, सी० टी० एस० न०2246 आफ एक्सार बिलेज, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क. ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टर्ड है तारीख 3-12-1983

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अभिन, है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण सं हुइं फिसी आय की आभार, उक्क अभिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक की वासित्व में कमी करने या उससे अधने को सावित्य जो लिए; शार/वा
- (स) पृत्ती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यम आसिए भा किया भान। चाहिए भा किया से शिवा के विचर;

जतः अब, उदस अधिनिवम की धारा 269-ग को अग्धरण मों, मीं अक्स अधिमियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के कधीन, गिम्दिजिसित व्यक्तियों, अथित :---18---246 GI/84 (1) श्री के० एस० ठाकुर।

(अन्तरिका)

(2) श्री धनराज बी० सावंत, और श्रीमनी लाजवंती डी० सावंत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों जन सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ेउक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यो

फ्लैंट नं० 303, जो 3री मंजिल, सर्वे नं० 208, एष० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2246, आफ एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैसाजि क० सं० आई-3,4/37ईई/3128/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनांदा: 13~8~1984

ಗಳುಕ್ಕರ ೧ ರವರು, ಗ್ರಾಮದ ಆಗ್ರತಿಕ ವ್ಯವಸ್ಥಿಸಿ, ಪ್ರಕ್ರಿಕಿಗಳು

प्रकप मार्च .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

भायांतिय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4, बम्बई

बम्बई, दिनांच 13 अगस्त 1984

निदेश मं० आई-3,4/37ईई/3160/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 901 है जो, "अलका भवन" को-आप० हाउसिंग सोसायटी, एस० नं० 208, एच० नं० 2, सी० टी० एस० नं० 2246, एकसार विलेग, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं (और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड है तारीख 3-12-1983

को पूर्वोक्ष्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब अक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) को अभीन, निम्निनिश्वत व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री के० एस० ठाकुर।

(अन्तरक)

(2) -1 श्रीमती के० वी० हेब्बर 2 श्री अशोक के० हेब्बर 3 और श्री प्रमोद के० हेब्बर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काइ भी गक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## मन्स्ची

फ्लैंट नं० 901, जो, ''अलका भवन'' को० आप० हाउसिंग सोसायटी, बेअरिंग सर्वे नं० 208, एच० नं० 2, सी०टी० एस० नं० 2246, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), प्रमुखई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर संर आइ-3,4/37ईई/3160/84-85 और जो सक्षम् प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 13--8--1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यां स्था सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,4-बम्बई बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं०. आइ-3,4/37ईई/3145/84~85--अतः मुझे, ए० प्रसाय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, है जो, 4थी मंजिल, विंग ए०, "पंचवटी", स्किम अट बोरीयली (पर्णिचम),बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कार्यालय में रजिस्टई है तारीख 9-12-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्सरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेप्तर्स गोकुल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त यशवंत तलेकार।

(अन्त्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

पलैट नं० 15, जी, 4थी मंजिल, विग-ए, 'पंचवटी', स्किम अध्य बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कि० सं० आइ-3,4/37ईई/3145/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप भार्षे .ट्रों .एन .एस . -------

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकार भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,4,बभ्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अई--3, 4/37 ईई/3148/84--85----मुझो, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रह. से अधिक है

भोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, है, जो, शेफाली विला को०-आप० हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड, शेफाली विला आय० सी० कालोनी, रोड़ नं० 3, बोरीवर्ला (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खध, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यात्य में रिजस्टर्ड हैं तारीख 23-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे सबने में सुविधा के निए, बीट/बा
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों- नों, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दें अधीन, निम्नलिस्णित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) सनमन कन्सद्रवशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा पुरपोतम अगासकथर।

(अन्तरिती)

को यह सुधना नारी करके पृष्ठों नत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यजाहिया करता हूं।

## उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृथाँकत स्पन्तियों में से किसी स्थानित दुगारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए पा सकोंगे।

रयब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरि अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा क्षेत्र

#### मन्सूची

पलैट नं० 301, जो मोफाली विला की०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड गोफाली विला, आय० सी० कालोनी, रोड़ नं० 3, बोरीवली (पण्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 3, 4/37ईई/3148 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई क्वारा दिनांक 23-12-19 3 को रिक्टिई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अ ह-3, 4/37ईई/3120/64-85- अतः मुझे, ए प्रसाद

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र. स अविक ह

और जिसकी सं ० पलैट नं ० 301.है जो, 2री मंजिल लार्डस
बिल्डिंग, आय० सी० कालोनी, काम रोड़, बोरीवली (पश्चिम)
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित है) और जित्रशा इरारनामा आयहर
अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीनसक्षमप्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 18-12-1983
को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के स्त्यमान
पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्नीका मम्पत्ति का सचित बाजार मूच्य,
इसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पद्रह
प्रतिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) भीर
भन्तरिती (प्रस्तरितियाँ) के बीच एसे धन्तरक के लिए तय
वाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण
चिकार में शरतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की शब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के ग्नारक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः

(1) मेसर्स जे० आय० कन्सट्रक्शनस।

(अस्तरक)

(2) श्री सुभाष सी० सचवेन, और श्रीमती अलका एस० सचदेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# वगृस्ची

फ्लैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, लार्डस बिल्डिंग, आय० सी० कालोनी, कास रोड़ बोरीबली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3, 4/37ईई/3120/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~4, बम्बई

दिनांक 13-8-1984 मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० अइ 3, 4/37-ईई/3147/84-85--अत: मुक्षे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 26.3-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट रं० 2, शेफाली विला को० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आय० सी० कालोनी, रोड़ नं० 3, बोरीवली (पिण्चम), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करायनामा आयमर अधिनियम 1961, की धारा) 269क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26-12-1983

को पूर्वेक्सि सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मैं हुई किसी आय की क्षावत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिया के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हु—- (1) मेसर्स सनमन कन्सद्रक्शनस।

(अन्तरक)

(2) श्री उदयकुमार मोतीराम विखाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, शोफाली विला को आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आय० सी० कांलो,नी रोड़ नं० 3 बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि से अ इ-3,4/37ईई/314ां 84-85 और जो उसक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनांक 26-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहर 🛭

प्रकप बाइ .टी.एन.एस ;------

आयकर आंधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 अगस्त्र 1984

निदेश सङ्ख् अ इ 3,4/37ईई/3121/83-84 अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, है जो प्लाट नं० 2 और कूपा एक्सार विलेज, होली कास झालबेनी, बोरीवली (पिष्ण्म) बम्दई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (और जिसको धारारनामा आयकर अधिन नियम 1961 की धारा 269 के, ख, ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी बाध्य के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्र, प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्हिलिकत व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) मेसर्स देसाई कन्सट्वयानस ।

(अन्तरक)

(2) श्री इशाबरपी० चौहान।

ਾ(अन्हर्सार्त्तः)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रू 4 बाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ डोगा जो उस अध्याय में दिन्ता गथा है।

## **अन्त्रकी**

प्लैट नं० 202, जो, प्लाट न० 21, और कूपाएक्सार विलेज, होली काम दालोनी, बोरीवली (पिक्षिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ह -3/37ईई/312184 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक को रिजरदर्ट शिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-8-1984

प्ररूप बाइं टी एन, एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-थ(1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रुव्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेश सं० अह 4/37ईई2999/83-84 --अतः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहपए में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 304, है जो, 3री मंजिल क्षान दर्शन सी टी० एस० नं० 328 दिनेज मालाइ, एम० वी० रोड़, क्रांदिवली (पश्चिम), अम्बई-67 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है और जिस्पा करारनामा आयवर अधिनियम 1561 की धरा 259 व, ख, ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के क्षांप्रतिय में रजिस्ट्री है तारीख 5-12-83

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व के कमी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; बीड/वा
- (का) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बॉधनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

न्नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को लभीन, निम्निसिसित व्यक्तिसों, नर्भीत :---

(1) मैसस मं० बिल्डफं एण्ड कंट्रैक्टस ।

(अन्तरक)

(2) मगनलाल एस० मास।

(अन्त िर्ता∖)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के खबुपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सम्बंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वन्स्ची

पलैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, आन दर्शन, सी० टी० एस० सं० 328, बिह्छेग मालाड, एल० बिह० पी० रोड, कौदिवली पश्चिम), वस्त्रई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई - 3/37/ईई/29999/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5--12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमा 6 सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-4,बस्बई

दिनांक: 7-8-1984

प्रकप् बाइ. टी. एन. एव.-----

# नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नृभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनाक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० आइ 3,4/37ईई/2997/83-84-- अत: मुझो, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-व के अधीन, सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ष्मीर जिसकी मं० पलैट नं० 2, है जो, 6वी मंजिल, हेरमेम अपार्टमेंट, प्लाट नं० 7, गुलजी नगर, एस० बी० रोड़, कापिवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 हा, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई है तारीख 19-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिबित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अपनारण से हुद्दं किसी अभ की नागत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्सरक के बायित्व में कभी करने या उससे यचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा कन-कर अधिनियम, भा कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ बन्दिरियों हुआए प्रकृत न्हें। जिल्ला को स्थाप किया जाना चाहिए था कियाने में स्वित्र के लिए;

(1) श्रीमती उमगदेवी टी॰ जोनाबी।

( न;रक)

(2) श्री दिनेश पुरषोत्तदास पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **मनुसूची**

फ्लैट नं० 2, जो 6वी मंजिल, हेरगेट अपार्टमेंट, प्लाट नं० 7, मुलजी नगर, एस० वी० रोड, कृषिवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आइ-3/37ईई/2997/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 9-8-1984

मोहर

## प्रकप. बाह्री. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० अ इ 3/37ईई/3006/83-84 अत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करंने का कारण है कि म्ध्यवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिम्नी सं० फ्लैंट नं० 102, है जो, पहली मंजिल, सरोज - बी, न्मल व्यार्टमेंट, मं र लेन, न्मंदिवली (पिष्चम) बम्बई 67 में स्थित है (और इम्मे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिम्ना करारणमा आयकर अधि - नियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित क्षम प्राधि गरी के न्मर्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-12-1983

को पर्वाक्त सम्मिन के उनित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफान के लिए अन्तिरित की गर्ड ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिए नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दारियत्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री जयंतीलाल मफतलाल संधवी।

(अन्तरक)

(2) विनोद मफतलाल संधवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उपत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृताय अभोहस्ताक्षरी के पार्च लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मर्थ्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अगसनी

पर्लंट नं० 102, जो पहली मंजिल, सरोज बी, कमल अपार्टमेंट, शंकर रोड़,लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई 3/37ईई/3006/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3,बम्बर्क

दिनांक : 9-8-1984

प्रकप् नाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

## भारत सच्यार

कार्यालय, सहायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० अर्६ 4/37ईई/2981/83-84---अतः मझे, ए० प्रसाद

अगयकार अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निष्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 303 है, जो, तीसरी मंजिल ज्ञान अमृत, शांतीलाल मोदी रोड़, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलं निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अंक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के सिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्यू आस्तियों के जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) एम० एन० कन्सद्रभशन कम्पनी।

(अन्तरः)

(2) श्री वसनजी विरजी बोहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक शे 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सन्धान में हितबन्ध किसी मन्य स्थिकत द्वारा अधाहम्माक्षरी के पाम लिखित में किए जा पक्षण

## मन्स्ची

पलैट न० 303, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग ज्ञांन अमृत शांतीलाल मोदी रोड़, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई -67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋम सं० आइ-3/37ईई/2981 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4,बम्बई

दिनांक . 6-8-1984

प्रकप बार्च, टी. एन. एस. -----

भाषका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० आछ, 4/37ईई/2983/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संश्वाप नंश्वर, जो, ग्राउंड फ्लोर, शिव कूपा, सी टी शंव 363, विलेज कांदिवली, एस वी पी रोड़, वांदिवली (पिष्चम), बम्बई –67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिसला करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, खा, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा असे सिए:

श्रुत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्यक्तियों, अर्थास् ६~~ (1) श्री रामलखन छोडडी यादय।

(अन्तर्म)

(2) श्री बातूकनाथ एच० मिश्रा ।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स फोयरडियल कन्सदूरमानस

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग

में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

णाप नं० 7, जो ग्राउंड फ्लोर, शिव कूपा, सी० टी० एस० नं० 363, विलेज कांदिवली, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रथा सं० आह 3/37ईई/2983/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--4, बम्बई

दिनांक : 6-8-1984

मोहर ः

प्रकम नाइ. टी. एन. एस.-----

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, गहायक गायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्तुवर्द यम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेण सं० आह 4/37ईई/2971/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ?5,000/- रु. सं अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 202 है जो, दूसरा मंजिल रामिकशीर ई-विंग, विलेज कांदिवला, तालका बदईदेव स्ट्रोट एम० वा० रोड़, कांदिवली (पिष्चम) बम्बई-67 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की स्थारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 9-13-1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से किया गया है :--

- (भी) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबता, उत्क अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुग्निभा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां ि जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयभ. 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनेयम. या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में मृत्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) भसर्स गिराराज कन्सद्वयान कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रो राजेन्द्र जै० कारीया।

(अन्तरिता)

की यह सुनक्षा जारी करके पूर्वावत संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा जोर्द भी आक्षम :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धों व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधीह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पथ्टीकरणः --- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पद्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिसा स्था ही।

#### मनस्ची

फ्लैट नं० 20 2 जो, दूसरी मंजिल, राजिकशोर, ई०-विग, विलेज, सालका, मेडरिन स्ट्रेंट, एम० जा० रोड़, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम सं० आई-3/37ईई/2971/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 6-8-1984

.मोहर 🚜

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

# भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

## मारत् चरकाषु

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० आर्ड 3/37ईई/3051/83--84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 7 है जो, सिध्दो अपार्टमेंट पर्यंत नगर, एस० वो० रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसकरा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुवमान प्रतिफल सं, एसे रुवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के चिए तम पामा गया प्रति-क्षत निम्नसिवित उद्देश्य से स्वत बन्तरण विविद्त में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी माय की वावत, उक्त अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए, भार/या
- (का) एंती किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मा स्विभा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् :— (1) यूनिक कन्सट्रक्शन कंपर्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री नटबरलाल एच० कांतेलिया।

(अन्तरितो)

को नृष्ट् बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्महित के बूर्वन के बिह कार्यवाहिमां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्रे भी शाक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 धिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धवार;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्यकिरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 7, जो सिघ्दो अपार्टमेंट, पर्वत नगर, एस० वी० रोड़ दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूचो जैसाकि ऋम मं० आइ-3/37ईई/3051/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-8-1984

मोहर 🖁

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, सम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० आर्ह 3/37ईई/3087/83-84---अतः म्झे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवान् 'उब्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 270. एच० न० 1, सी० टी०एस० नं० 861, और 863' हर्नेकर विला", रणछोडवास मार्ग, दहिसर (पिचम,) बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर उससे उपात्रक अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारीख 14-12-1983

को पूर्वोक्त सापित के उचित ताजार मृत्य से त्रम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिस उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिक्तित में बास्क विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अभ्तरक के दाशित्य में कभी करने या उसके वजने में सुविधा हे निए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा जियाने में जिया के निष्कृ

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रा किरण हन्मंत सोवालो।

(अन्तरकः)

(2) मेसमं आशिक बिल्डसं।

(अन्तरित्री)

- (3) श्री जें० ए० फर्नाडीस
  - 2. एफ० ए० फर्नाडीस,
  - 3. श्रोमतो मार्टिया फर्नाडीस
    - और अन्य।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविभ या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्पिकता में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्वान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के बाक किराखत मा किए जा सके गें!

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसची

सर्वे नं० 270, कृएच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 861 और 863, "हर्बेकर विला", रणछोडदास मार्ग, दिहसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आइ—3/37ईई/3087/83—84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14—12—1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्कर्ड

षिनांक: 10-8-1984

मोहर 🗈

प्ररूप भाष'. टी. एत. एस.------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश मं० आइ 3/37-ईई/3041/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उच्चित बाजार म्ह्य 25,000/- हर, से अधिक है

उ र जिसको सं० फ्लैंट नं० 3 है जो, ग्राउंड फ्लोर, दिहसर बरखा का-आपरेटिव सोसायटा लिमिटेड, एस० वी० रोड़ दिहसर (पूर्व), बम्बई-400,068 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गते हैं और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान एसिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं यिन्या गया है:---

- (क) अतरण से होई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के द्राणित्व में माणी करने या उससे बचरे में सुविधा के लिए, भीर/या
- (क) एंसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के इसाजनार्थ संतियम, विवास प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

लत: आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धॅ+, औं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यवितयों, अधेन (1) श्रा विनोदराय पा० घोझा, श्रीर श्रीमती मंजूला वी० घोझा।

(अन्तरक)

(2) डा० अशोक पो० संधवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सम्बना थारी करके पूर्वोक्त मम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 विन को भीतर उन्नत स्थावर सम्भीन में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निक्षित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय मा दिया गया हैं।

# नन्स्यी

पलैट नं ं 3, जो, प्राउंड प्लोर, दहिसर बरखा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड एस० वी० रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-400 068 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि क्रम सं० अव्ह 4/37ईई/3041/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 10-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यात्र्यः, सहायक सायकार सम्युक्तः (निरीक्षण) स्राजन रेंज 3-4, बम्बई समाई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्वेश सं० ग्रई-4/377ईई/3105/84-85---यतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पक्ष्माम् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिह्नका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेड नं० 21, राजू इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, गोल्डन के सिकल्स प्रा० लिमिटेड के सामने, दिह्सर, वम्बई—68 में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की 269 कल के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारील 5 दिसम्बर 1983 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य सक्ष द्वरमान प्रतिफल के स्थमान प्रतिफल का

की पूजाकत सम्पारत के उच्चत बाजार मूल्य सं कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से की भत नहीं किया गमा है :---

- (क) जन्तरण से इन्हाँ किसी नाय की वाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ को दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- 20-246GI|84

(1) भै० राज्य कन्स्नुबद्यान कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स हेटली एण्ड ग्रेशाम (इंडिया) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्परिश के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्सेषु ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का करावा में से किसी क्यां कर द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिस्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाव्य है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्तुन

इण्डस्ट्रीयस शेष्ठ नं० 21, राष्ट्र इण्डस्ट्रीयल इस्टेट कम्पाउण्ड, गोरबन केनिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के सामने, वहिसर, बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि सं प्रार्थ-4/37-ईई/3105/84-85 जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारादिनांक 2-12-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-8-1984

# प्ररूप बाई. डी. एम. एच्.-----

लायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुभूना

#### भारत तरकाट

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-4, नम्बई

बम्बई, विनांक 10 धगस्त 1984

निर्देश स० प्रई-4/37ईई/3014/84-85--यतः, मुक्के, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 4 श्रीर जो दूसरी मंजिल वर्षा विल्डिंग एस० सी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूब) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की 269 क्खा के श्रधान सक्षम प्राधकारी, बम्बई के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 6 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उद्वरिय से उच्त अन्तरण विशिष्त में अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उद्वरिय से उच्त अन्तरण विशिष्त में अस्तरण के स्थाप में का गरा वहीं किया गया है भूल

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, जबत अधिनियम के प्रश्लीन कर दोने के अन्तरक के क्षिण्ट में ककी करने या जससे दचने में शिवश के लिए; और/बा
- (स) एंगी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- के प्रशिश्तियम, १९६७ को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वीं, भीं. अतत अधिनियम की पास 269-ए की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रामधर बधी पांडेय।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीधनसुवालाल छोटूलाल वाघेला।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्सरक

(वह स्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडितकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## यम्स्ची

फ्लैट न'० 4 श्रीर जो दूसरी मंजिल वर्षा बिल्डिंग एस० बी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई – 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई०-4/37-ईई/3014/ 84-85 भी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-83 को राजस्टर्श किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-8-1984

प्रस्प आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 भ्रगस्त 1984

निर्वेश सं० मई०4/37-ईई/3037/85-80-यतः,

मुझे, ए० प्रसाव

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.000/- ज. जे उद्देशक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 8/डी श्रीर जो बिल्डिंग नं० ए-5 दिहसर श्री श्रवधूत को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, छलपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 श्रधीन 269 कहा के श्रधीन सक्षम श्रीधकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-12-83

को प्योंगत सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथायू गेंकत सम्मित्त का उपित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नीगिष्ठत उद्देश्य से उन्त अंतरण जिसित में बास्तिमुख स्म से किंबर नहीं किया गया है :—

- (क) अन्सरण चे हुई किसी आय की वाबस, उक्त मिनियम के वाधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) इसे किसी नाय वा किसी धन या अन्य जास्तिक को जिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धवं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या वित्या जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः अकतः अभिनियम की थार्य 269-ग के अनुसरण थैं, कें, उकत अभिनियम की धार्य 269-म की उपधार्य (1) के अभीतः, निम्तिसित व्यक्तियों, अभीत् ः——

(1) श्रोमसी प्रिया किशीन रामचन्वानी श्रीर श्रीमसी बीना राज् जगतियानी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीवसन्तजी ढाकुरणी देखिया।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सुम्पत्ति को नुर्वन् को सम्बन्ध मों कोई भी माक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

## वन्सूचीं

पर्लंट नं० 8/डी भीर जो बिल्डिंग नं० ए-5 दहिसर श्री भवधूत को श्रीपरेटिव हाऊ सिंग सोसाइटी लिमिटेड, छन्नपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37-ईई०/3037/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 12 दिसम्बर 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद . सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-8-1984

मोहर 🗵

# मुक्त आर्च हो । १५ । १५ ० ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 ग्रगस्त 1984

वस्वर, दिनाक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० ग्रई०-4/37 ईई/3102/84-84-यतः, मुझे, ए० प्रसाय,

वायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके क्ष्यात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुख्यें 25,000/- रूपये हैं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 61-62/1 जो छलपति शिवाजी मार्ग, वहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 की धारा 269 कख श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6 विसम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित धाजार मूख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बच्चने में संविधा के लिए; बंदि/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

नतः अन्तः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निस्निविद्यत स्थितयों, अर्थात् :--- (1) मैं० स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्राणलाल प्रभुवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **श्रनुसूची**

शाप नं ० 61-62/1 छन्नपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई०-4/37-ईई०/3102/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6 दिसम्बर, 1983 को राजस्टर्ड किय गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रांयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

ता**रोख** : 10-8-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निर्धिण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदंश मं० श्रई-4/37 ईई/3059/84-85--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नामका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 61-62/4 ग्रीर 5 ग्रीर जो छलपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इमसे उपाबक्ष प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारों, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारं। श्री 6-12-1983

को प्योंक्त संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक हम से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाक्त, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविध। की सिन्ध; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-आर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० स्पेस बिरुड्सं प्राईवेट लिमिडेड ।

(भन्तरक)

(2) श्री जिद्दभाई क्पाडिया।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित . हैं, कही अर्थ होगा जो उप अध्याय में विमा गया है।

## बन्त्वी

शाप नं. 61-62/4 और 5 और जा छत्रपती शिवाजी मार्ग, पहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. स आई- 4/37ईई/3059/84- 85 और जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई ध्वारा दिनांक 6-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया 6।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वियांक 10-8-1984 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

## भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ध्रगस्त 1984

निर्देश सं० म्नई-4/37-ईई/3063/84-85------यत, मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. शाप नं. 6, जो ग्राउंड फ्लोअर, ''जी'' बिल्डिंग, मिस्कूट्टा नगर, छत्रपती शिवाजी राड, वहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं। और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारील 28-12-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पापा गया प्रतिफल, निम्निचिसत उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप में क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १——

- (1) वेसर्स एस० विदीं बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्रीः पटेल माधवलाल ईश्वरभाई, श्रीर पटेल दशरयभाई ईश्वरभाई।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थायतिकरण :--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूचो

णाप नं० 6, जो ग्राउंड फ्लोर, ''जी'' विल्डिंग, मिस्कूट्टा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3063/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 28-12-1983 को रिजस्टिंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, **बम्ब**ई

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आई टी. एन. एस ----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

# ()) मेसर्स एस० विदी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

#### भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 अगस्त 1984

निर्देश स० अई-4/37-ईई/3069/84-85---यत मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पनि, जिल्ला जिल्ला किन नामार सून्य 25,000/- स्त से अधिक है

स्रोर जिसकी स० णाप न० 4 है तथा नो याउड फ्लोर, ''एच'' बिल्डिंग, सिसक्यूहदा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, बहिसर (पूर्व), बम्बई-68 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों मे श्रीर पूर्ण ज्य मे विणत है) ग्रीर जिसका करार—नामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधान सक्षम प्राधिकार। बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रों है नारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और स्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिन्यम के अधीन कर दोने के अतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा व लिए, और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी थ्न या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार में गिनम, 1957 (1957 को 27) के उत्तर अवस्थित द्वार को किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत., अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् — (2) श्रीः श्रीकान्त गोविन्द विडये।

(अन्ततरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोक रण --इसम प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

णाप न० 4. भौर जो ग्राउड फ्लोर, ''एच'' बिल्डिंग, मिस≆यूट्टा नगर, छन्नपति शिवाजो रोड दहिसर (पूर्व), बम्बई–68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि से अर्ड-4/37ईई/3069/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिनाक 28-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकार। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~4, बम्बई

विनाबः 10-8-1984 मोहर प्रस्य आहा. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269~घ (ा, के अधीन भूचन!

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 अगस्त 1984

निदेण मं० अई 4/37ईई/3034/84~85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० ए3-ए4/2, है तथा जो छन्नपति शिवार्जी णागे, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख अधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 12-12-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए बेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्थमान प्रतिफल से, ऐसे इस्थमान प्रतिफल का ५०वह प्रतिहस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण जिलित में वास्तविक रूप से कथित अन्तर विश्वास वास्तिक रूप से कथित अन्तर वास्तिक वास्तविक रूप से कथित अन्तर वास्तिक वास्तविक रूप से कथित अन्तर यास क्षा स्वास्तविक रूप से कथित अन्तर यास स्वास्तविक स्वास्तविक रूप से कथित अन्तर यास स्वास्तविक स्वास्तविक रूप से कथा से स्वास्तविक स्वास

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आब की बावन उक्त बॉच-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व बॉ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) स्पेस बिल्डर्स प्राहिबेट लिमिटेड।

(अन्तर्क)

(2) श्रो चंदूलाल एस० मजिथिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उभस स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

ह्मक्ट्रीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निसम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्त्र्यी

शाप नं॰ ए3~ए4/2 ग्रौर जो छत्रपति णिवाजो मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई3, 4/37ईई/3034/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, **बम्बर्ध** 

दिनांक : 10-8-1984

प्रकथ वाही. टी. इन. एस. ....

**मारकः विभिनियम 1961 (1961** का 43) की पाण 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-3-4, बम्बई वस्वई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० अ छ-3.4/37ईई/3078/84--85--अतः मुझे. ए० प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-च के अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० शाप सं० 61-62/11 है तथा जो छत्रपति शिवाजी मार्ग दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा अधिरूर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख अधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-12-1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्यरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करण के कार्य हो कि यक्षाप्तीयम नेविक्स का प्रतिक बाजार एक्स, उसका स्वत्य क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और लंतरिती (अन्तरितिक्षों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण हिस्सित में बास्तिक रूप से किथत प्रष्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में क्यी करने या उसमें बचने में मुविभा के लिए; लिए कि:
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर क्षीयिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीर्यात्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियी एताच प्रश्नेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिपाने में भीविधा के लिए:

अतः, त्या, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, एक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीतः, निक्तिनिधित कि कित्यों अधित :----21—246 GI/84 (1) स्पेस बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रां ए० सी० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

शाप नं० 61-62/11 स्रौर जो छन्नपति शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अइ-3,4/37ईई/3078/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई धारा दिनांक 6-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसान सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 10-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ==---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निदेश सं० अइ 4/37ईई/3060/84~85~~अतः मुझे, ए० प्रसाद शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) **(जिसे इ**समे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शॉप नं० 63-64/9 है तथा जो छन्नपति शिवाजी मार्ग, विहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-12-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क रिष्ट और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्पेस विल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो निर्मलावेन जयंती लाल रायछड्डा। (ग्रन्तरिती)

को य**ष्ट सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ं**।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पक्रिकरणः क्रिमां अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## अनुसुची

गाँप न० 63-64/9, श्रीर जो छत्रपति शिवाजी मार्ग $_{7}$  दिक्षसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम स० अई-3,4/37ईई/3060/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-8-1984

प्ररूप, **आई.** टी. एन्. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-भ (1) के नधीन सुम्ता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निवेश स॰ अई--4/37 ईई/3079/84--85---अतः मुझे, ए॰ प्रसाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक है

भीर जिसके। सं० माप न० ए3 ए4/12 है श्रीर जो छतपती शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विषत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतर्ण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या

अत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की** उपधारा (1) के मधीन. निम्नलिखित व्यक्तियमों, अधीत :--

(1) स्पेस बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री नानालाल किंशनलाल जोश:।

(अन्तरितः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उन्देत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ष होंगा, चा उस स्थ्याय मा दिया गरा ही।

## वन्सची

शाप नं० ए3 ए4/12 श्रौर जो छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रम सं० अई-4/37ईई/3079/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-8-1084

मोहर ः

प्ररूप . जाई . दी . एन ., एस ..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन संचना

## भारत स्रकार

कार्यालय, सहारक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984 निदेश सं० अई-4/37ईई/3066/84-85---अतः मझे, ए० प्रसाद

नायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित धाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० ए3 ए.4/4 है और जो छलपती शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9-12-1983

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) स्पेस बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रं। मोहनलाल एन० मिजिथिया, श्रौर श्रोमती चंद्रिका एम० मेजिथिया।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को सारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकारण:--इसमी प्रयुक्त भव्यों और पदी का, को उकत अधिनियम को अध्याय 20-क मीं परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा को उस अध्याय मी दिया गया है।

## वन्स्ची

णॉप नं० ए 3-ए 4/4, श्रीर जो छलपतः शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3,4/37ईई/3066/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 9-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 10-8-1984

मोहर 🖫

अध्य जाहाँ ता एन एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

to the state of th

भाग १६७-३ (1) छ । भोत स्था।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-४, अम्बई

बम्बई दिनांक 10 अगस्थ 1984

निदेश स० अई-4/37ईई/3238/83-84--अत. मुझे, ए० प्रसाद

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' जाहा गया ही), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिस धाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिएकी सं० प्लाट न० 2, होला क्रॉस रोड़, बोरीवली (पिष्णम्), बम्बई-400 103 में स्थित है (प्रीर इसमे जिपाब अनुसूचः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा शायवण अिनियम 1961 की धारा 2697, ख के अधान सक्षम प्राधियारी, बम्बई के कायलिय में रिजर्ट्री है ताराख 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत. अक, उक्त सिंहित्स कि एस १६० एक अप्याप भो, भी, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रामता विन्सेटिना काडोंझी
  - कुमारा फेर्ना कार्डोझी, नेत श्रामता फेर्ना परेरा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रेयस कन्सट्रक्शनस।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितं।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है) की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस गृष्वा के राजपत्र म प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में गमान्त होती हुए, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ए किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजात म प्रकाशन की हारोस से 45 दिन के भीतर एक स्थावर सम्परित में दितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आगरताक्ष्य के पास विकास में किसी के पास

रएप्टिकिंग्ण:---इसमें प्यावत सन्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-तं मा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्सर्थी**

प्भॉट नं० 2, होली कॉस रोड बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ड 4/37ईई/3 238/ 83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकायी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸4, बम्बई

दिनांक : 7-8-1984

प्रारुप आहूर. टी. एत. एस.-----

स्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-4 3/37ईई/3543/83-84 अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाँप नं० 3, है तथा जो, ग्राउंड फ्लोर, ''बां'' विग बाहुबला देसाई श्रीर गेठ नगर, ऑफ एस० वी० रोड़, पोईसर बस डिपो के बाजू में, बोर.वली, पिण्चम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 3-12-1983 को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बलिखित उद्वर्थ से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स अरोहंत इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री दिगम्बर सिंह धेंडि सालवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंग।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

## अनुस्ची

सॉप नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, वेसाई ग्रौर शेढ नगर , ऑफ ए० वी० रोड़, पोईसर बस डिपो के बाजू में, बोरोबलो (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि कम सं० अई-3/37ईई/3543/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

प्ररूप जात. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/4644/83-84--यतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, जो, दिपक श्रापर्टमेंट, लोशर गोविंद नगर, पवनबाग रोड, चिचोली, मालाड (पिएचम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बाल्तिक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी नारने या उसमें अपन में सुजिधा के लिए ब्रिट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए:

कराः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्ज हो. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) मेसर्स कर्माशयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेग्रन । (ग्रन्तरक)
- (2) डा० रामनिक बाल्लूभाई चौहान । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आशी करके पूर्वा कित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शास्त्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त श्रीकिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्थार हो।

## अनुसूची

प्लाट नं० 14, जो, दिपक ग्रपार्टमेंट, लोग्नर गोविंद नगर, पवनबाग रोड़, चित्रोली, मालाड(पश्चिम), बर्म्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जसाकि क० सं०ग्नई--3/37ईई-4/4644/83--84 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12--83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए. प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13-8-84 मोहर 🛭 शक्ष आई.टो.एग.एम.---

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त 1984 निदेण सं० ग्रई-3/37-ईई/4715/83-84--ग्रसः मुझे, ए० प्रसाद

स्नायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपात, जिलका उचित याजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० सी/64, जो, मालाङ शितलनाथ कोन्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेख, एस० व्हि० रोड़, मालाङ बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-83

को पूर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने से पृथिधा से लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन अन्य ब्रास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

(1) जयंतीलाल यू० चावजी।

(भन्तरक)

(2) महेंद्र एम० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिग्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याप 20-क भ परिस्तित है, वहीं क्षर्य होगा जा उन्न अध्याय में दिशा गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं सी/64 जो मालाइ शितलनाथ को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, एस वी रोड़, मालाड (पश्चिम), वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-3/37ईई/4715/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) ग्राजैन रेज⊶3, बम्बई

दिनांक : 9-9-84

मोहर ः

अतः अव, उद्यतः अधितियमं की धारा 269-मं के अनुसद्गा में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- प्रस्प आर्थ टी. एन एम ~~~-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रजंन रेंज-3, वस्बई बस्बई दिनांक 13 श्रगस्त 84

निदेश सं० ग्रर्ड-3/37ईई/4733/83-84—श्रत : मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रधात उक्त अधिनियम कहा अमा है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, "द्वेझवे" सीं० टी० एस० नं० 450, वालनास, डेमोंट लेन, मार्वे रोड़, श्रोलम, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की श्रारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्न बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके द्रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उलत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तिस्क के द्वितिक को कभी करने वा उससे बचने भी सुविधा की लिए। और/गा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

गतः गतः, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के वन्तरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 22—246 GJ/84

(1) भर्ज जिल्ह्में ।

(शलरक)

(2) श्रीभर्ती जेर्राभवा ज्यूली डायस. श्रीर श्री एडवर्ड लरी डायस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमाना आरी करके युवाँक्त संपरित के अर्वन के तिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त मध्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितताों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरूनाक्षरी के पास त्लीसत में किए जा सकेंगे।

स्यच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा ग्या है।

#### अनसर्ची

फ्लैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, "द्रेझवे", सी० टी० एस० गं० 450 श्रॉफ बालनाय ऑन डिसोंटे लेन, श्राफ गार्थे रोड़, श्रालेंग गालाड (पश्चिश), यस्वर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि करु मंद्र अई-3/37–ईई/4733/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

प्रक्ष आहुँ , सी , एन , एस . - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकार आगृवत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 ग्रागस्त 1984

निर्देश मं० ग्रर्ड-3/37-ईर्ह/4551/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट इन प्लाट बेग्ररींग नं० एस० नं० 4, एचू० नं० 6, टन्क रोड़, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64. में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का लिय में रजिस्ट्री है प्तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दिश्यत्व में कभी कारने प्रायसभे बचने भी सुनिधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धर कर अधिनियम, (937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती अवारा एकट नहीं किया यथ भा वा किया अना मालिए था कियारी ही प्रथम के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घक्की उपधारा (1) के अधीन, अम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मन्त्रं डिलिजेंट बिस्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुरछोत्तम लक्ष्मण चौहान ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्ष हुम। करता हुन।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामीस से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्रमा के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा वो उस क्ष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट इन प्लाट नं० एस० नं. 4, ए**च० नं० 6, न्क** रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/4551/83 84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए०ं प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-3, ब**स्बर्ध** 

तारीखा: 13--8--198

अक्ष आईं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रु-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त, 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई/4556/83-84---- भ्रतः मुझे एँ० प्रसाद,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० ब्लाक नं० बी-12, है तथा जो उरी मंजिल विकास को-म्रापरेटिव हार्जिसम संासायटी, रामचन्द्र लेन. मालाड, बम्बई में स्थित है। भीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर पूणें रूप से विजत है), भीर जिसका करारनामा म्रायकर म्रिधिनयम 1961 की धारा 269कख, के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच धूसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती ताहिरा हाजी हरून खान

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी जगदिशकुमार सनवालका (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो शरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## यमुस्ची

ब्लाक नं० बीं०-12, जो, 3री मंजिल, विकास को-म्राप-ू रेटिव हार्जीसग सोसायटी, रामचन्द्र लेन, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० म्रई-3/37-ईई/4556/83-84 ग्रोर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-12-1983 कुको रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 13-8-84

मोहर 🗓

# प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/4696/83-84—-ग्रतः मुझे ए० प्रसादः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मृत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं एवरग्रीन स्नपार्टमेंट्स, "बी", प्लाट श्राफ लैण्ड बेम्नरिंग नं सी टी एस नं 30200 (पार्ट), वालनाय व्हिलेज, मार्बे रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के स्रधीन बम्बई स्थित सक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विदवास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक इप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

अतः अब . उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं . मं , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिसित स्थितस्यों, सर्थात् :---

- (1) मैसर्स भ्रार० एण्ड डी० इन्टरप्रायजेस (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रनन्त सदाशिव रांगनेकर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उनत सम्पृति के वर्णन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षेत् :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस छे 45 पिन की श्वधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तानील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्यं व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थल्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आंधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

#### BANK SA

एवरप्रीन अपार्टमेंट्स, "बीं", प्लाट श्रॉफ लैन्ड बेग्ररिंग नं० सी॰ टी॰ एस॰, नं० 30200 (पार्ट) ग्राफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित दे।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/4696/83-84 श्रीर जो सक्षमण् प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 कोण् रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

হিলাক: 13-8-1984

# प्रकथ बाह्य, टी., एन्, एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमो इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्पास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 18, जो जयदिए को-श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, रिफल रेज, घाटकोपार, (पिंचम) वम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक, 1-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंसह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप हो कथित नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्वियत्व में कमी श्रंतने या उससे बचने में स्विधा के सिए; आदि/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रियोरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सुविभा के सिए;

नतः नव, उन्त निधिन्यमं की धारा 269-ग की ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व नधीन, निम्नसिचित न्यक्तियों, अवर्धि म— (1) श्रीमती राधा बालू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास मुद्धूदशा शेट्टी

(ग्रन्सरिती)

को यह भूगना बारी करके पूजाँकत सम्पोत्त के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे

स्थष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भा दियाः गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं 18, जो प्लाट नं० 16, जयविष को-आपरेटिब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, रिकल रेंज, घाटकोपर (पश्चिम), (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/4783/83-84श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 9-8-1984

मोहर ह

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत स्रमाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रिंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/5017/83-84—-ग्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मन्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं ब्लॉक नं 5277, जो, विल्डिंग नं 189 4 थी मंजिल, नन्मती को-ग्रापरेटिव हार्जिंग सोगायटी लिमिटेड, घाटकांपार वस्त्रई में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पेन्न प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिश्चित उद्योध्य से उसत अन्तरण लिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सिवा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री लाल खुशालदास दियासियानी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दिनकरराय ग्रमरीत लाल गहा। (ग्रन्तरिती)

क्यों अह सूचना चारी करके गृगाँक्त सम्मरित के सर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्ष्योक्षरणः — इस्में प्रयुक्त कव्यों मीर प्रयोक्ता, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याद १०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्राप्त ही.

## अमृस्ची

ब्लॉक नं० 5277, जो, बिल्डिंग नं० 189, 4 थी मंजिल पंत नगर, सन्मती को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, घाटकोपार, बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/5017/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🛭

# प्रकृष आहें, दी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृथना

## भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 श्रमस्त 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/4921/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 235/6141, जो, शिवदर्शन'' को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पंत नगर, घाटकोपार बम्बई-75 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्मशान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की एडक, जात अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यों मा किस्ता में लिए; और/रग
- (खं) ध्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्रभानकर अधिनियम, प्रभानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था. कियाने में गिकिया के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कीं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा के के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थातः : ~ (1) श्री हममुख राय एम० देसाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० नायरायण नायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे )

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रची

फ्लैट नं० 235/6141, जो, "शिवदर्शन" को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पंत नगर, घाटकोपार, बम्बई-75 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-3/37-ईई/4921/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुवत (निरीक्षण) स्र्जन रेज-3, बम्बई।

दिनांक: 13-8-1984

परूप आर्थंटी. एन . एस

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त, 1984

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/4553/83-84---- ऋतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 312, जो, 3री मंजिल, लता, ग्रमृत नगर, घाटकोपार (पिष्यम), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1984 को पूर्वोंकत सम्प्रित के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित ताजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उध्रवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ! के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीनमी प्रभिना र्तीनाल पटेल।

( प्रान्तरक)

(2) श्री विटठलदास भिक्कप्पा शेनवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षशी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## शन्यूची

प्लैट नं० 312, जो, 3री मंजिल, लता, अमृत नगर, धाटकोपार (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०स० अई-3/37ईई/4553/83-84 श्रोर जोसक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गयव है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

विनांक: 13-8-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 प्रगस्त, 1984

निदेण सं० ग्रर्ड-3/37-ईई/4960/83-84—ग्रनः मृङ्गे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख को अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 606, जो 6वीं मंजिल, "बैकुण्ठ" 357 लिटल हिल मलबार हिल, सिंधी सोसायटी, बम्बई-71 में स्थित हैं( श्रीर इंससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 1-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त ऑधिनियम के अधीर कर प्रेन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जरामे बचने में अमृतिधा के लिए; और/वा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भानिए था छिपानं में सविधा के निताः

(1) मैसर्स भ्रोमप्रकाश तोलाराम

(श्रन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह नारंग, ग्रीर श्री जमपाल सिंह सिंह नारंग।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्येक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

फ्लैट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, "बैकुण्य", 357, लिटल मलबार हिल, सिंघी सोसायटी, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि क सं० ग्रई-3/37-ईई/4960/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 9-8-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अर्ह०-3/37—ईई०/4795/83—84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीय जिसको मं० फ्लैंट न० 303, जो, 3र्ग मंजिल, "सार्छ अपार्टमेंट्", लाल वहादुर णास्ती रोड, घाटकोपार (पिष्वम) सम्बद्ध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 कव के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर देने के अंतरक. के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ज़ौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) महेश बिस्डर्म ।

(अन्तरामक)

(2) श्री गुलाव भाई मूलचन्द गोणर ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बग्लुकी

फ्लैंट नं० जो 303, 3री मंजिल, "साई अपार्टमेंट", लाल बहादुर शास्त्री रोड, घाटकोपार (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/4795/83-84 और जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> **ष्० प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

प्रक्य आहे. बी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984

निर्वेण सं० अई-3/37-**ईई**/4961/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "वैकुण्ट" 357, लिट्ल मलाबार हिल, सिंधी सोसाईटी, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मा निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बौर/बा
- (व) एसी किसी नाम या किसी भन या नन्य अस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय नाम-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर मिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में ब्रिया में सिंदा;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन निम्बेलिकिस व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) मैंसर्स श्रोमप्रकाश तोलाराम ।

(अन्तरक)

(2) श्री चालसन डिसोझा, ग्रौर सी० डिसोझा । (अन्तरिती)

**को यह त्यना जारी करके पुनीनत् सम्पर्तत के धर्चन के विष्** भाजवाहियां **करता हो**।

उक्त मस्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस तूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है

  45 दिन की जनभि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी बर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगत्त्री

फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, "वैकुण्ठ", 357, लिट्ल मलाबार हिल, सिधी सोसायटी, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4961/83-84 ग्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-8-1984

प्ररूप बाई. टी.. एन. एस. - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेण सं० अई-3/37-ईई/4925/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लंट नं० 1-ए०, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, सत्य जिवन को-आपरेटिव हासिंग सोसायटो लिमिटेड एल० बो० एस० मार्ग, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यान्लय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अदेने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) गुँऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय पायकर पिंचनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर पिंचनियम, या धन-कर पिंचनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए। । ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रा मनोहर सुगन मूलचन्दानी । (अन्तरक)

(2) श्री नारायण सीताराम बने। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दो शिया गया है।

## मन्स्ची

फ्लैट नं 1-ए०, जो, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं 3, सत्य जोवन को-आपरेटिव हार्खिसंग सोसायटी लिमिटेड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, कुर्ला, बम्बई-400070 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4925/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांग: 14-8-1984

प्ररूप बाइ. टी. धन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सहकार

कार्यात्तम, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश स० अई-3, 4/87-ईई/4986/84-85→-अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से बिधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, जो प्लाट न० 81 कांजूर को-आप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, कांजूर मार्ग, भांडूप, बन्बई-78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूनी में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिन्तयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकार। बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-12-1983 की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीप एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के टि.ए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स माडर्न बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीः श्रीधर शिवराम गोठनकर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्नाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे

स्यव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### जनसची

फ्लैट नं० 11, प्लाट नं० 81, जो, कांजूर को-आप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, काजूर मार्ग, भांडूप, बम्बर्ड 78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं अर्ह-3, 4/37-ईई/4986/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बस्बई

तारीख: 6-8-1984

प्रसम्प आइ<sup>‡</sup>. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/5008/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी संब्ब्लाक नंव 6, जो 1ली मंजिल, ऋषभ आगी श, मुलुण्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 261 की भ्रारा 269 के, ख के अधीन ,सक्षम प्राधिकरी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उलसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

बतः बब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसंरंग कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, पिन्निलिखित व्यक्तितुमीं, संवत् ह— (1) अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती दत्ताराम सावंत, ग्रीर (2) श्री दत्ताराम धाकू सावंत।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्ष में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्त्यी

ब्लाक नं० 6, जो, 1ली मंजिल, ऋषभ आशोश, मुसुण्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० आई-3, 4/37-ईई/5008/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनाम : 6-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप. मार्ड. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-3,4/37-ईई/4843/84-85—अत: मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीण जिसकी मं० पलैट नं० 2, जो, ग्राउण्ड पलोर, रुणयन छाया, प्लाट नं० 74 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 564, मुलुण्ड, बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास कर्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की वावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए: वौद्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मंस्विधा के लिए;

नतः सवा, उनतः भौधीनयम्, की धारा 269-ग क अन्मरण भौ, भी, उनतः अधिनियम् की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीम, निम्मलिवित्तं व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्रान्तः (1) अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) प्रचीप एम० देशपाण्डे, श्रीर निलिमा पी०, देशपाण्डे।

(अन्तरितीः)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्वनिधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास जिस्ति में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नगुस्पी

फ्लैट नं० 2, जो ग्राउण्ड क्लोर, रुशबन छाया, प्लाट नं० 74(पार्ट), सी०टी०एस० नं० 564, मुखुण्ड, बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3, 4/37-ईई/4843/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई।

विनांक: 6-8-1984

मोहर: .

# प्रकृप बाह्र . दी. एम. एस्.----

आगयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. अम्बर्ध

बम्बई दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/4842/84-85—-अतः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो 1ली मंजिल, ऋषभ दर्शन, फ्लाट नं० 74, डी० पी० रोड, मुलुण्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफाल को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया क्या प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक [लिबित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिया की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने की महीता में की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीगणेणन आर०

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कृरू करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में विष्णु जा सकेंग।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय -20-क में परिभागन हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दित गया है।

# वन्स्ची

फ्लैंट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, ऋषभ दर्शन, प्लाट नं० 74,सी०टी०एस० नं० 564, आफ 90" बाइड डी०पी० रोड, मुलुण्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अर्द 3,4/37-ईई/4842/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई।

दिनांक : 6-8-84

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **जायकर बायक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश स० 3, 4/37-ईई/4985/84-85--अत: मझे, ए० प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसको म० फ्लैंट न० 9, जो प्लाट नं० 81, कांजूर को-आपरेटिव हार्जीमंग सोसायटो लिमिटेड, कांजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारो, बम्बई के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्थ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अस्परण से हुई किसी बाय की गक्त, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उचने में स्विध्य के लिए; बॉर/बा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का !1) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिक्षाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) मैसर्स मार्डर्न बिल्डर्स।

(जनारक)

(2) श्रो ई० जै० वर्गीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हु।

उक्त गंपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेतित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विराष् जा सकरें।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिशाधित है, वही अधि होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

फ्लैट नं० 9, जो प्लाट नं० 81, कांजूर को-आपरेंटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कांजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,  $\frac{9}{4}$ 37-ईई|4985|84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज-3 वस्बई।

दिनांक : 6-8-84

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वर 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1984

निदेश सं० म्रई3, 4/37-ईई/4786/84-85---अतः म्झे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० फ्लैट नं० 51-ए०, जो "ए" विंग, 5वी मंजिल निलिमा अपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 फ,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के हार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1983 को पूर्वोक्त संपर्गित के उचिन बाजार मृत्य य जम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विक्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससं बचने मों मृतिधा के निगा और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के शिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मा, मा, दा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा ( के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियाों, अधित् :--- (1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(জনাগৰা)

(2) श्रः मोहन लाहा, ग्रीर श्रःमनः मोहूमा लाहा (अन्तरिना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कीई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीरूर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम किसान में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

पलैट नं० 51-ए०, जो, "ए" विंग, 5वीं मंजिल, निलिम अपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड़, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि० स०,अई-3,4/37-ईई/4786/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 4, वस्बर्ड।

दिनांक 6-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1984

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 54, जो, 5वीं मंजिल, "फाल्गुनी" बिल्डिंग, मांडेल टाउन, लादीवाला कालोनी, मुलुण्ड, (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-12-1983

को प्वेचित सम्पत्ति के उचित बाषार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाषार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय कौ बाबत उक्त मिन-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें प्रारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्लिप्ट में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) इल्ला कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भन्तरक)

(2) श्री पिजूष कार्ता राय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

### नगसर्थी

पर्लैट नं० 54, जो, 5वीं मंजिस, "फाल्गुनी" बिल्डिंग, माडेल टाउन, लादीवाला कालनी, मुलुण्ड (पश्चिम), बस्बई-80 में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/4969/83-84 ब्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (सह नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 6-8-1984

प्रक्य आही. दी. एन्, एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1984

निदेश सं० म्रर्ड-3,4/37<del>-६६</del>/ 4877/84-85—म्रत: मुझे,

ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित याजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लैट न० 21, जो, "ए" विग, 2री मंजिल "निलिमा श्रपार्टमेट्स, ए०सी० पी० एस० मार्ग, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणिल हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-83

का प्रविक्त संपरित के उपित बाजार मृस्य से कम के प्रविक्त प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृन्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरक से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अकने से सुविधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी पन या अन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत निमिन्यम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना काहिए था स्थिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमसी किस्सीना लारेंस डिमेलो।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोंक्स संपरित के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🛭 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वाक्त स्मिक्तयों में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्थ। है।

### **अनुसूची**

फ्लैंट नं 21, जो, "ए" बिंग, 2री मंजिल, "निलिमा श्रपार्टमेट", एस० पी० एस० मार्ग, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि करु मरु श्चर्र-3, 4/37-ईई/4877/ 84-85 श्चौर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी४ण) अर्जन रेज-3, बम्बई।

दिनांक: 6-8-1994

माह ७

# प्रकम वार्च. टी., एवं. एक्.,------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त, 1984

निदेश सं० श्रई-3, 4/37-ईई/4876/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संज्यनैट नं ज 11, जो, "ए" विग", 1ली मंजिल "निलिका श्रप्तार्टमेंट", जंगलं मंगल रोड, भांडुप, बम्बई-78, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिजित हैं), श्रीर जिसका कराज्यामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्याक्य में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1983

को पूर्वात्तत संपत्ति की उभित्त बाजार मृत्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि स्थाप्येंक्त सम्पत्ति का उभित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं हुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे अचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य अस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० सरस्वती कुरुप ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यक्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

फ्लैट नं 11, जो, "ए" विंग, 1ली मंजिल, "निलिमा भ्रपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-3.4/37-ईई/4876/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

विनांक: 6-8-1984

मोहर 🔅

# प्रक्य नाइं.टी.एन्.एस.-----

बायकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-4, बम्बर्ट

बम्बई, दिनाक 6 अगस्त 1984

निदेश स० श्रई-3,4/37-ईई/4787/84-85—-श्रत मुक्षे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे धूसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज्यलेंट नं 53, जो, "बी" विग 5वी मिजल "निलम। अपार्टमेट" जगल मगल रोड, भाडुप, बस्बई-78 में स्थित हैं। श्रीर इगम उपाबद्ध प्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप में विणत हैं। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम 1961 की धारा 269फ, ख के श्रधोन सक्षम प्राधिन्वारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-12-83 का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व एम उपनित्र वाजार पूर्व प्रतिहात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरह प्रतिहात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अनार्वें का) के बाज एम अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल जिस्मी कि जिए स्थ प्राच अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल जिस्मी कि जिस्मी की अपने से अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल जिस्मी कि जिस्मी की जिस्स में अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल जिस्मी कि जिस्मी की किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाधत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शोमनाथ पॉल श्रीर श्रीमती मदिरा पॉल,। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय मे दिया स्या है।

## अनुसुची

फ्लैट नं 53. जो, ''बी'' विग. 5वी मजिल, ''निलिमा भ्रपार्टमेट'', जगल मगल रोड, भाडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा िक करु सरु 3, 4/37-ईई/4787/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-৮, बम्बई।

रिताक 6-8-1984 मोहर: \_\_\_\_\_\_

प्ररूप आहं .टी.एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः महायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्राजंन रेंज 3, 4, तम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 6 श्राम्त, 1984

निर्देश मं ० श्रई-3.4/37-ईई/4970/84-85—-श्रन मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६४ में इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ताजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क्लैट नं ा. जो, 'बी'' विग, ग्राउन्ड फ्लोर "निलिमा प्रपार्टमेंट'', जंगल मंगल रोड, भांडुप, बम्बई-78 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा प्रायकर श्राधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय प्राया प्रभा प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अंतरण लिखित व वास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजन पा प्राप्तान के जिला, और/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा कर पराय को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सर्विका के सिक:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (:) के अभीत निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैसर्ग गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री जी वरिष जाण्या।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृवेदिह व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिक क्षित्र पास लिखित में किए जा सकींगे।

रषष्ट्रीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिशायित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिक्षा

### ममुस्ची

फ्लैंट न० 1, जो, "बी" विग, ग्राउण्ड फ्लोर, "निलिमा अपार्टमेंट जंगल मगल रोट, भाड्प, बम्बई-78 में स्थित है। श्रानुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3, 4/37-ईई/4970/84-85 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3, बस्बई।

दिनाक 6-8-1984 मोहरू प्रकप भाइ. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज 3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त, 1984

निवेश सं ० श्रई-3, 4/37-ईई/5029/84-85—श्रताः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव बीव एनव कोठारी इस्टेट, सर्वे नंव 200, श्राग्ना रोड, भांडुप, वस्वई-400078 में स्थित है। श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीर जिसका करानामा श्रायकर श्रविनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूर्स यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रुथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाव की बाबस, खबत अधिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के धायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा वे लिए; बार्-/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एन० कोठारी।

(अन्तरक)

(2) श्री चपक लाल जिवराज मथूरिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्गन को लिए लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमो अयुक्त शब्दो और पदों का, जो उबत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

### अमस ची

गोडाउन नं० 216, जो, 2री मंजिल, बी०एन० कोठारी इस्टेंट, सर्वे नं० 200 (पार्ट), श्रागरा रोड, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-3, 4/37-ईई/5029/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, त्रस्बई

दिनांक . 6-8-1984

ए० प्रसाद

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1984 निदेश स० श्राई-3/37-ईई/5025ए/83-84---श्रतः मुझे,

आनकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं विभिर्शिंग प्लाट नं 57, जो, सर्वे नं 38, हिस्सा नं 1 (पार्ट) ग्रौर 3 (पार्ट) ग्रांफ, विलेज किरोल, जी पी रोड, घाटकोपार, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रमुक्ति में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है,) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1983

को पूर्विक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रितंफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से गिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्नियिक उद्देश्य से उकत अन्तरण निवित्त में वास्त्यिक क्ष्म में करित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन नियमितियम के कियों, अधीर :---25—246Gi84 (1) वेलानी करस्टुक्शन कम्पनी।

(भ्रस्तरक)

(2) पटेल कार्पोरेणन।

(धन्तरिती)

को वह सूचना बारी करकं पृथांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के विष्

वंक्य सम्परित के तर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ ध्यत्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### त्व संची

विम्नरिंग प्लांट नं० 57, बेम्नरिंग सर्वे नं० 38, एच० नं० 1 (पार्ट) मौर 3 (पार्ट) म्नाफ विलेज कीरोल, डी० पी० रोड, घाटकोपार, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि कि सं० माई-3/37-ईई/5025ए/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 14-8-1984

# प्ररूप मार्च, टी. एन. एस. 🖅 - ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) को अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) प्रजीन-रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनोंक 14 प्रगस्त 1984

निदेण सं० म्राई-3/37-आई/4891/83-84--- म्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रन. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं बिर्झारंग एस नं 141, एवन नं 10 (पार्ट) (नार्थन) भौर सी नि टी नं एस नं 6484, 6485 भौर 6486, को ने कल्याण, कालीना, सांताकुज (पूर्व), बम्बंई-55 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है,) भौर जिसका करारनामा भायकर भिष्मित 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिकल्य के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिसित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) लन्तरण मं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधान कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और /शा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वाध प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ध— (1)सीदग्रब्दुलग्रजीज ग्रलमाटर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स डलू डायमण्ड

कन्स्ट्रवशनकंपनी ।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किन को अभीचे, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधानस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्म्**ची

बिग्नरिंग एस० नं० 141, एच० नं० 10 (पार्ट) (नार्थन) श्रीर सी० टी० एस० नं० 6484, 6485 श्रीर 6486, कोले कल्याण, कालीना, सीताऋुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि कि भ्रई-3/37-ईई/4891/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्थई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

स**क्षम** प्राधिकारी

सहायक आयकर अ।युक्त (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

मोहरः

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984
निवेश सं० अई-3/37-ईई/4904/83-84—अतः मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-17, जो. 4थी मंजिल, शीतल अपार्टमेंट, जे० एम० रोड, भांडूप (पश्चिम), बम्बई-78 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप रूप से विणत) है, भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, दिनांक 1-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफा) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेरय में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसा किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) श्री सो० के० गोपालकृष्णन नायर।
  - (अन्तरक)
- (2) विष्णु दस दिनानाथ भारा।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया वार्फ करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  स्थितियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

पलैट नं बी-17, जो, 4थीं मंजिल, शीतल अपार्टमेंट जे एम रोड, भाडूप (पश्चिम), बम्बई-78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/4904/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बर्ष

दिनांक: 9-8-198**4** 

मोहर 🖫

# प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस. ----

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के नधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, विनांक 9 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/4780/83-84--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जितको सं० पत्नैट नं० 1, जो, 3री मंजिल, सी० टी० एस० न० 188 श्रीर 188/1 मे 28 ऑफ भांडूप विलेज, गामदेवो रोड, भांडूप (पिश्वम), अम्बई-78 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख की अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टरी है, दिनाक 1-12-1983

को पृथा नित संपत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सूब्धि के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी भून वा बस्व बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविशा के लिए;

जितः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स आरसी कंस्ट्रक्शन्स।
- (अन्तरक)

(2) लान्सी डिसोझा।

(अन्तरिनो)

को यह सूचना कारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

### नन्त्री

पर्सैट नं० 1, जो 3री मंजिल, सीठ टी० एस० नं० 188, भीर 188/1 से 28 ऑफ भांडूप विलेज, गामदेवीरोड भांडूप (पश्चिम), बम्बई-78 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/4780/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांषः: 9-8-1984

प्रकृप काह्नै . टी . एम् . एक . -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाक 9 अगस्त 1984

निदेण स॰ अई-3/37-ईई/4992/83-84—अत. मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सन् संस्थिक हैं

श्रीर जिसको स० यूनिट न० 235, जो 2री मिजल, गोबिन्ध उद्योग भवन, बलराजेश्वर रोड, मुलुन्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 1-12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एचे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण सिकितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खायित्य में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; जौर/या
- क) एेसी किसी आय या किसी धम ग्रा अन्य आस्तिकों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधीनकम, वा चन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) कं अभीग, निम्नितिशित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री गोबिन्द के० दर्यनानी।

(अन्तरफ)

(2) मैसर्स जी० डा० एण्ड सन्स।

(अम्तरिती)

को यह सूचना वारी करुके पूर्वोक्त संपरित के वर्षम के लिए कार्यवाहियां करुता हुंगू।

उक्त सम्परित के मर्थन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वार के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बाबी काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ज) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्वीक्त व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखिस में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जर उस अध्याय में विद्या गया

### मन्स्ची

यूमिट नं० 235, जं।, 2री मिलिल, गोबिन्द उद्योग भवन, बलराजीम्बर रोड मृल्ण्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कै० स० अई-3/37-ईई/4992/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 1-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, वस्बद्दी

दिनांक: 9-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4996/83-84——अतः मुझें, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 17, जो, जमनाराम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, स्वामी नारायण दर्शन, आरव पीव रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांदा 1-12-1983

को पूर्वोक्त संस्पिति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शिलफल को निए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबता, उक्स जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिसित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आम या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत:, अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें,, अर्थास् ह——

- (1) श्रं जमनाराम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी (अन्तरक)
- (2) दो जायलो सहकारी बैन्क लिमिटेड (अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में काई भी बक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैंट नं० 17, जो, जमनाराम को-अ परिटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, स्वामी नारायण दर्शन, आर० पी० रोड, मुलुन्ड, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/4996/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनाक: 9-8-1984

मोहार 🥫

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984 निदेश सं० अई-3/37-ईई/4781/83-84---अंत मुझे,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 13, जो, निमिश अपार्टमेट, प्लॉट नं० 1112, सर्वें न० 1080, देव दयाल रोड, मुलुन्ड, बम्बई-80 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) थ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क,ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम अधिकारों के कार्यलय में रिजस्ट्रा है, दिनाक 1-12-1983 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्वष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उकत आधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायितन में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, अर्थत्:—

(1) श्रोमितोः हेमलता विनोतराय पटेल।

(अन्तरक)

(2) झहा मणीलाल नानजी।

(अस्तरितः)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्व्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैट न॰ 13, जो, निमिश अपार्टमेंट, प्लॉट नं॰ 1112, मर्वे न॰ 1080, देवादयाल रोड, मुलुन्ड, बस्बई-80 में स्थित है।

अनुसूर्यों जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4781/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, वस्बर्ध।

विनांक: 9-8-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(म) (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 अगस्त 1984

निवेण सं० अई-3/37-ईई/4998/83-84——अतः **मुझे**, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 र उ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, (आर्यवर्त), पी० नं० 2, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1071 (पार्ट). मिठागर रोड, मुलुण्ड, (पूर्व) बम्बई, में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूनों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से अवत अन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी बाय या किमी भन या जम्ब बास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः अत्र उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बन्मरण कैं, मैं, सबन अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स पटेल भानजो करमणो एण्ड कंपने।। (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो सुप्रिया रणनाथ रामदास। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्वी

फ्लैट नं 06, जो, प्लॉट मं 02, एस नं 094, एच ० नं 01(पी), सी 0 टो 0 एस ० नं 0 1071 (पी), मिठागर रोड, मुलुण्ड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4998/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बर्फ

14-8-1984

प्रध्य माई. टी. एव. एस. ------

# नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

MIRE TWENT

कार्यालय, सहायक आयुक्त शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4660/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लॉक नं० 311, जो, बिल्डिंग नं० 20, सिद्धार्थ नगर नं० 4, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्षारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय'पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को खिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (192) धा ११) या ताबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनित्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---26---246GI|84 (1) श्री अशोक त्रिभुवन सपार्ना।

(अन्तरुह)

(2) श्रो हरेन कान्तिलाल मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर सम्पत्ति के नवन के सम्बन्ध में कोई वाक्षण:-

- (क) इसं सूचना के राजपथ मो प्रकाशन का ताराख स 45 दिन की प्रवाध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यवस्था में संस्थित स्थान द्वारा
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किता का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त भव्यों और पदों का., जो उन्नर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

ब्सॉक नं० 311, जो, बिल्डिंग नं० 20, सिद्धार्थ नगर नं० 4, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि फ॰ सं॰ अई-3/37-ईई/4660/63-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारों, बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 9-8-1984

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 ग्रगस्त, 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई/4736/83-84---ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) / (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लैट नं 14, जो, तीसरी मंश्रिल, विल्डिंग नं श्रार, 2 गोवर्धन गिरी को-श्रापरेटिव हाउसिंहन सोसायटी लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरेगांव (पिष्चम), अम्बई-90 में स्थित है(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान

को पूर्धोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्दरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुई िकसी भाग की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन्य इन्यभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए.

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कमल जित सिंह ग्रेवाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदनलाल ए० शर्मा०

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री के० एस० ग्रेवाल । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) महाराष्ट्र फिलान्स सोसायटी लिमिटेड । (बहु व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरों के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ क्रोगा ओ उस अव्याय में दिया गया है।

# वम्स्ची

पलैट नं 14, जो, तीसरी माजिल, बिल्डिंग ग्रार2, गोवर्धन गिरी को-ग्रापरेटिव हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड, बांगूर नगर गोरेगांव(प०), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-3/37-ईई/4736/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1 विसम्बर 83 को रजिस्ट्रई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,बम्बई

दिनांक :- 10-8-84

# प्ररूप बार्ड . टी. इन , एस .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (नि.रीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 श्रगस्त 84

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/4686/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 44, जो, तीसरी मंझिल, हिरनेन शापिंग सेंटर, यूनिट नं०, एस० व्हि रोड, गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-84 को

को पूर्वोक्स मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे क्वयमान प्रतिफल का. पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण जिक्ति में अम्तिकल, निस्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण जिक्ति में अम्तिकल कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पन के अन्तरक के दायित्व में कामी करने थे उसमें बचने में सृजिधा के लिए; बरि√बा
- (स) एस किसी अध्य या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सिनिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित प्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पी० एच० नेनसी लॅन्ड डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन। (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री लालजी लखमीदास गजरा, श्रीर
  2. श्रीमती जमोदा वैन लाल जी गजरा।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छोध्यरण:--सममो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रकी

पलैट नं० 44, जो, तीसरी मंजिल हिननेन मापिंग सेंटर यूनिट नं० 4, एस छिह, रोड़, गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-62 में स्थित है ।

श्रनुमुखी जैसाकि ऋ० सं० श्रई-37-ईई/4686/83 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गजा।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई,

दिनांक '- 10-8-84 मोहर ⊌ प्रस्थ वाह .टी.एन.एस. -----

भायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/4624/83-84--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके प्रचान 'उन्हें अधिनयम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधिन रूपम पाणिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापन स्थानित, जिसका उष्टित आज़र मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो दूसरी मंजील, प्लाट नं० 6, सी० टी० एस० नं० 112/6, विलेज चिश्वली, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है(श्रौर इससे उपवाद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-12-83

का अवाधित सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का बारण हैं कि यथाएबींबत गंपीत का उचित बाजार मूल्य, जसके ट्रियमान प्रतिफाल से, एक श्रम्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कर्तिपतियों) के तीम एसे अन्तरण में लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में कर के कर्मन एसे अभिन प्रतिकार से उक्त अन्तरण कि लिसित में

- (क) अन्तर्भ सं क्ष्य किसी आय की गांधत, सकत अध्योगण्य के अभीन नाम दोने के अन्तरक के राधितर भी कामी में स्वी या उससे अन्तरे भी अधिवार के लिए: बार/या
- (क) ए.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय अप-कार श्रीकेल्डिंस, 1922 (1922 की 11) या जनत अर्थाशनियम, या धन-कार आंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रकट नहीं किया गगा था था किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा औं लिए

लकः अस, असत अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण ब्रॉ. मी, अकत अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन जिस्सी किसी का किसी अधीत :---- (1) श्री रसिकलाल जे० दवे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा एस० पराडकर ।

(भ्रन्तरिती)

4. भन्तरक भौर भन्तरिती)
(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्कल स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्क्यां और पर्योका, को उक्त किंपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा है।

### अनुस्की

फ्लैंट नं० 5, जो दूसरी मंजील, प्लाट नं० 6, सी० टी० एस० नं० 112/6, विलेज चिंचनली गोरेगांव(पूर्व), बम्बई- 63 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकि कि० सं० श्राई-3/37-ईई/4624 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 10<del>-</del>8-84

मोहरः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पर्ति, जिल्हा उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो तीसरी मंजिल, यूनिट नं० 5, हिरनेन घाँपिंग मेंटर, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (पिचम), बम्बई-62 में स्थित हैं(ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं)और जिसका करारनामा प्रायक्तर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भ्रधोन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अवित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्वे हो और मुभो यह विश्वास करने करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संतरिमी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिश्व में क्षमी करन या उपसे अधने में स्विधा के निन्छ, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आरितयों की जिन्हें भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थातः :--- (1) 1. श्रीमती रुक्षमणीवेन धिरजलाल शहा. ग्रौर 2. श्री धिरजलाल मातालाल शहा।

(भन्तरक)

(2) 1. श्री राजेशकुमार जेई सिंगभाई शहा, ग्रीर 2. श्रीमती मिनाबेन राजेशकुमार शहा। (श्रन्तरिती),

की पह सुभाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मृष्यना की सामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पृष्ठींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा महोगे।

म्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यहा है।

### अम्स्ची

पलैंट नं० 36, जो तीसरी मंझिल, यूनिट नं० 5, हिरनेन भौंपिंग सेंटर, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई 62 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक कि सं ग्राह्म 3/37 हेह्/4770/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 3 बम्बई,

दिशांक :— 10~ 8**~** 19**8** 4

मोहर:---

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्थालय, महायय भायकार काय्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वस्वर्रः, दिनांक 10 अगस्त 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37–ईई/4597/83–84—ग्रतः मुक्षे, ए० प्रसादः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास कारने का धारश हैं कि स्थावर राम्पत्ति, जिसका एकित बाजार मूल्य 25.000/- क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 15, जो, बिल्डिंग नं० आर० 2, तीसणी मंझिल, प्लाट नं० 14-ए, सर्वे नं० 161, बांगूर भगर, गोरेगांव (पश्चिम.) बम्बई-90 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-12-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, जसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का उच्छ जीतरात स आधार है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुर्द किसी आय की गामता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के राधित्य में अपी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी जिल्हों अस्य या किसी धन या अस्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सी स्विधा के निवए;

कतः प्रकः, इक्षा श्रीर्थानयम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के रापनि, निम्नीलिखन व्यक्तियों, अर्थास :--- (1) श्री संतोष टी. टेकचंवानी।

(भ्रन्तरक),

(2) श्री स्थाम सुंदर कका।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसूची

फ्लैट नं० 15, जो, बिल्डिंग नं० आर०2, तीसरी मंजिल प्लांट नं० 14-ए, सर्वे नं- 161, बागूर नगर गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-3/37-5ई/4597/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्षत (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 10-8-84

प्ररूप आही, टी. एन उस. -----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई,

बम्बर्ड, दिनांक 13 श्रगस्त 84

निवेश सं० प्रई-3/37-ईई/5034 म्/83-84--प्रतः मझे, ए० प्रसाद

आतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भृत्य 25,000/-रड. सं अधिक **ह**ै

न्नीर जिसकी सं० फ्नैट नं० सी/403,जो चौथी मंजिल, एम० ई० प्ररुणसल को-प्रापरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड पहाडी, प्रारे रोड, गोरंगांव (पूर्व) बन्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से है); 'श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कहा के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-12-83 की

को पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

मत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शणिकांत रज्नाथ गरवे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गैलजा दिनकर शिदे।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ), को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अथिव वा तत्सम्बर्गा न्यिक्तयों मचनाकी तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हों, को भीतर पर्वक्त व्यक्तियाँ में से फिसी त्यिन दशरा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की कारांख मे 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति वयारा अधोहण्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शर्कों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

फ्लैट नं० सी/403, जो चोथी मंक्षिल, एम० ई० ग्रहणचल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहाडी. न्नारे रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं०अई-3/37ईई/5034 ए/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० प्रसाद), सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ड

दिनांक: 13-8-84

or and the first and a second second

प्ररूप वार्डं.टी.एन.एस. -----

मल्य आहे .दा. एवं . एवं .

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 शस्मत 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/4894/84/84-अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'ज़कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-16, जो दूसरी मंझील हर्षा श्रपार्टमेंट श्राफ डा० राजेंन्द्र प्रसाद रोड़, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है ) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिती की गई और मूओ यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत जिम्निलिखन उद्देष्य से उक्त अन्तरण कित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गर्की हैं:—

- (क) अन्तरण से हुक किसी अग्र की बाबत, जनत अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविश्त के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां नों, किसी आप या किसी धन का अन्य आस्तियां नों, किसी किसी प्राप्त का अन्य का स्वाप्त का अन्य का प्राप्त की किया मा 1957 1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्ति तिं। वृज्ञान अन्य मही किया गया था या किया जाना साहिए था कियाने में सृतियां के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हरजीवन मनहरदास पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुक्दंदकुगार मथूरादास कारीया । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त वर्षाक्तरों में ने किसी व्यक्तित द्वारा:
- (घ) इस सूचना के राजवल मा प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पाम लिखित मा किए जा सकींगे।

स्षय्यीयरण :----देनमें भय्वत शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# वन्स्यी

फ्लैंट नं॰ v/16. जो दूसरी मंझील, हर्पा अपार्टमेंट, आफ़ डा॰ राजेंद्र प्रसाद रोड़, मलूंड (पिचम), बम्बर्ड-80 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/4894/83 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टुई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक :- 9-8-84

प्ररूप आवाँ दी. एन . एस . -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निवेश सं० भ्रई-3/37ईई/4914/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 7, जो, ग्राउंड फ्लोर, मुशिला श्रपार्टमेंट, सरोजनी नायडू रोड, मुलूंड (पिष्चम), वम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है ), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की तारा 269 का ब के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-12-83 को पूर्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप में किंधत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस. अम- उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो प्रशा ए० दोशो

(भन्तरक)

(2) श्री राजेश गेंड, ग्रीर मुकेश भ्रार कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीनिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

### अनुसूची

शाप नं० 7 जो, ग्राउंड फ्लोर, सुशिला श्रपार्टमेंट, सरोजीनी नायडू, रोड़, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसाकी क०सं० भ्राई-3/37-ईई/4914/83 84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज–3 बम्बई

दिनांक :- 14-8-84 मोहर :: तक्ष बाह्<sup>®</sup>्र टी<sub>ड</sub> एन<u>ः</u> एत्<sub>र</sub> सन्यन्त

भायकर कांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269'-म (1) के स्पीत सूचना

### भारत सर्काड

# कार्बालयः, सहायक आयकार नायुक्त (निष्ठीकण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984 निर्देश सं० आई०-3/37-ई० ई०/4913/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके वश्यात् ' उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित वाषाए मृस्क 25,000/- रा. ते अधिक है

और जिसकी सं ० पलैट नं ० 22, जो "गणे शक्रुपा", प्लाट नं ० 100, एस० नं ० 1000, किहलेज मु, जूं ब, आर० एच० बी० रोड, मु, लूंड (पिक्सम) बम्बई—80 में स्थित है और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1 दिसम्बर 1983

को प्रोंबत तंत्रीत के अवित वाजार मूल्य से कम के अवस्थान प्रतिकल के लिए अंतरित की नई है और नुको वह विश्वास करने का कारण है कि वथाम्बेंबत तंत्रीत का अवित वाजार मूल्य अवसे स्वयान प्रतिकल ते, एते क्यानान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिकत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच एते क्यान्तरण के लिए तक्ष्माण ज्ञा प्रतिकल, निकासिक्त उक्षेत्र से उक्त जन्तरण निकास में बारतीक कम से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई कियों जाय की वाबत, उक्त विजिनमा के अभीन कपूर देने के वन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के जिए; श्रीष्ट/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए या, कियाने में सूनिभा के निए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग कें अनुसरण कों, मीं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कें जभीन, निस्नीसीचत व्यक्तिकों,, वर्णों क्र--- (1) आशापूरा इण्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

(2) श्री बायूभाई एच० फुलिया, और राजें ग एच० फुलिया।

(अन्तरिती)

का वह त्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिथ, को भी अनिथ नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षेयरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाद जिला में किए का स्कोंगे।

स्वस्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वनुसूची

प्लैंट नं० 22. जी, "गणेशकृपा", प्लाट नं० 100, एस० चं• 1000, म्हिलेज मुलूंड, आर०एच०बी० रोड, मुलूंड (पश्चिम)∦ अम्बई—80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० नं श्राई०~3/37-ई०ई०/4913/ 83-84और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव स**क्षम प्रा**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बस्बई

विनोक: 14-8-1984

पुरूषः, बर्द्धः, टी., एन्., एस्., - - - -

मार्थकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निड्रीक्षण)

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/5020/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 207, जो, 2री मंजील, बिस्डिंग "जो" "सरीता", नारायण नग्दर, सायन ट्रास्त्रे रोड़, सायन, बम्बई-22, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका कराना मा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1→12→83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसीं अप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्तने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एग्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

वतः वद, उक्त विभिन्नम की धारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के वभीन्, निम्नसिचित क्युक्तियों, जर्मात् ह्र--

- (1) श्रीमती रादियात केन नरणी शहा भीर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जयलक्ष्मी प्रितमलाल भट्ट, भौर श्रीमती हंसा प्रियवदन भट्ट । (अम्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्पत्ति के अर्जन के छिए कार्यवा<u>हि</u>यां सूक करता हुं।,

# उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाशंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो छन्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसर्व

पर्लंट नं० 207, जो 2री मजील, बिल्डिंग "जी" 'सरीता" नारायण नगर, सायन ट्राम्बे रोड़, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० आई-3/37-ईई/5020/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बाई

विशोषा :- 6-8-84 ब्रोहर 🛭 प्ररूप माइं.टी.एन.एस . ------

नाबकर निधिनिद्ध, 1961 (1961 ना 43) के शिय 269-व (1) के क्षीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बम्बर्ट

बम्बई दिनांफ 6 अगस्त 1984

निदेण स० आई-3/37-ईई/4908/83-84---अत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर वांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 2 जो ग्राउड फ्लोर, "एफ" विग, बिल्डिंग न० 4 दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (पिष्ट्यम) बम्बई—86 में स्थित है (श्रीर इस उपाबंड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने सणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क,ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनाक 1-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अत्तरित की यद् है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में लक्ष्यक्रियक कम से करियक नहीं किया पना है दि—

- (क) अच्छरण से हुए किसी जाप की बाबत छक्त साथ निस्त्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किस जाना भाहिए था, कियाने में स्विधा कें लिख;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) पारुल इन्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अख्नार खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्तिः को बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षान्त्रयों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन को तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषिक हैं, यही कर्य होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### अनुसुची

पर्लंट न० 2, जो ग्राउड प्लोर "एफ" विग, बिस्डिंग न० 2, दामोदर पार्क एल० बी० ए० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बर्श-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० स० आई~3,/37-ईई/4908/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 दिसम्बर 1983 को रिजर्स्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3,व≭बई

दिलांक - 6-8-84 भाहरः प्रकप बाइं. टी. एम - एस - 🗵 - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3 वम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6, अगस्त 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीग सक्षम प्राधिकारी को, रह दिख्यल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं बी/35, जो सी टी एस नं 694 698 स्रीर 699 (पार्ट), कोले कल्याण, वाकोला, सांताकृश (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ अनुसूर्य: में स्रीर पूर्ण एप से विजत है) स्रीर जिसका जरार-नामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनांक 1-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिखक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत व्याधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के शिए; और/या
- (स) एगी किसी आयं या किया पर का अथा का गण को; जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियस, जा धनका अधिनियस, वा धनका अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवाद-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के शधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) मैंसर्स गोल्ड काईन बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर धाबा शोट्टी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीखं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पद्धिकरण --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया गया है।

### अनुसूची

पसैट नं श्री/25, शिव गंगा जो, सी० टी० एस० नं 694 से 698 ग्रीर 699(पार्ट), कोले कत्याण, वाकोलां, मांताकृष्म (पूर्व), बम्बई 55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० आई-3/37-ईई/5024/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारीं बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रडं किया गया है ।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विगांक :- 6-48-184 मोहर :-- प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-3/37–ईई/4778/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 18, जो महाविर कांटेज, 125, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचें में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधंत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्लार्यालय में रिजर्स्ट्रा है दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसता बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो नरेन्द्र एम० मेहता।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नयना किशोर मालविय, श्रीर श्री किशोर बी० मालविय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं 18, जो, महाबिर कार्टेज, 125 गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूचो जैसाकी क० सं आई-3/37/4778/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-12-83 को रजिस्ट्रुड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, वस्मई

दिनांकः :- 6~8-84 मोहरः

# प्रका आहे. टी. एव. एस. नगरना प्रका

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/4806/83-84--अनः मुझे, ए० प्रसाद

जागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है, की पारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, जो भागिरथी विला तीसरी मंजिल अमृत नगर, घाटकोपर (पश्चिम), एल० बी० एस० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनृभ्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-83 को

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्केंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (या) मन्त्रपण के हुई जिल्ली आप की बारण जनश जीभनिका को सभीन कर दोने के अम्सरक के शासिक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; जीर्/वा
- (ख) एसो किसी बाय था किसी धन या बन्ध बास्तिकों करे जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से अविध्वार्थ जन्ति विद्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिष्ट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाकि कि किस्तियों, वर्षात् :---

(1) मैसर्स सेठ इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तर्क)

(2) श्री राजन वाई व्होरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिस की जनिथ ना तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर स्वित्यों में से किसी स्पतित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अभिवत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास मिसन में किए जा सकेगे।

स्यध्वीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

# बन्स् ची

पर्जैट नं० 31. जो, सिनिरयो विला, तीसरी मंजिल, अमृत नगर, लाल बहादुर णास्त्री मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसाकि ऋ० सं० आई-3/37/4806/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांकः 1-12-83 को रिजस्ट्रर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरक्षण) अर्जन रेज-3 बम्ब**र्ड** 

विनोक :- 6-8-1984

मोहर :-

# प्रक्ष्य बार्च । दी , एन , एसु , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) **के ब्**भीन स्**व्**मा

### भारत तरकाड

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० आई-3/37-ईई/4883/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं पलैट नं 604, जो दामोदर पार्क, विंग बी, बिरिंडग नं 3, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (पिष्यम), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है ), श्रीर जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, कख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं • और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रति-कल निम्नितिबत उन्नदेश से उस्त अन्तरण निवित में अस्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए: और/या '
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्द्रियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स्विभा के सिक्ट:

अतः व अ उक्त अधिनियम की धारा 269-म अ अनुसरण हों, गीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिकिंग व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो खुशाल उस्तमचंद फोफारं।या ।

(अस्तरक)

(2) अं। धिरेन मणिलाल पारेख।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी माछापु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्िविदा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# जगत्त्वी

फ्लैट नं० 604 जो, दामोदर पार्क, विग-बी, बिस्डिंग नं० 3, जाल बहादुर आस्द्री मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० आई-3/37-ईई/4883/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद लक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4, **बम्बई**

दिनांक :-- 14-8-84 मोहर ध प्ररूप शहर . टो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आद्यार अद्यन्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4916/83-84--अत: मुझे ए०, प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'- ए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, गंगा" बिल्डिंग, एस० नं० 3 देवनार श्रीर बोर्ला गांव, गोंवड़ी, बम्बई—80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यां में रजिस्ट्री है दिनांक दिनांक 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृहय्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृहयमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तिग्तें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेत्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिन्यं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उध्धारा (1) के बधीय, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी हर। क्रुपान० 11 की आपरेटिय हाउपिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरक्)

(2) श्री रविद्र प्रल्हाद जगताप ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तयों पर स्चान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए आ सकोंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भगुसूची

पलैट नं० 6, जो, "गंगा" विस्डिंग, एस० नं० 3. देवनार श्रौर बोर्ला गांव, बोर्बर्डा, बस्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क्रम० मं० आई-3/37-ईई/4916/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 6-8-84

मोहर :-

'श्रुक्य' बाह्र'. **टी. एव् . एस**्-----

आध्यात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन स्थना

#### भारत सरकार

# अधानिय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) ध्रार्जन रेंज ३३ बस्बई

-6 6---

बम्बई विनांक 4 धगस्त 1984

निवेश सं० ग्रार्ड-3/37-ईई/4993/83-84--ग्रत: मुक्ते, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11 जो प्लाट नं० 8 श्रीक्षक्ष बाग चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की घारा 269 क,ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनाक 1-12-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी बाव की बावत, क्ष्यप्त अभिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने मा बससे अवने में सुविधा से सिए; बॉर/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्सियों को जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा कियाने यें स्विधा के लिए;

अतः अतः, उत्मत अधिनियम की भारा 269-ा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित अ्यक्तियों, सर्थात् ॥—— (1) क्यो जिलेंन्द्र बहाबूर सिह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सीना प्रसाद मुखार्जी और ग्रन्य ।

(धर्मारती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संप्रित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः ---इसमें प्रयुक्त संबद्धां और पदों का, वो तक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिश वसा है।

# जन्स्ची

पलैट नं॰ 11 जो प्लाट नं॰ 8 म्राझिस बाग, चेंबूर, बम्बई-400 074में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसाकि ऋ० सं० भाई-3/37-ईई/4993/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को राजस्टर्श किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक :- 4-8-84 मोह्यु 🕯 प्रक्रम काई<sup>1</sup>. ट्वैं. एवं. एस्.-----कांथकर लोभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याकद्, सङ्घायक नायकार भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1984

निवेश स० भ्रई-3/37-ईई/4971/83-84--भ्रतः मक्षे ए० प्रसाद

आयंकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संविद्य जिसका उचित वाजार मूम्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पोर्शन ग्राफ रूम न० 24 जो चाल नं० 243, एल० वार्श्व नं० 3698 कुर्ला बम्बई में स्थित है (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम 1961 की श्रारा 269 कुर्ख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम को स्थयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तुम् पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुद किसी बाय की बावत उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कभी करूने या उसने बचने में सुविधा की लिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा वो लिए।

वतः वक्, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों,, क्यांत् ध--

- (1) 1 रीट कुमार छोटालाल महा और
  - 2. चंध्रकांत छोटालाल गहा
  - 3. मैसर्स सालमन बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) गांगकात छोटालाल गहा ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप कु-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्यो

रूप नं 24 जो चाल नं 243 एला वार्डन अ 3698 कुल बम्बई में स्थित है।

भ्रमुस्नी जैसािक ऋ० सं भ्रार्श-3/37- $\xi\xi/4971/83$ -8। भीर जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-2-83 को राजस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 वस्बई

दिनांक . 7-8-84

मोहर 🧈

अक्ष, बार्ड, जी, युन्, युन्, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) मो मभीन स्चना

#### भारत बरकार

# कार्यालय, सहायक <mark>नायकर नायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 स्र गस्त 1984

निदेश सं० मई-3/37- ईई/4816/83-84-मतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पेरत, जिसका उचित साजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7 जो प्लाट नं० 155 शिवद-शिनों को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड गरोडिया नगर धाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर श्रससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ध्रप है बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की ब्रिश्त 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 1-12-83 को

को पुर्वोक्त सभ्यत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही बौर अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाव की बाबत, अक्छ अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों नते, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से विद्

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) डा॰ मेधरी दत्तालेग शास्त्री ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शैलजा भास्करन्।

(मन्तरिती)

को वह क्षमा बादी करके प्रावित सम्मरित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त प्रस्पीस के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सबिथ या तस्संबंधी क्यॉक्ट्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बर्धीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उच्या स्थावह सम्यत्ति में हितबर्भ किसी बन्ध व्यक्तित वृवारा, अभोइस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्यों का, जो उनते - जिल्हों नियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नम्स्यी

पर्लंड नं० 7 जां प्लाट नं० 155, भोम शिवदिशानी की, भापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गरोडिया नगर भाउकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-3/37-ईई/4816/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रॉजस्ट्रेड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, यस्बई

विनाक :-- 6--8--84 मोहर ध प्रकृष् कार्<sup>‡</sup>. टी. एन. एस्.-----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत सुच्ता

#### भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई-33/7-ईई/4784/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर ्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट मं० 16 जो जयदिए को-श्रापरेटिह्न हाउसिंग सोतायटी लिमिटेड, रिफल रेज धाकोटपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसमे उपबाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है श्रीर जिमका करारनामा धायकर श्रधि नियम 1961 को धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनाक 1-12-1983

को पूर्वि । संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिष्ठल को लिए अन्तरित को गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उभ के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित् में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विधिनियम के नधींन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे वच्ने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सविधा को लिए;

अतः अर्थं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधारत :— (1) श्री गोविवराजन श्रीनिवासन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधा बालू।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

# अपृत्यी

प्लैट नं० 16 जो जयदिए को-म्रापरेटिह्न हार्जासग सोसायटी लिमिटेड रिफल रेंज घाटकोपर (पिण्चम) अम्बई 86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० ग्राई-3/37-ईई/4784/ 83-84 और जो मक्ष्म प्राधाकारी बम्बई ब्रबारा दिनॉक 1-12-83 को राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक:- 14-8-84 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/4808/83-84--ग्रतः सुक्षे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट न० 3, जो, पहली मजिल "ज्योती" बिल्डिंग प्लाट नं० 143, गरीडिया नगर, बम्बई—77 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 198अ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान शिराज के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान शिराज के और अन्तरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान शिराज के और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एस अन्तरण के लिए अय पाया गया श्रीताकल, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप म कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, निष्टे भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रश्तिक अधिनियम, या प्रश्तिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) श्री लक्ष्मीदास हिस्सी वामा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभादेशी शुक्ला।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिंह में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

# मनुस्यी

पलैट नं० 3 जो पहली मंझील "ज्योती" बिस्डिंग प्लाट नं० 143 गरोडिया नगर, बम्बई-77 में स्थित है। प्रमुस्ची जैसाकी ऋ० सं० प्राई-3/37-ईई/4808/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1 दिसम्बर 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-3, बस्बई

दिनांक :-- 6-8-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/4983/83-84--ग्रतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 8, जो बिल्डिंग नं० 31-सी सीसरी मंग्नील महात्मा गांधी नगर, चेंबूर कालोनी बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है ) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के ग्रंथीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरमें दचने में मृतिका। के लिए:
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए:

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री णिवकुमार एम० ग्ररीरा ।

(भ्रन्तरक)

(2)श्रीमती एम० राजम्मा मेणाचन ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ward.

पलैट नं० 8 भी बिल्डिंग नं० 31-सी तीसरी मंझील महात्मा गांधी नगर चेंबूर कालोनी बम्बई-74 में स्थित है। ग्रनुस्ची जैसाकी क्रं० सं० ग्राई-3/37ईई/4983/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्ट्रटर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, वस्बई

दिनांक: 6-8-84

प्रकृप बार्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 भ्रगस्त 1984 निदेश सं० भ्राई-3/37-ईई/4897/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं शाप नं 2 जो ग्राउंड पंकोर एक्सप्रेस व्ह्यू को-आपरेटिव हार्जासग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं 7 एस नं 14-ए(पी) स्वास्तिक पार्क चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है (ग्रौर इससे उपबाद प्रनुसूची में घोर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर धिवियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नत्य शास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, भर्धात :--

- (1) मैसर्भ राजभी जिल्लाम् प्रायपेट लिमिटेड । (यस्तरक)
- (2) श्री मुरेंब्र कुमार उपाध्याय । (अन्तरिती)

को यह सुचना चाडी करके पूर्वोक्ट सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर 'प्वेंकिंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के एकपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

शाप नं० 2, जो ग्राउंड पलोर, मैसर्स एक्सप्रैस व्हयू की-भ्रापरेटिव हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 7, एस० नं० 14 ए(पार्ट) स्वास्तिक पार्क चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्राई-3/37 ईई/4897/83-84 श्रीर ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक : 6-8-84

# प्रक्रम आहाँ टी एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 प्रगस्त 1984 निवेश सं० श्राई-3/37-ईई/4984/84-85---श्रतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ६ण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 4, जो दूसरी मंझील, फेंग्हरेट इण्डस्ट्रियल ६स्टेंट मसन्ती लेन कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 1983

को प्वोंक्त संप्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :----29---246Gil84 (1) श्री भारक एक भेट्टी।

(स्रत्रक)

(2) मैसर्भ देवका केमिकल वयर्भ ।

(ग्रन्तरिती)

को यष्ट सूचना जारी करके पृशेषित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में सभा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्या

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 4 जो दूसरी मंझील फेक्ट्रेट इण्डस्ट्रियल इस्टेट मसन्नी लेन, तृर्ला-पश्चिम, वस्बर्ध-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी %० सं० ग्राई-3/37ईई-/4984/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 दिसम्बर 1983 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 6-8-84

# प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

**बायकार अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984
निदेण स० अई-, 37,111ईई-,4918,84-85--- अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसेकी गं० फ्लैंट नं० 19, जो बिल्डिंग नं० 1, बोली सोमायटी, डा० मी० जी० रोड़ चेंबुर बम्बई-74 में स्थित है और इससे उपाबद अनुमूची भे और पूर्ण रूप में बणित है), और जिमका दारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्यई के कार्यालय राजिस्ट्री है दिनांच 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा पकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिशत व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) श्री हरिश तेजभान दास माना और 2, शीमती रजनी हरिश गाना।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती मायाबाई लालचंद खाटपांल और 2. श्री स्रेण लालचंद खाटपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को**ई भी आ**क्षोप :—÷

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित∸ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 19 जो बिल्डिंग नं० 1 बोर्ला सोसाकटी डा० मी० जी० रोड़ चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है। अनुमूची जैमाकी ऋ० म० अई-3/37ईई/49/8/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टई कियां गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज –III, बस्बई

**दिनांक** : 6-8-84

मोहर '

प्ररूप आहें टी एन एस ----

# नायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , बम्बई बम्बई, दिनाक 6 अगस्त 1984

निदेश स० अई—III/37-ईई/4966/84-85--अत मुझे, ए० प्रसाद;

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूर. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लंट न० 213 में 2 दूसरी मजिल ''ई' विग विवेक अपर्टमेट, कालीबा बिहार दर्णन की-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, विधानगरी मार्ग, कालोबा सांताकूज (पूर्व) बम्बई में स्थित है आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प स विणित हैं) और उजसका करारनामा आयकर आंधनियम 1961 की धारा 269 क खूके अधीन सक्षम प्राधिनारी बम्बई के कार्यालय म रिजम्ट्री है दिनाक 1 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हुम्पना प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त मन्तरण जिखित में बास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई जिसी आव की बाइत. उथन श्रींध नियम के प्रधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में कमी करते या जमन बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
  - (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 19. '(1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए का, कियाने में स्विभा के जिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीतः— (1) श्रो अनिलं तुजोराम बलराम

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद सलिम धूसूफ घाटकाई

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुस्ची

पर्लट नं० 213 जो दूसेरी मंजिल ''ई'' विग विश्वेक अपार्टमेटम कालीन जिहार दर्शन को-आपरेटिय हाउसिंग सोपारी लिमिटेड विद्यानगरी मार्ग कालीना सांताकुज (पूर्व) बम्बई-98 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाकी क० म० अई-III/37ईई/4966/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-III, बम्बई

दिनौक .-- 6-8-84 मोहर: हक्य बाइं.टो.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1984 निदेश स० अई-- /37ईई/4962/84-85 --अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संज फ्लैंट नंज 11, जो पहली मंजील जैनेक्स जगार्टमेंटेप विद्यानगरी पोस्ट आफ्ति के सामने सीज एसज टीज रोड, जालिना सांताकुज (पूर्व) बम्बई-98 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध उन्सूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं ) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 गं, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त पाधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करुने या उससे बचने में सुविधा ले लिए; और/या
- ेंक) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतिरती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नीसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् .---

(1) जैनेक्स विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्त**र**क)

(2) श्रीमती वी० आर० वर्गीस ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शितर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण ?----इनमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जो उक्त करिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ं है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया रूपा है।

# नभुस्ची

फ्लैंट नं० 11 जा पहली मंजील जैनेक्स अपार्टमेंट्स सिचानगरी पोस्ट ब्राफिस के सामने सी० एस० टी० रोड कालिना सांताकुज (पूर्व) बम्बई-98 मैं स्थित है।

अनूसूची जैसाकी क्र॰ सं॰ अर्ध $-II_{I}$ 37र्द्ध $/4962_{I}$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा दिनांक 1 विसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

धिमांक '- 6~8-84 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ----

**मायकर मधिनियम., 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्याल्य, स्हायक भायकर आयुक्त (नि.डीक्षण)

अर्जन रेज-III बम्बई

बम्बई, विनाक 6 अगस्त 1984

निदश म० अई--37 ईई/4824 /84-85 --- अत मुझे ए० प्रसाद

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 17, जो, तीसरी मंजील प्लाट नं 0 73 गगनतारा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिसिटेड रोड न० 2 पेस्टम सागर जी० एम० रोड वेबूर बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप स वर्णित ह) आर जिलका अरारजनामा आयशर अधिनयम 1961 की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उपित नाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ट्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर, हैनम्निकिश्वित व्यक्तिकों, अर्थात् ह (1) श्रीमती राधिका रानी एस० वनारसे

(अन्तरका)

(2) श्री रजनीकांत भगवत रेले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 10 जो तीसरी मंजील प्लाट नं० 73 गगातारा को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड रोड नं० 2 पेस्टम सागर जी० एम० रोड वेंबूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋं० अई-III/37 ईई/4824/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 6-8-1984

प्रकृप बाइं. टी. एन्. एस्.-----

नासकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुमृत

#### भारत सरकाड़

# कार्यास्य, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984

निदेश म० अई—/37—ईई/4988से/83—84——अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूस्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैट न० 3, दूसरी मंजील, ''सी'' विगा विलिया नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाट-कोपर (पिक्चम), बम्बई-86 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनूचवी में और पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनाव 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उच्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

भतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण म, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री संजीव अक्रॉल।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमचद नाखतमल लहरोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के निष्कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के गुजपकुमें प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग्र;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गें।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जन्**स्ची**

पलैट नं० 4 जो, दूसरी, मंजील "मी" विंग, विल्डग नं० 9, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग घाटकीपार (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-137ईई $^{1}4988/84-85$  और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुनेत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III; बम्बई

विनॉक :-- 6--8--84 मोहर ्। प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984 निर्देश मं० अर्हााा/37-ईई/4821/83-84---अत: मुझे,

ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अपैर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, 1 ली मंजिल, "स्वागत" विलिंडग, प्लाट नं० 181, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983 को पूर्वे कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिक्का में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करमें या उससे अचने में स्विधा अकेन्निए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूनिधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्किनिसत व्योक्तयों, अर्थात् :--- श्री वें अपर० वीं ० सुम्रहमण्यन।

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप जगजीवनदास शहा।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीयत संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्षं किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>‡</sup>गे।

स्पव्हीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

# मनुत्त्वी

प्लैट नं 18, जो, 1ली मंजिल, "स्वागत" **बिस्डिंग,** प्लाट नं 181, गरोडिया नगर, धाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अर्ह्यH/3.7ईर्ह/4.82.1/8.4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 111, बम्बई

दिनांक: 6-8-1984

मोहर 🤢

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई अम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० अईIII/37-ईई/4765/83-84~─अत: मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मर्थे नं० 26, हिस्सा नं० 9, बालनाय विलेज. मालाड (पिष्मम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 दिसम्बर 1983

नों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वस्तरण संदूर किसी नाय की नावत तक्त निध-निवय के अधीन कर दोने के नस्तरक के पायित्व में कमी करने या जकते वचने में सुविधा के लिये; और या/
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् है—

ा. होतन जोना र्शिमहेसा

(अन्तर्भः)

2. श्री खुणाल चंद हिराजी णहा।

(अन्तरिती)

को यह सूपना पारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उन्हत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

सर्थे नं० 4, हिस्सा नं० 9, त्रिलेश वालनाय, मालाड (पिंचम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अईईई III/37\$/4765/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, अम्ब ई

दिनांक 8-8-1984 मोहरः प्ररूप . मार्च . टी . एन . एस . - - - -

भागकर नॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्थन।

#### बारत चरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-III/37-ईई/4680/83-84---अत: मुझे ए० प्रसाद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं शाप नं 17, जो मान सरोवर अपार्टमेंट, ए॰ "बिंग, मालांड वस्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके श्रवमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त जिथानियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी अस या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अक्तीरती दवारा प्रकट नहीं किया स्था भा या किया जाना चाहिए छा किया स्था के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30-246GI|84

1. श्रीमती आशा जी० अजवानी।

(अन्तरक)

2. श्री किशोर, एस० शहा।

(अन्तरिती)

भौ यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि को भी अविभियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य स्थक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ગન્**ષ્**ળી**

शाप नं० 17, जो "मान सरोवर आपर्टमेंट" "ए" विग, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं० अई-3/37ईई/4680/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनाक: 7-8-1984

प्रकल भाषी, टी. एम. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांस 7 अगस्त 1984

निर्देश मं० अई-3/37ईई/4678/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 55.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 2, जो मानसरोवर अपार्टमेंट "एज" विग मानाड, बम्बई-64 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),और जिनका हारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है,तारीख 1 दिसम्बर 1983

की पूर्वाकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं, कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए वॉक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, गृरे दश्यमान प्रतिफाल का पन्मह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः व्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री ठाकुर डब्ल्यू० नागदेव।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल अझिक मूसा, और श्रीमती नूरवान् अब्दुल मूसा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र विद्या किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया नया है।

# बन्स्ची

शाप नं 2, जो मानक्षरोवर अपार्टमेंट, "ए" विग, मालाड बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० घर्ष-3/37-ईई/4678/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्म्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-8-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बार्ड.टी.एन.एस.-----

# नायकार मिथिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4579/83-84---अनः मुझे ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 7, जो आकाण दिए बिस्डिंग "साई बाबा पार्क", 1ली मंजिल, मिथ चौकी, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसम उपावड़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का काडण है कि यथाप्वाँकत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल सं एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्सिचित अव्वोध्य से उच्त अन्तरण निन्निचत में बास्तविक रूप से कांधत नहीं कि वा गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाव का बाबस, उक्त निवम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्य में कनी करने वा उससे बचने में धुनिभा के निए; बीर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धर था कन्य आस्तियों का, विक्रुं आरतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसरण में, बैं. उक्त स्रिधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्नितिकत व्यक्तियों, अर्थात :— 1. मैसर्स अलाईड कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

 श्रीमती मालती एम० पिंगे, और श्रीमती माधवी एस० पिंगे, श्री डा० श्रीरंग एम० पिंगे। (अन्तरिती)

को यह सुभाना जारी करके पृथाँक्त संपत्ति के अर्जन के ज़िल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो आवाश दिए बिल्डिंग, 1 ली मंजिल, "साईबाबा पार्क", मिथ चौकी, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० मं० अई 3/37-ईई/4579/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक 7-8-1984 मोहर: ्रमुक्ष आहें.टी.एस्.एस्. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई बम्बई, दिनांक 8 अंगस्त 1984

निर्वेश मं० अई-3/37-ईई/4768/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसको सं० इण्डस्ट्रियरल घोड नं० 232, भीर 233, जो, सोनल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेव को-आप० सोसायोटी लिमिटेड रामचंद्र लेन, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-इस, निम्निश्चित उद्वेष्य से उच्त बन्तरण निश्चित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुई किसी अध्य की वाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की वासित्व में कनी करने या उसते बचने में सूनिधा के लिए; बाँद/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अवकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भक्तः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री अर्रविद अमरतलाल बगारीया।

(अस्तरक)

2. मैसर्स फाईन आर्टस्।

(अन्तरिती)

सते वह सूचना जारी करके प्यक्ति सम्पत्ति के वर्जन के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (स) इस स्थन के राजपत्र में प्रक्रप्रशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम; के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नगुसुची

इण्डस्ट्रियल रोड नं० 232 और 233, मालाड सोनल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेख को-आप० सोसायटी लिमिटेड, रामसंद्र लेन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4768/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

विनांक: 8-8-1984

ंत्रक्य बार्ड. टी. एन्. एस. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बभीत स्वना

#### बारत चंच्यार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/4605/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 11-12 जो सर्वे नं० 480 (पी) आफ मामलतदारवाई। विस्तारीत रोड़ मालाड़ (पिष्यम) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब अनुसूजं। में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को प्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नों कर सम्मित्त का उचित बाजार शृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उब्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में त्रकाशन की सारीच से अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-चन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में द्विशा के निय;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री चंद्रकांत मणिलाल दोशी।

(अन्तरक)

2. श्री अर्रविव विश्वनाथ पाटील।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

वनत सम्पत्ति को वर्णन को संप्यत्थ में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकावन की तारीस वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्चभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास शिचित में किए वा सकेंगे।

स्पथ्विकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अभि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्ची

प्लाट नं 11-12, जो सर्वे नं 480 (पार्ट), आफ मामलतवारवाडी, विस्तारीत रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-3/37-ईई/4605/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 14-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्री. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

# कार्याक्षय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० श्राई ०-3/37-ईई/4716/84-85 मुझे, --अत: ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० पलैंट नं० 3, जो विल्डिंग नं० 2, मालाड मा भागवता की-आप० हार्जीनंग सोसायटी लिमिटेड, मालाड, एस० व्हि॰ रोड़, वम्बई में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूत्रों मैं भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकरअधिनियम1961 की धारा 269क, खकेअधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक अप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. डा० पो० एन० ढोलिकिया।

(अस्तरक)

2. श्री पी० वो० वत्सराज ग्राँर श्रीमती बी० पी० बत्सराज।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।]

#### अनुसूची

प्लैट नं० 3, ओ बिल्डिंग नं० 2 मालाड मा भागवती को-आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड , मालाड, एस० न्हि० रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4716/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 1-12-83 को रजिस्टर्क किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनकि: 14-8-1984

प्रकृप बाइ . टी . एन . एस . ------

जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचता

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4670/83-84---अतः मुझे ए॰ प्रसाद

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका व्यवत बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 18, 19, 20-ए, जो हरिद्वार-1 वालनाथ व्हिलेज, श्रॉफ मार्वे रोड, मालाड पश्चिम बम्बई-64 फ्लैट नं० जे/10, 3 री मंजिल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख क अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंई िकसी आय की अबत, उच्न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्यं जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमंती संगिता नानीषताम खुबघदानं। (अन्तरका)
- 2. कुमारी समिधा अलबूक्की।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर मम्पस्ति में जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शा भकेंगे।

स्पध्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त बर्व्यों और पत्रों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभमित की, बहु अथ क्षाणा का उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० जे/10.3री मंजिल, फ्लाट नं० 18, 19, 20- ए, जो, हरीद्वार-1 विलेश वालनाय, आफ मार्वे रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-3/37-ईई/4670/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसात , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 14-8-1984

मोहरः

प्रकृष बाइं. टी. एन्. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्रयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4582/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रभिवासी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० एम/६, जो, 2री मंजिल, बिस्डिंग हर्देकार-1, फ्लाट नं० 18, 19, 20-ए, विलेज वालनाग, आफ मार्वे रोड़, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के, कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह भित्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निचित्त ये बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (२७) जनतरण से हुई किसी जाय की वादत, उच्च जिभितियम के जभीन कर दोने के अंग्यरक के वासित्य में कमी करने या उससे बच्चमें में सुविधा के निए; और/या
- (च) एसी किसी आम या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना था, छिपाने में सुविधों के लिए:

जतः अब पक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिमियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, वर्षात् :---  श्री मोतो ठाकूरदास भितजा, ग्रौर श्रीमती शासू भितजा।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुमिता देवी महाबीर प्रसाद जनगिड, श्रीर श्री महाबीर प्रसाद उदय राम जनगिड।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद्य में किए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही क्यें होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रची ,

फ्लैट नंo एमo/6, जो  $2\bar{x}i$  मंजिल, बिस्डिंग हरीद्वार-1, फ्लाट नंo 18, 19, 20-ए, बिलेज वालनाय, आफ मार्बे रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4582/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रें**ण** 3, बस्बाई

दिनांक: 14-8-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष बाह्रै.टी.एन.एस. \*\*\*\*\*

आयकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई-

बभ्वई, दिनांष 1। अगस्त 1984

निर्देश स० अई-3-4/37-ईई/4708/84-85---अत: मुझे,

ए० प्रसाद
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43; (जिसे
इसमें इसके पश्चान् 'उपन अधिनियम' कहा गया है),
को प्रारा 269-ख के अधीन समाम प्राविकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
पाविकार सकार सकार 25,000/- स्थाय से प्राविका है

उचित बाजार भुह्म 25,000/- स्था से मधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे/7, जो, 2रो मंजिल बिल्डिंग हरी द्वार-1. प्लाट नं० 18, 19, 20-ए, विलेज वालनाय, आफ मार्थे रोड़, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है (भीर इसमे उपायद्ध अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका कराणनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269

क, ख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारोख 1 विसबस्र 1983

नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करन का कारण है कि प्रयापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से मिश्रक है और प्रनारक (जन्तरहों) पौर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गंग प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत प्रनारण लिखित में बास्तविक कप से क्षित नहीं कि गार्म के प्राप्त करने कि प्राप्त के स्थान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत श्रिक्षितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए था, खिपाने में किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---3 1 -- 246GI[84 श्री साम्मल ताराचंद।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन दो० सदनानी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (२) इस त्वास ते राजपार में स्वास्तर की नारीख से 45 वित की सर्वाध या तस्संबंधीः व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 वित की सर्वाध जे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति अपहार;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकास डी तारीख से 45 बिन के मीतर उक्त स्थावर प्रस्पत्ति में हितबढ किसी अन्य स्थित द्वारा, ब्रघोहस्ताकरी के पास विकित में किके जा सकेंगे।

स्वकानिकरण । --इसमें प्रयुक्त करते प्रोप्त पटो का अरे उक्त स्राध-नियम के अध्याय २०-१ में परिभाषित है वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

## **गन्स्**ची

फ्लेंट मं० जे/7, जो, 2 री मंजिल, हरीद्वार-1 बिल्डिंग, प्लाट नं० 18, 19, 20-ए, विलेज वालनाय, आफ मार्वे रोह, मालाड (पिष्टम), बम्ब $\hat{\epsilon}$ -64 ों स्थित है।

अनुसूची जैसाको क० सं० अई-3,4/37-ईई/4708/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

विनाक: 14-8-1984

प्ररूप आइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्दोग मं० अई-3/37-ईई/4661/84-85—अतः **मुह्में** ए० प्रसाद

प्रायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 407 जो 4थी मंजिल, मालाड शापिंग सेंटर, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका क्रारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारेख 1 दिसम्बर 1983

की प्वींक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके शह्यमान प्रतिफल से, एसे शब्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ल्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की साबस, उक्क अधिनयम के जधीर रा दोने के अन्तर्क के दायित्व में उर्दा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गा जिल्हों भारतीय भारती अधिनियस, 1922 (1932 का 11) या उक्त अधिनियस, या राष्ट्रिक क्षणिणियस, 1950 (1957 का 27) के भारतीय भाषीरती बास्स प्रवाद नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, दिवासे में स्विधा के लिए;

अतः अतः अवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों. मों जनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. की नलित नागरवास महा।

(अन्तरक)

2. श्री अरुणकुमार भगवती प्रसाद टिब्रेग्रबाल। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्वकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# यनुसूची

प्लीट नं 407, जो, 4था मंजिल, मालाङ शापिंग सेंटर, मालाङ (पश्चिम), बम्बर्ध में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर अई-3/37-ईई/4661/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ३, बम्बई

विनाक: 7-8-1984

मोहर 😃

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/4677/84-85—प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इच्चें इच्चें प्रकार परवास् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/-हः. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बझार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 1 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविभा के निए; और./या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वष, उन्त मिथिनयम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ∴— 1. श्री वेशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(श्रन्सरक)

2. श्री मोहबतग्रली नूरमोहम्मद।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री एल० मार० नार्वेकर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्परित के बंधन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अव्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरेंग।

मणाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जां उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषः। प्रवा है।

# मन्सू की

फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल, प्राणित पार्क, सोमवार बजार रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

म्रानुसूची जैसाकी क० सं० म्रई-3/37-ईई/4677/84-85— भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रावुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, बस्बई

विनांक<sub>ं</sub>: 6-8-1964

मोहरः

त्रक्य नाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई
बस्बई, विनांक 6 ग्रगस्त 1984
निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/4584/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/22, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नालंदा-1, प्लाट नं० 32 श्रौर 33 बिलेज बालनाय, ग्राफ मार्बे रोड़, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 विसम्बर 1983

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गजा मृतिफल निम्नतिबित उद्देश्य से उच्छ जन्तरण निवित में मृत्स्तिबक रूप से कथित नहीं किया गवा है

- (क) जन्तरण ते हुइ किती जाम की बाबत, उक्त जिम्मियम के जभीन कर दोने के जम्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तरी क्वने में तृष्टिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया वाना वाहिए भा, छिपाने में सृविभा के लिए;

जेत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) ■ जिथीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधित्:--- 1. मैसर्स गेरीमल इण्टरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

श्री राजू किशिमचंद बचानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# नगृत्यो

फ्लैट नं० सी/22, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग नालंदा-1, फ्लाट नं० 32 श्रीर 33, निलेज बालनाय, श्राफ मार्ने रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400064 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि सं धई-3/37-ईई/4584/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) - अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 6-8-1984

प्रकृष बाही, दी. एत्. एस. ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के न्धीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 श्रगस्त 1984 निवेण सं० श्रई-3/37**-हई/47**13/84-85**---श्रतः मुझे,** ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ६, जो, श्री रानी सती नगर, 1क्षी मंजिल, एस० बी० रोड़, मालाड (पश्चिम) बम्बई, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की वावत्, उन्तरं अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती प्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरफै में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निग्निलियन अपिक्तयों, अधीन :--- 1. मैसर्स समल ट्रेंबिंग कंपनी।

(धन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती रानीबाई एम० जाधवानी, ग्रीर
  - (2) श्री मोहनवास एच० जाधवानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जाद के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनं की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति खुनारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारोख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं० 6, जो, 1ली मंजिल थी रानी सती नगर, एस० बीठ रोड़, मालाड (पश्चिम) बस्बई में स्थित है।

म्रनुसूची जैसाकी क० सं० भ्रई-3/37-ईई/4713/84-85 भौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षर्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

विनांक: 3-8-1984

स्रोहर:

ए० प्रसाद

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 ग्रगस्त 1984 निदेण सं० ग्रई-3/37-ईई/4641/84-85---ग्रतः मुझे,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है), 'की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो, 3री मंजिल, श्राकाशगंगा, बचानी नगर रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षित्यम 1961 की धारा 269 क, खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उत्तर अन्तरण निलिक्त में नास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, मिम्निलिति व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मैसर्स नितेश बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वेंकट भार० साहेबड्ड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

पलैट न० 303, जो, 3री माजिल, श्राकाश गंगा, बचानी नगर रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं प्राई-3/37-ईई/4641/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-8-1984

# प्रकृष बाह्य दी. एन्. एस . ------ , ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 209-भ (1) वे अधीन रूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 श्रगस्त 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/4746/84-85—- स्रत: मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उसत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधील सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० नं० 6, जो ग्राऊंड फ्लोर, बिल्डिंग न० ए०-3, हाय-वेन्ह्रयू, स्किम एण्ड मालाड (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उनके क्ष्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रौत्तकत्ते अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तिरितिमाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक, रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविध। के लिए; आर/या
- (च) प्रेसी किसी जाय या किसी अन या जन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण भ्रों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स अगरवाल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(श्रन्तरक)

2. श्री श्रखिलेश एस० जिपाठी।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों धर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी स्पित्त ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगें।

स्पाकाकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहाँ अधे झागा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

शाप न० 6, जो आऊड फ्लोर, बिल्डिंग नं० ए-3, हायबे व्हयु, स्किम भ्रट मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं श्राध-3/37-ईई/4746/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ,बन्बई हाराहिनांक 1-12-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रजेन रेज-3 बम्बई

दिनाक: 4-8-1984

# प्ररूप बाह<sup>2</sup>. टी. 'र्म. **एक**.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4742/84-85---अस: मुझे ए० प्रभाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा-गया है')., की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रं. से अधिक है

घौर जिसकी सं० शाप नं० 3, जो, ग्राऊंड परोअर, बिल्डिंग नं० ए०-3, हायवे व्हस, स्किम ग्रंट भालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है जिसका करारनामा आयदार अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 1 दिसम्बर 1983

की प्यंक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रायमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गर्म है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिकृत से, एसे रायमान प्रतिकृत की पन्दि प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण के लिए तम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) सन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त शंधनियम के अधीन कर दर्भ के अन्तरक की दाणिल में कभी अपने ये उससे बचने में स्पेयधा के लिए, और गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

सतः प्रवं, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर निस्तिलिकित व्यक्तियों, अर्थात -→ 1. मैंसर्स अग्रवाल कन्स्ट्रशन कपनी।

(अन्सरक)

2. शा० गारदाचंद्र आर० त्रिपाठी।

(अन्धिरतो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

# उसत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं ⊥

# मन्त्र्यी

शाप मं० 3. जो, ग्राऊड पलोर, बिल्डिंग नं० ए-3, हामवे वह्य, स्किम घंट मालाड (पूर्व), बस्वई में स्थित है। अनुसूचों जैसाको क० सं० अई-3/37-ईई/4742/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई ब्राटा दिनांक 1-12-83 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम श्रीवकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिताक ३ 4-8-1984 मोहर:

# त्रक्ष्यु आर्हे. टी. एम. इ.स. ----

। श्रा कुल भषण कुमार मल्होन्ना।

(अन्तरक)

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

2. थी जेठालाल कचराभाई गडका, ग्रीर श्रीमती लताबेन किणोरचद्र गडका।

भारत सरकार

(अन्नरितो)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां घुरः करता हुं।

बम्बई, दिनाक 7 अगस्त 1984

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध यों कोई भी शाक्षेप ह—

निर्देण सं० अर्ड-3/37-ईई/4745/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख खं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त ष्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबाय;

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मन्य 25,000 /-स्ट. से अधिक हैं

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8-ए, जो जयविकास प्रिमायसेस को-आप० मोयायटा लिमिटेड, 13, रामचंद्र लेन, मालाड (पश्चिम),बम्बई-65 में स्थित है(ग्रीर इससे उपावह अनुसूच। में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान मक्षम प्राधि-फारी, बम्बर्ड के कार्यालय में रिजम्द्रा है तारीख 1 दिसम्बर

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिका गया 🗗 ।

को पर्वो<sup>क्</sup>नल संपत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम **के अध्यक्षान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभी यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इभ्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिरि।यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिकित, निम्नीनिवित उब्देवमाँ से उक्त नन्तरण लिखित मो बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

#### अनुसुची

(क) बन्तरच वे हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के वस्तरक के वावित्व में कभी करने था तसहे यचने में सविधाओं सिए; नौर/मा

फ्लैट नं० ८-ए, जो जयविकास प्रिमायसेस को-आप० मोभावटी लिमिटेड 13, राचमचंद लेन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

(था) एरेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम,

अनसूचा जैसाको ऋ० सं० अई-3/37-ईई/4745/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्दई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-३, वस्वर्ड

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अयक्तियों, अर्थात् :--23 -246GI|84

दिनाक: 7-8-1984 मोहर:

# प्रस्प बाइ'० टी० एन्० एस०

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत चतुःकाह

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण) अर्थन रेंज-3. सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देण मं० अर्ह-3/37-र्हर्श/4621/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव भाष नंव 1, जो ग्राऊंड फ्लोर, "ए" विग, श्रीराम भवन, स्युनिसिपल कालोनी के सामने, मार्चे रोड़, मालाङ (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध अन्सूचः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्वई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशंत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-स के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्रो राम बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक्)

2. (1) श्रा चितामणी झरूराम पांडे श्रीर

(2) र्थाः सूर्यमणी झुरुराम पाँडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिक्सि में किए जा सकरेंगे।

स्ववंदीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगृत्ची

शाप नं 1, जो ग्राऊंड फ्लोर, "ए" विंग, श्रीराम भवन स्यूनिसिपल दालोर्नः के सामने, मार्वे रोष्ट्र, मालाए (पश्चिम), यम्बर्ड-64 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैस की कि० सं० अई-3/37-ईई/4621/84-85 श्रीप जो सक्षम प्राधिकाणी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83की रिजिस्टर्ड गया है।

> ए० प्रसाद, भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 7-8-1984

मोष्टर :

प्रकल कार्या, दी एन . एन . ०००००००००००००

भागकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक नायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4609/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 10, जो "ए" बिल्डिंग, मालाड योजना को-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, न्यू इरा सिनेमा के सामने एस० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 1 दिसम्बर 1983

कर पृशेक्त सपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक क्ष्प में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

बतः कव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचित व्यक्तियों अधित ;---- 1. (1) श्री निलन सी० गहा, श्रीर

(2) श्रीमती डी० एन० शहा।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल एन० गोहिल।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# उक्त सम्मन्ति के बर्धन के सम्बन्ध में अर्थ भी काक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अला क्यक्ति इवारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शन्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बत संघी

फ्लैट नं० 10, जो ''ए'' बिल्डिंग, मालाङ योजना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, न्यु इरा सिनेमा के सामने, एस० बी० रोड़, मालाङ (पण्चिम), ब्रम्बई-64 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकी कर मंद्र अई-3/37-ईई/4609/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रखिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आववार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 7-8-1984

# प्रक्ष . बार्ड ः टी. एक्ु एक्<sub>ए ≥≌≚∞</sub>

कायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त. 1984

निर्देण सं० अई-3/37-ईई/4758/84-85----अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० आफिस न० 1-एं, शुभालक्ष्मी शापिस सेटर, विवासी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है, (श्रीर इससे उपावड अनुसूच। मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 का धारा 269का, ख के अधान सक्षम प्राधिकार।, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-83

को प्राेषित संपरित के उषित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापृत्रिक्त मम्पत्ति का उषित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीयक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के कधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1967 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना साहिए था, दिशाने हों स्विभा के सिए;

णतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मों, मों, एक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिस व्यक्तियों, अधीत् :—— श्री मैसर्म स्पात्र जिल्डमें एण्ड एच० एस० रहेला। (अन्तरक)

2. श्रीमता लक्ष्मोदेवा मुरेद्र पोहार। (अन्तरितो)

कां यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, धों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों प्रसिक्त व्यक्तियों प्रसिक्त की क्यां कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

भ्यव्हीकरण: — इसर्ग प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

आफिस ए-1, णुभलक्ष्मी भाषिंग सेंटर, क्वारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कुल संल अर्ड-3/37-ईई/4758/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

विनांक: 7-8-1984

प्ररूप आर्थ टी. एन एस्.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1984 निर्देण सं० अई-3/37-ईई/4757/84-85——अतः मुझे

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/4757/84-85—-अत: मुझ् ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विश्वःम करने का कारण है कि स्थावर मजिल जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० गाप नं० 8, गुभलक्ष्मी गापिंग सेंटर, क्वारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्व: में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कें: धारा 269क, ख के अधीन सक्षम अग्निधिकारं:, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रं। है तारीख 1 दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्ववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंग्टन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे अधने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या जिल्ली भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः शव, उक्त मधिनियम की धारा २६०-ग के अन्सरण कें, में, उक्त मधिनियम की धारा २६०-ण की उपधारः (1) के अधीन, निम्निनिस्तित व्यक्तियों, अधीन, ——

- मैसर्स स्पान बिल्डर्स ग्रौट एस० एस० स्हें सा। (अन्तरक)
- श्रो मुरेश जमनादास काक्कड, ग्रौर श्रीमर्ता मोनल मुरेश कक्कड।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के निर्ण कार्यवाहिया करता हुं।

#### उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्मग्रानी अविवासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वेंबिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त पाव्यों और पवाँ का जो उक्क अधिनिदम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### an well

शाप नं ० ८, शुभलक्ष्मी मापिंग सेंटर, क्यारी रोड़, मालाङ (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूच। जैसाको क० सं० अई-3/37-ईई/4757/84-85 ग्रीप जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-83 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां छ - 6-8-1984

मोहर:

प्रकृष, जाड़ टी. एन. एस. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अरथ 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनाक ७ अगस्त, 1984

निर्धेश सं० अई-3/37-ईई/4608/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० एफ-1 जो 2 री मजिल, श्रीराम भवन, म्युनिसिपल कालोना के सामने, मालवणी, मार्वे रोड़, मालाड (प) बम्बई-95 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड़ अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयक्ष अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर 1983

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उथत बीधनियम की अधीन कर दोने के बन्तरका के बायित्य में कमी करने या जससे बचने में सुविधा की जिए; बोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उसरा अधिनियम की धारा 269-न के अन्बरक में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राम बिल्डमं प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रं, फ्रान्सिस झेविअर तावारेस।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोध्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुएँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकासन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमा प्रयुक्त शन्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया हो।

#### ज्ञान की

प्लैट नं ० एफ०-1. जो 2रो माजिल, श्रीराम भवन, म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मालवर्णी, मालाङ (पश्चिम), बम्बई-95 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा की कि० सं० अई-3/37-ईई/4605/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारी दिनांक 1-12-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम प्राधिकारी** स**हा**यक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण)** अर्जन रें, **ब**ई

दिनांक: 7-8-1984

मोहर:

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रांत रेज-1, कलकता

कलकता, दिनाक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० टी० प्राप्0-48/84-85/एस० सं० 910-ग्रतः मुझे एस०, के० चौध्री

भावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 75 मी० पार्क है तथा जो स्ट्रीट पार्क कालकता में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कालकता में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह बिह्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्टिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुइ फिमी आय की बाबत, उक्त कि भिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; करि/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियानं में मिविशा के निराम

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) रूओ (पार्क) प्रोपर्टी प्रा० नि० (ग्रन्तरक)
- . ( ? ) कानग,धेन्डन ( ग्रन्तरिनी )

का बहु स्थाना जारी करके पृशांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त मस्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

75 सि० पार्क स्ट्रीट, कलकता में ग्रविस्थत सम्पत्ति ओ क्षीर नं ा. 17133 पी अनुसार 28-12-1983 तारीख में ग्रार० ए० कलकता दप्तर में रिजस्टरई हुग्रा ।

> एस० के० **घोधुरी** सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, 54 रफीश्रहमद रोष्ट, कलकता-16

तारीख 16-8-1984 मोहर :

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 16th August, 1984

No. A. 31014/2/84-Admn. HII- The President is pleased to appoint the following officers appointed as Probationers in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, on the basis of the Civil Services Examination, 1980, substantively to the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the due indicated against their names:—

S. Name of Officer No.			Date of con- firmation
1. Smt. Kalpana Narain (S-44)			1-7-84
2. Shri Indorjit Singh (S-70)	-		1-7-84
3. Shri R.P. Saroj (SC) (S-109)			2-7-84

#### The 23rd August 1984

No. A.12024|1|83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shii H. K. Narula, IOFS, as Deputy Secretary. Union Public Service Commission wef 13-8-1984 until further orders.

#### The 25th August 1984

No. A.19014/3/84-Admn.I.—Consequent upon his selection for the Central Civil Services Group 'A'/Indian Police Service. Shrì R. S. 'Ghera, Under Secretary has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from 25-8-84 (AN).

M . P. JAIN
Under Secy.
Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 29th August 1984

No. 2|8|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. L. Juneja, a permanent Personal Assistant in the Commission, as Sr. Personal Assistant in an Officiating Capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. •650—1040]—with effect from 6-8-84 to 1-10-84 or until further orders, whichever is earlier.

BRAHM DUTT Under Secy. for Central Vigilence Commission

### CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY, CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 30th August 1984

No. 1-16|84-CFSL|7|24.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Ganguly, Senior Scientific Officer Gr. I (Lie-Detector Division) Central Forensic Science Laboratory| C.B.I., New Delhi to officiate as Principal Scientific Officer in the Central Forensic Science Laboratory|CBl in the scale of Rs. 1500-60-1600-10-2000 wef 22-8-1984 (FN) (On adhoc basis) for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) C.B.I.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st August 1984

No. A.19015|23|84|AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police|Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Jasbir Singh, DSP, an officer of the Himachal Pradesh State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in C.B.I. with effect from the forenoon of 21st August, 1984 until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi, the 28th August 1984

No. O.H-271[69-Estt.(CRPF).—Consequent on his voluntary retirement from service Shri S. K. Madan, Assissant Commandant of 37 Bn. CRPF relinquished the charge of the post wef 24-8-84 (AN).

No. O.II-1972[84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Rubindra Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th June 1984 for a period of three months or till regular incumbent Joins whichever is earlier.

#### The 29th August 1984

No. O.II-1462|80-Estt.—Consequent upon his retirement from Government service, Shri Gurmukh Singh relinquished the charge of the post of Dy. SP., 13 Bn, CRPF Tripura in the afternoon of 31-7-1984.

No. O.II-1645|81-Estt,—The President is pleased to allow Shri Madan Gopal Singh, Dy. SP. of CRPF to retire voluntarily from service under Rule 43(d) of CRPF Rules.

2. Shri Madan Gopal Singh relinquished charge of the post of Dy. SP., 9 Bn. on 10-7-1984 (FN).

No. D.I-25|82-Fett.—On his repatriation from All India Radio, Shri D. P. Mukherjee, Dy. SP has reported in 30 Bn, CRPF, on 12-8-1984 (FN).

M. P. JAKHMOI, A Asstt. Director (Fstt)

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT New Delhi-110001, the 29th August 1984

No. 18|2|81-Adm.II.—In continuation of this Bureau's Notification 17-|13-80-Adm.II dated 14-4-81, the period of deputation of Shri Harihar Prasad Dwivedi as Hindi Editor in the Bureau of Police Research & Development is extended for a period of six months wef 9-6-84 on the existing terms and conditions.

S. K. MALLIK Director General

## DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 28th August 1984

No. E-32015(3)|1|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri N. C. Sood, as Group Commandant CISF Bombay with effect from the forenoon of 16th July 1984 on purely ad-hoc basis and temporary of 14th July 1984 on 26-9-84 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32025(3) |3|84-Pers.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Kalia as Commandant CISF Unit NHPCL Salal with effect from the afternoon of 14th July 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26-9-84 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

Sd.|- ILLEGIBLE Director General|CISF

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik-Road, the 22nd August 1984

No. 278|A|ESTT.—The undersigned hereby appoints Shri A. D. Salunke, Inspector Control, India Security Press, Nasik-Road to officiate as DFPUTY CONTROL OFFICER on adhoc basis wef 13-8-1984.

The 27th August 1984

No. 253 A.—In continuation of this office Notification No. 49 A dated 29-1-1984, the adhoc appointment of Sari K. Rathak as Deputy Control Officer, India Security Press. Nasik-Road is further extended for a period of 6

months wer 10-4-1984 or till the post is tilled on a regular basis, whichever is earlier.

Sd.]- ILLEGIBLE General Manager India Security Press

#### BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.)-455003, the 31st August 1984

S. No. BNP|C|13|73—On return from Centarl Leather Research Institute, Madras, Shri N. R. Jayaraman has joined his duties as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank 'Note Press, Dewas with effect from 21-8-1984 (F.N).

M. V. CHAR General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, tht 1st September 1984

No. Admn.I|O.|O. No. 204.—The Director of Audit, Central Revenue hereby appoints Shri N. N. Jain an officiating "Audit Officer" of the office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840—1200 with effect from 1-8-1984.

Sd.| ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (ADMN)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)

Bangalore-560 001, the 26th July 1984 OFFICE ORDFR

No. Admn.I]Audit-I|A2|84-85|325.—The Accountant General (Audit)-I is pleased to promote the following three (3) Assistant Audit Officers as Audit Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of taking over charge.

Syts.

- 1. V. S. Viswanathan,
- 2. G. Raghavendracharya,
- 3. R. Venkatanarayanan.

#### The 21st August 1984

No. AG(Au) 1. Admn.I|A-1|84-85-|258.—The Accountant General (Audit) 1 is pleased to promote the following 2 (two) Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge.

Svts.

- 1. Shivaprasad
- 2. P. V. Srinivasa Sastry.

Smt. U. SANKAR Dy. Accountant-General

#### MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SCHOOL SFRVICE

Calcutta, the 5th May 1984

No. 1/83/School.—The DGOF/Chairman is pleased to promote the undermentioned Teacher as Vice Principal OFIC 33—246 GI/84

(class II Gazetted) with effect from 17th May, 1983 against existing vacancy:—

Nime	From	To	Rem irks
Shri P.N. Rvi	Non- Language Teacher, Higher Secondary, OPC.	Vice- Principal OFIC (Gr. "B" Gazotted)	Agrinst an exist- ing vac mcy

Shii Rai assumed the higher duties as Vice Principal wef 17-5-83.

#### The 28th August 1984

No. 16|84|A|E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority, in grades and on dates shown against each:—

S/Shri

- Priti Kumar Dutta
   Off. Asstt.
   Staff Officer
   Off. Asstt.
   Staff Officer
   orders.
   Birendra Nath Das
   Officer (Ad-hoc)
   Officer (Ad-hoc)
   orders.
- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal in the Hon'ble High Court at Calcutta.
  - 3. They assumed the higher duties as A.S.O. wef 17-8-84.

    D. R. IYER

    DDG|Per

    for Director General

#### ORDNANCE FACTORY

Culcutta, the 24th August 1984

No. 02|84|A|M.—The President is pleased to appoint the following Senior Medical Officers as Principal Medical Officers in Ordnance Factories Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

S. No.	Namo	Posted at	Date	
	or, S.K. Bhatta- harya	Metal & Steel Fy., Ishapore	05-05-84	(FN)
	or. (Miss) J.R. arua	Ordnance Factory, Khamaria	19-04-84	(FN)
3. D	r. P.G. Sarkar	Ammunition Fy., Kirkee	16-04-84	(FN)
	or. S.K. Majum-	Clothing Fy., Shahjahanpur.	03-07-84	(FN)
_	or. M.G. Chakra- arty	Gun & Sholl Fy. Cossipore	15-03-84	(FN)

No. 03|84|A|M.—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers as Senior Medical Officers in Ordnance Factories Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

Sl. Name No.	Posted at	Date		
1. Dr. A K. Mukherjee	Ordnance Factory, Dum Dum	28-01-84 (FN)		
2. Dr. S. R. Ganguly,	Ordnance Factory, Chanda	21-05-84 (FN)		
3. Dr. (Miss) P. Bhatia	Ordnance Factory, Ambarnath	28-03-84 (FN)		
4. Dr. R D. Naravane	Ordnance Factory- Bhusawal	06-04-84 (FN)		
5. Dr. S. P Roy Chowdhury	Ord. Equpt. Fy, Kanpur	25-07-84 (FN)		

R. K. CHELLAM Addl. DGOF|Member (Personnel)

#### MINISTRY OF COMMERCE

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th August 1984 IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6[1495]Admn.(G)6576....On attaining the age of superannuation Shri U. Ramachandran, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1984.

#### The 28th August 1984

No. 6/1320/80/ADMN(G)6635.—On attaining the age of superannuation, Shri R. J. Tungare, officiating Controller of Imports and Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay has been retired from Government service with effect from the afternoon of the 29-2-1984.

M. L. JAYANT

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th August 1984

No. 12(162)|61-A(G).Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Mathur, Dir. (Gr. II) (GAD) in the O[O DC(SSI). New Delhi as Director (Gr. I) (GAD) on ad-hoc basis in the same office wef the forenoon of 1-7-1984 until further orders.

No. 12[238]61-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri D. S. Chauhan, Director, (Gr. II) (Mech.) in the OlO DC(SSI), New Delhi as Director (Gr. I) (Mech.) in the same office on ad hoc basis for the period of six months w.e.f. the forenoon of 4-7-84.

No. 12/(338)/61-Admn(G).Vol.JII.—The President is pleased to appoint Shri H. M. Mehta, Asstt. Director (Gr. I) (Met.) Small Industries Service Institute, Ahmedahad as Deputy Director (Met.) at the same Institute with effect from the forenoon of 1-3-1984 untill further orders.

No. A-19018(698)[83-A(G).—The President is pleased to appoint Shri P. L. Khetrapal. Asstt. Director (Gr. I) (IMT). SISI, New Delhi at the same Institute w.c.f. the forenoon of 16-6-1984 until further orders.

#### The 31st August 1984

No. A-19018(741) 84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. S. Hira, IAC (T. No. 1970), Collector of Tirunelveli, Govt. of Tamil Nadu as Joint Development Commissioner in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 31st August. 1984, until further orders.

S. K. PURKAYASHTA
Dy, Director (Admn.)

## ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 29th August 1984

No. 4-104/84[Estt.—Shri P. P. Manero, Research Associate (Central) is appointed to the nost of Assistant Authoporosist (Calcutta) (Gr. B Gazetted) in the scale of Rs. 650-1200] in this Survey at Southern Regional Office, Mysore, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th July, 1984 until further orders.

No. 4-203/84/Estt.—Shi R. V. Saptarishy, Office Superintendent is appointed to the post of Junior Administrative Officer (Group-B, Gazetted) in the scale of Rs, 650—1200/in this Survey at Western Regional Office, Udaipur in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th July, 1984, until further orders.

A. K. DAS GUPTA Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL: ALI INDIA RADIO

New Delhi-1, tht 7th August 1984

#### CORRIGENDUM

No. 4(2)|81-SI—Reference this Directorate's Notification No. 4(2)|81-SI, dated the 1st March, 1984 regarding the confirmation of Programme Executive in All India Radio and Doordarshan.

For words appearing against S. Nos. 131A, 308, 378, 386 the following may be substituted:—

Sl. Sl. No. in Notification No. dited 1st March, 1984		Present designation & Place of last posting			
(1) 131A	Shri L.B. Shastri	PEX, AIR, Ahmedahad			
(2) 308	Shri Yogondra Vorma	PEX, AIR, Lucknow			
(3) 378	Shri S.P. Saxona	PEX, AIR, Raipur			
(4) 386	Shri Huan Thangluaia	PEX, AJR, Aizawl			

#### The 28th August 1984

No. 4(15)|84-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Anwar Ahmed Khan as Programme Executive at All India Radio, Aurangabad in a temporary capacity with effect from 23rd July, 1984 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200]-.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 23rd August 1984

No. A-12011|6|82-Exh. (A).—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint Shri S. K. Chattopadhyay, Exhibition Assistant to officiate as Field Exhibition Officer in a purely temporary capacity on ad hoc basis in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Aizawl w.ef. the forenoon of 26th May. 1984.

G. P. BHATTI Dy. Director (Adm.) for Director of Advertising & Visual Publicity

# MINISTRY OF AGRICULTURE DEPTT. OF AGRI, & COOPN. DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 13th June 1984

No. F. 2-1/79-Estt.(I).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted) of the Directorate of Extension, Sh. H. P. S. Patanga, Sub-Editor (Punjab) is promoted to the post of Assistant Editor (English), Group B (Gazetted), in the pay scale of Rs. 650—35—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB—40—1200|- in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Deptt. of Agri. & Coopn.) In a temporary capacity wef the forenoon of 26th May, 1984.

R. G. BANERJEE Director Administration

#### MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRLCTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, tht 23rd August 1984

No. A. 19024/2/84-A.HI.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri R. Ravindranath, Senior Chemist, has been promoted to officiate as Junior Scientific Officer on regular basis in Central Agmark Laboratory, Nagpur, with effect from 23-7-1984 (F.N.), until further orders, by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

> J. KRISIINA Director of Administration

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 24th August 1984

No. DPS[21](11)[83-Adm. 22753.—The Director. Director. torate of Purchase and Stores, Department of Atomic Finergy appoints Shri k L. Nagori, Storekeeper to officiate as an Assistants Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of - pay of Rs 650-20-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from the afternoon of July 23, 1984 in the same Directorate until further orders

#### The 28th August 1984

No. DPS K-44/Estt.,22869.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri E. Y. Kalimuddin Assit. Purchase Officer in this Directorate has retired from Government service with effect from 31-3-1984 (AN).

P. GOPALAN Administrative Officer III

#### NUCLI AR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd August 1984

No. PAR<sub>1</sub>076<sub>+1</sub>2058.—Further to this office notification No. PAR<sub>1</sub>0704{1858 dated 20-7-1984, the appointment of S<sub>1</sub>i C. R. Prabhakaran, Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-BB-40-966; on ad-hoc basis is extended upto 22-9-1984 of until further orders, whichever is earlier.

> G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

No. TAPS[1]22(1)[76-R.--The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri E. N. Iyer, a permanent Scientific Assistant (A) and officiating Scientific Assistant (B) to officiate as Manager (Hostel) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960'- on ad-hoc basis in the Tarapur Power Station with effect from the forenoon of August 13, 1984 and up to September 29, '984 (AN).

> D. V. MARKALE Administrative Officer III

#### DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560017, the 21st August 1984

No. 020,1(3)[84-Estt.—Director, ISRO SATELLITE CEN-TRE, is pleased to accept the resugnation from the services of Shri Raj Mohan Panadiwal, ScilEngineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the offernoon of August 8, 1984.

> H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METFOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th August 1984

No A 12039,2,83-E L-President is pleased to appoint the following as Melcorologist Grade II in India Meteorological Department, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the dates indicated against their names and until further orders

- 1 Shri R. K. Kankane---2-4-1984.
- 2. Shri R. H. Walde 27-1-1984.
- 3. Shri Krisnna Alda-27-1-1984.

S. K. DAS Director General of Meteorology

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd July 1984

No. A. 38013 1,84-E.A.—Shri V. K. Rangan. Deputy Director Office of the Regional Director. Calcutta retired Director Office of the Regional Director, Calcutta retired from Government services on the 30-6-1984 on attaining the age of superannuation.

> G. B. LAL Asstt. Director of Administration

New Licihi, the 27th August 1984

No. A 32015/2/81-FC(.).—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A. 32013[10]82-EC dated the 30th April, 1983, 28th June, 1983 and A-32013[2]81 EC dated the 5th July, 1983, 21st April, 1984 tht President is pleased to continue the ad-noc appointment of the following Assistant Technical Officers as Technical Officers in the Civil Aviation Department for the period upto 30-6-1984:--

SI Name

No.

#### SShri

- 1. C. N. Mahadev
- 2. S. K. Bhatacharya
- 3. I. M. Krishnan
- 4. M. K. Chatteriec
- 5. G. S. Kochikar
- 6. C P. ,Rao
- 7. C. J. Jain
- 8. A. K. Saxena
- 9. Ranjit Ghose 10. A. S. Pal
- 11. H. L. Aro.a
- 12. C. K. Sobti 13. V. K. Rastogi
- 14. J. S. Sarin
- 15. N. N. Nambiar
- 16. B. S. Khurana
- 17. C. Venketachellum
- 18. R. S. Sokhey
- 19. M. K. Krishnan
- 20. Kulwant Singh
- 21, M. V. Subramanun
- 22. Kesho Nath
- 23. G. S. Verma
- 24. S. K. Seth
- 25 Jaswant Singh
- 26. O. P. Juneja
- 27. K. C. Sharma

Sl. No., Name
S]Shri
28. B. K. Puri
29. H. M. Prabhakat
30. P. K. Dhing:a
31. D. Pichumanı
32. H. L. Chawla
33. G J. Mehta
34. S. P. Srivastava
35. O. P. Batro
36. S. P. Chawdhuri
37. Ishwar Dayal
38. A. Mahaligeswart
39. F. S. Bhatia
40. R. H. Mukunth
41. B. K. Mukherjee
42. Joginder Singh Mann
43. P. S Dalvi
44. Şurinderjit Singh Kong
45. T. K. Das Gupta
46. R. Jayaraman
47. K. S. Mukherice
48. M. Siyasubramanian
49, K. T. John
50. V. G. Toshi
51. S. R. D. Burmon
52, J. S. Narula
53. K. R. K. Sharma
54, N. S. Sra
55. A. Ramadoss 56. S. P. Sharma
57. I. S. Vedi
58. A. N. Shirke
59. P. L. Bajaj
60, G. L. Akolkar
61. B. Krishnamoorthy
62. K. K. Ichupunani 63. V. M. Kattermal
64. S K. Biswas
65. K. S. Negi
66. O. P. Chodda
67. Joginder Singh
68. M. K. Sathaya 69. Y. C. Punnetha
70. A. S. Gill
71. P. N. Mani
72. T. S. Jolly
73. B. S. Bhosale
74. D. Selvaraj
75. V. H. Ranga Rao
76. B. C. Roy

The ad-hoc appointment of the above officers shall not bestow on them a claim for regular appointment and service so rendered on ad-hoc basis shall neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion in the next higher grade.

79. Atma Ram (Upto 31st Jan., 1984 only)

77. Harnek Singh

78. T. N. J. Nambiar

O. P. AGGARWAL. Assistant Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

#### Bhubaneswar, the 28th August 1984

No. 5/84—The following Inspectors (SG) of the Collectorate of Central Excise and Customs, Bhubaneswar were promoted to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200<sup>1</sup>- plus usual allowance as admissible from time to time from the date mentioned against each.

SI. Name of the officers					Date of joining
1. Shri Dasarathi Pradhan	•				12-6-84 (F.N.)
2. Shri Laxmidhar Mishra	•				J8-6-84 (F.N.)
3. Shri B. N. Upadhaya	•	•	•	٠	27-6-84 (F.N.)

B. NANDA Deputy Collector (P & E)

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT INLAND WATER TRANSPORT DIRECTORATE

New Delhi-110001, the 25th August 1984

No. 8-IWT(12) [82-C&E.--The President of India is pleased to appoint, until further orders. Shri Subhakar Dandapat as Dv. Director (Naval Architect) on an initial pay of Rs. 1100[- per month in the pay scale of Rs. 1100-50-1600[- of General Central Service—Group 'A' post, in the Headquarters Office of the IWT Directorate, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi with effect from 1st August, 1984 (F.N.).

D. D. SOOD Under Secy.

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of The Circurs Lakshmi Mill Stores Company Private Limited

Hyderabad, the 22nd August 1984

No. 75 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Circars Lakshmi Mill Stores Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Industrial Automobile Manufacturers Private Ltd.

Hyderabad-1, the 22nd August 1984

No. 2108 TA III 560.- Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Industrial Automobile Manufacturers Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1965 and of Shyamraj Tobacco Exporters Private Limited

#### Hyderabad-1, the 22nd August 1984

No. 1325 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Shyamiai Tobacco Exporters Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU.
Registrar of Companies.
Andhra Pradesh, Hyderabad

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 28th August 1984

#### INCOME TAX DEPARTMENT

No. Estt.|Notification|C. No. (A)|65-IV.—Shri Girdhafi I.al (SI), Income-tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, On promotion he joined as Income-tax Officer. Pithoragraph in the forenoon of 17-8-84.

DHARNI DHAR Commissioner of Incomt-tax Lucknow

Cochin-682016, the 10th August 1984

#### ORDER

Sub: Est! Promotion to the Cadre of Income-tax Officer, Group 'B'.

C. No. 2I-stilCon[240-85.—Shri R. Gopalakiishnan, Inspector of Income-tax is promoted to officiate as an Income-tax

Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-1200 with effect from 13-8-1984 or the date on which he joins duty, whichever is later

- 2. He will be an probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade,

M. J. MATHAN Commissioner of Income-tax, Cochin

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (ACQ) RANGE.

#### **JALANDHAR**

Jalandhar, the 28th August 1984

#### CORRIGENDUM

Nc. 3352.—Notice u/s 269-D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of A.P. No. 5539 dated 4-8-84 submitted vide this office letter No. Batch-12/83/2222 dated 9-8-84 mentioned at scrial No. 11 of the list enclosed may please be read as under:—

"A.P. No. 5539 dated 7-8-84 instead of 4-8-84": It relates to R.D. No. 3922 of December 1983 registered by the Sub-Registral Bhatinda in the case of Shri Ramii Dass S.o Mohna Ram, G.A. of Smt. Jamuna Devi & Shanti Devi Dlo Sh. Mohna Ram. Rlo Bandi, (Transferor) and Sh. Lakha Singh and Piara Singh Sslo Jallour Singh, opposite N.F.N., Sivian Road, Bathinda, (Transferee).

J. L. GIRDHAR Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

#### FORM I.T.N.S.—— -

(1) Ruby (Park) Properties Private Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Jagdish Chandra Makkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Hindustan Paper Corpu., Ltd. (Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1984

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. TR-50|84-85|Sl. 911.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that improved the expectative housing a foir property by the expectation. immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 75-C, situated at Park Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 18-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the effective for the property of the property than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bttween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the 9th Floor of multi-storeyed building, Covered Area 1425 sq. ft. at 75-C, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurance. Calcutta vide Deed No. 1-17136P Dt. 28-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1984

Seul:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 7th August 1984

Ref. No. A.P. No. 5536,-Whereus, I, J. 1. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bathinda on December 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ct, A 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Madan Singh Slo Boghi Singh, Village Koshamir.

- (2) Shri Sher Singh; Shri Ajmer Singh; Shri Albel Singh soo Shri Jaggar Singh; Shri Sukhdev Singh; Shri Baldev Singh Ssoo Shri Niranjan Singh, Village Kotshamir, Teh, & Distt. Pathinda. (3) As per Si. No. 5 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 3875 of December 83 of the Registering authority of Bhathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-8-1984

FORM LT.N S

(1) Shri Rajesh Kumar Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Yogeshwar Nath. 2. Shri Vishwa Nath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1984

G.I.R. No. Y-8|Acq.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot Khasia No. 21 situated at Sihora Govind, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 27-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 21, measuring 1152 sq. yards situated at Sihore-Govind, Moradabad, registered on 27-12-1983 by the Registering Authority, Moradabad (as per 37G Form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Lucknow

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX \CQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. U-34|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. One house situated at Bahraich,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bahraich on 22-12 1983

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

34-246 GI/84

- (1) (1) Shri Aftab Ahmad,
  - (2) Shri Iqbal Ahmad, (3) Shri Mohammad Ahmad. Through Attorney, Shri Iqbal Ahmad. (Transferor)
  - (2) Shri Umesh Chandra Misra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in tha

#### THE SCHEDULE

One house having an area of 9862 sq. ft. and as mentioned in the sale deed, registered on 22-12-1983 (as per 37G) Form No. 6681).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-8-1984

Scal .

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 13th August 1984

G.I.R. No. T-39|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable and the income of the competence of the immorable of the income of the immorable of the imm property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. Land situated at Village-Dohra, Pargana & Tersil-

Bareilly,

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barcilly on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Mewa Ram. Through Attorney, Shri Nishchoy Wadhwa,
- (2) Tulsinagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Through Secretary, Shri Hukum Singh, Barcully. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated in village-Dohra, Pargana and Tehsil Bareilly, registered in December, 1983 by the Registering Authority at Bareilly (as per Form No. 37G).

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-8-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1984

G.I.R. No. S-320|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. A Plot of land No. B-56 situated at Gandhinagar, Moradabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moradabad on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Vincet Kishore Jain,

(2) Smt. Madhu Jain.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chandra.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land No. B-56, measuring 267.377 sq. mus. situated at Gandhi Nagar, Moradabad, registered in the Office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 5-12-1983 (as mentioned in Form 37G).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-8-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. (1) Shri Suraj Nath Bhargava,

(2) Shri Raj Kumar Bhargava,(3) Shri Arun Kumar Bhargava,(4) Smt. Laxmi Bhargava,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferoi) (Transferee)

2. Shri Sandeep Gupta.

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. S-321 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. 230 (Shop) situated at Unchamandi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Allahabad on 9-12-1983

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days freeza

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 230 (Shop), situated at Uncha Mandi, Allahabad, registered on 9-12-1983 by the Registering Authority at Allahabad (As per 37G Form No. 7304|83).

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-12-1984

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt, Shakeena.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shahnaz Akhtar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. S 322 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Portion of Khasra No. 92 and 93 situated at Sherkhpur Kasaila, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Khasra No. 92 and 93, measuring 4 Biswa, situated at Sheikhpur Kasaila, Pargana, Tehsil and District Lucknow, (as per 37G Form No. 11261) registered by the Registering Authority at Lucknow.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

Scul:

(1) Shri Ram Prasad Tiwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunder Lal Gupta.

(3) Seller.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 17, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknew, the 13th August 1984

G.I.R. No. S-323 Acq.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House No. 532 KH 179 situated at Mehendi Tola, Aliganj,

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 532 KH|179, Mehendi Tola, Aliganj, Lucknow, having total area measuring 1253.7 sq. ft registered on 22-12-1983 by the registering authority at Lucknow (As mentioned in Form No. 37G).

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-84

Scal:

(1) Shri Arvind Sen.

- (Transferee)
- (2) Dr. Smt, Krishna Misra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. K-133 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House property No. 187A situated at Ellengani, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Allahabad on 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid person's within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Onicial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 187A, Ellengani, Allahabad, having land area 80 sq. yds., registered on 16-12-1983 by the registering authority at Allahabad (as per 37G Form No. 7415|83).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-8-1984
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANEG 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. K-134 Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

One House situated at Bahraich (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bahraich on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely:---

(1) 1. Shri Aftab Ahmad

- Sari Iqbal Ahmad 3. Smt. Asmat Fatima
- 4. Shri Mohammad Ahmad. Through Attorney, Shri Iqbal Ahmad,

(2) Shri Krishna Chandra Misra,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULF

One house having an area of 26391 sq. ft. and as mentioned in the sale deed, registered on 22-12-1983 by the registering authority at Bahraich (as per 37G Form No. 6682).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-8-1984

- Shri Suraj Nath Bhargava
   Shri Raj Kumar Bhargava
   Shri Arun Kumar Bhargava

  - 4. Smt. Laxmi Bhargava.

(Transferor)

(2) Shri Raju Gupta.

(3) Seller.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. R-224 Acq.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
House No. 230 situated at Unchamandi, Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Allahabad on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

35--246 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Persons in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor measuring 38.40 sq. mts. of House No. 230, situated at Uncha Mandi, Allahabad registered on 9-12-1983 by the Registering Authority at Allahabad (asper 37G Form No. 7302 83),

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-8-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Radha Rani Smt. Brahma Devi Through Attorney Shri Shyam Sunder Lal.

Shri Anil Kumar
 hri Anil Kumar
 Shri Arvind Kumar

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRATH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

G.I.R. No. R-725 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Shop situated at Alamgiriganj, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsens, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop situated at Alamgiriganj, Barellly having area measuring 31 sq yds., registered in December, 1983, by the registering authority at Barelly (as mentioned in Form No. 37G).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) Mrs. Vandana Mehta, Through Attorney, Shri J. C. Mehta.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Krishna Kumar Srivastava 2. Smt. Rachna Srivastava.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknew, the 14th August 1984

G.I.R. No. R-226 Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. B-107 situated at Sector "C", Mahanagar Housing

Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-107, Sector "C", measuring 12,272 sq. ft. situated at Mahanuagar Housing Scheme, Lucknow, registered on 2-12-1983 by the registering authority at Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Kunwar Ajai Singh 2. Smt. Poonam Singh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rakesh Kumar 2. Shri Sudhir Kumar, 3., Shri Pradcep Kumar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, **LUCKNOW** 

Lucknow, the 8th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-227 Acq.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable property having a exceeding Rs. 25,000|- and bearing fair

No. One shop situated at Bazar Katra Narpat, Ganj, Morada-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the able property, within 45 days from the date of tipublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop along with covered tin shed area

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

373.90 sq.mtrs. situated at Bazar Katra Narpat, Ganl, Moradabad, registered on 20-12-1983 (as mentioned in the 37G Form) by the Registering Authority at Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 8-8-1984.

Scal:

#### FORM TINS

(1) Smt. Prem Kumari.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prem Pratap Singh Yadav 2. Smt. Sarla Yadav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) C.I.D. Office.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. P-119 Acq. -- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Bungalow No. 127A 1 situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Lines Bareilly Bungalow No. 127A 1, situated at Civil (as mentioned in the Form No. 37G) registered in the office of the Sub-Registrar, Barcilly on 30-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-196Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing No. House No. 279 54 6 situated at Pandariba (Chahar Singh Colony), Lucknow

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harbans Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Manchar Lal.

(Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 279|54|6, situated at Pandariba (Chahar Singh Colony), Lucknow, registered by the Registering Authority at Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-140 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. House No. 230 situated at Uncha Mandi, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 9-12-1983

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Suraj Nath Bhargava.
  - Shri Raj Kumar Bhargava.
     Shri Arun Kumar Bhargava.
  - 4. Smt. Laxmi Bhargava.

(Transferor)

(2) Shri Alok Gupta.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Ground floor, measuring 50.79 sq. mtrs., of House No. 230, situated at Uncha Mandi, Allahabad, registered on 9-12-1983 by the Registering Authority at Allahabad (as per 37G Form No 7301)

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-141 Acq.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. A double storeyed house No. 651 1071 situated at Darya-

bad, Allahabad

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Allahabad in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the oarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Salik Ram.

Krishna Shyam.

(Transferor)

(1) 1. Ashok Chandra.

2. Gyan Chandra.

3. Pradeep Kumar.

4. Nand Gopal,

(Transferce)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing No. 651 1071, having total area of land measuring 171 sq. mtrs, situated at Daryabad, Allahabad. registered in December by the Registering Authority at Allahabad. (As mentioned in Form No. 37G).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984.

(1) Smt. Rajendra Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjeet Kaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-142|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'naid Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. One shop situated at Budh Bazar, Station Road, Morada-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36---246 GL/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One shop measuring 26.89 sq. mtrs. situated in Budh Bazar, Station Road, Moradabad, registered on 1-12-1983 (as per 37G Form) in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-8-1984

#### FORM ITN9-

(1) Shri Man Mohan.

(2) Shri Gyan Prakash.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRTH MARG, TUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

Ref. No. G.I R. No. G-69 Acq. Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. One shop situated at Bazar Dilwalt, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrming Officer at

Moradabad on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

One Shop including covered shutter having area 14 2912 sq. Mtrs. situated in Bazar Dilwali, Monadabad, registered on 19-12-1983 by the Registering Authority at Monadabad (as per 37G Form No. 7430).

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-8-1984 Scal #

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

#### FORM ITNS-

(1) Shri Kunwar Harendra Pratap Shahi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gokaran Nath Bajpai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th August 1984

Ref. No. G.I.R. G-70|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing

No. House property No. 11 situated at New Hyderabad. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

A house property bearing No. 11, New Hyderabad. Lucknow, total area-5609 sq. ft. (as mentioned in Form No. 37G) registered on 5-12-1983 by the Registering Authority at Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. G-71 Acq.—Wherens, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Plot Khasra No. 283 situated at Haiwatman Mawaiya,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-12-1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nanhoo,
 Shri Misri Lat.

(Transferor)

(2) M|s. Geet Vihar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Samir Chaturvedi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 283, measuring 17 Biswa 3 Biswansi situt ed at Haiwatmau Mawaiya, Pargana, Tehsil and Distt. Lucinow, registered on 20-12-1983 by the Registering Authority at Lucknow (as per 37G Form No. 580).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-8-1984.

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. G-72 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- bearing

No. Plot Khasra No 285 situated at Haiwatmau Mawaiya, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1 ucknow on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Laxmı Narain.

(Transferor)

- (2) Mls. Geet Vihar Sahkari Avas Samili Ltd., Lucknow. Through Secretary, Shri Samil Chatulvedi
  - (Transferee)

(3) Vendee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 285, measuring 7 Biswa, situated at Vill. Haiwatmau Mawaiya, Pargana, Tehsil and District-Lucknow, registered on 20-12-1983 by the Registering Authority at Lucknow (as per 37G Form No. 581).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-8-1984.

## FORM ΠNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

G.I.R. No. O-16 Acq.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Plot of land Khasara No. 1365 situated at Fazalpur-Lankri, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Shyam Sunder Agarwal. 2. Shri Ashok Kumar Agarwal.

(Transferor)

(2) Mis. Overseas Exports, Through Partner, Smt. Promila Mahajan, Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land Khasra No. 1365, measuring 0.62 decimals, situated at Fazalpur-Lankri, Moradabad, registered in December, 1983 by the Registering Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-8-1984

Scal:

(1) 1. Shri Prakash Narain. 2. Shri Laxmi Narain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ram Babu. 2. Smt. Gayatri Devi.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Lucknow, the 9th August 1984

Ref No. G.I.R. No. R-223 Acq.-Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. House (old No. 3), New No. 7 (3)7) situated at Vivelanand Marg (Hewett Road), Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office the Registering Officer at Allahabad on 15-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

(a) Pacilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

A house property old No. 3, new No. 7(3/7), Vivekanand Marg (Hewett Road), Allahabad, situated on land measuring 160 sq. yards, Registered on 15-12-1983 by the Registering Authority, Allahabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 9-8-1984

(1) M/s. Malwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Anand Prakash Shaima.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. 14]37EE[84]Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Office No. 20 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered U.S. 269AB of the J.T. Act,

and the agreement is registered U.S. 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 20 on the VI floor, measuring 275 sq. ft. on the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 30|37EE|84|Acq. dated 5-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 9-8-1984

### 21913

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., 

(2) Shii Pankaj Saini (Minor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

Ref. No. R.I.R. No. 13|37EE<sub>1</sub>84|Acq. -Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and beating

No. Office Nos. 4 and 5 situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound Lucknow

has been transferred

and the agreement is registered UIS. 209AB of the I T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 5-12 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

i NPI ANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Office Nos. 4 and 5 on the VI floor, measuring 540 sq. ft. on the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under GIR No. 29[37EE] 84[Acq. dated 5-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

37--246GI|84

Date: 9-8-1984

(1) Mls. Halwasiya Proporties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. C. Chopra & Sons,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

G.I.R. No. 15|37EE|Acq.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office Nos. 6 and 7 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla

Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered uls 269AB of the Income-tax

Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 19-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the IV floor, measuring 540 sq. ft. on the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under GIR No. 32 37EE Acq. dated 19-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-8-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Khajurahat Family Trust. Clo. Shri Sarvicet Singh, Managing Trustee, 18-B, Nyay Marg, Allahabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. 16|37EE|84|Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Office Nos. 8 and 15 situated at 11, M. G. Marg, Habi-

bulla Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow, on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explanation later: pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Nos. 8 and 15 on the II floor, measuring 600 sq. ft. on the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compaund, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 33 37EE 84 Acq. dated 19-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-8-1984

### FORM ITNS----

(1) Ms. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(2) Mrs. Raj Khanna.

(Transferor)
(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

Ref. No. G.I.R. No. 17|37EE|84|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Office Nos. 4 and 5 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered us 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on i9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlih-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 4 and 5 or the V floor, measuring 540 sq. ft. on the Commerce Heuse, situated at 11, M.G. Marg, Habibulia Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No 34|37EE|84'Acq. dated 19-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 9-8-1984

### FGRM ITNS---

## (1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Preeti Bakshi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1984

Ref. No. G.J.R. No. 18|37EE|84|Acq.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Office Nos. 6 and 7 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered ups 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair mathet called of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fall market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the II floor, measuring 550 sq. ft. on the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habihulla Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 357EE 84 Acq. dated 19-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-8-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Raj Sudha Towers (P) Ltd., 52A, Con. Place, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|12-83|305.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RIT-432, situated at 18-Wazirpur Comm. Centre, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

in the Office of

the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-II on Dcc. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mrs. Rashma Datta & Sh. Vipan Datta 7265, Deriwala Bagh, Pul Bangash Delhi.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJT-432, (UGF), 18-Wazirpur, Comn. Centre, Delhi mg. 42.75 sft.

> R. P. RAJESH Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 10-8-1984

### FORM ITNS----

52Å, Con. Place, New Delhi.

(1) Raj Sudha Towers (P) Ltd...

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq,II|37EE|12-83|306.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

RTI-433, sivated at 18-Comm. Centre, Wazirpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Shushila Gupta Wo Sh. B. D. Gupta, B-17, Ashok Vihar Ph.I., Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJT-433, (UGF), 18-Comm. Centre, Wazirpur, Delhi 36.50 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|37EE|12-83|307.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13-A, situated at Ramesh Nagar, N. Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

at IAC(Acq.) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Harish Chander Chopra So Sh. Gurditta Mal, 13A, Ramesh Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Madan Lall Agarwal, 13A, Ramesh Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13-A, Ramesh Nagar, New Delhi mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 10-8-1984

(1) Raj Sudha Towers (P) Ltd. N-52A, Con. Place., N. Delhi.

(Transferor)

219.11

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. A. K. Malik, Mrs. Sneh Malik & Ashima Malik , 2663 8, Chuna Mandi, Paharganj, N. Delhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4[14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|12-83|308.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. RTM-125, situated at 28-Ashok Vihar Comm. Cen., Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office

of the Registering Officer

at IAC (Acq.)Range-II on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RTM-125(Ground) Show Case at 28-Ashok Vihar Community Centre. Ashok Vihar Ph. Delhi mg. 21 sft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-38-246GI[84

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IACIAcq.II]37EE]12-83|309.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25,000l- and bearing

No. 1-4, A-4/2, situated at Azadpur Commercial Complex, Deshi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trun ferred

under the 1008 (15 of 1908) in the officer 1908 (15 of 1908)

to a C (Acc), a cold of occ. 1983

by a, the acceptance of the aloresaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) tachtating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or coper assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp., Super Bazar, Con., Circus, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Amarjeet Kaur Wlo S. Kartar Singh & Mrs. Kuldeep Kaur Wlo S. Rajinder Singh, 228, Chand Nagar, P.O. Tilak Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1-4, A-1,2, Azadpur, Commercial Complex, Delhi mg. 430 sft.

R. P. R MESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Delhi/New Delhi.

Date: 10-8-1984

ons a visit to the transfer of the comment of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TRX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUNG FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC!Acq.II:378 E]12-83]310.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Space No. 9 (CF) situated at N-104, Kirti Nagar, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has seen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq). Range-H on Dec. 1983

for an apparen teonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shivlok Apartments India (P) Ltd., 410, New Delhi House Bara Khamb , Ed., N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dharam Pal Batra Slo Sh. Kundan Lal Batra N-20, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No 9. Ground Floor, N-104 Kirti Nagar, New Delhi, mg. 81 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I!
New Delhi

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shivlok Apartments India (P) Ltd. 410, New Delhi House, Bara Khamba Rd., N. Delhi.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37).  $\Gamma[12\text{-}83]311$  .—Whereas, I , R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to us the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, hiving a fair market value executing and bearing Space No. 10, situated at N-104, Unit. Mayar. N.D. tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC(Acq) R-II on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair morelet value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (2) Sh. Kundan Lai Batra S|o Sh. Karam Chand, N-20, Kirti Nagur, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 10, Ground Floor, N-104, Kirti Nagar, ND, mg. 100 sft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1984

(1) Shivlok Apartments India (P) Ltd. 410, New Delhi House, Bara Khamba Rd., N. Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Kundan Lul Batra So Sh. Karam Chand, N-20, Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|12-83|312—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Space No. 10, situated at N-104,

Kirti Nagar, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC(Acq.)R-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 10, Ground Floor, N-104, Kirti Nagar, ND. mg. 100 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shivlok Apartment India (P) Ltd., 410, New Delhi House, Bota Kharibo Fond, New Delhi.

("Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Lachmi Bai Batra wo Sh. Mandan Lal Batra, N-20, Kirti Nogar New Delhi

(Transferee)

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAY ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DETHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No 1AC|Acq.11|37EF112-83[313 --Whereas, f, R. P RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Space No. 16, GF situated at N 104, Kirti Nagar, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office

of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever puriod region 1 dec
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and explessions used herein the are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is viv in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 16, Ground Floor, N-104, Kirti Nagar, New Delhi, mg. 100 sft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 10-8-84

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

ACCARWAL HOUSE, 4:14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Fef NO IAC Acq II|37EE|12-83|314.—Whereas, I, R. P. RAJISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the inconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro verty, having a fair market value exceeding Rs. 25,500- and beging No.

Space of 15 (R scrient) situated at N-104, Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ras been transferred

in the onice of the Registering Officer at In. 1983

for all criphent consideration which is less than the fair and set with a rate afor and properly, and I have reason the constant a material adds of the property as afore-cife to the consideration mercitor by more that it is not per cent of such apparent consideration and that the consideration is a selected to the patients for not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shivlok Apartment India (P) Ltd., 410, New Delhi House, Bara Khamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Daya Batra woo Sh. Yash Pal Batra, N-20, Kırti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 15 (Basement floor), N-104, Kirti Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 10-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No IAC|Acq.II|37EE|12-83|315.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Space No. 16, situated at N-104, Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shivlok Apartment India (P) Ltd., 410, New Delhi House, Bara Khamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajni Batta wo Sh. Dharam Pal, Batra, N-20, Kirti Nagat, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 16-Basement floor, N-104, Kirti Nagar, New Delhi mg. 50 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 19-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

IAC|Acq.II|37EE|12-83|316.--Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Space No. 13 & 20, situated at N-104, Kirti Nagar, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration cuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the tranfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—39—246GI|84

(1) Shivlok Apartments India (P) Ltd., 410, New Delhi House, Bara Khamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Gulshan Oberoi & Mr. Manmohan Oberoi, 38 O Shri M. C. Oberoi, A-42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 13 & 20 (Ground Floor), N-104, Kirti Nagar, New Delhi mg. 200 sft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 10-8-84

Seal 4:

## FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Rajendera Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52A, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Baljeet Singh, 81-A, Gur Mandi, Delhi-7.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|12-83|317.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing RJV-106, situated at 4-Roop Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at IAC (Acq.) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen correct of such constants. than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such 'ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

### THE SCHEDULE

RJV-106, Ground Floor, 4-Roop Nagar, Delhi mg. 36.0 sft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wenkhetax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namev :--

Date : 10-8-84

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. JAC|Acq II|37EE|12-83|318.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

RJV-120(GF), situated at 4-Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiestring Officer at IAC (Acq.) Range-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Rajendera Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52A, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Anital Jain, 2|3 Block-41, Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RJV-120(GF) at 4-Roop Nagar, Delhi mg. 38 sft.

R. P. RAJES11
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
New Delhi

Date: 10-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M|s. Rajendera Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52A, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Trilok Narain Gupta, 102-State Bank Colony, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|12-83|219.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

RJV-21 situated at 4 Poor Type 1969.

RJV-21, situated at 4-Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II on Dcc. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJV-21 (Basement), 4-Roop Nagaar, Delhi mg. 18 sft.

R. P. RAJESPI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followinge persons, namely :-

Date: 10-8-84

### 21933

### FORM ITNS-

# Shri Rajendta Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-32A, Con. Place, N Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dawarka Dass & Brothers, 37-38, Katra Baligan, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th Augst 1984

Ref. No. 1AC|Acq-11|37EE|12-83|320---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RJV-4 (Basement) situated at 4-Roop Nagar, Delht. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on Dec., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJV-4 (Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 56 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 10-8-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-32A, Con. Circus, N. Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi 201

(2) Shri Bimal Kumar Gupta r|o 20|21, Shakti Nagar, Delhi-7

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th Augst 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|12-83|321---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RJV-6 (Basement) situted at 4-Roop Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RJV-6 (Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 63 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|322-Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RJV-8, situated at 4-Roop Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R-II on Dec., 83

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52-A, Con. Circus, N Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri Rajiv Gaur, 10A|18, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RJV-18 (Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg-50 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 10-8-1984

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shii Raj Rahul Contractors & Buildara (P) 1 td, i'r moters & Builders, Regd Office, N-52A, Con. Place, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Pahwa & Brijesh Pahwa, XY-27, Sarojini Nagar N Delhi

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|323---Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. RJA-202A, situated at 60|26, Prabhat Marg, New Rohtak Rd., New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RJA-202A, (UGF), 60|26, Prabhat Marg, New Rohtak Road, N. Delhi mg. 126 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

(1) Shri Raj Rahul Contracters & Buildars (P) Ltd., in 52Λ Con Place N Delhi

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpa Malbotra, Mr. Satish, Mr. Paideep & Miss Anju Malhotra, 13 26, WFA, Kaial Bagh, N. Delhi. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Aggarwal House, 4|14 Asaf Ali Road, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC Acq-II 37FF 12-83 324 - Whereas I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. RJA-7G (GF), situated at 60|26, Rarbhat Rd., N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at IAC (Acq.) R-II on Dec., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 40-246GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

RJA-7G, Ground Floor, 60|26, Parbhat Road, N. Delhi mg. 96, 145 aft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, New Delhi

10-8-1984 Date

(1) Shri Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52, Con. Circus, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manjit Singh, 11439, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th Augst 1984

Ref. No. IAC|Acq-11|37EE|12-83|325—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.
No. RJV-17, (Basement) situated at 4-Roop Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred in the Office

of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-17(Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 40 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-8-1984

(1) M|s Rajendia Properties (P) Ltd., 52A, Con. Place, New Delhi.

(Transteror)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Krishna Kumari, 204, Sunt Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|326-Whereus I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

RJV-17, (Basement), situated at 4-Roop Nagar, Delhi '(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJV-16-(Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 63 sft.

R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-11. New Deini

Date: 10-8-1984

(1) Shri Rajendra Properties (Dolhi) Pvt. Ltd. N-52A, Con Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indu Bala, C-3[1, Model Town, Delhi-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, NEW DFLHI.

New De'hi, the 10th Augst 1984

Ret. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|327—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding R 25,000|- and bearing No. RJV-202A (UGF) situated at 4-Roop Nagar, Delht. (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred

in the Office of the Registering Offices at at IAC (Acq.) R-II on Dec.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid from per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. that! have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJV-202A (UGF), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 31 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date . 10-8-1984 Scal :

FORM ITNS----

(1) Shri Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Kumar Arora, 29/9, Shakhi Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Aggarwal House, 4,14A, Asaf Ali Road, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th Augst 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|328—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
No. RJV-19 (Basement) situated at 4-Roop Nagar, Delhi.

No. RJV-19 (Basement) situated at 4-Roop Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JAC (Acq.) R-II in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and mat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RJV-19 (Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 50 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 10-8-1984

(1) Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd., N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 279 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. C. Uppadhyay, G.M. Jawala, Textile, Gurgaon-122006.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Aggarwal House, 4 14A, Asaf Ali Road, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-83|329---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. RJV-226 situated at 4-Roop Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); RJV-226 (UGF), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 36 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IJ, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-8-1984

PART III-SEC. 11

## FORM I.T.N.S.-

(1) Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd. N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

21943

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. N. Jain, Flat No. 2 (DDA), Block No. 3, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|12-83|330.—Whereas I. R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.
No. RJV-5 situated at 4-Roop Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on Dec., 1983

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); RJV-5 (Basement), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 29 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Itd

(Transferor)

(2) Mr. Trdok Narain Gupta, 102, State Bank Colony, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|12-83|331.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RJV-22, (Basement) situated at 4-Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer

IAC (Acq.) R-II on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wenlth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RJV-22 (Basement) 4-Roop Nagar, Delhi mg. 40 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date: 10-8-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd. N-52, Con. Circus New Delhi.

(Transferot)

(2) Master Ashish Chopra, B-3|252, Pashchim Vihar, New Delhi.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|12-83|332.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. RJV-305, situated at 4-Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trenferred.

has been tranferred in the office of the Registering Officer

IAC (Acq.) R-II on Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions usee herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

RJV-305, First Floor, 4-Roop Nagar, Delhi mg. 31 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely ;--41-246GI 84

Data: 10-8-1984

Seal 4

(1) Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd. N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Mohan, 165, Main Bazar, Narela, Della.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. 11|37EE|12-83|333.—Whereas, 1. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. RJV-220 (UGI) situated at 4-Roop Nagar, Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

RJV-220 (UGF), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 36 sft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Master Alok Gupta, Terrace-7, Oberoi Apartment, 2-Sham Nath Marg, Delhi.

(1) Rajendra Properties (Delhi) Pvt. Ltd. N-52A, Con. Place, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th August 1984

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|12-83|334.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. RJV-219 (UGF) situated at 4, Roop Nagar, Delhi (and more fully described in tht Schedule annexed hereto). has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq) R-II on Dec., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-219 (UGF), 4-Roop Nagar, Delhi mg. 36 sft.

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1984

Seal 2

FORM TINS-

(1) M|s. Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Manjuben Natubhai Patel.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|9601|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Shop No. 6, on ground floor 'Nirmal Vihar' A-Wing, at Rajemata Jijabai Road, Andheri (West), Bombay-93. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 6 ground floor, 'Nirmal Vihar A-'Wing, at Rajemata Jijabai Road, Andhreri (East)) Bombay-400 093. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II 37EE 9601 8384, dated 23-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

(1) Mls. Damji Shamji & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Jeewanial Trust

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|9357|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Unit No. 141, 1st floor, Daniji Ramji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 141, 1st floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|9357|83-84, dated 12-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Date: 14-8-1984

#### FORM ITNS——

(1) M|s. A. S. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Gomes Anthony Norbert

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR. II|37EE|9316|83-84.--Whereas, I,

**LAXMANDAS** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. No. C|1 Mapkhan Nagar, Marol, Andheri (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983,

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliers that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Building No. C. Mapkhan Nagar. Marol, Andheri (East), Bombay.
The agreement has been registered by the

Authority, Bom dated 9-12-1983. Bombay under No. AR. II 37EE 9316 83-84.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1984

(1) Pratap Laxmidas Romaiya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vilns S. Phaterpekar

(3) Transferce.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9570|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. A-3|9 Kripanagar, Irla, S.V. Road, Bombay 400-056

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A3|9 4th floor at A|3 bldg. Nutan Jeevan Co.op. Hsg. Society, at Kripa Nagar, S. V. Road, Irla, Vile Parle (West) Bombay-400 056.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II 37EE 9570 83-84 dated 9-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

#### FORM ITNS ---

(1) Smt. Chandra Chakravarty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purushottam Haribhau Kulkarni & Smt. Radhika Furshottam Kulkarni

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3893|83-84.-Whereas, J. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat. No. 11, 3rd floor Plot No. 33, Subhash Road, Vile Paile (East) Bombay-400 057

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office or the Competent Authority at Bombay 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Plot No. 33, Subhash Road, Vile Parle (East) Bombay 400057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-II|37EE|3893|83-84, dated 16-12-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-8-1984

Seal •

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-II|3591|Dec.83.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Final Plot No. 1259 TPS.IV Mahim C.S. No. 41 Old Prabhadevi Road, Bombay-25 admeasuring 43.16 sq. meters

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—246GI 84

(1) Smt. Zaver Rustom Patel

(Transferor)

(2) 1. Kariyana Yellappa Shetty,

2. Smt. Padmavathi Kasiyanna Shetty.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the proper;,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2509|82 and registered with the Sub-registrar Bombay on 31-12-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 14-8-1984

(1) Shri Burjor Ardeshir Mistry Shri Hossie Ardeshir Mistry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kamaldevi Bhaomal Surana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-II 3604 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

C.T.S. No. 199 (pt) of Mogra Village, Parsi Panchayat Road Andheri (E) Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) Sait. Ratanbai wd/o Shivaii Mesur Prajapati.

(Person in occupation of the propert,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in th Registered Deed No. S. 2327/82 and registered with the Sub-registrar, Bombay on 17 1 1984.

> ,LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date:13-8-1984

FORM ITNS——

(1) Shri Vasant Vishnu Damle

(Transferor)

(2) Damij G. Shah Nautam Damji Shah Jayesh Damji NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE Shah Sanjay Damii Shah. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferea)

(3) Transferor & Tanants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-II|3592|83-84.—Whereas, [, LAXMANDAS.

being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 16ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000; and bearing

Fot No. 83 of Shivan Park Scheme together with building Cadastral Survey No. 1793 of Mahim Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (B) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 935|81 and registered on 20-12-1983 with the Sub-registrar Bombay

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date:13-8-1984

-----

#### FORM ITNS----

(1) Mis Raviraj Developers

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Mohanlal Keshwani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> ACQUISITION\_RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|9530|84-85.-Whereas, 1, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
No. Flat No. 504 Wing A. 5th floor, 'Denzil Plot No. 31
Oshiwara, Versova Andheri (West), Bombay-58
situated at Andheri (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

Flat No. 504, Wing 'A' 5th floor Denzil Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.II|37EE|9350|83-84 Dt. 27-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the puntposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

,LAXMANDAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :--

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ruf. No. AR.II[37EE]9446|84-85.—Wheteas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and hearing

and bearing
No. 15-A, Ground floor in Veena Industrial Estate, Veera
Dzsai Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. P. Royal Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Praful Keshavlal Pardiwala &

(Transferee)

Mrs. Daksha Praful Pardiwala

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 15-A, on Ground floor in Veena Industrial Estate. Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II 37EE 9446 83-84 Dt. 17-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

#### FORM ITNS —

(1) M|s. Raviraj Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Pappu Verma & Miss Kavira Verma (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR. 1/37EE/9539/84-95.--Whereas, I, J.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res 25 (2001), and heaving

Rs. 25,000|- and bearing
Citizen, Flat No. 305, 3rd floor Plot No. 27 of S. No. 41
(Part) Oshiwara, Four Bunglows, Versova, Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Citizen, Flat No. 305, 3rd floor Plot No. 27 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR H 37FF 9539 83-84 Dt. 17-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 13-8-1984

(1) M/s. Raviraj Developers,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shridhar Nemu Anchan

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9578|84-85,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 401, B 'Denzil' Layout Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (West)

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of one liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401-B on 4th floor in 'Denzil', Layout Plot No. 31 of S. No. 41(Part) Four Bunglows Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II|37EE|9578|83-84

dt. 8-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Pombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

(1) Sh. Mahendra Kumar Moona

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sanjay Madhav Jayant

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No AR-II|37EE|9480|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 102 on 1st floor, Andheri (W), Veera Desai Road, Andheri (West), Bombuy situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Veera Desai Road, building known as 'Luv', Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARII|37EE|9480|83-84 dt. 22-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay,

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) S. S. Nishra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmiben Laxmichand Nizar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|9233|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 203 2nd floor, at Jivan Vikas Kendra Rd. Andheri (East), Bombay situated at Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the sconcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the maid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor Jivan Vikas Kendra Road of Sahar, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.II|37EE|9233|83-84 dt. 5-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Kunge-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 43 -246GI 84

Date: 13-8-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARII[37FE]9185[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 10, 2nd floor of Bldg. No. 2, Plot No. 14 Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (Fast), Bombay-59.

situated, at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration. Act, 1908 (16 of the Registering Officer

at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd. Jayant R. Hargude.

(Transferor)

(2) Smt. Sinnammal, Wlo Sh. N. Palanisamy Gounder, Vasanthapuram, Namakkal Tk. (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor of Bldg. No. 2, on Plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-403 059.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|9185|83-84 dt. 3-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay,

Date: 13-8-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

#### (1) Snit. K. Vatsala

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rof. No. ARIII[37EE[3873]84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Hat No. A|5, 2nd floor, Queen's Corner Co.-op. Housing Soc. Ltd. 395, Sitaldevi Tempel Road, Mahim. Bombay-15 situated at Sitaldevi Temple Road, Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 15-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shil Mangesh Vithal Divekar

(Transferee)

(3) Transferor.

(Potson in accupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said managerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A<sub>1</sub>5, 2nd floor, Queen's Corner Corop. Housing Soc. Ltd., 395, Sitaldevi Temple Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II[37EE]3873[83-84 dt. 15-12-1983.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR,II 37EE 3862 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Flat No. 13, Parking Place No. 13, Auroville Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 26-B, T.P.S. No. IV, Santacruz (W) Bombay-54.

situated at Santacruz (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforeexoceds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideratio nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Chandravato Hariram Makhija

2. Suresh Hariram Makhija

3. Ramesh H Makhija

Sunil H. Makhija.

(Transferer)

(2) 1. Sh. Varjivandas C Parkh

Sunandav Parikh.
 Manoj V Parikh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13, Parking Place No. 13, Auroville Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 26-B, T.P.S. No. IV, Santacraz (W) Bombay-400 054.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II|3862|83-84 dated 12-12-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARII]37EE]9571]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

at Bombay on 9-12-1983.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Office No. 9, 2nd floor, Veena Beena Shopping Centre, situated at Turner Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. W. Dande.

(Transferor)

(2) Panchratna Udyog.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

hall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 9, 2nd floor, Veena Beena Shopping Centre, Turner Road, Bandra, Bombay-50

The agreement has been Registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARII|37EE|9571|83-84, dt. 9-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) M|s. Raviraj Developers.

(Transferor)

(2) Sushil J. Shivdasani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARII|37EE|9529|83-84,—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

and bearing No.
Flat No. 405, Wing 'B' in Denzil, Plot No. 31 of S. No.
41 Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office.

gistering Onicer at Bombay on 27-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the vability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 405, Wing 'B' in Denzil, Plot No. 31 of S. No. 41. Part Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-40 0053. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARII|37EE|9529|83-84 dt. 27-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.II|37EF|9160|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 2, Ground floor of Bldg. Vinceeta 'B' at Chakala.
Andheri (Fast), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

The agreement has been registered with the Competent

at Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shahi Properties & Industries Ltd. Developers

(Transferor) (2) M/s, Abranam C. Lobo

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor of Bldg. Vincecta 'B' at Chakala,

Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARII 37EE 1-12-1984 dt. 1-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mis. Raviraj Developers,

(Transferor)

(2) Mrs. Shaheda Shafi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARII|37EE|9542|84-85.-Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 405, 'Denzil' Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Denzil' at Plot No. 31 of S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bunglow, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARII 37EE 9542 83-84 dt. 8-12-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay,

Date: 13-8-1984

Seal ·

(1) Oberoi Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. G. L Whabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Oberoi Constructions.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|83-84|84-85,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. Shop No. 6 on ground floor in 'PALM SPRING' plot No. 26 in Village Oshiwara, Versova, Audheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said presents may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor in 'PALM SPRING' Plot No. 26 in Village Oshiwara at Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II|37EE|9208|83-84 4-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

Scal:

44 -- 246GI | 84

#### FORM ITNS----

(1) Oberoi Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Dayalsingh R. Thawarani

('Transferee)

(3) Oberoi Construction.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- may be made in writing to the undersigned :---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.IJ|37FF|9210|83-84.-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'eaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1 on ground floor in 'PALM SPRING' Flat No. 26 in Village Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1 on ground floor in 'PALM SPRING' Plot No. 26 in Village Oshivara, Versova, Andheri, Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II[37EE]83-84 Dt. 9-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9209|83-84-Whereas I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 3 on Ground floor in 'PALM SPRING' Plot No.
26 in Village Oshiwara at Versova Andheri, Bombay

situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,

in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andjor
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Oberoi Constructions.

(Fransferor)

(2) Mrs. Jankidas P. Khemant

(Transferce)

(3) Oberoi Constructions.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3 on ground floor in 'PALM SPRING' plot No. 26 in Village Oshiwara at Versova Andheri, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II|37EE|9209|83-84 Dt. 9-12-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

interested in the property)

#### FORM ITNS-

(1) Oberoi Constructions,

(3) Oberoi Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Kuljit Singh Garrel
Mrs. Nimi Julhitsingh Garrel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37FE|9207|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 503 on 5th floor, 'PALM SPRING' Plot No. 26 in Village Oshiwaru, Versova, Andherl, Bombay situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1983

for an apparent consideration which is less than

reasen to believe that the fair market value of the property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceal moneys or other assets are not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor in 'PALM SPRING' Plot No. 26 in Oshiwara at Versova Andheri, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II|37EE|9207|83-84 Date 4-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Oberoi Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya N Chandam

(3) Oberoi Construction.

(Transferce)

interested in the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9206|83-84,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 202 on 2nd floor, 'PALM SPRING' Plot No. 26 Village Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person whom the undersigned knows to be

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 202 on 2nd floor 'PALM SPRING' Plot No 26 in Oshiwara at Versova Andheii Bombay.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No AR-II/37EE/9206/83-84 Date 4-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date : 13-8-1984

Seal ·

(1) M|s Alpana Enterprises (Builders)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madhav G Joglekar

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-JI|37EE|9322|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, ground floor, Alka Apartment, 27 Jogeswari Coop. Soc Road No. 44, Jogeshwari East, Bombay-60 situated at Jogeshwari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961
In the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires liters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Alka Apartment, 27 Jogeshwari Co-op. Society Ltd., Road No. 4, Jogeshwari East, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III 9322 83-84, dated 9-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Rcf. No. AR-II|37EE|9190|83-84.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 1, 1st floor in the building known as JUPITER I, Versova I Road, Off Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mukesh J Rupani

(Transferor)

(2) Smt. Anjana S. Sanghavi

(Transferce)

(3) M/s. National Enterprises (Builders).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor of the building known as JUPITER-I, Versova I Road, Off Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II|9190|83-83, Date 5-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) Shri Nirakar Patra.

(Transferor)

(2) Shri Angelo Francis Fernandes.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-II|37EE|9215|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 912 on 9th floor, at 'EVEREST' building, Jayaprakash Narayan Road, Andheri West, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 5-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 912 on 9th floor at 'EVEREST' Building, Jayaprakash Narayan Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II|37EE|9215|83-84, Dt. 5-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-8-1984. Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)1. Mrs. Parvathy Narayanan 2. Mr. K. S. Narayanan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M1. K. V. Balasubramanian.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|9460|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 1 in the ground floor, Eastern Wing of Building No. A-7, Shree Ram Co-op. Housing Society Ltd., Off Swami Vivekananda Road, Andheii (W), Bombay-58 situated

at Andheri (W) (and more fully described in the schedule annexed hereo) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 29|12|1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1 in the ground floor, Eastern Wing of Building No. A-1, Shree Ram Co-op. Housing Society Ltd., Off Swaml Vivekananda Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARI 37 EE 9460 83-84, dt. 29-12-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984.

Scal:

45--246GI]84

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIV|37|EE|9188|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Plot of land with structures, bearing S. No. 9, Hissa No. 2[1, CTS No. 1252 and 1252 for 15 Villa, Versova, Taluka Andheri BSD.

Andheri BSD

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreem it is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1983

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo avaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

- 1. (1) Krishnanath Gajanan Madgoankar.
  - (2) Smt. Indirabai K. Madgaonkar.(3) Mrs. Mandakini Najayan Kanekar.
  - (4) Mrs. Sareeta Sharad Vishal.(5) Radhabai Damodar Nadgaonkar.
  - (6) Vasant Damodar Maigaonkar.
  - (7) Smt. Susheela Shantaram Manekar.
  - (8) Smt. Sindhu Suresh Narkar. (9) Kashibai Damodar Madgaonkar. (10) Smt. Prajakta Vasant Madgaonkar.

(Transferee)

2. Monocast Developers and Builders.

(Transferor)

- 3 Person in occupation of the property:
  - (1) Suresh Ganpat Narkar.
  - (2) Ramchandra Atmaram Ragaya. (3) Liladhar Vishwanath Borkar.
     (4) Karsan Laksman Bariya.

  - (5) Narayan Kashnath Kanekar.
  - (6) Ziyuram M. Dhobi. (7) Jayaram M. Dhobi.
  - (8) Chandrikaprasad Dube.

  - (9) Datturam A. Regaya. (10) Pandurang V. Panchal. (11) Kedarnath Shakia.

  - (12) Rukisheri K. Shukla.
  - (13) Subhash M. Narkar.
  - (14) Pandurang B. Naik.

  - (15) Vishwas B. Survey, (16) Moreshwar G. Sowd.
  - (17) Satyaram Yadav.
  - (18) Mohan L. Sharma,

(4) Transferees & Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land with Structures, bearing S. No. 9, Hissa No. 1211, C.T.S. No. 1262 and 1262 1 to 15, Village Versova, Taluka Andheri, B.S.D. adm. 9353 sq. mts.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III37EE 9188 83-84 dt. 3-12-1983.

> I AYMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-8-1984.

FORM ITNS----

(1) Shri Gumanmal T. Vanigetta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shubhlaxmi P. Hingway.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-II|37|EE|9450|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 402 on 4th floor, Everest Building, Jayapiakash Naravan Road, Veisova, Andheri West, Bombay -61 (and more fully described in the Schedule annexed heisto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comptent Authority

at Bombay on 20-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Fint No. 402 on 4th floor, Everest Building Jayapiakash Nacayan Foad, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide No. AR-II|37EE|9450 dt. 20-12-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690' of the said Act, I hereby initiate place editing for the negarition of the aforesaid property by the issue of this notice turder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984.

(1) Mrs. Acme Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Lily Ayamatia Lucas and Liberata Lucas. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR [II] 37EE | 9456 | 83-84. Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-(hereinafter referred able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 5, 2nd floor, Anuradha Building B, Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (West) Bombay 58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction on evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no\ pas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Anuradha Building B, Irla Bridge, S. V. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide Serial No. AR-II 37EE 9456 83-84

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-8-1983

(1) Mr. Hiro M. Chawla, Mr. Raju M. Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Murarilal Agarwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|9566|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 502, 5th floor, 'Ankur Apartments' Dadabhoy Road. situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 502, 6th floor, 'Ankur Apartments' Dadabhoy Road, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered with the Competer Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|9566|83-84. dated 23-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

No AR-I|37EE|9459|83-84.---Whereas, J, LAXM AN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, 1st floor, B Wing, Popular Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalows Road, Andheri We ... Bombay-58 situated at Andheri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- \*b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(i) Mr. Viru Mirchumal Varindani.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Kassam Abdul Gafoor Ghansar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor B Wing, Popular Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Four Bungalows Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II|37EE|9459|83-84, dated 30-12-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-8-1984.

# (1) Shri Dinesh Mulchand Trevadia & S.U. Trevadia (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Hasmukh L. Paickh.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV,

#### **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. AR.IV|37FE|3190|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Hat No. D|15, Building No. 12, Estee Apartment, Ram Macar, Soibaba Nagar, Borivh (W), situated at Bombay-92 and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the lucome-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 12-12-83

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discrosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D|15, Bullding No. 12, Estee Apartment, Ram Nagar, Saibab | Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3190|83-84 dt. 12-12-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 9-8-1984.

Scal:

(1) Slun Arvind V. Sheth.

(Transferor)

(2) Miss Pushpa Manik Rao Pankule,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV.

#### BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIII IV 37EE 3156 84-85.—Whereas, I A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 79, Gectanjali Nagar, Yojna No e Bldg Csp Wing Off. SV Road, Borivli (West), Bombay-400 092 situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on

19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by tnore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 79, Bldg Csp Wing 8, Off S.V. Road, Borivli (West), Bombay 400092.

THE agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|IV|37EE|3156|83-84 dt. 19-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV,

Date: 13-8-1984

Scal :

FORM ITNS .--

(1) Shri A. K. Sogani & Smt. Shankutladevi Sogani. (Transferor)

(2) Smt. Pushpa V. Mehra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3217|84-85.-Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Suyog Apartments, C.T.S. No. 52, Village Mandpeshwar Road Dahisar, Taluka Borivli Flat No. 507, Borivli,

situated at Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

26-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 46-246GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Suyog Apartments, C.T.S. No. 52, Village Mandpeshwar Road, Flat No. 507, Dahisar, Taluka Borivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3217|83-84 dt. 26-12-83.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 9-8-1984.

(1) Shri Kishinchand Narsumal,

(Transferor)

(2) Shri B. P. Bothra & Smt. L.B. Bothra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. A.R.IV|37EE|3166|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 203, 2nd floor, C-Block Bldg. No. 4, Prem Nagar S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay-92,

Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203 2nd floor C-Block Bldg. No. 4, Prem Nagal S.V. Patel Road, "Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR | IV | 37EE | 3166 | 83-84

dt. 24-12-83.

A. PRASAD Competent Authority Inpsecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-IV Bombay

Date: 9-8-1984.

(1) Smt. Vimla K. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Bhogilal Loliyania.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3207|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the (acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing I-lat No. 4 1st floor, Borivii Suraj Co-op. Hsg. Sety Ltd., Simpoli Road, Borivii (W), Bombay-92, Situated of Rockylii (W)

Borlvli (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Borivli Suraj Co-op, Hsg. Society 1.td. Simpoli Road Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3207|83-84 dated 9-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

Date: 9-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. D. Panchal.

(Transferor)

(2) Shri H. M. Panchamia.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. AR.IV 37EE 3184 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing Bldg. No. 1, Flat No. A-9, 2nd floor, Kailas Apartments, Ram Baug, S.V. Rd, Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 260AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 24-12-83 24-12-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afficeatid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(e) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bldg. No. 1, Flat No. A-9, 2nd floor, Kailas Apartments, Ram Baug, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV|37EE|3184|83-84 dated 24-12-83.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I has be initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid positive by the issue of this notice under subsection (1) of . Jou 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1984.

### (1) Shri Himatlal. C. Chaudhari

(Transferor)

21989

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narotam. R. Vaya & Shri R.M. Vaya

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV

### BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|4666|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 103, 1st floor, B-Block Building No. 4. Frem Nagar S. V. Patel Road, Borivli (W) Bombay-82 stunted at Borivli (W).

(and more fully described in the schedule annexed nereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—1 as terms and expressions used herein as are set used in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 103 1st floor, B-Block, Bldg. No. 4, Prem Nagar S.V. Patel Road (W), Borivli Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|4666|83-84 dt. 9-12-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

- (1) Jude Construction
- (Transferor)
- (2) Shri Albert Francies & Smt. Mary Francies (Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR|IV|37EE|3116|84-85. -Whereas, I, . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 7, 2nd floor in Casa Moriana at Plot No. 93 at

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax cct, 1961, in the office of the Competent Authority ut Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wnd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7 2nd floor 'Casa Mariana' at Kandarpada Road Mandapeshwar village, Borivli (West), Bombay 400103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJIIJIV]37EE|3116|83-84 Dt. 17-12-1983

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

Date: 13-8-1984

cal:

(1) M/s Jude Construction

(Transferor)

(2) Shii Ronald Pater Fernandes

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, \CQUISITION RANGE-IV

### BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. A.R [IV|37|3115|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-

and Learing

No. Flat No. 6 1st floor 'Casa Marma' at Kandarpada Rd. Mandapeshwar Village, Borivli (West) Bombay 400 103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax cet, 1961, in the office of the Competent Authority 24

Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 NPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tas under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Flat No. 6, 1st floor, Casa Mariana, at Kandarpada Road Mandapeshwar Village, Borivli (West), Bombay 400103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|IV|37EE|3115|83-84 Dt. 17-12-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Mr. Kirit H. Sesai & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. V. R. Shrikhande.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISTTION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3193|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 203, in Bldg. B-40 Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W) Bombay-92. situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax cct, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ibjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferoor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 203, B-40 bldg. Yogi Nagar Eksar Road, Borivli Bombay-92.

The agreement has been to the with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3193|83-84 dt. 6-12-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pussuence of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-8-1984.

Scal

(1) Shri Rajeshkumar S. Batavia

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar M. Bargvia

(3) Smt. Gita R. Gopani, Shri R.D. Gopani. (Person whom the undersigned venous to be interested in the property)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV[37EE|3176|84-85.—Wheretas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing C-5 Jay Vijay Premises Co-op. Hsg. Society (proposed)

L.T. Road, Borivil, Bombay-92 and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax cct, 1961, in the office of the Competent Autho-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred Bombay on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

C|5 Jay-Vijay Premises Co-op. Hsg. Society, (proposed) L.T. Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3176 83-84 dt. 16-12-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 10-8-1984

47---246GI[84

(1) Shri Deepak Mangaldas Presswala

(Transferor)

(2) Shri Butab Ramanlal Desai

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3186|84-85. -Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

Flat No. G-10, 3rd floor Suibaba Dham, S.V. Road, Borivli(W) Bombay-92.

situated at Borivli(W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax cet, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 9-12-83

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Flat No. G-10, 3td floor, saibaba Dham, S.V. Road, Borivli (W) Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3186|83-84 dt. 9-12-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 10-8-1984

(1) Mrs. Kamal, S. Kutwal,

(Transferor)

(2) Mrs. Manju. D. Parwal

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE 3205184-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable

property Laving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 18, Survey No. 8 to 13 Bhuvaneshwari Bldg. Ramnagar Village, Nagathane, Borivli (W) situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the of the Competent Authority,

Bombay on 9-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta: Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Plot No. 18, Survey No. 8 to 13 Bhuvaneshwari Bldg, Ramnagar Village, Nagathane, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. ARIV 37EE 3205 83-84 dt. 9-12-83.

> A. PRASΛD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-8-1984.

(1) Smt. Naina Kiran Kulkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak R. Randive.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3204|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5|B, Esbee Apartments, Saibaba Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 28-12-1983
Officer at Karnal in December, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

5|B, 201, Esbee Apartments, Saibaba Nagar, S. V. Rond. Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3204 83.64. dated 28-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-8-1984. Seal:

- (1) Shri Venilal Uttameam Amighandwala.
- (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Ramesh Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3203|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Bldg, A-I Flat No. 13, Plot No. 3, Punit Nagar, Near Poisar S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 30-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument. the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

l lat No. 13, Bldg. No. A-l, Plot No. 3, Punit Nagar, Near Poisar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3203|83-84.

dated 30-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Date: 10-8-1984.

(1) Smt, Leela V. Rao.

(Transferoi)

(2) Shri B. P. Karnavat,

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3216|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing No.

Shop No. 24 A, Patel Shopping Centre, Chandaverkar Road, Borryli (W), Bombay-92 situated at Borryli (W)

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 21-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No. 24-A, Bldg., Patel Shopping Centre Premises Co-Op. Society Ltd., Chandaverkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3216|83-84 dated 21-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforese'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 10-8-1984.

نقطة المراجعة المراجعة والمراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة (ABCELL) - المراجعة (ABCELL) - ا

### FORM ITNS-

(1) Smt. R. S. Modi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Goyal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3111|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Garage No. 6, ground floor, Ganjawala Co-op. Hsg. Sety., Ltd., Ganjawala Lane, Borivli (W), Bombay-92. situated at

Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Garage No. 6, ground floor, Borivli Ganjawala Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Ganjawala Lane, Borivili (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|3111|83-84, dated 30-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3106|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Star Galaxy Apartment, 'A' 203, 2nd floor, L. T. Roud, Borivli (W) Bombay situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an dite agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Star Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Motilal H. Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Star Galaxy Apartment, 'A' 203, second floor, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3106|85-8-dated 26-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1984.

(1) Mls. Rahul Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben K. Dedia-

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3113|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No 5, Krishna Kuteer, Factory Lane L. T. Road Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48--246GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Krishna Kuteer, Factory Lane, L. T. Re Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3113|83-84, dated 3-12-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1984.

### FORM I.T.N.S .--

(1) S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

(2) Shri L. K. Murari Mishra.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3143|84-85.—Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Shop No. 2, ground floor Samarpan 'A' Daulat Nagar, CTS No. 2243 & 2244 Road, No. 3, Borivli (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULF

Shop No. 2, ground floor, Samarpan 'A' Daulat Nagar, Road No. 3, C.T.S. No. 2243 & 2244, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3143|83-84, dated 17-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income r
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 10-8-1984.

Seal;

(1) Shri Amarlal L. Makhija.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Meena Mandnani.

(Transferes)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3107|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the isocome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 407, Building No. C-3, Yoginagar Eksar Road, Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 407, Building C-3, Yogi Nagar, Eksar Road, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3107|83-84, dated 26-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incoming-time.
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

(1) Shrì Girishchandra K. Pathak.

(Transferor)

(2) Shri Natwarlal K. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Shri Natwarlal K. Mehta.
(Person in occupation of the property).

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3211|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing

luat No. B/9, Sahayog Bldg., ground floor, Bldg. of State Bank of Saurashtra Employees Co.op. Hsg. Scty. Ltd., Daulatnagar, Road No. 5, Borivli (E), Bombay-66 situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any recome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

lat No. B|9. Ground floor, Samayog Bldg., in State Bank of Saurashtra Employee's Co.op. Hsg. Scty., Ltd., Daulatnagar, Read No. 5, Boriveli (E), Bombay-66.

The agreement has ben registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3211|83-64, dated 26-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Rcf. No. ARIV|37EE|3110|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Shop No. 2, Kandivli Happi Apartment, Co-op. Hyg. Scty 1 d., Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Awatar Singh Sodhi.
- (Transfere:
- (2) 1. Shri Bhagwant Singh Chowdhery.2. Smt. Manjeet Kaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Kandivli Happi Apartment Co-op. Hsg. Scay. Ltd., Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3110|84-84, dated 9-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1984.

(1) Mrs. Estiswa Austin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr.Kantilal Ramji Suba.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3163|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. G-I, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

G-I Bldg., Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3163|83-84, dated 2-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authorit
Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

### PORM ITNS

(1) Ms. Arun International.

(Transferor)

(2) Mr. Harivallab P. Sharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3114|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. F|18, Saibaba Dham, 4th floor, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983

for an apprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Saibaba Dham, Flat No. F|18, 4th floor, Off S. V. Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3114|83-84, dated 5-12-1983.

A. PRASAD
Competent AuthorInspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of that notice under subsection (1) of section 269°D of the said act, to the follow-persons, namely

Dato: 10-8-1984.

(1) M/s. P. T. C. Sanghvi Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

(2) M|s. Visvesvaraya Iron & Steel Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984'

Ref. No. ARIV|37EE|3108|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 301, 3rd floor Vishal-I, NA Survey No. 55, S. No. 114E, Hissa No. 2, C.F.S. No. 8803, S.V. Rd., Simpoli Rd., Borvili (W) Bombay-22

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the gransfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Vishal I, S. No. 114, Hissa No. 2, C.T.S. No. 8303, S. V. Road, of Simpoli Rd, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3108|83-84 dt. 26-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-8-1984

Seal :

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:--

\_ v i \_ vr<sub>ac</sub>panemente a rall \_leine randomente and tipenamente entre

### FORM ITNS-

(1) Summer Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jatin Navinchandia Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV|37EE|3109|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and beating Flat No. 707, 7th floor, Bldg. No. 1, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kouakendra, Bonivii (W), Bombay-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 A. PRASAD,

in the Office of the Competent Authority at Dombny on 26-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, Bldg. No. 1, Summer Nagar, S. V. Road, Opp. Korakendra, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3109 83-84 dt. 26-12-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Con-missioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--49-246GI|84

Date: 10 8-1984

(1) Shri B. N. Golwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balmukund B. Singhal

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3173|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding mmovable property, ha Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 86, 2nd floor, Building No. CSP Wing-9, Geetanjali Nagar, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 9-12-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 86, 2nd floor, Bldg. No. CSP, Wing-9, Geetanjali Nagar, Off S. V. Rd, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37|3173|83-84 dt. 9-12-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :-

Date: 10-8-1984

### FORM LT.N.S.—

(1) Mls. Sumer Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shii Mansukhlal Amartlal

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3112|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Wing-B, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kora Kendra and Gokul Dham, Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 12-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall have see same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Wing-B, Sumer Nagar, S.V. Rd., Opp. Koia Kendra and Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 371-E 3112 83-84 di. 12-12-83.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

Date: 9-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIII|IV|37EE|3127|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing.

Flat No. 405, 4th floor, 'Alka-Bhuvan Co. op. Hsg. Society, S. No. 208, Hissa No. 2, C.T.S. No. 2246 Eskat Village Bortvalı (West), Bombay 400 092. situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. K. S. Thakur.

THE TAX TO SERVICE A TOTAL OF THE PARTY OF T

(Transferor)

(2) Mr. Babubhai Jiyabhai Jethya

(Transferee)

(3) Smi. Shantabai Ramchandra Mhatre & Ors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, 'Alka-Bhuvan Co. op. Housing Society, bearing survey No. 208, Hissa No. 2, C.T.S. No. 2246 Eksa2r Village Borivli (West) Bombay-82.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III | IV | 37EE | 3127 | 83-84 dt. 3-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-8-1984

PLETTER TYPE I AM TENDENCY S WHENT THE TENDE WE FARMANTY WHEN SO LINETIES.

(1) Shii K. S. Thakur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Denroj B. Sawant and Smi, Lujwanti D. Sawent

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OLFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV.

BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR,JII[ΓV]37FF]3128<sup>1</sup>84-85.—Whereas, I. λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Flut No. 303, 3rd floor, S. No. 208, fl. No. 2 C15 No. 2246 of Eskal Village, Borivili (West), Bombay-82. Situated at Borivali (W)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), he been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Pombas on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa' exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Itelitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to 3 acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the due of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respertive person, whethever period expires later;
- (h) by any other person intersted in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this protice in the Official Gazette.

Lattivette: The terms and pressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor Survey No. 208, H. No. 2, C.T.S. No. 2746, of Fakar Village Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/IV/37EE/3128/83-84 dt. 3-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Shri K. S. Thakur

(Transferor)

(2) Smt. K. Vishhakshi Hebbar Mr. Ashok K. Hebbar and Mr. Pramod K. Hebbar

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|IV|37EE|3160|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Fiat No. 901, 'Aika-Bhuvan' Co. operative Housing Soc. S. No. 208, H. No. 2 CTS No. 2246 Eskar Välage, Borivalı (W), Bombay-90

situated at Burivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 3-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 901, in 'Aika-Bhuvan' Co. op. Housing Society, bearing Survey No. 208, H. No. 2, C.T.S. No. 2246, Eskar Village, Borivli (West) Bombay-400 092.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[IV]37EE[3160]83-84 dt. 3-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Seal ·

### FORM I.T.N.S .--

(1) Mls Gokul Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrakant Yeshwant Telekar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|IV|37EF|3145|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, 4th floor, Wing-A, 'Punchvati' Scheme at Bortvali (West), Bombay-92

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcase

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 15 on the 4th 'floor in Wing-A in the 'Panchvan' Scheme situated at Borivali (West) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.tif[IV]37EE|31-45|83-84 Dt. 9-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-oction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-8-1984

The second state of the se

(1) Sanman Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Purshottam Agaskar

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bembay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III IV 37EL 3148 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under Section 269D of the income-tax, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable (1971), having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 301, Shefali Villa Co. op. Hsg. Society Ltd. Shefali Villa, I.C. Colony Road No. 5, Borivali (West) Bombay situated at Borivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 23-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties hip not been truly state I in the haid instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the frontiers to pay tax under the said Act, in respect or any moome arising from the transfer: and or
- (b) racilitating the concealment of any income or any the transfer of the latter which have not been of the latter to be disclosed by the transferer for as purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the eard Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:-

- 43 by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) oy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that ( h. ster

### THE SCHEDULE

Flat No. 301, Shefali-Villa Co. op. Housing Society Lta Shefali-Villa, I. C. Colony Road No. 3, Borivali (West,

The agreement has been registered with the Competen' Authority, Bombay vide serial No. AR.III IV 37EE 3148 83-84 Dt. 23-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in musuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquible of the property by the cone of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Pate: 13-8 1984

(1) M/s. J. I. Constructions.

(2) Mr. Subhash C. Sachdev and Mrs. Alka S. Sachdev.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III]IV|37EE|3120|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 301, 2nd floor Louides Bldg at I.C. Clony, Cross Road, Borivali (West), Bombay

Road, Borivali (West), Bombay situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 18-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

50 - 246GI/84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201 on second floot of Lourdes Building at I.C. Colony Cross Road, Borivah (West) Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|IV|37EE|3120|83-84 Dt. 18-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstr Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Fan : 13-8-1984

(1) M/s Sanman Constructions

(Transferoi)

(2) Shri Udaykumar Motiram Chikhale

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III/IV/37EE/3147 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 2, Shefali Villa Co. op. Housing Soc. Ltd. I. C Colony Road No. 3, Bornali (West), Bombay 400 013 situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 26-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Shefali Villa Co op. Housing Society Ltd., Shefali Villa, I. C. Colony, Road No. 3, Borivali (West) Bombay 400 013.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|IV|37EE|3147|83-84- Dt. 26-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-8-1984

Soel:

(1) M/s. Desai Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Mr. Isave P. Chauhan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3121|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 202. Plot No. 21, Gaur Kripa, Eksat Village, Holi Cross Colony, Borivali (West), Bombay-92. situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Plot No. 21, Gaur Kripa, Eksar Village, Holi Cross Colony, Borivali (West), Bombay-400-092.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37FE|3121|83-84

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

(1) Ms. Mankoo Builders and Contractors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maganlal L. Matu.

### GOVERNMEN'T OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1984

Ref. No. ARIV|37EF|2999|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 304, 31d floot, Gyan Darshan C.T.S. No. 328, Village Malad S. V. Rd, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 5-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad at S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2999|83-84 dt. 5-12-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8 8-1984

Seal

(1) Smt. Ugamdevi T. Jogani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA (2) Shri Dinesh Purshottamdas Patel

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2997|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. 2, 6th floor, Hermes Apartment, Plot No. VII Mooljee 'Nagar, S.V. Road, Kandivali (W), Bombay situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 19-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in the transfer of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 6th floor, Hermes Apartment, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V. Road, kandivali (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bembay vide social No. ARIV|37EF|2997-83-84 dt. 19-12-1983.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1984

Scal .

#### FORM ITNS----

(1) Shri Jayantilal Mafatlal Sanghavi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Mafatlal Sanghavi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 9th August, 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3006|84-85,---Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 102, 1st floor, Saroj B, Kamal Apartment, Sanker Lane, Kandivali (West), Bombay-400 067, situated at Kandivali (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-12-1983

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and⊄or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Saroj-B, Kamal Apartment, Sanker Lane Kandivali (West), Bombay-400 067.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3006|83-84 dated 9-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the vid Act, to the following persons, namely:-

D г : 9-8-1984

Sea!:

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri V. V. Vora,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIV/37FE/3981/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 303, floor, Gyan Amrit, Satilal Mody Rd., Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W), the been unansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 23-12-1983 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 303, 3rd floor. Bldg. Gyan Amrit Shatilal Mody Rd., Kandivli (W) Bombay-67,
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No ARIV 37FE 2981 83-84 Date 23-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. gamely:-

Date: 9-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1983

Ref. No. ARIV|37EF'2983|84-85.—Whereas, [, A. PRASAD,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

Shop No. 7, ground floor, Shiv Krupa C.T.S. No. 363 of Village Kandivali S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 17-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Romlakhan Chheddi Yadav

(Transferor)

(2) Shri Batuknath H Mishra

(Transferee)

(3) Mis. Fairdeel Const.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Shiv Krupa C.T.S. No. 363, Village Kandivli, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2983 83-84. Date 17-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 5-8-1984. Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 6th August 1983

Ref. No ARIV|37FF|2971|84-85 - Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 202, floor, Rajkishore E-Wing, Village Kandivli Tal: Maurin Street, M. G. Road, Kundivli (W) situated at

Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Girlraj Construction Corpn.

(2) Mr Rajendra J. Karia

(Transferor)

22925

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the boo Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Rajkishore 'E' Wing, Village Kandivli Tal: Maurin St., M.G. Road, Kandivli (W) Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV:37EF | 2971 | 83-84 Date 9-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bembay

Date: 6-8-1984

Seal:

51-246GI 84

(1) Mls Unique Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3051|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing
Flat No. 7, Siddhi Apartment, Parbat Nagar, S. V. Road,
Dehisar (East), Bombay-400 068 situated at Dahisar (E)
(and mere fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority,
Bombay on 14-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and T have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Natvarlal Shri H. Kantelia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Siddhi Apartment, Parbat Nagar, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3051|83-84. Date 13-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombav.

Date: 10-8-1984.

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3087|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Survey No. 270, Hissa No. 1, C.T.S. No. 861 & 863, ha-rne-ker Villa Ranchoddas Marg, Dahisar (East), Bombay-68 exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 26%AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 13-12-1983 for an apparatuse and the section 26%AB.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Kiran Hanumant Sowani

(Transfe →r)

(2) Ms. Ashik Builders.

(Transferee)

1. Mr. J. A. Fernandes

(2) F. A. Fernandes

(3) Mrs. Martia Fernandes & Others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 270, Hissa No. 1, C.1.S. No. 861 & 863, 'Harneker Villa', Ranchoddas Marg, Dahisar (West), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide Serial No. ARIV 37EE 3087 83-84. dated 14-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 10-8-1984,

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY
Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EF|3041|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 3, Ground Floor, Dahisar Barikha Co-operative Housing Society Limited, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068, situated at Dahisar (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the "foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Vinodrui P. Oza, and Smt, Manjula V. Oza.

(Transferor)

(2) Dr. Ashok P. Sanghvi

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Dahisar Barkha Co-operative Housing Society Limited, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3041|83-84. Date 30-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date1: 10-8-1984,

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Rei No. ARIV|37EE<sub>1</sub>3105<sub>1</sub>84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Industrial Premises in the Compound known as Raju Industrial Estate, Industrial Shed No. 21, Opp. Golden Chemicals (P) 1td, Dahisar, Bom'oay-68 situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in tespect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mis. Raju Construction Co.

(Transferor)

(2) Ms. Heatly & Gresham (India) Ltd.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial premises in the Compound known as Raju Industrial Estate, Industrial Shed No. 21, Opp. Golden Chemicals (P) Ltd., Dahisar Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EF|3105|83-84. Date 2-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-3-1984.

(1) Ramdhar Badri Pande

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, ROMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No ARIV|37EE|3104|84-85 -Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, Varsha Building, 5 V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068, situated at Dahisir (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 6-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (a)
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(2) Dhansukhlal Chhotulal Waghela

(Transferor)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Versha Building, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3014|83-84 dated 6-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-8-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3037|84-85.--Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 8|D in Building No. A-5 in Dahisar Shree Avadhoot Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Dahisar (E),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 12-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ocen truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Priya Kishin Ramchandani & Mrs. Bina Raju Jagtiani.

(Transferor)

(2) Mr. Vasantji Thakurshi Dedhia

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8|D in Building No. A-5 in Dahisar Shree Avadhoot Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3037|83-84. Date 12-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

Scal .

#### FORM UTNS---

(1) Mis. Space Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Pranlal Prabhudas

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3102|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 61-62|1, Chhtrapati Shivaji Marg, Dahlsar (East), Bombay situated at Dahlsar (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

Bombay on 6-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 61-62|1, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombav.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3102 83-84. Date 6-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-12-1983

(1) M|s. Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitubhai Kapadia

(Transferces)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3059|84-85.—Wheress, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market 'salue exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 61-62|4 and 5, Chhatrapati Shivaji Marg. Dahisar (East), Bombay situated at Dahisar (E)

(Fast), Bombay situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of theCompetent Authority, Bom boyan 6-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 61-62|4 and 5, Chhatrapati Shivaji Marg Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIV|37EE|3059|83-84. Date 6-12-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—246GI|84

Late: 10-8-1981.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3063|84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

ceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 6, Groun's floor, 'G' Building in Misquitta Nagar, Chhatropati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

situated at Dahisar (E).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay 28-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that I. consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fial-dity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S. Virdi Builuders Pvt. Ltd. 1 Patel Madhaylal Ishverbhai &

(Transferor)

2. Patel Dashrathbhai Ishverbhai

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date ofthe publication of this notice in the Official Canetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used users as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, 'G' Building, in Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East). Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 3063 83-84.

Date 28-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, lu pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—.

Date: 10-8-1984.

- (1) M|s. S. Virdi Bullders Pvt. Ltd.,
- (Transferor)
- (2) Shrikant Govind Bidaye.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3069|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 4, Ground floor, 'H' Building, in Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East) Bomoay-400 068 situated at Dahisar (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 28-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4 Ground floor, 'H' Building, in Misquitta Ngr., Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3069|83-84. Date 28-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984.

(1) Space Builders Private Limited

(Transferor)

(2) Shri Chandulal S. Maiithia

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3034|84-85.—Whereas, I

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovks. 25,000- and bearing
Shop No. A3-A4|2, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East),
Bombay situated at Dahisar (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 12-12-1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### The SCHEDULE

Shop No. A3-A4|2, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|3034|83-84 dt. 12-12-1983.

A. PRASAD Compentent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1984

(1) Space Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. C. Desai

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3078|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the facome tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing

Shop No. 61-62|11, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East), Bombay situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay situated at Dahisar (E)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen p - cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### The SCHEDULE

Shop No. 61-62]11, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3078|83-84 dt. 6-12-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

(1) Space Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smi. Nirmalaben Jayantilal Raichadda.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3060|84-85.-Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 63-64|9, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East),

Bombay situated at Dahisar (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 6-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

#### The SCHEDULE

Shop No. 63-64 9, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (East),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3060 83-84 dt. 6-12-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1984

Sen1:

(1) Space Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nanalal Kishanlalji Joshi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3079|84-85.-Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. A3-A4|12, Chhatrapatl Shivaji Marg, Dahisar

(East), Bombay situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### The SCHEDULE

Shop No. A3-A4|12, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar (East), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3079|83-84 dt. d. 6-12-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 10-8-1984

Scal .

#### FORM I.T.N.S.-

#### (1) Space Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal N. Majithia & Smt. Chandrika M. Majithia

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3066|84-85.-Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. A3-A4 4, Chhatrapati Shiyaji Marg, Dahisar

(East), Bombay situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-12-1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than itteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

th, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. A3-A4|4, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlear (East) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EF 3066 83-84 dt. 9-12-13

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-8-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3238|84-85.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Plot No. 2, Holly Cross Road, Borivli (W), Bombay-400 103 signated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—246GI[84]

ر و در الأسر من والإرادة و <sub>المناط</sub>عة الأسر و المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناط

Mrs. Vincentina Cardozo
 Miss Fanny Cardozo Nee

3. Mrs. Fanny Perera

(Transferors)

(2) M|s. Shreyas Constructions

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, Holly Cross Lane, Borivli (W), Bombay-400 103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3238|83-84 dt.]-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date: 7-8-1984

#### FORM ITNS----

(1) Ms. Arihant Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Digamber Dhondu Salvi

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIV|37EE|3543|84-85.-Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 3, B-Wing, Babubali Towers, Desai & Seth Nagar, Off S. V. Rond, Bornyli (W) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 3-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expres later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Shop No. 3, B-Wing Bahubali Towers, Desai & Seth Nagar, Behind Sai Baba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W).

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|3543|83-84 dt. 13-8-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-8-1984

#### (1) M|s. Commercial Development Corpn.

(Transferor)

(2) Dr. Ramnik Balubhai Chauhan

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4644|84-85.--Whereas, I  $\Lambda$ , PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Deepak Apartment, Plot No. 14, Lower Govind Nagar, Pavanbaug Road, Chincholi, Malad (W). Bombay-400 064 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Deepak Apartment, Plot No. 14, Lower Govind Nagar, Pavanbaug Road, Chincholi, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4644 83-84 Dt. 1-12-1983,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-8-1984

(1) Jayantilal U. Chavji

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahendra M. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4715|84-85.--Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. C|64, Malad Sheetalanath Co-op Society Ltd. S. V. Road, Makad, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C|64 Malad Sheetalnath Co-op. Society S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37EE|4715|83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-8-1984

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4733|84-85.—Whereas, 1 A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 201, 2nd floor, "Trezave" CTS No. 450 situated at Valanai on Demonte Lane, Olf Murve Road, Orlem, Malad (W), Bombay

(W), Bombay on 1-12-1983

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arch Builders

(Transferor)

(2) Mrs, Germina Julie Dias & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 201, 2nd floor Trezave, CTS No. 450 of Vlanai on Demonte Lane, Off Marve Road, Orlem, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III IV 37EE 4733 83-84 Dt. 1-12-1983,

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1...

Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-8-1984

Scal :

FORM JTN5-

(1) M|s. Diligent Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Puishottam Laxman Chauhan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4551|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat in Plot No. S. No. 4, H. No. 6, situated at Tank Road Malad (West), Bombay-400064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in Plot S. No. 4, H. No. 6, Tank Road Malad (West), Bombay-400064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III|37EE|4551|83-84 dated 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-8-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# GFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4556|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Block No. B-12, 3rd floor Vikash Co-operative Housing Society situated at Ramchandra Lane, Malad, Bombay, (and waste fully described in the schools between the property of the schools between the sc

Block No. B-12, 3rd floor Vikash Co-operative Housing Society situated at Ramchandra Lane, Malad, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-12-19883

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Tahira Haji Haroon Khan.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpadevi J. Sanwalaka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. B-12, 3rd floor Vikash Co-operative Housing Society, Ramchandra Lane, Malad, (W) Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4556|83-84 dated 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JH, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal:

#### FORM ITNS-----

(1) M|s, R. & D. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anant Sadashiv Rangnekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4696|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Evergreen Apartments 'B', Plot of land bearing No. CTS No. 30200 (part) situated at Valuai Village, Marve Road,

Malad (West) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Evergreen Apartment 'B', Plot of land bearing CTS No. 30200 (part) of Valnai Village, Marve Road, Malad (West) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4696|83-84, dated 1-12-1983,

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 13-8-1984

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Radha Balu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shrinivas Muddanna Shetty.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4783|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Flat No. 18, Jaydeep Co-operative Housing Society Ltd., situated at

Rifle Range, Ghatkopar (West), Bombay-400086.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 16, Flat No. 18, Jaydeep Co-operative Housing Society Ltd., Rifle Range, Ghatkopar (West), Bombay-400086.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4783|83-84, dated 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 19-8-1984

Seal:

54---246GI[84

(1) Shri Lal Khuhaldas Diasinghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinkarrai Amritlal Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August, 1984

Ref. No. AR.III 37EE 5017 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

heing the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 189, 4th floor Hanmati Co-operative Housing Society Ltd., Ghatkopar, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein | 26 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 52 Bldg. No. 189, 4th floor Pant Nagar, Bombay Hsg. & Area Dev. Board Ghatkopar, Bombay. The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5017 83-84, dated 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) Mr. Hasmukhrai M. Desal.

(Transferor)

22051

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. Narayan Nair.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4921|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 235|6141 Shivdarshan Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay-400075.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

l·lat No. 235|6141 Shivdarshan' Pant Nagar, Gha kopar, Bombay-40007.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III[37EE]4921[83-84, dated 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income day
Acquisition Range, Bombay

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Pramila Ratilal Patel.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas Bhikappa Shenvi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4553|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believt that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 312, third floor Lata, Amrut Nagar, Ghatkopar

(W), Bombay-400080.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 312, third floor Lata, Amrut Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-400086.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|XX|37EE|4553|83-84, dt. 1-12-1983.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) M/s Om Parkash Tolaram

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jaswant Singh Narang & Ors

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III,
BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref No. AR III|37EE|4960|84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269D at the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

Flat No 606, 6th floor Vaikunth", 357 Little Malabar Hill. Sindhi Society, Bombay 71

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 606, 6th floor 'Vaikuuth'', 357 Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay-71

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III]37EE[4960]83 84, dated 1-12-1983.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III Fombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 13-8-1984

(1) Ms. Mahesh Builders.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulabbhai Mulchand Goshar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref No. AR III|37EE|4795|84-85.—Whereas, I, A. PRASAL being the Co viscient Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable proper by, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and be using
Fiat No. 302, 3 of floor, "Sai Apartment", L.B.S. Road,

Ghatkopar (W), Bo, thay situated at Bombay (and more fully desc wheel in the Schedule annexed hereto),

has been transferred a and the agreement is registered under Section 269AB of the I. Regine-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afores aid property and I have reason to believe that the fair market walne of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such important consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly at seed in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of eval ion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, "Sai Apartment", L.B.S. Road, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.HI|37EE|4795|83-84, dated 1-12-1983.

A, PRASAD Competent Authority Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 13-8-1984

Scal:

(1) Mls. Omprakash Tolaram.

(Transferor)

(2) Mr. Chalson D'souza & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4961 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 1 Ground Floor "Vaikunth" 357, Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay-71 situathed at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the unasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 Ground Floor "Vaikunth" 357, Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III.37EE.4961.83-84, dated 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-8-1984

Scal ;

(1) Shri Manohai Sugan Malchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan Sitaram Bane,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4925 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. JA, first floor, Building No. 3, Satya Jivan Cooperative Housing Society Ltd., L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-

70, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. IA, first floor, Building No. 3, Satya Jivan Co-operative Housing Society Ltd., L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III.37EE|4925|83-84, dated 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-8-1984

### FORM ITNS-

(1) M/s Modern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sridhar Shivram Gothankar.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-TIL BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4986|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000 and bearing No. Flat No. 11, Plot No. 81, Kanjur Co-operative Housing Society, Ltd. Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 1-12-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 81, Kanjur Co-operative Housing Society Itd Kanjur Marg, Bhandup, Bombay-78,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4986 83-84, nted 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following narsons, namely : -

Date: 6-8-1984

Scal:

55-246GI 84.

(1) Ajay Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Bharati Dattaram Sawant and Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, EOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|5008|84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 6, 1st fl Rushabb Aashish Mulund (Fast), Bombay-81.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 6 1st fl. Rushabh Aashish Mulund East, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/IV/37EE/5008 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-8-1984

Scal :

FORM LT.N.S.-

(1) Aay Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep M. Deshpande and Ois.

(Transforce)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

ARIII|37EE|4843|84-85.--Whereas, I, Ref. No. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Flat No. 2, Gr. Fl. Rushban Chhaya, Plot No. CTS No. 564 Mulund, Bombay-81. Chhaya, Plot No. 74 (pt)

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefore by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lat No. 2 Ground Fl. Rushban Chhaya, Plot No. 74 (pt) CTS No. 564 Mulund, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4843 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Fax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 6-8-1984

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramaswami.

(Transferer)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

ARIII|37EE|4842|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- bearing Flat No. 5, 1st fl Rushabb Darshan, Plot No. 74, D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81. situated at Rombov

situated at Bomboy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomptax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfet, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereit, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st fl. Rushabh Darshan, Plot No. 74, C.T.S. No. 564, Off '90' wide, D. P. Rd. Mulund (E) Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR. III|37EE|4842.83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1984

Soul :

### FORM I.T.N.S.--

(1) M|s. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Mr. E. J. Varghese.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACI 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.111/37EE/4985/84-85 -- Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flut No. 9, Plot No. 81, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd. Kanjur Marg, Bombay 400 078

situated at Bombay,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Plot No. 81, Kanur Co-op. Hsg. Society Ltd. Kanjur Marg. Bombay 400 078. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III IV 37EE 4985 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1984

Soal:

(1) Ms. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Lal & Others.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4786|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 51-A, 'A' Wing fifth 'fl. Neelima Apartment Jungle Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceed, the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 51-A, 'A' Wing, fifth floor, Neelang Apartment, Jungal Mangal Road, Bhandup Road, Bhandup, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE 4786, 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dafn: 6-8-1984

(1) Ella Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rijush Kanti Roy.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR. III 37EE 4969 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Model Town Ladingto Colony Multind (West) Prophoto-

Model Town, Ladiwala Colony, Mulund (West), Bombay-400 080 Flat No. 54, 5th floor, Falguni.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 54, 5th floor 'Falguni'. Model Town, Ladiwala Colony, ulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. 111/37EE/4969, 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1984

Mis. Ganosh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Christina Lawrence D'Mello.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4877|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to. as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No Flat No. 21, 'A' Wing 2nd fl. 'Neelima Apartment' S.R.S.

Marg, Bhandup, Bombay 400 078.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, 'A' Wing 2nd fl Neclama Apartment' S.R.S. Marg. Bhandup, Bombay 400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide perial No. AR, III 37EE 4877, 83-84 Dt 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1984

(1) Ms. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. Saraswathi Kurup.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII 37EE 4876 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Flat No. 11, 'A' Wing first fl. 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay 400 078. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that she fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56---246 GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 'A' Wing, first 'fl, 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay 400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR[III]37EE[4876, 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 6-8-1984

Scal:

FORM ITNS ---

(1) M Ganesh Builders.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shomenath Paul & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII|37E1-|4787|84-85......Whereas, I, A. PRASAD,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing No. Flat No 53 'B' Wing fifth fl 'Neelima Apartment' Jangal

Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazet ee.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said are Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 53 'B' Wing, 5th fl. 'Neelima Apartment' Jungat Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4787, 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-8-1984

Scal:

(1) Mis. Ganesh Builders,

(Transferor)

(2) Shri Gee Vargese Joshua.

(Transferce)

# NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR III|37EE|4970|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing

Flat No. 1, 'B' Wing, Ground Fl. 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Bhandup, Bombay 400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: "The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 'B' Wing, Ground Fl. 'Neelima Apartment' Jungal Mangal, Bhandup, Bombay 400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide schal No. AR.III|37FE|4970|83-84 Dt 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-8-1984

(1) Shri P. N. Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chaupaklal Jiwaraj Mathuria.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|5029|84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000; and bearing
B. N. Kothari Estate Survey No. 200, Godown No. 216
Agra Road, Bhandup, Bombay 400 078.
situated at Bombay

and/or

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; the said instrument of transfer with the object of :-

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

Godown No. 216, 2nd Floor, B. N. Kothari, Estate, Survey No. 200 (Pt) Agra Road, Bhandup, Bombay-78.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III/37EE/5029, 83-84 Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 6-8-1984 Scal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### FORM TINS-

(1) Velani Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Patel Corpn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|5025A|84-85....Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land bearing Plot No. 57 Survey No. 38, Hissa No. 1 (pt) Village Kirol D. P. Road, Ghatkopar, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tals notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land on plot No. 57 Survey No. 38, Hissa No. 1 (pt) Village Kirol D. P. Road, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|5026A, 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the used Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely '---

Date: 14-8-1984

(1) Saud Abdul Aziz Almatar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Blue Diamond Const. Co.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4891 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. N. 141, H. No. 10 (pt) (Northern) and CTS No. 6484, 6485 and 6486 Kole Kalyan, Kalina, Santacruz (E), Bombay-55.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 141, H. No. 10 (pt) (Northern) and CTS No. 6484, 6485 6486 Kole-Kalyan, Kalina, Santacruz (E) Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III|37EE|4891, 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sad Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-8-1984

### FORM ITNS----

(1) Shri C. K. Gopalkrishan Nair.

(Transferor)

(2) Vishnu Dutt Dinanath Bhara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIII 37EE 4904 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. B 17, Fourth Fl. Shital Apartment, J. M. Road, Bhandup (W), Bombay 400 078.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration inference by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B 17 fourth fl. Shita Apartmpent, J. M. Road, Bhandup (West), Bombay 400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4904, 83-84 Dt. 1-12-1983,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-8-1984

(1) M/s. Arshi Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Lancy D'Souza.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4780|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

Bombay on 1-12-1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. C.T.S. No. 188 & 188 1 to 28 Bhandup Village Gam-devi Road, Bhandup (West), situated at Bombay-78 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons access:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given me that Chapter.

### THE SCHEDULE

CTS No. 188, and 188 1 to 28 of Bhandup Village, Gamdevi Road, Bhandup (West), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4780, 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-8-1984

### FORM ITNS----

(1) Mi, Gobind Daryanani.

(Transferor)

(2) M|s, G, D, and Sons.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref No. ARIII|37LF|4992|84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, .ci, 1901 (43 of 1961) (hereinafter seferred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-

Road, Mulund (14), situated at Bombay-400-080 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of in fer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gnzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettr

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 235 2nd fl. Gobind Udyog Bhavan Baltajeshwar Road, Mulund (West), Bombay-400080.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4992 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, frim ly--57—246 GI 84

Date . 9-8-1984

(1) Namparam Co-op. Hsg. Sct.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Jawali Sahkari Bank Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY.

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII[37.EE]4996[84-85---Whereas I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Flat No. 17, Jamnaram C.H.S. Ltd. R.P. Rd. Mulund, Bombay-80, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or which sets sinch have not been or hought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 11.77 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, Jamnaram Co-op. Hsg. Sct. Ltd. R.P. Road, Mulund, Bombay-80.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4996|83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 9-8-1984

(1) Hemlata Vinodiai Patel.

(Transferor)

(2) Shri Shah Manilal Nanji.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIII]37EE]4781[84-85—Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 13, Nimish Apartment, Plot No. 1112, Survey No. 1080 Devidayal Rd., Mulund, Bombay-400 080 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  $\epsilon$  the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13, Nimish Apartment. Plot No. 1112 Survey No. 1080, Devidayal Road, Mulund, Bombay-400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4781, 83-84 Dt. 1-12-1983.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 9-8-1984

# FORM ITNS----

(1) Mis Patel Bhanji Katamshi & Co.

(Transferor)

\_\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Supriya Rashanath Ramdas,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4998|84-85-Whereas J, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000; and bearing No. Flat No. 6, (Aryavarta), P. No. 2, S. No. 94, H. No. 1(P) CTS No. 1071 (P), Mithagar Road, Mulund (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: — The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 2, S. No. 94 H. No. 1 (p) CTS No. 1071 (p), Mithagar Rd. Mulund (E), Bombay

The agreement has been registered with the Competent uthority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4998 Authority, Bombay 83-84 Dt. 1-12-1983

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 14-8-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ashok Tribhovan Sapani.

(Transferor)

(2) Shri Haren Kantilal Mehta,

(Transferee )

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1984

Ref. No. ARIII[37EE|4660<sub>1</sub>84-85—Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. B'eck No. 311, Building No. 20, Sidharath Nagar No. IV,

Brock No. 311, Building No. 20, Sidharath Nagar No. IV, Goregaon (West), Bombay-400062 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority at

Bonibay on I-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazenia

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the some Act, shall have the some meaning a given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 311, Bldg No. 20, Sidharash Nagar No. IV, Goregaon (West), Bombay 400062.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4660, 83-84 Dt. 1-12-1983

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assiv Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III Bombay.

Date . 9-8-1984 Seal : \_\_\_\_\_\_\_

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-Ш, ВОМВАЎ.

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIII 371. \( \) 14736 84-85—Whereas 1, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Hat No. 14, 31d floor Building No.-R-2, Goverdhan Giri coop. Housing Society Ltd., Bangur, Goregaon (West). Bombay-90 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kamaljit Sing Grewal.

(Transferor)

(2)Shri Madanlal S. Sharma.

(Transferee)

(3) Shri K, S. Grewal

(Person in occupacion of the property)

(4) Maharashtia Finace Society

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Building No. R-2, Goverdhan Girl Co-op. Housing Society Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIM|37CE|4736, 83-8-3 dt. 1-12-1983

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 10-8-1984

Seal

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY.

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. ARIH 37FE | 4686 84-85---Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000l- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 44, 3rd floor, Hinnen Shopping Centre, Unit
No. 4, S. V. Road, Goregaon West, Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) P. H. Nonsey Land Development Corporation.
  (Transferor)
- 1. Shri Lalji Lakhmidas Gajra &
   2. Smt. Jashodaben Lalji Gajra.

(Transferee

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No 44, 3rd floor, Hirnen Shopping Centre Unit No. 4, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-400062

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV[37EE]4686[83-84 dt 1-12-1983

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 10-8-1984

FORM PINS ---

(1) Mr Rasiklal i Dave

(Transferor)

NOTICE UNDIR SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis, Pratibha S, Pa-radkar

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR 111/37EE/4624/84-85---Whereas I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 5, 2nd Poot, Plot No. 6, CTS No. 112/6, at Village Councha h, Goregoon (Enst), Bombby-63

situated at Gorgaon (L)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). han been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bobay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patt has not been truly stated in the said instrument of that of the object of the Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

FARLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 5, 2nd floor, of the Proposed building on Plot No. 6, CTS No. 112|6, at Village Chinchavli, Goregaon (East), Bombay-63

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR IV 37EE 4624, 83-84 dt. 1-12-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex Acquisition Range-III Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions camily

Date: 10-8-1984

Ser1:

### FORM TINS-

(1) Mrs. Rukshamaniben Dhirajilai Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dhiraglal Mataled Shah

(Transferee)

Mr. Rajesh Kumar Jeisinhbhai Shah, Mrs. Meenaben Rajeshkumar Shah.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR III|37EE|4770|84-85-Whereas J, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat No 36, 3rd floor, Unit No. 5, Hirnen Shopping Centre, M. G. Road, Goregnon (West), Bombay-62 structed at Goregnon (W)

situated at Goregaon (W)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-121983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd floor, Unit No. 5, Hirnen Shopping Catre, M G. Road, Gorcgaon (West), Bombay-400062

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No AR.IV|37EF|4770, 83-84 dr 1-12-1983

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bonnav.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--58-246GI 84

Date : 10-8-1984

FORM I.T.N.S.——

(1) Mr. Santosh T. Teckchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shyam Sunder Kabra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 10th August 1984

Ref. No. AR III|37EE|4597|84-85-Wheheas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat No 15, Building No R-2, 3rd floor, Plot No 14-A, Survey No 161, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-90, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 15 in Building No. R-2 on 3rd floor, Plot No. 14-A, Survey No. 161. Bangur Nagar, Goregaon (West). Bombay-400090.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR. III 37EE 4597 83-84 dt. 1-12-1983

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

# (1) Shri Shashikant Raghunath Garde,

(Transferor)

(2) Smt. Shailaia Dinkar Shinde.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bonibay, the 13th August 1984

Ref. No. AR III[37EE|5034A|84-85---Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. C|403, 4th floor, M. E. Arunachai Co.-op. Hsg.
Society Ltd., Pahadi, Arey Road, Goregaon (E), Bombay400063 situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C|403, 4th floor M. E. Arunachal Co-op. Hsg. Society Ltd., Pahadi, Arey Road, Goregaon (E), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37EE 5034-A' 83-84'dt: 13-12-1983.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 13-8-1984

- (1) Shri Harjivan Manohardas Patel.
- (Transferor)
- (2) Shii Mukundkumai Mathurdas Kaiia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 9th August 1984

Ref No ARIII 37EE 4894 84-85—Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Flat No. A 16. 2nd fl Harsha Apartment, Off Di. Rajendra

Prasad Road, Mulund (w), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

# THE SCHEDULE

Flat No A|16, 2nd fl Harsha Apartment, Off. Rajendra Piasar Road, Mulund (West) Bombay 400080

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III 37EE 4894, 83-84 Dt 1-12-1983.

Date 9:8-84 Seal:

# (1) Smt. Pragna A. Doshi.

(Transferor)

(2) Rajesh Gaind & Kukesh R. Kapoor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY.

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4914|84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 7 ground fl. Shushila Apartment, Sarojani Naidu Rd. Mulund (W) Bombay-80 Bombay, on 1-12-1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Autho-

Bombay, On 1-12 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground fl. Shushila Apartment, Sarojani Naidu Rd. Mulund West, Bombay 400080

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/4914/83-84 Dt. 1-12-1983.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Incomeltax Aquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1984

(1) Ashapura Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babubhai H. Fulia & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.37EE|4913|84-85.---Whereas, I

A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ganesh Krupa Flat No. 22 Plot No. 100 S. No. 1000 Mulund

R. H. B. Kd. Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269. AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than alteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Ganesh Krupa Flat No. 22, Plot No. 100 S. 1000 Mulund R. H. B. Rd. Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR|III|37EE|4913|83-84 dt. 14-8-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

Date: 14-8-1984

- (1) Smt. Radivatben Narshi Shah.
- (Transferor)
- (2) Smt. Javalaxmi Pritamial Bhatt & ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR. 37HE 5020 84-85.—Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No. Flat No. 207 2nd fl. Bldg. G Sarita Narayan Nagar, Soin Trombay Road, Sion, Bombay-22 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on I-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the afficesaid persons which a person of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor. Bldg. 'G', Sarita Narayan Nagar, Sion Trombay Road. Sion, Bombay-22
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 5020 83-84
Dt. 1-12-1983

A PRASAD

Bombay.

Competent Authority

Acquisition Range-III

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Date : 6-8-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# . . .

# (2) Shri Mohammed Akhtar Khan.

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR III|37EE|4908|84-85---Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rg. 25,000!- and bearing

Flat No 2, Ground F. 'F' Wing Bldg. No. 2, Damodar I'ark, 1.8 S. Marg. Ghatkopan (West), Bombay-400086 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Fl. 'F' Wing Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.C. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400086. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|4908 83-84 1-12-1983.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Bombay.

Date: 6-8-1984

#### 22089

### FORM (I'NS-

(1) Ms. Gold Coin Builders

(Transferor)

(2) Mr Prabhakar Dhaha Shetty

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII 37EE 5024A 84-85 - Whereas, I A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. B[35, CTS No. 694 to 698 and 699(p) Kole Kalvan. Vakola, Santiaciuz (E), Bombay 55, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269¢ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-- 59-246 GI|84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

1 lat No B125, Shiv Ganga CTS No. 694 to 698 and 699 (p), Kole Palyan Vakola, Santacruz (P), Bombay-55.

He agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/37EE/5024-A/83-84 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date . 6-8-1984 Scal .

(1) Shri Narendra M. Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. Naina Kishoi Malavia & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR[II]37EE|4778]84-85.—Whereas, I A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 18, Mahavir Cottage, 125, Garodia Nagar, Ghatkopar East, Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 18, Mahavir Cottage, 125, Gaiodia Nagar, Ghatkopar (Γast), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III[37EE]4778[83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 6-8-1984

Seul:

### PORM ITNE---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ret. No AR. III|37EE|4806|84-85.--Whereas,I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and beging No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat No. 31. Bhagiathi Villa 3rd floor, Amut Nagar, Ghatkopar (W) L.B.S. Marg, Bombay-400 086 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Sheth Enterprises

(Transferor)

22091

(2) Shri Rajan V. Vohia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 31, Bhagarathi Villa, 3rd floor, Amut Nagar, L.B.S. Maig, Ghatkopar (W), Bombay-400 085.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37FE|4806|83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tux
Acquisition Range III. Bombuv

Da e: 6-8-1984

#### FORM ITNS—

- (1) Shii Khushal Uttamchand Phopharia.
- (Transfere
- (2) Shri Dhuen Manifal Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARHI[37EE]4883[84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 604, Damodar Park, Wing B Bldg. No 3, Lal Bahadur Shashtri Marg, Chatkopai (W), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULL

Flat No. 604, Damodor Park Wing B, Bldg. No. 3, L.B S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide settal No. AR III/37EE/4883/83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the is me of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Date: 14-8-1984

### FORM I.T.N.S.--- --

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37FF|4916|84-85,—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No 6, 'Ganga' Bldg, Hissa No 3, Deonar and Boila Village, Covandi, Bombay-400 080 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-12 1983

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be over that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harı Kripa No. II Co-op Hsg. Society Ltd. (Transferor)
- (2) Shii Ravindia Pialhad Jagtap

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The No. 6 Bldg Ganga plot Survey No. 40, Hissa No. 3, Survey No. 91, Hissa No. 1, Deonar and Borla Village, Govandi, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No 4AR III/IV/37EE/83-8 Dt. 1-12-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Dac: 6-8-1984

(1) Shri Jitendra Bahadui Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Siba Prasad Mukherjee and Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

Ref No AR III 37 EE 4993 84 85 --- Whereas, I A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 11-Plot No 8 Aziz Baug, Chembur, Bombay 400 074 situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1 12 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- THE SCHEDULE

Flat No. 11-Plot No 8, Aziz Baug, Chembur, Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/4993/83-84 Dt 1-12-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissionei of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores it property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 4 8 1984 Seal.

FORM ITNS----

(1) Shri Kirit Kumar Chootalal Shah and Ors. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Shri Shashikant Chhotalal Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4971|84-85.-Whereas, I

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Portion of Room No. 24, Chawl No. 243 L Ward No. 3698,

Kurla, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Room No. 24, Chawl No. 243, L-Ward No. 3698, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE 4971 83-84. Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date: 7-8-1984

(1) Dr. Meduri Dattatreya Sastry.

(Transferor)

(2) Mrs. Shylaja Bhaskaram.

(Transferee)

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4816|84-85 —Whereas, J A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shivdarshini Co-op Hsg. Society Ltd. Flat No. 7, plot No. 155 Garodia Nagar, Ghatkopar Fast, Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Om Shivdinshini Co-op Hsg Society Ltd. Flat No. 7, in plot No. 155, Galodia Nagar, Ghadopai Fast, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III|37EE|4816|83-84 Dt 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-8-1984

(1) Shri Govindrajan Srinivasan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1:1

(2) Mrs Radha Balu.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

WIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4784|84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-

and bearing No. Flat No. 16, Jayadeep Co-operative Hsg. Society Ltd. Rifle Range, Ghatkopar (W), Bombay-400 086 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Lombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the frair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

60--246 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I lat No 16, Jayadeep Co-op. Hsg. Society Ltd Rifle Range, Ghatkopar (W), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authorist Borobay vide seri I No. AR.III]37EE|4784|83-84 Dt 1 12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay,

Date 14-8-1984

(1) Shri Laxmidas Hirji Dama.

(Trans

(2) Smt Prabhadevi Shukla.

(Tran

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JH, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.JYI|37FE|4808|84-85.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3 on the 1st fl. 'Jyoti' Bldg. Plot No. 143 Garodia

Nagar, Bombay-400 77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority.

Competent Authority, Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said p may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within £ of 45 days from the date of publication of thi in the Official Gazette or a period of 30 day the service of notice on the respective persons ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iman property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued her are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as given Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st fl. 'Jyoti' Bldg. Plot No. 143, Nagar, Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the Cor Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/4 it 1-12-1983.

A. PF
Competent At
Inspecting Asstt. Commissioner of Ince
Acquisition Range III, B

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:

Da é : 6-8-1984 Sent : FORM IINS

Bombay on 1-12-1983.

(1) Shri Shivkumar M. Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Rajamma Seshachan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

### GOVERNMENT OF INDIA

DE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 6th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. AR. III 37EE 4983 84-85. -- Whereas, I. ASAD.

Competent Authority under Section 269B of the c-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable iy having a fair market value exceeding Rs. 25,000/earing 12 | Sandhi Nagar Chembur Colony situat-

Bombay-74.

more fully described in the Schedule annexed hereto), en transferred and the agreement is registered under 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office Competent Authority, Bombay on 1-12-1983, apparent consideration which is less than the fair

value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property as aforeacceeds the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the eration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of r with the object of :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion or the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

31C/8, Mahatma Gandhi Nagar, Chembur Colony Bombny-400 074.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4983, 83-84, Date 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following a, namely:-

Date: 6-8-1984

Scal:

#### FORM ITNS——

- (1) Mis Rajashti Builders Pvt. Ltd.
- (Transferee)
- (2) Shri Surendra Kumar Upadhayav.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4897|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 2 Ground Fl. Express View Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 7, S. No. 14-A (P) Swastik Park, Chembru, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Fl. M/8 Express View Co-op. Hsg. Soc. 1.td. plot No. 7, S. No. 14-A (part) Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III|37EE|4897, 83-84. date 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1984

(1) Mr. R. N. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Devka Chemical Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Bombay, the 6th August 1984

BOMBAY

Ref. No. AR.III|37EE|4984|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Industrial Unit No. 4, 2nd fl. Favourite Industrial Estate, Masnui Lane, Kurla (W), Bombay-70,

tand more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 4, 2nd fl. Favourite Industrial Estate, Marnni Lane, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4983, 83-84, Date 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date : 6-8-1984 Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Harish Tejbhan Das Gaba & Others.

('Transferor) (2) Smt. Mayabai Lalchand Khatpal & Ors.

(Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th August 1984

'ef. No. AR III|37EE|4918|84-85.—Whereas, I, PRASAD,

ig the Competent Authority under Section 269B of the e-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the said Act) have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding 25,000- and bearing No. No. 19, Bldg. No. 1, Borla Society, Dr. C. G. Rd. mbur, Bombay-400 074.

I more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office he Competent Authority at

ibay on 1-12-1983. an apparent consideration which is less than the fair tet value of the aforesaid property and I have reason to ve that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more a fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 19, Bldg. No. 1, Borla Society, Dr. C. G. Road, Chembur, Bombay-400074.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4983, 83-84, Date 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the id property by the issue of this notice under subion (1) of Section 269D of the said Act, to the following , namely :-

Date: 6-8-1984

(1) Shri Anil Tujoram Balram.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamed Salim Yusuf Ghatkai.

(Transfer

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4966/84-85.--Whereas,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 213, 2nd fl. 'E' Wing, Vivek Apartment, Kalina Vihar Darshan Co-op. Hsg. Sd Ltd. Vidyanagari Marg.

Kalina Santacruz (E), Bombay.

transfer with the object of :--

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of th Competent Authority at Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days, from the date of publication of this no in the Official Gazette or a period of 30 days for the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 213, 2nd fl. 'E' Wing, Vivek Apartments, 'Y Vihar Darsan Co-op. Hsg. Set. Ltd. Vidyanagr Marg, Kalina, Santacruz (É), Bombay.

The agreement has been registered with the Compe Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4966, 83-84, Date 1-12-1983.

A. PRA: Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range III. Box

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Oate: 6-8-1984

22104

FORM ITNS

(1) Jainex Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Mrs. V. R. Vergis.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR III 37EE 4962 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, first fl. Jainex Apartments, Opp. Vidyanagari P.O., CST Road, Kalina, Santacruz (E), Bombay-98. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-12-1983

at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of :-the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this hotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11, first fl. in Jainex Apartments, Opp. Vidyanagari P.O., CST Road, Kalina, Santacruz (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III 37EF 4962 83-84, dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 6-8-1984

Scal:

### FORM ITNS----

(1) Smt. Radhkarani S. Vanarse.

(Transferor)

(2) Mr. Rajanikant Bhagwant Rele.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4824|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plat No. 17, 3rd II. Plot, No. 73, Gaganatara Co-op, Housing Sct. Ltd. Road, No. 2, Pestom Sagar, G.M. Road Chembur, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomo-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61—246 GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saled Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd fl. Plot No. 73, Gangantara Co-op. Housing Sot. Ltd. Road, No. 2, Pestom Sagar, G.M. Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4824 83-84, dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range III, Bombay

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4988|84-85. --Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs, 25,000]- and bearing No.
Flat No. 3, 2nd fl. 'C' Wing Bldg, No. 6 Damoda: Park,
I.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under and the agreement is registered has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sanjeev Abrol.

(Transferor)

(2) Mr. Premchand Takhatmal Lahroni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3 2nd fl. 'C' Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-400 086,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III 37EE 4988 83-84, dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notics under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1984

### FORM ITNS---

(1) Shri K. R. V. Subramanlan.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Jagjivandas Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4821 84-85. Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000]-

and bearing No. Flat No. 18, First Fl. 'Swagat' Building, Plot No. 181, Gardia

Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-400 077. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the pair cent of such apparent consideration and that the lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 18, First fl. 'Swagat' Building Plot No. 181, Gnodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-400077.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4821 83-84, dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-8 1984

Scal .

(1) Donat Bona Remidece.

(Transferor)

(2) Khushalchand Hiraice Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4765|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Valnai Village, survey No. 26, Hissa No. 9 Malad (W) Bombay situated at Bombay

Rombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 4 Hissa No. 9, Village, Valnal Målad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III 37EE 4765 Authority, Bombay vide serial No. 83-84, dt. 1-12-1983,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-8-1984

### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt Asha G. Ajwam,

(2) M1 Kishore S Shah

(Transferor)

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OLLICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Rel No AR III 37EE 4680 84-85 --- Whereas, I. A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs 25.000 and bearing No Shop No 17, Man Sarovar Apartment 'A' Wing, Malad Bombay 64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

tor an Japarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the core delation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No. 17, "Man Saloval Apartment" 'A' Wing Malad,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. 83-84, Dt. 1-12-1983. AR III 37EE 4680

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 7-8-1984

(1) Shri Thakar W. Nagdev.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Azis Mousa & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4678 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 2, Mansarover Apartment 'A' Wing, Malad, Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of th Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mansarovar Apartment 'A' Wing, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent -Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37EE|4678|83-84, Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 7-8-1984

(1) Mis Allied Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Malati M. Pinge & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4579|84-85.—Whereas, I, RASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

and bearing No.
"Sai Baba Park" Akash Deep Bldg, Flat No. 7, First fl.
With Chowkie, Mare Road. Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IFYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

"Sai Baba Park" Akash Deep Building, Flat No. 7, First fl. Mith Chowkie, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide No. AR,III|37EE|4579|83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 7-8-1984

(1) Arvind Amratlal Bagarla,

(Transferor)

(2) M/s. Fine Arts.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR.III|37FF|4768|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Industrial Shed No. 232 and 233 Sonal Industrial premises Ramchandra Laue Malad (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of th Competent Authority at Bombay on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial shed No. 232 and 233 Malad Sonal Industrial premises Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37EE 4768 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-8-1984

(1) Mr. Chandrakant Maiylal Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arvind Vishwanath Patil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4605 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Plot No. 11-12, Survey No. 480(p) Off Mamletdwadi Extn.
Road, Malad (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms ond expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 11-12, Survey No. 480 part Off Mamletdawadi Extn. Road, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4605 83-84, Dt. 1-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-62-246 GI 84

Date: 14-8-1984

(1) Dr. P. N. Dholakia.

(Transferor)

(2) Mr. P. V. Vatsaraj & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4716|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3, Bldg. No. 2 Maladma Bhagwati Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Malad, S. V. Road, Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 2, Maladma Bhagawati Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Malad. S. V. Road, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4584|83-84 Dt. 1-12-1983.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

(1) Mrs. Sangita Nanikram Khuchandani

(2) Miss Semidha Albuquerque

(Transferce)

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII]37EE|4670|84-85.—Whercas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20A Valnai Village, Off Marve Road, Malad (W), Bombay 400 064.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Handwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A Village Valnai Off Marve Rd, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bomboy vide serial No. AR.III|37EE|4670 83-84 Dt. 1 12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under, subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

Date: 14-8-1984

Scal:

(1) Mr. Moti Thakurdas Bhathija and Ors,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sumitra Devi Mahavir Prasad Jangid & Ors. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Rcf. No. ARIII|37EF|4582|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. M|6, 2nd fl. Bldg. Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. M/6, 2nd fl. Bldg. Haridwar-I Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4582 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

### FORM I.T.N.S. (1) Mr. Jhamumal Tarachand.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan T. Sadnani,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4708|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 35 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. J/7, 2nd fl. Bldg. Hardiwar-I, Flat No. 18, 19, 20-A Village Valnai Off Marve Road, Maled (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. J|7, 2nd fl. Hardiwar Bldg\_plot No. 18, 19, 20-A' Village Valnai, Off Marve Road, (Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4708 83-84 Dt. 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 14-8-1984

Scal:

#### FORM ITNS-(1) Lalit Nagardas Shah

(Transferor)

(2) Arunkumar Bhagwati Prasad Tiberwala.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. ARIII | IV | 37EE | 4661 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 407 on 4th floor, Malad shopping Centre Malad (W) Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given ha that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 407 4th floor, Malad Shopping Centre Malad (W) Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4661 83 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Date: 7-8-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

Shri Mohabatali Noormohamed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. AR.III|37EF|4677|84-85,....Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000 and bearing Flat No. 303, 3rd L. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad

(West), Bombay 400 064. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under seq. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay 400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE|4677 83-84 Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Date: 6-8-1984

### FORM PINS-

- (1) M|s. Gerimal Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Mr. Raju Kishinchand Bachani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ARIII 37EE 4584 84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No. C|22, 2nd Fl. Bldg. Nalanda-I plot No. 32 & 33 Village Valnai Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C|22 2nd fl. Bldg. Nalanda I Plot No. 32 and 33 Village Valnai Qff Marve Rd, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|4716|83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Date: 6-8-1984

(1) M/s. Kamal Trading Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ranibai M. Jadhawani and others. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 3rd August 1984

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. ARIII 37EE 4713 84 85.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shrı Rani Sati Nagar Flat No. 6 1st floor, S. V. Road, Melad (W) Bombay.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Shri Rani Sati Nagar, flat No. 6, Block No. 1 1st floor, S V. Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/4713/83-84

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-8-1984 Scal:

(1) Mls. Nitesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri Venkata R. Sahebdudak,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4641|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 303, 3rd floor, Akashganga Bachani Nagar Rd. Malad (E) Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Akash Ganga Bachani Nagar Rd. Malad (E) Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE|4641] 83-84 Dt. 1-12-83.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following

Date: 4-8-1984

Seal:

persons, namely:-

### FORM I.T.N.S .-

(1) Ms. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

(2) Akhilesh S. Tripathy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 4th August 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4746|84-85.--Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 6, Ground floor, Bldg. No. A-3, Highway View, Scheme at Malad (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Bldg. No. A-3, Highway View, Scheme at Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|4746|83-84, Dt. 1-12-1983.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-8-1984

(1) Ms. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

(2) Dr. Sharadchandra R. Tripathi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th August 1984

Ref. No. AR.IΠ[37ΕΕ]4742[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 3 Ground floor, Bldg. No. A-3 Highway View,

Scheme at Malad (E), Bombay.

64 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saking Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3. Ground floor, Bldg. No. A-3, Highway View, Scheme at Malad (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37EE|4742|83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 4-8-1984 Seal:

SCAL

- (1) Shri Kul Bhushan Kumar Malhotra.
- (2) Shri Jethalal K. Gudka,

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR III)37EE|4745|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 8-A. Jaivikas P. Co Soct. Ltd. 13, Ramchandra Lane Malad (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we have the control of the respective persons. whichever prind expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8-A, Jaivikas P. Co-op Soct. Ltd. Ramchandra I ane Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE 4745 83-84. Dt. 1-12-1983.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1984

(1) Shree Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shi Chintamani Zururam Pande & Ors.
(Transferee)

YATITCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IJI BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR-III|37FE|4621|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No 1 ground fl. 'A' Wing, Shriram Bhawan, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, A Wing, Shriram Bhawan, Opp. Muncipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombaya.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR|III|37EE|4621 83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. 1 nonly initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subjection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR. 111/37EE/4609/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Flat No. 10, A. Bldg. Yojana Apartment, Opp. New Er.1 Talkies, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nalin C. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Amrutlal N. Gohil.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, A. Bldg. 10 Yojana Apartment 'A', 4th floor, Opp. New Era Talkles, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37EE 4609 83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 7-8-1984

Scal:

(1) Mis. Sapan Builders & Others.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmidevi Surendra Podar.

(Transferce)

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref. No. AR.III]37EE|4758|84-85,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing No.

Office No. 1A, Sobhalaxmi Shopping Centre, Quarry Road.

Malad (East), Bombay-64.situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office 1-A, Sobhlaxmi Shopping Centre, Quarry Road, Malad (East), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4758 83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date: 7-8-1984

Scal:

### FORM ITNS----

- (1) Span Builders & others.
- (Transferor
- (2) Mr. Suresh Jamanadas Kakad & others.
  (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th August 1984

Ref. No. ΔR-III|37EE|4757|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Shop No. 8, Sobhalaxmi Shopping Centre, Quarry Road, Malad (East), Bombay-400 064, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 8, Subhlaxmi Shopping Centre, Quarry Road, Malad (East), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIII 37EE 4757 83-84, Dt. 1-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1984

(1) Shri Ram Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Francies Xavior Tavares.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th August 1984

Ref No. AR.111|37EE|4608|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1-1, 2nd fl. Shriram Bhawan, Opp. Municipal Colony, Malwani Marve Road, Malad (W), Bombay-95. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-198 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

dxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. F-1, 2nd fl. Shriram Bhawan, Opp. Municipal Colony, Malwani Marve Road, Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 4605 83-84. Dt. 1-12-1983.

A, PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Date : 7-8-1984

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1984

Ref. No. TR-49|84-85|Sl. No. 910,---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 75-C, situated at Park Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A.C., Calcutta on 28-12-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ruby (Park) Properities Private Ltd.

(Transferor)

(1) Shri Kanan Tandon.

(Transferee)

(1) Hindustan Paper Corpn. Ltd. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 4 on the 11th Floor of the multi-storeyed building, Covered area 1406 sq. ft. at 75-C, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, Vide Deed No. I-17133P Date 28-12-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 16-8-1984

ı		•	
•			
			•
	•		